तृतीय वार्षिक विवरण

२०२१-२२

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश

CIRCULAR RING signifies the Continuity, Consistency and Community Involvement. The Maroon colour represents Ambition & Passion of the members of the Institute.

The **RISING SUN** symbolizes bright future and vital energy as a new era dawns for Medical Innovation through research in all spheres of life and also portrays preservation and nurturing of health. The **12 RAYS OF SUN** are representation of 12 districts of Himachal Pradesh which this institute would serve.

Visuals of Himachal Pradesh are incomplete without **SNOWCLAD MOUNTAINS**, which have become the identity of the State and is reflected in the name too..
The peaks of mountains represents the height of academic and medical care the institute determines to provide.

STAFF OF CADUCEUS, the traditional symbol of Medical Profession
Wings of staff of Caduceus symbolizes freedom of innovation in Medical Education and Research to its faculty and students

The **BOOK** is representation of Learning and Knowledge imparted through this Institute

MOTIF is a unique local social & cultural identity of the Himachal Pradesh, usually seen being used in Himachali Handlooms like Shawls, Caps etc. The intense colours of these portray enthusiasm for life

The local geographical identity of the District Bilaspur is the famous **BHAKRA DAM**, often termed as "Temple of Resurgent India" and huge **GOBIND SAGAR LAKE**. The Dam symbolizes the institute as storehouse of knowledge with ability to harness the potential of intelligence (water) and channelizing the energy of the youth for benefit of the society. The huge Gobind Sagar lake is representation of the vastness of the Medical Knowledge.

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान बिलासपुर
ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES BILASPUR
सर्वे सन्तु निरामयाः

RIBBON signifies Hope and Strength and the Golden Yellow colour potrays optimism. The Sanskrit saying translates into **"LET ALL BE FREE FROM ILLNESS"**

डॉ. मनसुख मांडविया
माननीय केंद्रीय मंत्री
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और रसायन एवं उर्वरक,
भारत सरकार

डॉ. भारती प्रविण पवार
माननीय राज्य मंत्री
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण
भारत सरकार

प्रस्तावना

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), बिलासपुर महत्वाकांक्षी 'प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना' (फेज V) के तहत स्थापित किया गया है, जिसका उद्देश्य देश में तृतीयक स्तर की किफायती एवं विश्वसनीय स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता में असंतुलन को दूर करने के अलावा गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा शिक्षा की सुविधाएं बढ़ाना है।

भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 03 अक्टूबर, 2017 को इस संस्थान की आधारशिला रखी और 21 जनवरी, 2019 को माननीय केंद्रीय मंत्री श्री जे पी नड्डा और हिमाचल प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री जय राम ठाकुर ने भूमि पूजन कर परियोजना का शुभारंभ किया। इस परियोजना को तीन चरणों में विकसित किया जाएगा। वर्तमान में, कोठीपुरा गांव, जिला बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्ग-205 (शिमला-कांगड़ा/शिमला- घुमारवीं सड़क) स्थित लगभग 247 एकड़ भूमि पर पहले चरण का निर्माण कार्य चल रहा है। एम्स, बिलासपुर सभी आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं सहित 15-20 सुपर स्पेशियलिटी विभागों के साथ 750 बिस्तरों वाला अस्पताल होगा।

लक्ष्य वक्तव्य

- चिकित्सा शिक्षा के उच्चतम मानकों का प्रदर्शन करते हुए और प्रशिक्षण और स्वतंत्र सोच को प्रोत्साहित करके उत्कृष्ट स्वास्थ्य शिक्षण केंद्र स्थापित करना।
- बहुआयामी सहयोगी अनुसंधान की सुविधा द्वारा आधुनिक चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में नए आयाम को स्थापित करना ।
- राष्ट्र को और विशेष रूप से हिमाचल प्रदेश के लोगों को व्यापक, उन्नत तृतीयक स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं प्रदान करना।

चिकित्सा महाविद्यालय

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) बिलासपुर में विभिन्न प्रीक्लिनिकल, पैराक्लिनिकल और क्लिनिकल विभागों के लिए भर्ती प्रक्रिया 2019 में, 183 पदों के विज्ञापन के साथ शुरू हुई थी। वर्तमान में 31 मार्च 2022 तक 65 संकाय संस्थान में काम कर रहे हैं। एम्स बिलासपुर के पहले शैक्षणिक सत्र की शुरुआत 11 जनवरी, 2021 को 50 एम.बी.बी.एस छात्रों के साथ हो चुकी है ।

अध्यक्ष का सन्देश

स्वास्थ्य देखभाल के प्रति समग्र दृष्टिकोण पर विशेष ध्यान देने के साथ स्वास्थ्य और कल्याण भारत सरकार के केंद्र बिंदु के क्षेत्र हैं। भारत के विभिन्न राज्यों में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) की स्थापना भारत के निवासियों के लिए गुणवत्तापूर्ण समग्र स्वास्थ्य देखभाल के प्रावधान के प्रति भारत सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। हिमाचल प्रदेश राज्य में एम्स बिलासपुर की स्थापना राज्य के लिए एक वरदान है और इससे राज्य में रोगी देखभाल और चिकित्सा शिक्षा दोनों को बढ़ावा मिलेगा।

वर्तमान में, एम्स बिलासपुर एक नवोदित अवस्था में है और संस्थान ने इस छोटी सी अवधि में जिस तेजी से प्रगति की है, उससे मैं खुश हूं। संस्थान ने ओ.पी.डी. सेवाएं शुरू कर दी हैं और एमबीबीएस छात्रों के दूसरे बैच को दाखिला दे दिया है। एम्स बिलासपुर ने अनुसंधान और समुदाय के प्रति योगदान के क्षेत्र में भी अपनी प्रतिबद्धता दिखाई है और इसके लिए मुझे संस्थान पर गर्व है। संस्थान की प्रगति की निगरानी के लिए मेरे दौरे के दौरान, मैं काम की गति और प्रगति से संतुष्ट था। मैं बुनियादी ढांचे और प्रदान की जा रही सेवाओं में तेजी से प्रगति के लिए एम्स बिलासपुर टीम, विशेष रूप से कार्यकारी निदेशक, डॉ वीर सिंह नेगी की प्रेरणा, दृष्टि और प्रयासों की सराहना करता हूँ। स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम शुरू होने के साथ ही अगले वर्ष के भीतर संस्थान में पूर्ण सेवाएं उपलब्ध हो जाएंगी।

मुझे विश्वास है कि संस्थान तृतीयक देखभाल, चिकित्सा शिक्षा के साथ-साथ अनुसंधान के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाएगा। संस्थान महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना (पी.एम.एस.एस.वाई) के लक्ष्यों की पूर्ति में अपनी भूमिका निभाने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारे देश के तेजी से विकास और विशेष रूप से स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए हमारे माननीय प्रधानमंत्री की दूरदर्शिता और अथक प्रयासों के कारण यह संस्थान उन्नति की और अग्रसर है। हमारे गतिशील प्रधानमंत्री के सक्षम मार्गदर्शन और सभी हितधारकों के प्रयासों और प्रतिबद्धता से संस्थान एक विश्वस्तरीय संस्थान के रूप में विकसित होगा।

मेरी शुभकामनाएं एम्स बिलासपुर परिवार के साथ हैं जो इस संस्थान को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का प्रयास कर रहे हैं।

प्रो. (डॉ) प्रमोद गर्ग
अध्यक्ष, एम्स बिलासपुर

निर्देशक का प्रतिवेदन

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), बिलासपुर (हिमाचल प्रदेश), की परिकल्पना स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएफडब्ल्यू) के तहत स्वायत्त कामकाज के साथ राष्ट्रीय महत्व के संस्थान की देश में सस्ती एवं विश्वसनीय तृतीयक स्तर की स्वास्थ्य देखभाल की उपलब्धता में असंतुलन को ठीक करने के उद्देश्य से 'प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना (पीएमएसएसवाई)' के चरण V के तहत की गई थी।

संस्थान ने 03 अक्टूबर, 2017 को भारत के माननीय प्रधानमंत्री द्वारा आधारशिला रखने के साथ अपनी यात्रा शुरू की, और तब से कोविड-19 महामारी जैसी विभिन्न बाधाओं के बावजूद महत्वपूर्ण प्रगति की ओर अग्रसर है। अब संस्थान रोगी देखभाल सेवाएं, दो एमबीबीएस बैचों का दाखिला, अनुसंधान में सक्रियता, और समुदाय की स्वास्थ्य स्थिति में सुधार जैसी दिशाओं में प्रगतिशील है । वर्ष 2021-2022 में इस संस्थान की प्रगति को प्रस्तुत करना मेरे लिए गर्व की बात है।

रोगी की देखभाल:

गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा का प्रावधान एम्स बिलासपुर का प्राथमिक लक्ष्य है। कोविड महामारी के दौर में बुनियादी ढांचे के पूरा होने की प्रतीक्षा करते हुए, एम्स बिलासपुर ने रोगी देखभाल सेवाएं प्रदान करने के लिए नवीन रास्तों की तलाश की और उनका सहारा लिया। इनमें से पहला ई-संजीवनी प्लेटफॉर्म के माध्यम से टेली-परामर्श सेवाएं शुरू करना था। दूसरा उपाय क्षेत्रीय अस्पताल, बिलासपुर के माध्यम से ओपीडी और रेडियोलॉजी सेवाएं प्रदान करना था। क्षेत्रीय अस्पताल बिलासपुर में ओपीडी परामर्श के माध्यम से 14,521 रोगियों और रेडियोलॉजिकल जांच के माध्यम से 1358 रोगियों को सेवा प्रदान कर लाभान्वित किया। इसके पश्चात एम्स बिलासपुर के परिसर के भीतर ओपीडी सेवाएं अस्थायी रूप से आयुष ब्लॉक में प्रदान की गई, जिसका उद्घाटन 5 दिसंबर 2021 को माननीय केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री डॉ मनसुख मांडवीया द्वारा किया गया । 19 स्पेशियलिटी और सुपर-स्पेशलिटी विभागों, डे-केयर और माइनर ओटी सेवाओं के लिए ओपीडी सेवाएं शुरू की गईं। इसके साथ अमृत फार्मेसी के माध्यम से सस्ती दवाइयाँ उपलब्ध कराई गई हैं।

शिक्षण और प्रशिक्षण:

एम्स बिलासपुर छात्रों की गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य देखभाल के क्षेत्रों में कौशल उन्नयन शिक्षण के लिए प्रतिबद्ध है। संस्थान ने फरवरी 2022 में 50 एमबीबीएस छात्रों को अपने दूसरे बैच में प्रवेश दिया था। इन छात्रों में चिकित्सा पेशे की नैतिकता और लोकाचार को विकसित करने के लिए, 28 मार्च, 2022 को चरक और शपथ समारोह आयोजित किया गया था। संस्थान में छात्रों को शिक्षण के आधुनिक तरीकों का उपयोग करके पढ़ाया जाएगा; जिसमें अत्याधुनिक अनुरूपण और कौशल प्रयोगशाला का प्रशिक्षण शामिल है। संस्थान संकाय एवं छात्रों के कौशल के निरंतर उन्नयन को सक्रिय रूप से बढ़ावा दे रहा है, और इस उद्देश्य के साथ विभिन्न कार्यशालाएं आयोजित की गई हैं। चिकित्सा शिक्षा इकाई (एमईयू) और कर्मचारी विकास इकाई (एसडीयू) ने इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कोविड-19 महामारी के दौरान बढ़ी हुई आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए स्वास्थ्य कर्मियों की विभिन्न श्रेणियों के लिए आपातकालीन पुनर्जीवन, सीपीआर और मैकेनिकल वेंटिलेशन के विशेष प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए गए हैं ।

शोध:

संस्थान समुदाय के लाभ के लिए अनुसंधान और नवाचार में सक्रिय रूप से शामिल है। एम्स बिलासपुर रोगी देखभाल के लिए नवीन और मितव्ययी स्वास्थ्य देखभाल प्रौद्योगिकियों को विकसित करने के लिए विभिन्न तकनीकी और अनुसंधान संस्थानों के साथ सहयोग कर रहा है। रोगी केंद्रित अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए आईआईटी मंडी, आईसीएमआर सीआईबायोड और विकलांग व्यक्तियों के कौशल विकास, पुनर्वास और सशक्तिकरण के लिए समग्र क्षेत्रीय केंद्र (सीआरसी) और दृष्टि-विकलांग सशक्तिकरण राष्ट्रीय संस्थान (एनआईईपीवीडी) के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

सामुदायिक जुड़ाव:

एम्स बिलासपुर सामुदायिक स्वास्थ्य सुधार के लिए प्रतिबद्ध है। संस्थान ने समुदाय में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया है, जिसमें विशिष्ट बीमारियों को लक्षित करने वाले शैक्षणिक कार्यक्रम और बीमारियों की जांच और उपचार के लिए मल्टीस्पेशलिटी चिकित्सा शिविर शामिल हैं।

एम्स बिलासपुर ने समुद्र तल से लगभग 12,500 फीट की ऊंचाई पर स्थित लाहौल और स्पीति में काजा जैसे आदिवासी और उच्च ऊंचाई वाले क्षेत्रों में मल्टी-स्पेशियलिटी स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए हैं।

ओपीडी के साथ-साथ माइनर ओटी सेवाएं प्रदान की गईं, और स्वास्थ्य कर्मियों को संक्रमण नियंत्रण प्रथाओं के बारे में अवगत कराया गया।

एम्स बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश के कठिन और उच्च ऊंचाई वाले क्षेत्रों में चिकित्सा सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार के लिए प्रतिबद्ध है। इसे ध्यान में रखते हुए, चिकित्सा दूर-दराज शिविरों और अनुसंधान गतिविधियों के संचालन के लिए चंबा व लाहौल और स्पीति जिलों के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

टेलीहेल्थ कार्यक्रम:

टेलीहेल्थ, डिजिटल सूचना और संचार प्रौद्योगिकियों द्वारा प्रदान किया गया एक वरदान है जो रोगियों के दरवाजे तक पहुंच कर स्वास्थ्य सुविधाओं को प्रदान करता है। संस्थान का टेलीहेल्थ कार्यक्रम हिमाचल प्रदेश के दुर्गम और दूर-दराज के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए विशेष रूप से फायदेमंद होगा।

संस्थान ने सेंटर-फॉर-डिजिटल-हेल्थ की स्थापना की है जिसके तहत से 21 मई, 2021, ई-संजीवनी प्लेटफॉर्म द्वारा टेलीकंसल्टेशन सेवाएं प्रदान करना शुरू कर दिया। इसके अलावा संस्थान टाटा ग्लोहील प्लेटफार्म पर अवाहदेवी (हमीरपुर) और थुनाग (मंडी) के दूर-दराज के क्षेत्रों में भी टेलीकंसल्टेशन सेवाएँ प्रदान करता हैं।

कर्मचारियों की भर्ती:

कर्मचारी भर्ती एक सतत प्रक्रिया है जो संस्थान में सेवाओं के विस्तार के साथ बढ़ी हुई आवश्यकताओं को पूरा करती है। चिकित्सा संकाय और नर्सिंग संकाय के लिए भर्ती प्रक्रिया चल रही है । स्टाफ नर्सों के पहले बैच की भर्ती हो चुकी है। इनडोर सेवाओं की शुरुआत की तैयारियों के लिए, सीनियर और जूनियर रेजिडेंट डॉक्टरों की भर्ती प्रक्रिया जारी है। आउट-सोर्स सुरक्षा और स्वच्छता सेवाओं के लिए निविदा प्रक्रिया भी चल रही है।

भविष्य की योजनाएं:

एम्स बिलासपुर, पूर्ण स्थापना के बाद, 64 आईसीयू बेड, 20 मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर, सीटी, एमआरआई, डिजिटल रेडियोग्राफी, कैथ लैब और डायलिसिस सुविधाओं जैसी उन्नत तृतीयक देखभाल सुविधाओं से युक्त संस्थान होगा। आने वाले समय में ट्रॉमा सेवाओं की स्थापना प्राथमिकता होगी। भविष्य में हेली-टैक्सी सेवाओं के साथ एक "उन्नत ट्रॉमा सेंटर" और बहु-अंग प्रत्यारोपण सुविधा भी प्रस्तावित है।

संस्थान एक छत के नीचे उपलब्ध एलोपैथी, आयुर्वेद, यूनानी, होम्योपैथी और योग थेरेपी द्वारा एकीकृत समग्र स्वास्थ्य सेवायें प्रदान करेगा, जिसके लिए 30 बेड क्षमता का एक आयुष ब्लॉक और एक हर्बल गार्डन स्थापित किया गया है।

स्वास्थ्य सेवाओं में नवाचार एम्स बिलासपुर के लिए एक शोध प्राथमिकता है और हम आईआईटी मंडी के सहयोग से अस्पताल नेविगेशन सिस्टम, बायोनिक आई और कृत्रिम नाक जैसी मितव्ययी स्वास्थ्य प्रौद्योगिकियों को विकसित करने की दिशा में कार्यरत हैं।

एम्स बिलासपुर हिमाचल प्रदेश के उच्च तुंगता वाले क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा में सुधार के लिए प्रतिबद्ध है और इसके लिए उच्च ऊंचाई वाले चिकित्सा केंद्र और ग्रामीण, व्यावसायिक और पर्यावरण स्वास्थ्य केंद्र (किसान स्वास्थ्य केंद्र) विकसित करने की योजना है।

सारांश

एम्स बिलासपुर प्रगति की ओर अग्रसर एक स्वास्थ्य शिक्षा संस्थान है। इसके उत्तम विकास के लिए एम्स परिवार के सभी सदस्यों की ओर अधिकतर प्रयास की आवश्यकता है। अपनी स्थापना के बाद से बहुत कम समय में इस संस्थान की प्रगति को देखना खुशी की बात है।

संस्थान चिकित्सा देखभाल, स्वास्थ्य शिक्षा और अनुसंधान के लिए उत्कृष्टता के केंद्र के रूप में खुद को स्थापित करने के अपने प्रयासों को जारी रखेगा।

सर्वे सन्तु निरामया।

प्रो. (डॉ) वीर सिंह नेगी
कार्यकारी निदेशक, एम्स बिलासपुर

विषय सूचि

क्र. संख्या	शीर्षक	पृष्ठ संख्या
I	**संस्थान एवं समितियां**	XI
II	**माननीय अतिथि**	1
III	**आधारभूत संरचना**	3
IV	**भर्ती अनुभाग**	9
V	**परीक्षा अनुभाग**	12
VI	**क़ानूनी खंड**	14
VII	**नैदानिक सेवाएं**	
1.	सेंटर फॉर डिजिटल हेल्थ	17
2.	चिकित्सा सेवाएं	21
3.	क्षेत्रीय अस्पताल	22
4.	कोविड टीकाकरण	23
5.	नैदानिक सेवाएं	25
6.	एम्बुलेंस सेवाएं	28
7.	औषधशाला	29
8.	सी एस एस डी एवं लांड्री	30
9.	उपचर्या कर्मचारियों का योगदान	31
VIII	**शैक्षणिक कार्यक्रम**	33
1.	मेंटरशिप प्रोग्राम	34
2.	शैक्षणिक गतिविधियां	35
3.	सतत प्रोफेशनल विकास	41
IX	**अनुसंधान**	45
1.	संस्थागत आचारनीति समिति (Ethics Committee)	47
X	**विभागीय वार्षिक रिपोर्ट**	
1	सवेंदनाहरण विज्ञान विभाग	51
2.	शरीर रचना विज्ञान विभाग	55
3.	जीव रसायन विज्ञान विभाग	58
4.	बर्न एवं प्लास्टिक शल्य चिकित्सा विभाग	65
5.	हृदय वक्ष संवहिनी शल्य चिकित्सा विभाग	66

6.	सामुदायिक एवं परिवार चिकित्सा विज्ञान विभाग	70
7.	दन्तरोग विज्ञान विभाग	77
8.	त्वचाविज्ञान, रतिजरोग और कुष्ठरोग विभाग	81
9.	अंतस्रावी, मधुमेह, उपापचय विज्ञान विभाग	86
10.	कर्णनासाकंठ विज्ञान एवं हेड-नेक सर्जरी विभाग	88
11.	फोरेंसिक एवं विष विज्ञान विभाग	95
12.	सामान्य चिकित्सा विभाग	99
13.	सामान्य शल्य चिकित्सा विभाग	104
14.	अस्पताल प्रशासन विभाग	107
15.	सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग	112
16.	नवजात शिशुरोग विज्ञान विभाग	123
17.	वृक्क रोग विज्ञान विभाग	127
18.	तंत्रिका विज्ञान विभाग	131
19.	प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग	137
20.	नेत्र विज्ञान विभाग	147
21.	अस्थिरोग विभाग	150
22.	विकृति विज्ञान विभाग	151
23.	बालरोग विज्ञान विभाग	153
24.	बालरोग शल्य चिकित्सा विभाग	157
25.	भेषजगुण विज्ञान विभाग	158
26.	शरीर क्रिया विज्ञान विभाग	162
27.	मनोश्चिकित्सा विभाग	170
28.	विकिरण निदान विभाग	172
29.	विकिरण चिकित्सा विभाग	174
30.	सर्जिकल ऑन्कोलॉजी विभाग	176
31.	रक्तआधान औषधि एवं रक्त कोष विभाग	180
XI	**सामुदायिक गतिविधियां**	181
XII	**केंद्रीय सुविधायें**	189
XIII	**प्रेस और मीडिया**	193
XIV	**२०२१-२२ वित्तीय वर्ष वार्षिक लेखा रिपोर्ट**	199

संस्थान निकाय

संख्या	सदस्यों के नाम		पद
1.	**प्रो. (डॉ) प्रमोद गर्ग** कार्यकारी निदेशक, अनुवाद स्वास्थ्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान, फरीदाबाद प्राध्यापक, जठरांत्ररोगविज्ञान, एम्स, नई दिल्ली पूर्व सहयोगी संकाय अध्यक्ष (अनुसंधान), एम्स, नई दिल्ली		अध्यक्ष
2.	**श्री सुरेश कश्यप** संसद सदस्य - लोक सभा		सदस्य
3.	**श्री अनिल बलूनी** संसद सदस्य - राज्य सभा		सदस्य
4.	**श्री रतन लाल कटारिया** संसद सदस्य - लोक सभा	25/02/22 उपरांत	सदस्य
5.	**प्रो. (डॉ.) एस.पी. बंसल** कुलपति, हिमाचल प्रदेश प्रौद्यागिकी विश्वविद्यालय, हमीरपुर		सदस्य
6.	**डॉ सुनील कुमार** स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार		सदस्य
7.	**डॉ. डी. स. गंगवार** अपर सचिव और वित्तीय सलाहकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार	05/12/2021 तक	सदस्य
	श्री आशीष श्रीवास्तव अपर सचिव और वित्तीय सलाहकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार	19/01/2022 उपरांत	
8.	**श्री अनिल कुमार खाची** मुख्य सचिव, हिमाचल प्रदेश सरकार	04/08/2021 तक	सदस्य
	श्री राम सुभाग सिंह मुख्य सचिव, हिमाचल प्रदेश सरकार	05/08/2021 उपरांत	
9.	**प्रो. गंगाधर** महासचिव (पूर्व), भारतीय विज्ञान कांग्रेस संघ		सदस्य
10.	**प्रो. अरविंद राजवंशी** निदेशक, एम्स रायबरेली		सदस्य
11.	**डॉ. अजय दुसेजा** प्राध्यापक, हेपटोलॉजी पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़		सदस्य
12.	**डॉ. आदर्श चौधरी** अध्यक्ष, जी. आय. सर्जरी, मेदांता इंस्टिट्यूट ऑफ़ डाइजेस्टिव एंड हेपटोबिलियरी सांईसेज, गुरुग्राम, हरियाणा		सदस्य
13.	**डॉ. अक्षय चंद्र धारीवाल** सलाहकार, राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम, दिल्ली		सदस्य
14.	**प्रो. पीयूष साहनी** प्राध्यापक एवं अध्यक्ष, जी. आय. सर्जरी, एम्स, नई दिल्ली		सदस्य
15.	**प्रो. अजीत कुमार चतुर्वेदी** निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मंडी	18/01/2022 तक	पदेन सदस्य
	प्रो. लक्ष्मीधर बेहरा निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मंडी	19/01/2022 उपरांत	
16.	**प्रो (डॉ) वीर सिंह नेगी** कार्यकारी निदेशक, एम्स बिलासपुर		सदस्य सचिव

शासी निकाय

संख्या	सदस्यों के नाम		पद
1.	**प्रो. (डॉ) प्रमोद गर्ग** कार्यकारी निदेशक, अनुवाद स्वास्थ्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान, फरीदाबाद प्राध्यापक, जठरांत्ररोगविज्ञान, एम्स, नई दिल्ली पूर्व सहयोगी संकाय अध्यक्ष (अनुसंधान), एम्स, नई दिल्ली		अध्यक्ष
2.	**श्री सुरेश कश्यप** संसद सदस्य - लोक सभा		सदस्य
3.	**श्री राजेश भूषण** सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार		सदस्य
4.	**डॉ सुनील कुमार** स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार		पदेन सदस्य
5.	**डॉ. डी. स. गंगवार** अपर सचिव और वित्तीय सलाहकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार	05/12/2021 तक	सदस्य
	श्री आशीष श्रीवास्तव अपर सचिव और वित्तीय सलाहकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार	19/01/2022 उपरांत	
6.	**प्रो. अरविंद राजवंशी** निदेशक, एम्स रायबरेली		सदस्य
7.	**प्रो. पीयूष साहनी** प्राध्यापक एवं अध्यक्ष, जी. आय. सर्जरी, एम्स, नई दिल्ली		सदस्य
8.	**श्री अनिल कुमार खाची** मुख्य सचिव, हिमाचल प्रदेश सरकार	04/08/2021 तक	सदस्य
	श्री राम सुभाग सिंह मुख्य सचिव, हिमाचल प्रदेश सरकार	05/08/2021 उपरांत	
9.	**डॉ. आदर्श चौधरी** अध्यक्ष, जी. आय. सर्जरी, मेदांता इंस्टिट्यूट ऑफ़ डाइजेस्टिव एंड हेपटोबिलियरी सांईसेज, गुरुग्राम, हरियाणा		सदस्य
10.	**डॉ. अजय दुसेजा** प्राध्यापक, हेपटोलॉजी पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़		सदस्य
11.	**प्रो (डॉ) वीर सिंह नेगी** कार्यकारी निदेशक, एम्स बिलासपुर		सदस्य सचिव

स्थायी वित्त समिति

संख्या	सदस्यों के नाम		पद
1.	**श्री राजेश भूषण** सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार		अध्यक्ष
2.	संसद सदस्य		उप-अध्यक्ष (रिक्त)
3.	**डॉ सुनील कुमार** स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार		सदस्य
4.	**प्रो. पीयूष साहनी** प्राध्यापक एवं अध्यक्ष, जी. आय. सर्जरी, एम्स, नई दिल्ली		सदस्य
5.	**डॉ. डी. स. गंगवार** अपर सचिव और वित्तीय सलाहकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार	05/12/2021 तक	सदस्य
	श्री आशीष श्रीवास्तव अपर सचिव और वित्तीय सलाहकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार	19/01/2022 उपरांत	
6.	**प्रो. (डॉ.) एस.पी. बंसल** कुलपति, हिमाचल प्रदेश प्रौद्यागिकी विश्वविद्यालय, हमीरपुर		सदस्य
7.	**प्रो. अरविंद राजवंशी** निदेशक, एम्स रायबरेली		सदस्य
8.	**डॉ. अक्षय चंदर धारीवाल** सलाहकार, राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम, दिल्ली		सदस्य
9.	**प्रो (डॉ) वीर सिंह नेगी** कार्यकारी निदेशक, एम्स बिलासपुर		सदस्य सचिव

स्थायी चयन समिति

संख्या	सदस्यों के नाम	पद
1.	**प्रो. पीयूष साहनी** प्राध्यापक एवं अध्यक्ष, जी. आय. सर्जरी, एम्स, नई दिल्ली	अध्यक्ष
2.	**प्रो. अरविंद राजवंशी** निदेशक, एम्स रायबरेली	उप-अध्यक्ष
3.	**डॉ. सुनील कुमार** स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार	सदस्य
4.	**डॉ. आदर्श चौधरी** अध्यक्ष, जी. आय. सर्जरी, मेदांता इंस्टिट्यूट ऑफ़ डाइजेस्टिव एंड हेपटोबिलियरी सांईसेज, गुरुग्राम, हरियाणा	सदस्य
5.	**प्रो. (डॉ.) एस.पी. बंसल** कुलपति, हिमाचल प्रदेश प्रौद्यागिकी विश्वविद्यालय, हमीरपुर	सदस्य
6.	**प्रो. गंगाधर** महा सचिव (पूर्व), भारतीय विज्ञान कांग्रेस संघ	सदस्य
7.	**डॉ. अजय दुसेजा** प्राध्यापक, हेपटोलॉजी पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़	सदस्य
8.	**डॉ. अक्षय चंदर धारीवाल** सलाहकार, राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम, दिल्ली	सदस्य
9.	**प्रो. (डॉ) वीर सिंह नेगी** कार्यकारी निदेशक, एम्स बिलासपुर	सदस्य सचिव

स्थायी शैक्षणिक समिति

संख्या	सदस्यों के नाम	पद
1.	**प्रो. अरविंद राजवंशी** निदेशक, एम्स रायबरेली	अध्यक्ष
2.	**प्रो. पीयूष साहनी** प्राध्यापक एवं अध्यक्ष, जी. आय. सर्जरी, एम्स, नई दिल्ली	उप-अध्यक्ष
3.	**श्री अनिल बलूनी** संसद सदस्य - राज्य सभा	सदस्य
4.	**डॉ. सुनील कुमार** स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार	सदस्य
5.	**प्रो. (डॉ.) एस.पी. बंसल** कुलपति, हिमाचल प्रदेश प्रौद्यागिकी विश्वविद्यालय, हमीरपुर	सदस्य
6.	**डॉ. अजय दुसेजा** प्राध्यापक, हेपटोलॉजी पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़	सदस्य
7.	**डॉ. अक्षय चंदर धारीवाल** सलाहकार, राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम, दिल्ली	सदस्य
8.	**प्रो. गंगाधर** महा सचिव (पूर्व), भारतीय विज्ञान कांग्रेस संघ	सदस्य
9.	**प्रो. (डॉ) वीर सिंह नेगी** कार्यकारी निदेशक, एम्स बिलासपुर	सदस्य सचिव

स्थायी संपदा समिति

संख्या	सदस्यों के नाम		पद
1.	**श्री सुरेश कश्यप** संसद सदस्य - लोक सभा		अध्यक्ष
2.	**डॉ. डी. स. गंगवार** अपर सचिव और वित्तीय सलाहकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार	05/12/2021 तक	उप-अध्यक्ष
	श्री आशीष श्रीवास्तव अपर सचिव और वित्तीय सलाहकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार	19/01/2022 उपरांत	
3.	**डॉ. अक्षय चंदर धारीवाल** सलाहकार, राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम, दिल्ली		सदस्य
4.	**श्री अनिल कुमार खाची** मुख्य सचिव, हिमाचल प्रदेश सरकार	04/08/2021 तक	सदस्य
	श्री राम सुभाग सिंह मुख्य सचिव, हिमाचल प्रदेश सरकार	05/08/2021 उपरांत	
5.	**प्रो. अरविंद राजवंशी** निदेशक, एम्स रायबरेली		सदस्य
6.	**प्रो. (डॉ.) एस.पी. बंसल** कुलपति, हिमाचल प्रदेश प्रौद्यागिकी विश्वविद्यालय, हमीरपुर		सदस्य
7.	**डॉ. अजय दुसेजा** प्राध्यापक, हेपटोलॉजी पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़		सदस्य
8.	**प्रो. पीयूष साहनी** प्राध्यापक एवं अध्यक्ष, जी. आय. सर्जरी, एम्स, नई दिल्ली		सदस्य
9.	**प्रो. (डॉ) वीर सिंह नेगी** कार्यकारी निदेशक, एम्स बिलासपुर		सदस्य सचिव

प्रशासन

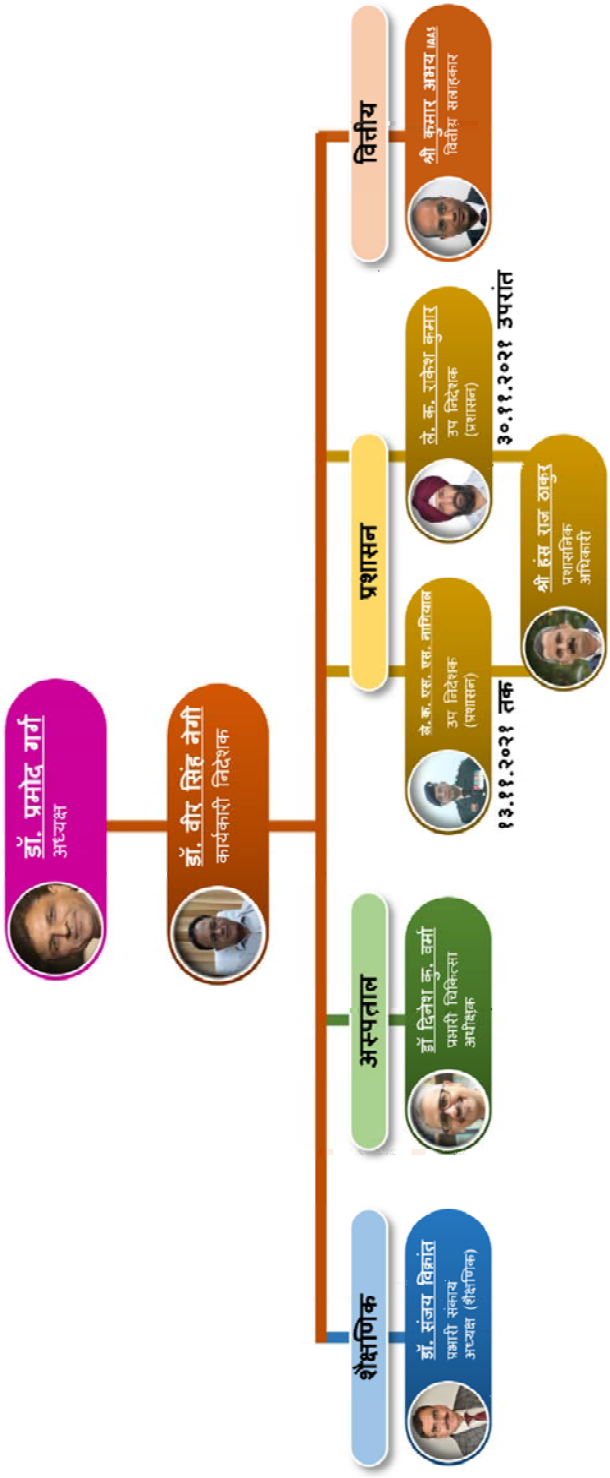
डॉ. प्रमोद गर्ग
अध्यक्ष
डॉ. वीर सिंह नेगी
कार्यकारी निदेशक
वित्तीय
श्री कुमार अभय IAAS
वित्तीय सलाहकार
प्रशासन
ले. क. राकेश कुमार
उप निदेशक (प्रशासन)
30.11.2021 उपरांत
श्री हंस राज ठाकुर
प्रशासनिक अधिकारी
ले. क. एस. एस. नगियाल
उप निदेशक (प्रशासन)
13.11.2021 तक
अस्पताल
डॉ. दिनेश कु. शर्मा
प्रभारी चिकित्सा अधीक्षक
शैक्षणिक
डॉ. संजय विक्रांत
प्रभारी संकाय अध्यक्ष (शैक्षणिक)

माननीय अतिथि

५ दिसंबर २०२१ को एम्स बिलासपुर में
माननीय अतिथियों का दौरा

प्रख्यात आगंतुक

- माननीय भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष, श्री जे पी नड्डा ने 5 दिसंबर, 2021 को एम्स, बिलासपुर के आयुष ब्लॉक में ओपीडी सेवाओं के उद्घाटन और हिमाचल प्रदेश की उपलब्धि को चिह्नित करने के लिए माननीय केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री, श्री मनसुख मंडाविया का स्वागत किया। हिमाचल प्रदेश कोविड-19 के खिलाफ अपनी 100% वयस्क आबादी का पूरी तरह से टीकाकरण करने वाला पहला राज्य बन गया है। माननीय केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्री, श्री अनुराग ठाकुर के साथ हिमाचल प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री, श्री जय राम ठाकुर ने अपनी उपस्थिति से इस अवसर की शोभा बढ़ाई। ओपीडी परामर्श का लाभ उठाने वाली पहली मरीज कुल्लू जिले की रहने वाली सुश्री रेखा थीं। इस कार्यक्रम ने एम्स, बिलासपुर में विभिन्न स्पेशियलिटी और सुपर-स्पेशलिटी विभागों की ओपीडी सेवाओं की शुरुआत को चिह्नित किया, अर्थात् कार्डियोथोरेसिक सर्जरी, त्वचाविज्ञान, एंडोक्रिनोलॉजी, जनरल मेडिसिन, जनरल सर्जरी, नियोनेटोलॉजी, नेफ्रोलॉजी, न्यूरोलॉजी, प्रसूति और स्त्री रोग, नेत्र विज्ञान, आर्थोपेडिक्स, ओटो -राइनो-लैरींगोलॉजी और हेड एंड नेक सर्जरी, पीडियाट्रिक्स, पीडियाट्रिक सर्जरी, प्लास्टिक सर्जरी, साइकियाट्री, रेडिएशन ऑन्कोलॉजी और सर्जिकल ऑन्कोलॉजी।
- हिमाचल प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री, श्री जय राम ठाकुर ने संस्थान की चल रही प्रगति की समीक्षा करने के लिए 7 सितंबर, 2021 को एम्स, बिलासपुर का दौरा किया और परिकल्पना की कि संस्थान जल्द ही जनता को पूर्ण गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं प्रदान करना शुरू कर देगा।
- हिमाचल प्रदेश के माननीय ऊर्जा मंत्री श्री सुख राम ने भी 11 सितंबर, 2021 को एम्स, बिलासपुर का दौरा किया।
- श्री राजेश भूषण, सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, भारत सरकार और श्री सुभाषीश पांडा, सचिव, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग, भारत सरकार ने परियोजना विकास की प्रगति का आकलन करने के लिए 23 फरवरी 2022 को एम्स, बिलासपुर का दौरा किया और अपने बहुमूल्य सुझाव दिए।

आधारभूत संचरना

निर्माण प्रगति

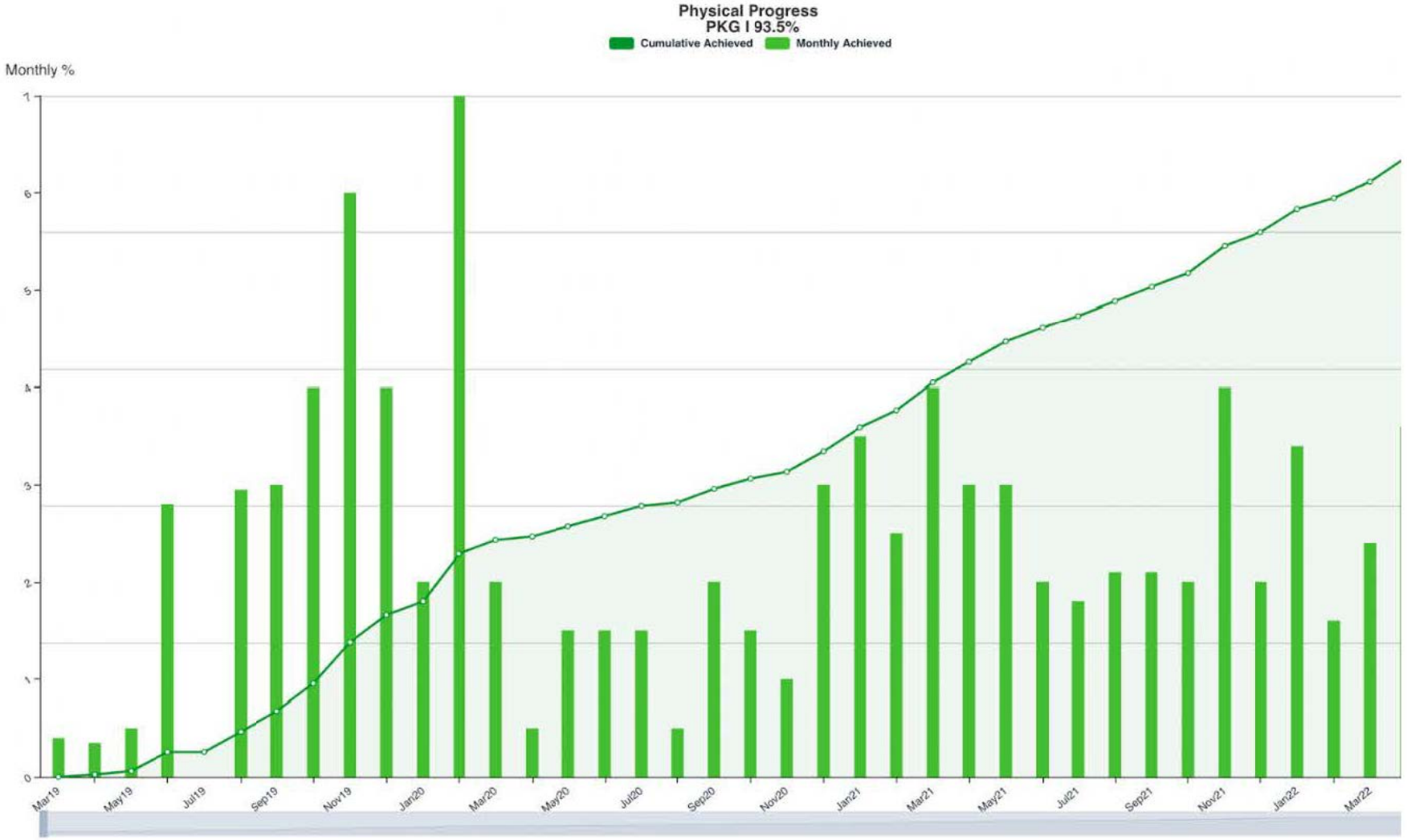
Physical Progress
PKG I 93.5%
Cumulative Achieved
Monthly Achieved
Monthly %
0
1
2
3
4
5
6
7
Mar19
May19
Jul19
Sep19
Nov19
Jan20
Mar20
May20
Jul20
Sep20
Nov20
Jan21
Mar21
May21
Jul21
Sep21
Nov21
Jan22
Mar22

निर्माण प्रगति

2021-22 से पहले अधिग्रहीत भवन

क्र.सं	काम की संभावना	विन्यास	निर्मित क्षेत्र (एसक्यूएम)	भौतिक प्रगति
1	आयुष भवन	भू +1	2870	ओपीडी ब्लॉक (अस्थायी) के रूप में उपयोग किया जा रहा है
2	टाइप II हाउसिंग ब्लॉक -बी1, बी3 (3 में से कुल 2)	भू +8	8577	संकाय आवास के लिए उपयोग किया जा रहा है
3	पीजी बॉयज छात्रावास डी1ए	भू +7	5919	छात्र छात्रावास और संकाय कार्यालयों के रूप में उपयोग किया जा रहा है
4	पीजी मैरिड छात्रावास डी 3 ए	भू +6	2525	एनबीसीसी से लिया गया
5	रैन बसेरा और सुविधाएं	भू +1	2025	अस्थाई मेडिकल कॉलेज भवन व एडमिन ब्लॉक के रूप में उपयोग किया जा रहा है।
6.	डाइनिंग ब्लॉक ए	भू	1300	छात्रों के लिए भोजनालय के रूप में उपयोग किया जा रहा है।

2021-22 में अधिग्रहीत भवन

क्र.सं	काम की संभावना	विन्यास	निर्मित क्षेत्र (एसक्यूएम)	भौतिक प्रगति
1.	यूजी गर्ल्स छात्रावास	भू +3	2041	यूजी बॉयज छात्रावास के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है
2.	पीजी गर्ल्स छात्रावास डी 2 ए	भू +6	4617	नर्सों के लिए अस्थायी आवास के रूप में उपयोग किया जा रहा है
3.	निदेशक निवास	भू +2	500	कार्यकारी निदेशक के आवास के रूप में प्रयुक्त

निर्माणाधीन भवन

क्र.सं	काम की संभावना	विन्यास	निर्मित क्षेत्र (एसक्यूएम)
1.	धोबीघर और अपशिष्ट प्रबंधन सेवाओं सहित अस्पताल ब्लॉक	भू +6	74038
2.	मेडिकल और एडमिन ब्लॉक	एस+6+5	23350
3.	ऑडिटोरियम	भू +2	2850
4.	टाइप V आवास	भू +10	3916
5.	टाइप IV आवास	भू +10	3064
6.	टाइप III आवास	भू +4	1170
7.	टाइप II आवास (3 ब्लॉक)	भू +8	8577
8.	क्लब और अतिथि गृह	भू +3	1140
9.	यूजी बॉयज छात्रावास	भू +6	3916
10.	पीजी बॉयज डी1ए	भू +7	5919
11.	पीजी बॉयज डी1बी	भू +6	4814
12.	पीजी विवाहित डी3बी	भू +6	2604
13.	नर्स छात्रावास	भू +7	6075
14.	डाइनिंग ब्लॉक बी	भू +1	1300
15.	क्रय-विक्रय परिसर	भू	200
16.	कार पार्क सेवा क्षेत्र	-	7500

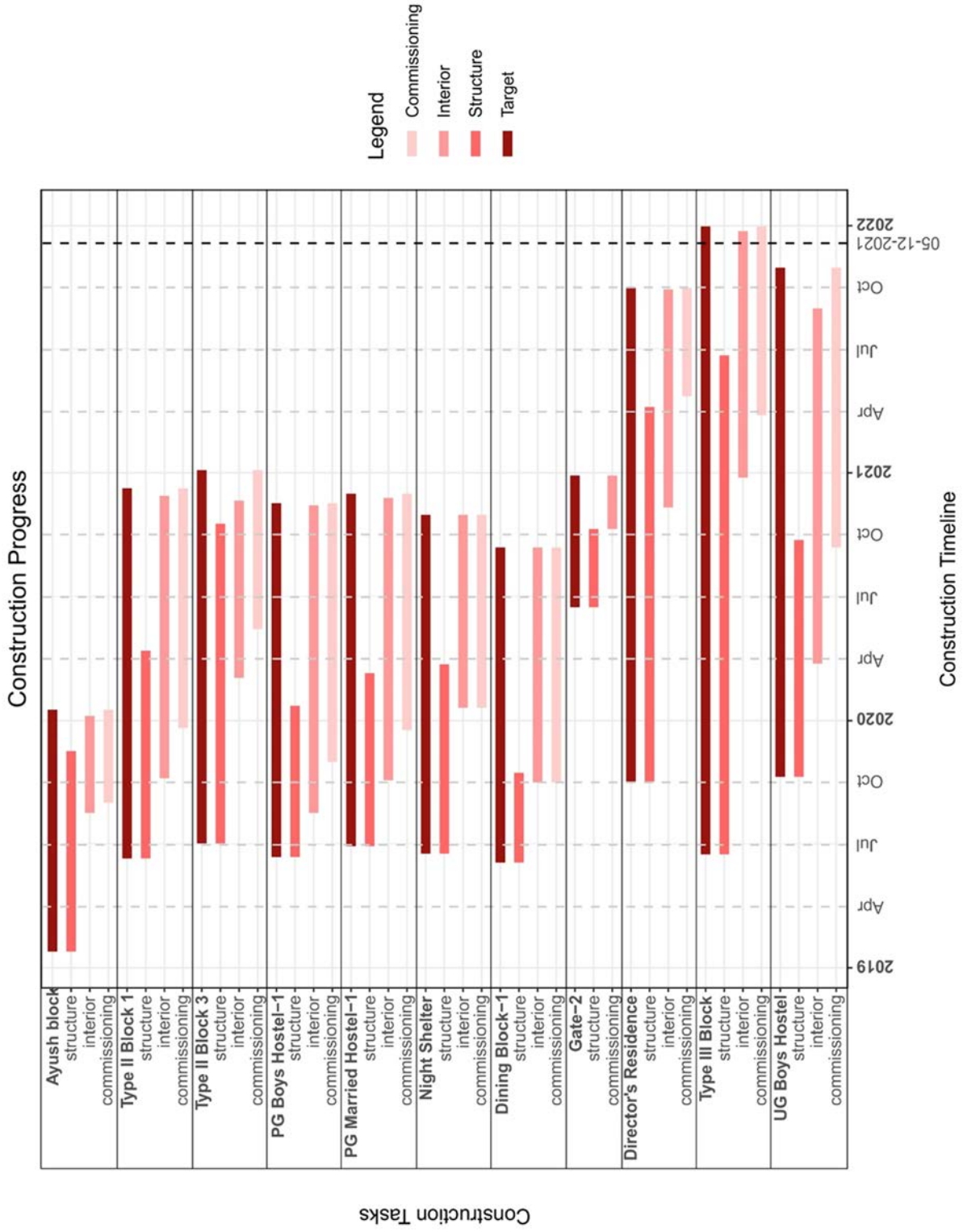
Legend
Commissioning
Interior
Structure
Target
Construction Progress
Construction Timeline
Construction Tasks
Ayush block
structure
interior
commissioning
Type II Block 1
structure
interior
commissioning
Type II Block 3
structure
interior
commissioning
PG Boys Hostel−1
structure
interior
commissioning
PG Married Hostel−1
structure
interior
commissioning
Night Shelter
structure
interior
commissioning
Dining Block−1
structure
interior
commissioning
Gate−2
structure
commissioning
Director's Residence
structure
interior
commissioning
Type III Block
structure
interior
commissioning
UG Boys Hostel
structure
interior
commissioning
2019
Apr
Jul
Oct
2020
Apr
Jul
Oct
2021
Apr
Jul
Oct
05-12-2021
2022

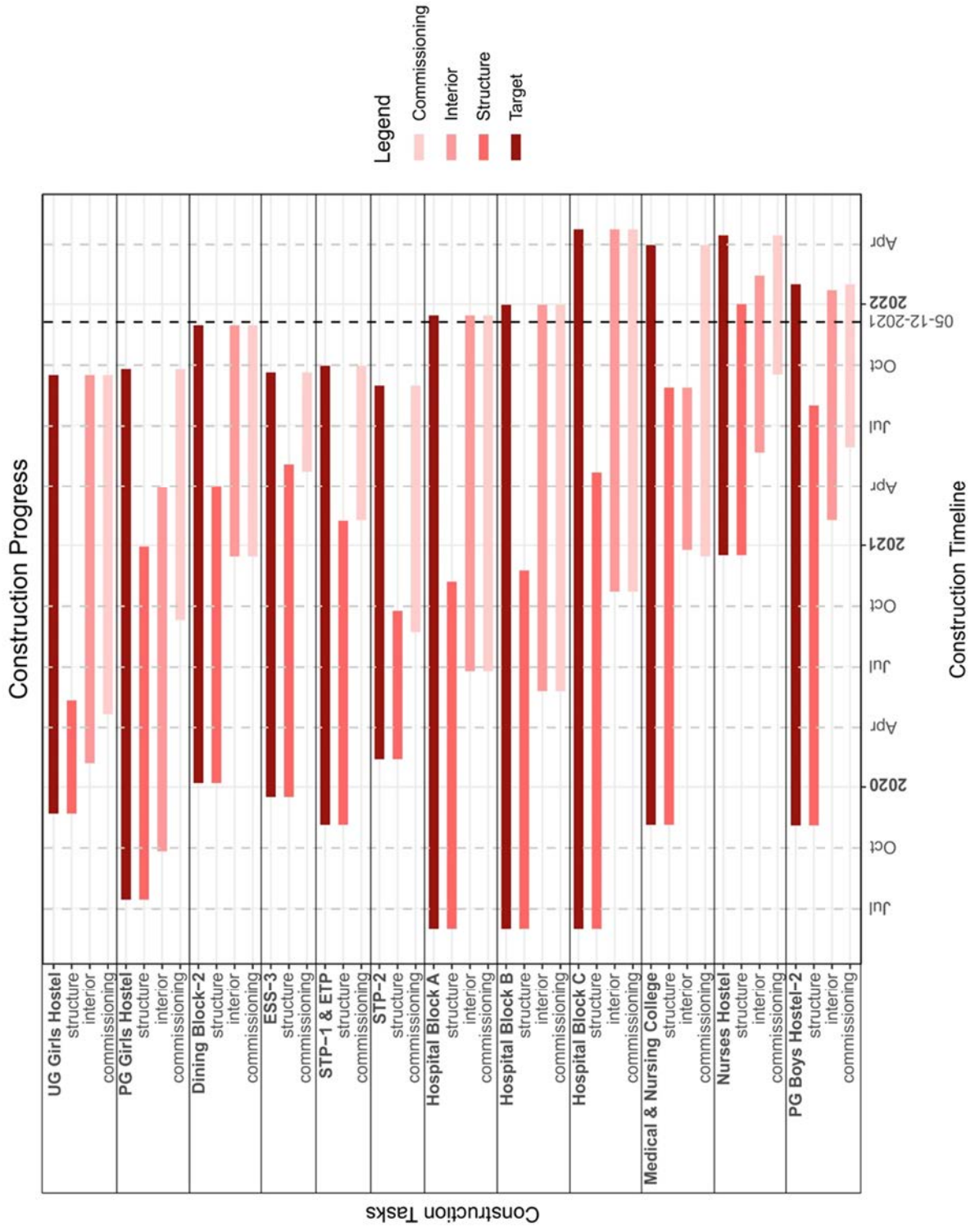
Legend
Commissioning
Interior
Structure
Target
Construction Progress
Construction Tasks
UG Girls Hostel
structure
interior
commissioning
PG Girls Hostel
structure
interior
commissioning
Dining Block-2
structure
interior
commissioning
ESS-3
structure
commissioning
STP-1 & ETP
structure
commissioning
STP-2
structure
commissioning
Hospital Block A
structure
interior
commissioning
Hospital Block B
structure
interior
commissioning
Hospital Block C
structure
interior
commissioning
Medical & Nursing College
structure
interior
commissioning
Nurses Hostel
structure
interior
commissioning
PG Boys Hostel-2
structure
interior
commissioning
Jul
Oct
2020
Apr
Jul
Oct
2021
Apr
Jul
Oct
05-12-2021
2022
Apr
Construction Timeline

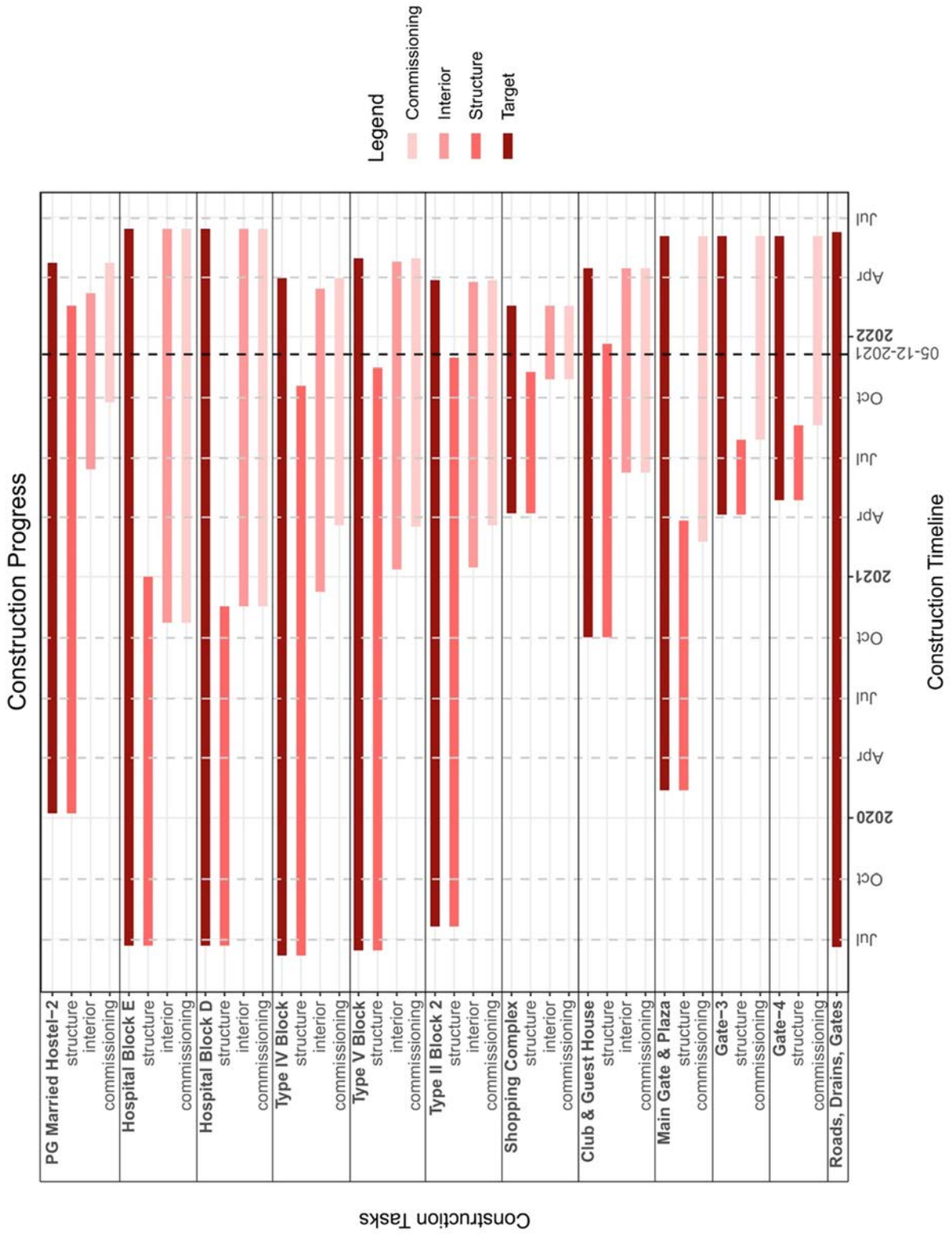
Legend
Commissioning
Interior
Structure
Target
Construction Progress
Construction Tasks
Construction Timeline
PG Married Hostel−2
structure
interior
commissioning
Hospital Block E
structure
interior
commissioning
Hospital Block D
structure
interior
commissioning
Type IV Block
structure
interior
commissioning
Type V Block
structure
interior
commissioning
Type II Block 2
structure
interior
commissioning
Shopping Complex
structure
interior
commissioning
Club & Guest House
structure
interior
commissioning
Main Gate & Plaza
structure
commissioning
Gate−3
structure
commissioning
Gate−4
structure
commissioning
Roads, Drains, Gates
Jul
Oct
2020
Apr
Jul
Oct
2021
Apr
Jul
Oct
05-12-2021
2022
Apr
Jul

आधारभूत संरचना

रात्रि आश्रय

निदेशक निवास

पीजी बॉयज छात्रावास

यूजी बॉयज छात्रावास

आयुष ब्लॉक

भर्ती अनुभाग

एम्स बिलासपुर में भर्ती प्रक्रिया में सक्षम प्राधिकारी की मदद के लिए 4 सितंबर 2021 को एम्स बिलासपुर में भर्ती कार्यालय का गठन किया गया था। एम्स बिलासपुर में बड़ी संख्या में लंबित भर्तियों और कम कर्मचारियों वाले प्रशासनिक ढांचे को देखते हुए, संकाय सदस्यों को भर्ती (नियमित/अनुबंध/प्रतिनियुक्ति) और पदोन्नति प्रक्रिया में मदद करने के लिए नामित किया गया था।

क्र.सं	नाम	प्रत्यायोजित उत्तरदायित्व
1	डॉ आशीष शर्मा	प्रोजेक्ट सेल पोस्ट
2	डॉ आशीष शर्मा	संकाय भर्ती/पदोन्नति
3	डॉ. अजय जरयाल	संकाय भर्ती/पदोन्नति
4	डॉ. प्रबल जोशी	संकाय भर्ती/पदोन्नति
5	डॉ. विक्रांत कँवर	नर्सिंग भर्ती/पदोन्नति
6	डॉ. लक्ष्मी कुमारी संख्यान	नर्सिंग भर्ती/पदोन्नति
7	डॉ. प्रियंदर सिंह ठाकुर	नॉन-मेडिकल नॉन-नर्सिंग भर्ती/पदोन्नति
8	डॉ. नवनीत शर्मा	नॉन-मेडिकल नॉन-नर्सिंग भर्ती/पदोन्नति
9	डॉ. पुनीत गुप्ता	सलाहकार भर्ती

मेडिकल संकाय, नर्सिंग संकाय, सीनियर रेजिडेंट्स, जूनियर रेजिडेंट्स, प्रतिनियुक्ति पदों, सुरक्षा एवं स्वच्छता सेवाओं तथा जनरल एवं टेक्निकल मैनपावर के लिए भर्ती प्रक्रिया शुरू कर दी गई है ।

भर्ती योजना

क्र.सं	पद का नाम	विज्ञापन की तारीख	आवेदन की अंतिम तिथि	आवेदन जांच	परीक्षण	साक्षात्कार	परिणाम घोषणा	कार्यग्रहण तिथि
संकाय पद								
1.	चिकित्सा संकाय (116)	23.12.2021	15.02.2022	-	-	अप्रैल 2022	मई 2022	जून / जुलाई 2022
2.	नर्सिंग संकाय (14)	21.01.2022	28.02.2022	-	मई 2022	मई / जून 2022	जून 2022	जुलाई / अगस्त 2022
गैर-संकाय पद								
1.	सीनियर रेजिडेंट्स (39)	11.12.2021	15.01.2022	17.01.2022	23.01.2022	22 - 23.2.22	28.02.2022	अप्रैल / मई 2022
2.	जूनियर रेजिडेंट्स (39)	11.12.2021	15.01.2022	18.01.2022	23.01.2022	23.01.2022	28.02.2022	अप्रैल / मई 2022
3.	पीजीआई, चंडीगढ़ द्वारा विज्ञापित नियमित पद (ग्रुप बी, सी)	13.01.2021	-	-	18.11.2021	कौशल परीक्षा 21.2.22 को हुई	चयनित: स्टेनोग्राफर-1 एलडीसी -1 लाइब्रेरी अटेंडेंट -1 स्टोर कीपर-2	अप्रैल 2022 (चल रहे)
4a.	प्रतिनियुक्ति पद (पहला दौर) (10)	15.11.2022	15.01.2022	28.01.2022	-	मार्च 2022	अप्रैल 2022	जून 2022
4b.	प्रतिनियुक्ति पद (दूसरा दौर) (34)	29.03.2022	28.04.2022	मई 2022	-	जून 2022	जून 2022	जुलाई / अगस्त 2022

आउटसोर्स सेवाएं								
1.	स्टूडेंट मेस और कैंटीन सेवाएं			-	-	-	-	सेवाएं 01.12.2021 से शुरू हुईं
2.	सुरक्षा	जीईएम टेंडर 22.01.2022	14.02.2021 बोली खोली गई	-	-	टेंडर को अंतिम रूप दिया जा रहा है		जून/जुलाई 2022 से सेवाएं शुरू होंगी
3.	स्वच्छता	जेम टेंडर	-	-	-	टेंडर मूल्यांकन का काम चल रहा है		जून/जुलाई 2022 से सेवाएं शुरू होंगी.
4.	सामान्य और तकनीकी जनशक्ति	• जुलाई-अगस्त 2021 में जारी RFE - विफल। • बेसिल के माध्यम से जनशक्ति की आउटसोर्सिंग अप्रैल - जून 2022				-	-	जून / जुलाई 2022
5.	सुविधा प्रबंधन	जून 2023 में दोष दायित्व अवधि समाप्त होने के बाद जुलाई 2023 से आवश्यक होगा						

परीक्षा अनुभाग

क्र.सं	संकाय का नाम	पद
1	डॉ रूपाली पारलेवार	(अध्यक्ष) सह संकाय प्रभारी परीक्षा अनुभाग
2	डॉ पुनीत कुमार गुप्ता	सदस्य सचिव
3	डॉ आशीष शर्मा	सदस्य
4	डॉ लक्ष्मी कुमारी सांख्यान	सदस्य
5	डॉ मंजू दरोच	सदस्य
6	डॉ नितिन कुमार	सदस्य
7	डॉ नलिनी ए	सदस्य

पीजी मैरिड आवास में अस्थाई रूप से परीक्षा अनुभाग बनाया गया था। परीक्षा समिति ने परीक्षा के संचालन के लिए मानक संचालन प्रक्रिया तैयार की और सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन के बाद इसे लागू किया। परीक्षा समिति ने M.B.B.S के बुनियादी दिशानिर्देशों को निर्धारित किया। मानदंडों और शासनादेश के भीतर आयोजित की जाने वाली परीक्षा संचालन के लिए आवश्यक सामग्री का क्रय कर लिया गया है।

परीक्षा समिति के सदस्य

पैनल के लिए चुने गए विशेषज्ञ योग्य, अनुभवी और देश के अन्य प्रतिष्ठित मेडिकल कॉलेजों/संस्थानों में कार्यरत थे। परीक्षा के निष्पक्ष संचालन को सुनिश्चित करने के लिए एक आंतरिक उड़न दस्ते ने परीक्षा के दौरान दौरा किया। छात्रों का मूल्यांकन किया गया और उनकी उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन प्रमुख संस्थानों के परीक्षकों द्वारा किया गया। परिणाम की घोषणा के साथ विशाल कार्य सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। प्रथम व्यावसायिक परीक्षा 12 से 24 नवंबर 2021 और पूरक परीक्षा 15 से 26 फरवरी 2022 तक सफलतापूर्वक आयोजित की गई थी।

एमबीबीएस, एम्स बिलासपुर की पहली मूल्यांकन गतिविधि

कानूनी खंड

कानूनी सलाहकार: श्री अरविंद कुमार नड्डा

1. **एंटी-रैगिंग कमेटी:**

23 अक्टूबर 2021 को वैधानिक आवश्यकताओं के अनुसार एम्स बिलासपुर की एंटी-रैगिंग समिति का गठन किया गया था।

क्र.सं	नाम	नियुक्ति	टिप्पणी
1.	डॉ. वीर सिंह नेगी	संरक्षक	
2.	डॉ. संजय विक्रांत	अध्यक्ष	
3.	डॉ रूपाली पारलेवार	उपाध्यक्ष	
4.	रजिस्ट्रार (अकादमिक)	सदस्य सचिव	रिक्त
5.	डॉ. अनुराधा शर्मा	सदस्य	कार्यवाहक सदस्य सचिव
6.	डॉ. चित्रेश कुमार	सदस्य	
7.	डॉ. ज्योति गुप्ता	सदस्य	
8.	डॉ. जसबीर सिंह	सदस्य	
9.	डॉ. लक्ष्मी सांख्यान	सदस्य	
10.	सभी छात्रावास प्रबंधक	सदस्य	
11.	उप निदेशक (प्रशासन) पद के अनुसार	सदस्य	
12.	जनसंपर्क अधिकारी	सदस्य	रिक्त
13.	मुख्य सुरक्षा अधिकारी	सदस्य	रिक्त
14.	ए) श्री अवि कुकरेजा (2020 बैच) बी) कुमारी पूर्वा (2020 बैच) सी) प्रथम वर्ष के छात्र (पुरुष और महिला 2021 बैच)	सदस्य	

15.	उपायुक्त या उनके प्रतिनिधि	सदस्य	अभी मनोनीत होना बाकी है
16.	पुलिस अधीक्षक या उनके प्रतिनिधि	सदस्य	अभी मनोनीत होना बाकी है
17.	श्री विशाल सिंह ठाकुर	सदस्य	स्थानीय मीडिया प्रतिनिधि
18.	श्री कश्मीर सिंह	सदस्य	गैर सरकारी संगठन प्रतिनिधि
19.	क) श्री नरेन्द्र कुमार ख) श्री सुनील गोयल ग) श्री ऋषिलाल	सदस्य	विद्यार्थियों के माता-पिता

इस कमेटी के पास अभी तक कोई शिकायत नहीं आई है।

2. **महिलाओं के लिए आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसीडब्ल्यू):**

कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम 2013 (POSH अधिनियम) के अनुसरण में, धारा 4 के तहत, संस्थान ने कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की शिकायतों से निपटने के लिए ICCW का गठन किया।

क्र.सं	नाम	नियुक्ति	मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी
1.	डॉ रूपाली पारलेवार	अध्यक्ष	मोबाइल - 8108499919 ईमेल: rupalifulzele@gmail.com
2.	डॉ. संजय विक्रांत	सदस्य	मोबाइल - 9418072808 ईमेल : sanjayvikrant@rediffmail.com
3.	डॉ. अनुराधा शर्मा	सदस्य	मोबाइल - 8003996896 ईमेल : asharma3170@gmail.com
4.	डॉ मीनल एम ठाकरे	सदस्य	मोबाइल - 8146665598 ईमेल : meenalvikas@gmail.com
5.	डॉ. ज्योति गुप्ता	सदस्य	मोबाइल : 8894867049 ईमेल : drjyotigupta2017@gmail.com

6.	श्री. अरविंद कुमार नड्डा	सदस्य	मोबाइल - 9418125101 ईमेल : 8arvindnadda@gmail.com
7.	लेफ्टिनेंट कर्नल राकेश कुमार	सदस्य सचिव	मोबाइल - 8130856524 ईमेल: ddaaiimsawantipora@gmail.com
8.	श्रीमती सूर्या नेगी	सदस्य	मोबाइल - 7018225609 ईमेल : drsuryanegi13@gmail.com

इस कमेटी के पास अभी तक कोई शिकायत नहीं आई है।

3. **सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम:**

दायर आरटीआई की कुल संख्या: 37

उत्तर दिए गए आरटीआई की कुल संख्या: 35

* मार्च 2022 के बाद 2 आरटीआई का जवाब दिया गया।

चिकित्सा सेवाएं

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान बिलासपुर
ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES BILASPUR
सर्वे सन्तु निरामयाः

सेंटर फॉर डिजिटल हेल्थ, एम्स बिलासपुर

आयुष ब्लॉक में डिजिटल स्वास्थ्य के लिए एक केंद्र स्थापित किया गया है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम), हिमाचल प्रदेश के सहयोग से ई-संजीवनी टेलीमेडिसिन सेवा का उद्घाटन मई 2021 के महीने में किया गया, जिसके माध्यम से 17 स्पेशलिटी और सुपरस्पेशलिटी टेली परामर्श प्रदान कर रहे हैं । 31 मार्च 2022 तक कुल 1700 टेलीकंसल्ट प्रदान किए गए हैं। हिमाचल प्रदेश के सभी जिलों में मरीज इस सुविधा का लाभ उठा रहे हैं। इसने कोविड 19 की दूसरी लहर के दौरान रोगियों के लिए एक वरदान के रूप में काम किया। विभागवार विवरण निम्नानुसार दिखाया गया है।

क्र सं	विभाग	टेली परामर्श
1	**त्वचाविज्ञान**	289
2	**ओटोराइनोलैरिंजोलॉजी (ईएनटी)**	97
3	**बाल चिकित्सा और नियोनेटोलॉजी**	110
4	**नेफ्रोलॉजी**	73
5	**मेडिसिन**	478
6	**प्रसूति और स्त्री रोग**	72
7	**आर्थोपेडिक्स**	37
8	**शल्यचिकित्सा**	10
9	**दन्त-चिकित्सा**	12
10	**मनश्चिकित्सा**	98
11	**नेत्र विज्ञान**	09
12	**बर्न्स और प्लास्टिक सर्जरी**	07
13	**एंडोक्रिनोलॉजी**	51
14	**कार्डियोथोरेसिक संवहनी सर्जरी**	12
15	**तंत्रिका-विज्ञान**	343
16	**सर्जिकल ऑन्कोलॉजी**	01

17	**बाल चिकित्सा सर्जरी**	01
18	**विकिरण ऑन्कोलॉजी**	00
	संचयी कुल (आज तक)	**1700**

एम्स अस्पताल, बिलासपुर में आयुष ब्लॉक में डिजिटल स्वास्थ्य केंद्र

बिलासपुर : एम्स परिसर में टेली कंसलटेशन के शुभारंभ पर निदेशक व अन्य अधिकारी

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मंडी के साथ समझौता ज्ञापन

संस्थान एक निर्बाध कागजरहित ओपीडी सेवा शुरू करने पर विचार कर रहा है जिसे एम्स ओपीडी में भाग लेने वाले सभी रोगियों के लिए व्यापक टेली परामर्श सेवाओं तक बढ़ाया जा सकता है।

केंद्र आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) के प्रभावी कार्यान्वयन में संयुक्त रूप से योगदान देने के लिए नीति आयोग, आईआईटी मंडी, केंद्र सरकार और राज्य सरकार के साथ संभावनाओं की तलाश कर रहा है।

ओपीडी सेवाओं की झलक

नैदानिक सेवाएँ एम्स बिलासपुर

5 दिसंबर 2021 को, संस्थान ने आयुष ब्लॉक में ओपीडी सेवाएं और छोटी ऑपरेटिव प्रक्रियाएं प्रदान करके नैदानिक देखभाल प्रदान करना शुरू किया। कुल 19 स्पेशियलिटी और सुपर-स्पेशियलिटी सेवाएं शुरू की गईं और कुछ हफ्तों की अवधि के भीतर, हजारों रोगियों को विशेषज्ञों द्वारा ओपीडी परामर्श प्राप्त हुआ। मधुमेह, उच्च रक्तचाप, सीएडी, अस्थमा, सीओपीडी, सीकेडी, विभिन्न स्केलेरोसिस, थायराइड रोगों आदि जैसे विभिन्न चिकित्सा मुद्दों के लिए डे केयर सेवाएँ प्रदान की गई ताकि रेफरल से पहले तीव्र बीमारी को संबोधित किया जा सके।

ओपीडी सेवाओं के साथ, विभिन्न सर्जिकल शाखाएं बायोप्सी जैसी विशेष नैदानिक सेवाएं प्रदान कर रही हैं; ओप्थाल्मोलॉजी विभाग द्वारा गैर-संपर्क टोनोमेट्री, अपवर्तन और ऑप्टिकल समन्वय टोमोग्राफी; ईएनटी विभाग द्वारा माइक्रोस्कोप के तहत नैदानिक नाक और लारेंजियल एंडोस्कोपी परीक्षा आदि। सर्जिकल सेवाओं को नाक एंडोस्कोपी, चीरा और जल निकासी, डिब्रिडमेंट, एक्सिशनल बायोप्सी, फ्लैप डिटेचमेंट, एंडोमेट्रियल बायोप्सी और इलेक्ट्रोफुलग्यूरेशन आदि जैसी लघु ऑपरेटिव प्रक्रियाओं के साथ विस्तारित किया गया।

विभाग	ओपीडी जनगणना	लघु ऑपरेटिव प्रक्रियाएं
मेडिसिन	3632	
तंत्रिका-विज्ञान	1328	
नेफ्रोलॉजी	540	
त्वचाविज्ञान	1582	29
एंडोक्रिनोलॉजी	824	
बाल चिकित्सा	495	
नवजात शिशु रोग विभाग	17	
मनश्चिकित्सा	379	
शरीरविज्ञान	4	
विकिरण ऑन्कोलॉजी	23	
जनरल सर्जरी	1604	74
ओटोराइनोलैरिंजोलॉजी (ईएनटी)	1630	117
प्रसूति और स्त्री रोग विभाग	1355	8
नेत्ररोग विज्ञान विभाग	1652	
अस्थिरोग विभाग	3671	36
प्लास्टिक सर्जरी	138	56
सर्जिकल ऑन्कोलॉजी	29	1
कार्डियोथोरेसिक संवहनी सर्जरी	74	
बाल चिकित्सा सर्जरी	42	1
कुल	19018	286

क्षेत्रीय अस्पताल, बिलासपुर

हम जून 2021 से क्षेत्रीय अस्पताल, बिलासपुर में विशेषज्ञ सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। इस दौरान एम्स बिलासपुर के विभिन्न विभागों अर्थात् मेडिसिन, ऑर्थोपेडिक्स, ओप्थाल्मोलॉजी, ओटोराइनोलैरिंगोलॉजी (ईएनटी), प्रसूति एवं स्त्री रोग और रेडियो-डायग्नोसिस द्वारा प्रदान की गई चिकित्सीय/नैदानिक सेवाओं कुल 15879 रोगियों को लाभ हुआ है।

क्षेत्रीय अस्पताल, बिलासपुर में ओपीडी परामर्श	
सामान्य चिकित्सा विभाग	6583
अस्थिरोग विभाग	3395
नेत्र विज्ञान विभाग	1753
कर्णनासाकंठ विज्ञान विभाग	1663
विकिरण निदान विभाग	1358
प्रसूति और स्त्री रोग विभाग	1127
कुल	**15879**

कोविड टीकाकरण

पीएमएसएसवाई योजना के तहत, जून 2021 में हमारे संस्थान में कोविड-19 टीकाकरण केंद्र स्थापित किया गया था और तब से, हमने जागरूकता पैदा करने और कोविड-19 टीकाकरण कार्यक्रम में सामुदायिक भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए सावधानीपूर्वक काम किया है। हम हिमाचल प्रदेश राज्य में 100% कोविड-19 टीकाकरण के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देने का प्रयास कर रहे हैं।

कोविड टीकाकरण केंद्र, एम्स बिलासपुर (हिमाचल प्रदेश)	
लाभार्थी	**संख्या**
15 - 18 वर्ष	75
18 - 44 वर्ष	4233
45 - 59 वर्ष	530
60 वर्ष और उससे ऊपर	179
स्वास्थ्य कार्यकर्ता	109
अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ता	166

खुराक की संख्या	
पहली खुराक	2868
दूसरी खुराक	2355
सावधानी की खुराक	69
कुल टीका लगाया गया	**5292**
कुल सत्र आयोजित किए गए	151
टीकाकरण के बाद प्रतिकूल घटनाओं की संख्या (एईएफआई) की सूचना	शून्य
उपयोग की गई शीशियों की कुल संख्या	520
प्रति सत्र प्रति शीशी खुराक (संचयी)	10.2
वैक्सीन की बर्बादी	**शून्य**
लाभार्थी	**संख्या**
15 – 18 साल	75
18 - 44 साल	4233
45 - 59 साल	530

नैदानिक सेवाएं

सेवाएँ	विकिरण निदान		*जीव* रसायन	*विकृति विज्ञान*	*सूक्ष्मजीव विज्ञान*
	यूएसजी	एक्सरे			
कुल जांच	1407	1899	29912	3074	587

नैदानिक विकिरण निदान सेवाएं

गुणवत्तापूर्ण रेडियोलॉजिकल सेवाएं प्रदान करने के लिए एम्स, बिलासपुर में कम्प्यूटेड-रेडियोग्राफी सिस्टम और हाई-एंड अल्ट्रासाउंड मशीन के साथ एक्स-रे मशीन खरीदी और स्थापित की गई है। आयुष ब्लॉक में ओपीडी सेवाएं रोगी प्रबंधन में सहायता के लिए एक्स- रे सुविधा और सोनोग्राफी सहित रेडियोलॉजिकल सेवाएँ समर्थित हैं। आयुष ब्लॉक में ओपीडी सेवाओं को रोगी प्रबंधन में सहायता के लिए एक्स-रे सुविधा और सोनोग्राफी सहित रेडियोलॉजिकल सेवाओं द्वारा प्रोत्साहित किया जाता है। इमेजिंग सेवाओं के अलावा, चिकित्सकों की सहायता के लिए इनवेसिव प्रक्रियाएं जैसे यूएसजी निर्देशित एफएनएसी, प्ल्यूरल टैप, एसिटिक फ्लूइड टैप और एब्सेस ड्रेनेज आदि की जाती हैं।

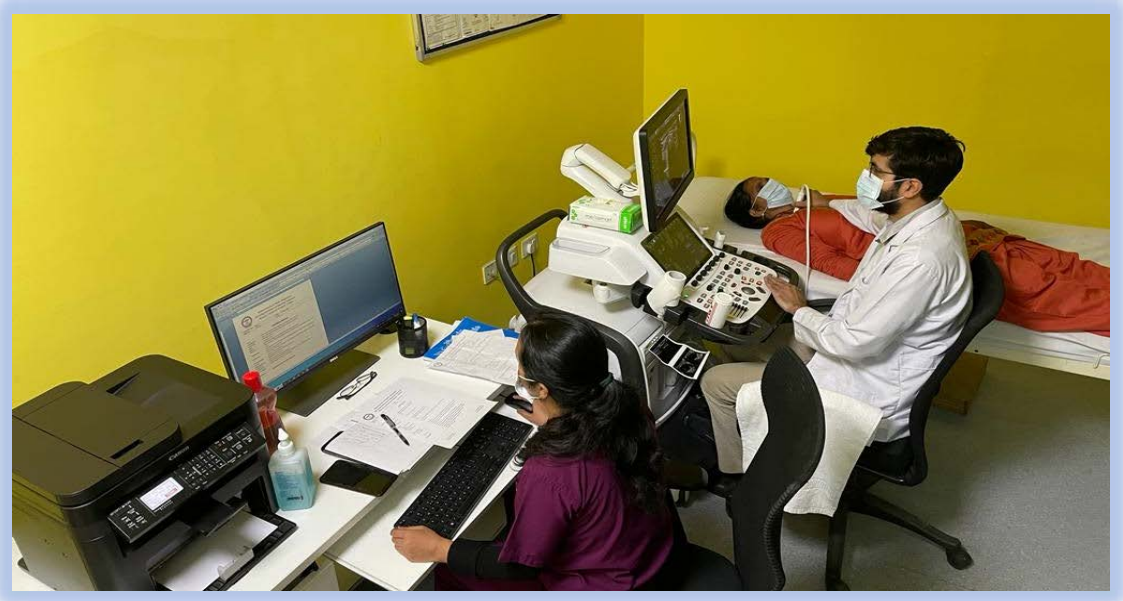

प्रयोगशाला सेवाएं

आयुष ब्लॉक में हिंद लैब के माध्यम से प्रयोगशाला सेवाएं प्रदान करने के लिए एचएलएल लाइफकेयर लिमिटेड के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। जांच प्रक्रियाएं हिंद लैब एचएलएल सेवाओं में की जाती हैं जो एम्स बिलासपुर के साथ हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के तहत उपभोग्य सामग्री, तकनीकी कर्मचारी और लॉजिस्टिक सहायता प्रदान करती हैं। संस्थान ने नियमित

और विशेष परीक्षणों के लिए उपकरण भी खरीदे हैं। इस दौरान कुल 2513 मरीज लाभान्वित हुए हैं। इस अवधि के दौरान लगभग 33537 जांच की गई है। जांच सीजीएचएस दरों के अनुसार की जाती है।

जीव रसायन विभाग

जैव रसायन विभाग, एम्स बिलासपुर 5 दिसंबर 2021 से हिंद लैब्स के सहयोग से नैदानिक प्रयोगशाला सेवाएं प्रदान कर रहा है। क्लिनिकल लेबोरेटरी के बायोकैमिस्ट्री सेक्शन ने लगभग 500 रोगियों / माह को नैदानिक सहायता प्रदान की और दिसंबर 2021-मार्च 2022 तक प्रति माह लगभग 7500 रक्त जांच की। प्रयोगशाला की गुणवत्ता की निगरानी प्रतिदिन आंतरिक गुणवत्ता नियंत्रण सामग्री चलाकर और मासिक आधार पर बाह्य गुणवत्ता आश्वासन योजनाओं में भाग लेकर की जा रही है।

सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग

माइक्रोबायोलॉजी विभाग 5 दिसंबर 202 को एम्स ओपीडी के उद्घाटन के बाद से एम्स बिलासपुर आने वाले रोगियों को प्रयोगशाला सेवाएं प्रदान कर रहा है। सेवाओं में टाइफाइड, मलेरिया, डेंगू, हेपेटाइटिस, सिफलिस आदि के लिए रैपिड पॉइंट-ऑफ-केयर परीक्षण शामिल है। रैपिड टेस्ट के अलावा, हिंद लैब अन्य माइक्रोबायोलॉजिकल जांच जैसे कल्चर (ब्लड कल्चर, बैक्टीरियल कल्चर, थूक कल्चर), एलिसा (एचबीएसएजी, स्क्रब टाइफस, रूबेला), एस्परजीलस विशिष्ट एंटीबॉडी और आणविक परीक्षण (एचबीवी, डीएनए लोड, एचआईवी के लिए पीसीआर) के लिए आउटसोर्स सुविधा प्रदान कर रही है। अब तक इस तरह की 500 से अधिक जांच की जा चुकी हैं।

विकृति विज्ञान विभाग

क्लिनिकल पैथोलॉजी प्रयोगशाला 6 दिसंबर 2021 से काम कर रही है और पैथोलॉजी विभाग हिंद लैब के नैदानिक कार्य की निगरानी कर रहा है। प्रारंभ में, विभाग ने पूर्ण रक्त गणना, ईएसआर, रक्त समूहीकरण और मूत्र गर्भावस्था परीक्षण जैसी नियमित जांच शुरू की। बाद में, परिधीय रक्त स्मीयर, मूत्र माइक्रोस्कोपी, वीर्य विश्लेषण और मैनुअल प्लेटलेट काउंट को शामिल करने के लिए सेवाओं का विस्तार किया गया। लगभग 150 रक्त नमूने प्रति सप्ताह और 70 मूत्र के नमूने प्रति सप्ताह प्राप्त और संसाधित किए जाते हैं। नैदानिक सेवाओं को बनाए रखने के लिए, पैथोलॉजी विभाग ने एफएनएसी शुरू कर दिया है। इसके अलावा, पारंपरिक पीएपी स्मीयर की रिपोर्टिंग भी शुरू कर दी गई है। प्रति सप्ताह औसतन 20 एफएनएसी किए जा रहे हैं और रिपोर्ट किए जा रहे हैं।

एम्बुलेंस सेवाएं

संस्थान में दो एम्बुलेंस हैं, एक पूरी तरह से सुसज्जित एडवांस्ड केयर लाइफ सपोर्ट (एसीएलएस) और अन्य बेसिक लाइफ सपोर्ट, क्रमशः एसबीआई और प्रयास फाउंडेशन द्वारा रोगियों को अन्य केंद्रों में ले जाने के लिए दान कि गई है। प्राथमिक उपचार के बाद सात मरीजों को आईजीएमसी शिमला और क्षेत्रीय अस्पताल, बिलासपुर में स्थानांतरित करने के लिए एम्बुलेंस सेवाएं मिली हैं।

औषधशाला

28 जुलाई, 2021 को एम्स में अमृत (उपचार के लिए सस्ती दवाएं और विश्वसनीय प्रत्यारोपण) फार्मेसी स्थापित करने के लिए एचएलएल लाइफकेयर लिमिटेड के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। आयुष ब्लॉक में ओपीडी सेवाओं की शुरुआत के साथ, अमृत फार्मेसी रियायती मूल्य पर प्रतिष्ठित निर्माताओं से रोगियों को मानक गुणवत्ता वाली दवाएं और उपभोग्य सामग्री वितरित कर रही है।

इसके अलावा, अस्पताल फार्मेसी के लिए दवाओं और उपभोग्य सामग्रियों की सूची की देखरेख और तैयारी करने के लिए अस्पताल दवा और सूत्रसाहिंता समिति का गठन किया गया है। समिति अमृत फार्मेसी के दिन-प्रतिदिन के कामकाज की निगरानी भी कर रही है।

सी.एस.एस.डी एवम लॉन्ड्री
HAI की रोकथाम की दिशा में एक कदम

अस्पताल से प्राप्त संक्रमण एक ऐसा संक्रमण है जो रोगी को स्वास्थ्य देखभाल प्राप्त करने के दौरान होता है। यूएस सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन ने पहचान की है कि लगभग 1.7 मिलियन अस्पताल में भर्ती मरीज सालाना अन्य स्वास्थ्य समस्याओं के इलाज के दौरान एचसीएआई प्राप्त करते हैं और इनमें से 98,000 से अधिक रोगी एचसीएआई के कारण मर जाते हैं। सी.एस.एस.डी स्वास्थ्य सेवाओं की उच्च गुणवत्ता और HAI में कमी सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक स्वास्थ्य संस्थान का एक आवश्यक घटक है।

सी.एस.एस.डी अस्पताल की एक सेवा इकाई है जो रोगी की देखभाल में तत्काल उपयोग के लिए अस्पताल के सभी विभागों को गारंटीकृत जीवाणुरहित उपकरण उपलब्ध कराने के लिए जिम्मेदार है। सी.एस.एस.डी 17 नवंबर, 2021 को एम्स बिलासपुर में दो आटोक्लेव के साथ शुरू हुआ। सी.एस.एस.डी आयुष ब्लॉक में ओपीडी-1 के साथ स्थित है। सीएसएसडी को तीन जोन में बांटा गया है यानी क्लीन जोन, स्टरलाइजेशन जोन और स्टेराइल जोन जिसके जरिए हम उपकरण/यंत्रों को प्रोसेस कर रहे हैं। इसमें दो आटोक्लेव होते हैं जिनकी नियमित रूप से यांत्रिक, रासायनिक और जैविक संकेतकों के माध्यम से निगरानी की जाती है। सी.एस.एस.डी के संचालन और रखरखाव के लिए एक एस.ओ.पी दस्तावेज़ है, जिसमें आयुष ब्लॉक के विभिन्न क्षेत्रों में उपकरण प्राप्त करने, स्टरलाइज़ करने और वितरण करने की प्रक्रिया शामिल है। ऑटोक्लेविंग के कम से कम तीन से चार चक्र हर दिन किए जाते हैं और हर महीने लगभग 90 से 100 ड्रम/ट्रे ऑटोक्लेव किए जाते हैं। लॉन्ड्री का प्रबंधन भी सी.एस.एस.डी व्यक्ति द्वारा किया जाता है। लॉन्ड्री सेवाएं अस्पताल की उपयोगकर्ता इकाई को सही समय और सही जगह पर सुरक्षित, स्वच्छ, पर्याप्त और समय पर लिनन की आपूर्ति प्रदान करने के लिए जिम्मेदार हैं। लिनेन सामाग्री अस्पताल के विभिन्न क्षेत्रों जैसे ओपीडी, ओटी, ईसीजी और प्रक्रिया कक्ष आदि से प्राप्त होता हैं। संबंधित क्षेत्रों में खून के धब्बे/सार्वभौमिक एहतियात और गंदे लिनेन का पृथक्करण किया जाता है, आगे सभी लिनेन सामग्री को अलग से लॉन्ड्री में भेजा जाता है। हर दूसरे दिन लॉन्ड्री से प्राप्त साफ किए गए लिनेन को आयुष ब्लॉक के विभिन्न क्षेत्रों में वितरित किया जाता है।

एम्स बिलासपुर से एक महीने में लगभग 300 से 350 लिनेन लॉन्ड्री के लिए भेजे जाते हैं। हम विभिन्न क्षेत्रों जैसे ओपीडी, माइनर ओटी और ड्रेसिंग रूम आदि में संसाधित और विश्वसनीय वस्तुओं का वितरण सुनिश्चित करते हैं। सीएसएसडी और संस्था की लॉन्ड्री नोसोकोमियल संक्रमण को कम करने की दिशा में अपना योगदान दे रही है और कुशल सीएसएसडी न केवल रोगी परिणामों और संस्था की प्रतिष्ठा में सुधार करती है बल्कि स्वास्थ्य देखभाल व्यय के अपव्यय को भी कम करता है।

उपचर्या कर्मचारियों का योगदान 2021-2022

- उपचर्या अधिकारियों के NORCET 2020 बैच ने अक्टूबर 2021 के अंत में ज्वाइनिंग शुरू की। ज्वाइनिंग के बाद, उन्हें विभिन्न क्षेत्र आवंटित किए गए जिनमें उपचर्या और गैर- उपचर्या क्षेत्र शामिल हैं जैसे पंजीकरण, खरीद आदि।
- नवंबर में दीवाली उत्सव उपचर्या अधिकारियों द्वारा किया गया था।
- उपचर्या अधिकारियों ने 5 दिसंबर 2021 को ओपीडी सेवाओं के उद्घाटन में भाग लिया। वे समिति के अन्य सदस्यों के साथ रंगोली बनाने और मंच प्रबंधन में सक्रिय रूप से शामिल थीं।
- नलवाड़ी मेले में एम्स बिलासपुर द्वारा आयोजित स्वास्थ्य शिविर में उपचर्या अधिकारी शामिल हुए।
- उपचर्या अधिकारी कोविड परीक्षण (आरएटी) और कोविड टीकाकरण में शामिल थे। उपचर्या अधिकारियों ने कोविड के चरम पर सभी कोविड पॉजिटिव हेल्थ केयर वर्कर्स की देखभाल की।
- उपचर्या अधिकारियों ने किडनी दिवस, गणतंत्र दिवस और होली समारोह सहित विभिन्न कार्यक्रमों के उत्सव में भाग लिया।
- उपचर्या अधिकारियों के साथ अन्य संकाय सदस्य और स्टाफ सदस्य भी छात्रों के साथ क्रिकेट मैच के लिए नवोदय विद्यालय गए थे।
- उपचर्या अधिकारी विभिन्न आयोजनों के लिए पोस्टर मेकिंग, रंगोली मेकिंग, प्रश्नोत्री में भी सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं।
- विभिन्न विशिष्टताओं में तैनात उपचर्या अधिकारी रोग की रोकथाम और स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए रोगियों को स्वास्थ्य शिक्षा भी प्रदान करते हैं।

शैक्षणिक कार्यक्रम

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान बिलासपुर
ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES BILASPUR
सर्वे सन्तु निरामयाः

शैक्षिक कार्यक्रम

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, बिलासपुर ने जनवरी, 2021 में अपने पहले शैक्षणिक एमबीबीएस सत्र की शुरुआत के साथ एक उपलब्धि हासिल की। पाठ्यक्रम अपने पहले बैच में 50 छात्रों के साथ शुरू हुआ। एमबीबीएस छात्रों की संख्या 2023 तक बढ़ाकर 100 की जाएगी। 50 छात्रों का दूसरा बैच भी जनवरी 2022 में संस्थान में शामिल हुआ था। प्रशासन, संकाय और छात्रों ने संयुक्त रूप से अधूरे बुनियादी ढांचे और चल रही कोविड-19 महामारी द्वारा लगाई गई कई बाधाओं को पार किया। प्रवेश प्रक्रिया के दौरान कोविड-19 प्रोटोकॉल का पालन किया गया और छात्रों को शामिल होने के बाद (स्थानीय दिशानिर्देशों के अनुसार) 2 सप्ताह के लिए संगरोध किया गया।

पहले बैच ने आधिकारिक तौर पर11 जनवरी, 2021 को आयोजित "व्हाइट कोट समारोह" के साथ एमबीबीएस की यात्रा शुरू की, इसके बाद चिकित्सा शिक्षा के सभी महत्वपूर्ण पहलुओं को आवरण करने वाला बुनियादी पाठ्यक्रम किया गया। इसके बाद उन्होंने पहले पेशेवर विषयों जैसे एनाटॉमी, बायोकैमिस्ट्री और फिजियोलॉजी का कोर्स शुरू किया। उनका कोर्स समय पर पूरा हो गया और वे अपनी पहली व्यावसायिक परीक्षा के लिए उपस्थित हुए।

शैक्षणिक सत्र

परीक्षा का नाम	छात्रों की संख्या	प्रवेश का वर्ष
प्रथम एमबीबीएस	50 छात्र	2021
द्वितीय एमबीबीएस	50 छात्र	2020

शरीर रचना प्रयोगशाला

जीव रसायन प्रयोगशाला

मेंटरशिप कार्यक्रम

मेंटरिंग का अर्थ एक ऐसी प्रक्रिया से होता है जिससे एक अनुभवी, सहानुभूतिपूर्ण व्यक्ति (संरक्षक), अपने स्वयं के विचारों, विद्वता और व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास और पुन: परीक्षा में एक अन्य (आमतौर पर युवा) व्यक्ति (शिक्षार्थी) का मार्गदर्शन करता है। संरक्षक इसे शिक्षार्थी को सुनकर या बात करके प्राप्त करता है। संरक्षक ज्ञान और अनुभव साझा करके और निरंतर समर्थन और प्रोत्साहन प्रदान करके अपनी पूरी क्षमता को साकार करने के लिए प्रशिक्षु को प्रोत्साहित करता है। इसका उद्देश्य समग्र विकास के लिए अवसर प्रदान करना, उन्हें नए वातावरण में सहज बनाना और कॉलेज जीवन से परिचित होना है, ताकि वे सभी क्षेत्रों में अपनी पूरी क्षमता को बेहतर ढंग से प्राप्त कर सकें।

लक्ष्य आने वाले छात्रों के लिए एक तत्काल समर्थन नेटवर्क पेश करना है। इस प्रकार, नए प्रवेशक कॉलेज जीवन , अकादमिक और सांस्कृतिक रूप से परिचित होंगे, ताकि वे अपनी पूर्ण शैक्षणिक क्षमता को बेहतर ढंग से प्राप्त कर सकें। जगह में सलाह संबंध रखने से कार्यस्थल को उत्तेजित किया जाता है, जिससे यह अधिक प्रभावी हो जाता है। बेहतर संचार, नेटवर्किंग और मूल्यों को साझा करना है।

इन उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए, 50 एमबीबीएस छात्रों के पहले बैच के शुरू होने और संकाय में शामिल होने के बाद एम्स, बिलासपुर में एक मेंटरशिप कार्यक्रम शुरू किया गया था। प्रत्येक छात्र (छात्रा) को एक यादृच्छिक चयन प्रक्रिया के माध्यम से एक संरक्षक (संकाय) आवंटित किया गया था। बेहतर संचार प्रक्रिया के लिए उनके संपर्क नंबर साझा किए गए थे। प्रत्येक को महीने में कम से कम एक बार शारीरिक रूप से या आभासी मंच के माध्यम से एक-दूसरे से मिलना पड़ता था। छात्रों ने इसे एक बहुत ही उपयोगी कार्यक्रम पाया क्योंकि वे अपने गुरुओं के साथ अपनी दिन-प्रतिदिन की समस्याओं के साथ-साथ परीक्षा के समय जैसे तनाव के कारण आने वाली विभिन्न कठिनाइयों को साझा करने में सक्षम थे। सलाहकार अपने ज्ञान और देखभाल व्यवहार के माध्यम से अपनी समस्याओं का समाधान खोजने में सक्षम थे।

यह मेंटरशिप कार्यक्रम भविष्य में अधिक उपयोगी कार्यक्रम में विकसित होगा। प्रत्येक संरक्षक और प्रशिक्षु के परिवर्तनशील दृष्टिकोण और विभिन्न अनुभव कार्यक्रम की सफलता में योगदान देंगे।

शैक्षणिक गतिविधियाँ

संवेदनाहरण विज्ञान विभाग

1. संवेदनाहरण विज्ञान विभाग ने दिसंबर 2021 में आयुष ब्लॉक में आपातकालीन पुनर्जीवन सेवाएं प्रदान करने के लिए कोड ब्लू टीम के नर्सिंग अधिकारियों का प्रशिक्षण आयोजित किया।

2. संवेदनाहरण विज्ञान विभाग ने 19 से 24 जनवरी 2021 तक संकाय सदस्यों और उपचर्या अधिकारियों के कार्डियोपल्मोनरी पुनर्जीवन (सीपीआर) कौशल को प्रशिक्षित करने और बढ़ाने के लिए विभिन्न व्याख्यान और कौशल सत्र आयोजित किए और कोविड-19 परिदृश्य में आवश्यक संशोधनों पर भी विचार-विमर्श किया गया।

3. संवेदनाहरण विज्ञान विभाग ने सभी संकाय सदस्यों और उपचर्या अधिकारियों के लिए मैकेनिकल वेंटिलेशन की मूल बातों के बारे में व्याख्यान आयोजित किए और कोविड-19 तैयारियों के एक हिस्से के रूप में उपलब्ध वेंटिलेटर का प्रदर्शन भी किया गया।

शरीर रचना विभाग

विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर, शरीर रचना विभाग ने 31 मई, 2021 को एक आभासी सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) का आयोजन किया। सत्र में तंबाकू निर्भरता की व्यापकता और अभिव्यक्तियों, तंबाकू में डॉक्टरों की भूमिका पर व्याख्यान शामिल थे। ग्रामीण भारत में तंबाकू की समाप्ति के लिए समुदाय आधारित शिक्षा, परामर्श और मार्गदर्शन (ईसीजी) पर भी सत्र आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में एमबीबीएस छात्रों द्वारा तैयार किए गए विभिन्न वीडियो भी शामिल थे, जिनकी विषय'अस्वीकार या खेद- तंबाकू छोड़ो' थी।

कर्णनासाकंठ विज्ञान एवं हेड-नेक सर्जरी विभाग

कर्णनासाकंठ विज्ञान विभाग, एम्स बिलासपुर ने 15 मई, 2021 को कोविड 19 में म्यूकोर्मिकोसिस पर एक वेबिनार का आयोजन किया, जो भारत में कोविड 19 की दूसरी लहर के दौरान तेजी से फैलने वाली घातक बीमारी थी. वेबिनार में एम्स, नई दिल्ली, पी जी आई चंडीगढ़ एवं एम्स बिलासपुर के विभिन्न प्रख्यात दलों द्वारा इस भयानक स्थिति के लिए परिचय, पैथोफिज़ियोलॉजी, निदान और उपचार विकल्पों पर सत्र शामिल था।

म्यूकोर्मिकोसिस के प्रबंधन पर व्यावहारिक सुझाव पर एक अन्य कार्यक्रम कर्णनासाकंठ विज्ञान विभाग, एम्स, बिलासपुर द्वारा 5 जून, 2021 को ईएनटी अपडेट के रूप में आयोजित किया गया था। यह सत्र विभिन्न प्रतिष्ठित राष्ट्रीय संकायों की भागीदारी के साथ एक बहु-विषयक अद्यतन था।

कर्णनासाकंठ विज्ञान एवं शरीर रचना विभाग

शरीर रचना विभाग के सहयोग से कर्णनासाकंठ विज्ञान विभाग ने 26 मार्च, 2022 को प्रथम हेड नेक सर्जरी कैडेवर विच्छेदन पाठ्यक्रम का भी आयोजन किया। पाठ्यक्रम का उद्देश्य कनिष्ठ एवं वरिष्ठ डॉक्टरों को कर्णनासाकंठ विज्ञान - हेड नेक सर्जरी में प्रशिक्षित करना था। एम्स दिल्ली और एम्स भोपाल से अतिथि संकाय आमंत्रित की गई थी। निम्नलिखित सर्जरी की गई- सिर की गर्दन की सर्जरी का प्रदर्शन - पैरोटिडेक्टोमी, थायरॉयडेक्टोमी, शवों पर गर्दन विच्छेदन और उसके बाद शव पर प्रत्येक प्रतिनिधि के लिए हैंड-ऑन सत्र भी आयोजित किया गया था ।

सुक्ष्मजीव विज्ञान विभाग

सुक्ष्मजीव विज्ञान विभाग, एम्स बिलासपुर ने 20 और 21,अक्टूबर, 2021 को अंतर्राष्ट्रीय संक्रमण रोकथाम सप्ताह मनाया। यह कार्यक्रम दो दिवसीय कार्यशाला और संक्रमण रोकथाम और नियंत्रण प्रथाओं के बारे में एम्स, बिलासपुर के संकाय को शामिल करते हुए एक प्रश्नोत्तरी थी।

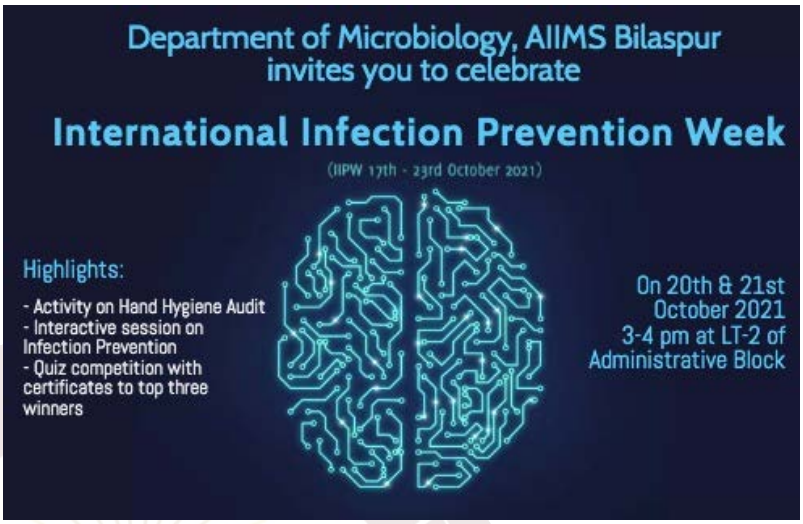

एंटीमाइक्रोबियल स्टीवर्डशिप स्थापित करने पर एक अन्य कार्यक्रम सुक्ष्मजीव विज्ञान विभाग, एम्स, बिलासपुर द्वारा 27 नवंबर, 2021 को ऑनलाइन वेबिनार के रूप में आयोजित किया गया था। सत्र में एंटीबायोटिक दवाओं के तर्कसंगत उपयोग और रोगाणुरोधी नेतृत्व के लिए विभिन्न रणनीतियों के बारे में प्रमुख संदेशों के साथ विभिन्न प्रतिष्ठित राष्ट्रीय संकाय शामिल थे

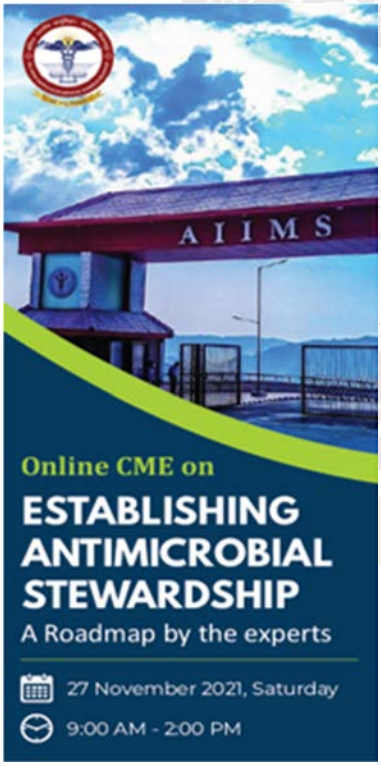

विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों में छात्रों की भागीदारी और उपलब्धियां

1. राष्ट्रीय स्तर पर विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर पावरपॉइंट प्रतियोगिता: विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर 7 अप्रैल, 2021 को इंडियन सोसाइटी ऑफ प्रिवेंटिव एंड सोशल मेडिसिन द्वारा एक राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। एमबीबीएस की छात्रा 'सारिका अग्रवाल' को 'विश्व स्वास्थ्य दिवस 2021- एक निष्पक्ष और स्वस्थ दुनिया का निर्माण' विषय पर ऑनलाइन प्रस्तुति देने के लिए 'उत्कृष्टता प्रमाणपत्र' मिला।

2. विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर वीडियो

एम्स बिलासपुर के शरीर रचना विभाग द्वारा आयोजित विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर एमबीबीएस छात्रों ने वीडियो प्रतियोगिता में भाग लिया। विचार बहुत नवीन थे जिनमे तंबाकू छोड़ने की प्रेरणा शामिल थी।

3.विश्व स्तनपान सप्ताह पर पोस्टर प्रतियोगिता

प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग द्वारा एमबीबीएस छात्रों के लिए विश्व स्तनपान सप्ताह के अवसर पर एक पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। छात्रों ने पोस्टर बनाए, जिसमें स्तनपान को बढ़ावा देने, मां और बच्चे को स्तनपान के लाभों के साथ-साथ स्तनपान कराने वाली माताओं के अलावा परिवार के सदस्यों, समुदाय और हितधारकों के बीच स्तनपान की जिम्मेदारी साझा करने के संदेश शामिल थे। प्रतियोगिता जीतने के बाद छात्रों को पुरस्कृत किया गया।

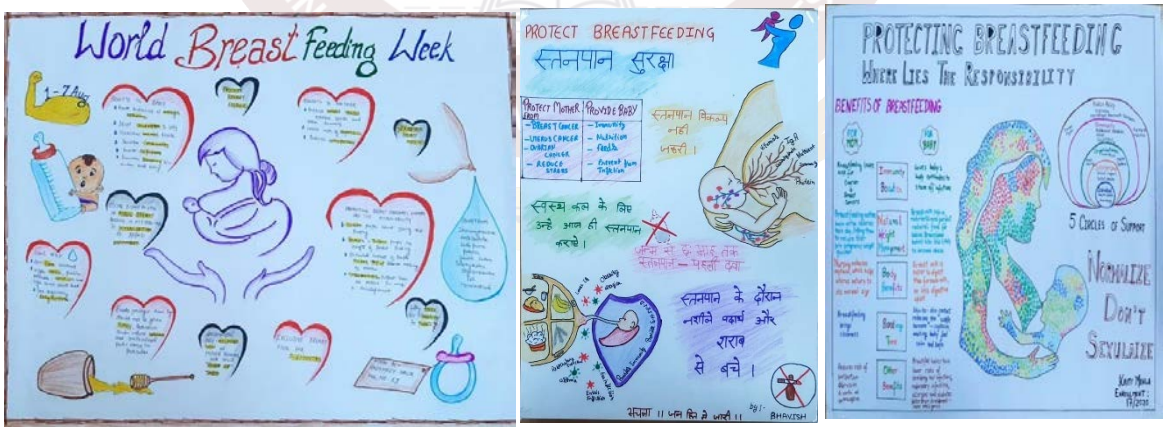

"**विश्व स्तनपान सप्ताह**" के दौरान पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में पुरस्कार विजेता पोस्टर

एमबीबीएस छात्रों का क्षेत्र दौरा

सामुदायिक एवं परिवार चिकित्सा विभाग (सीएफएम) के संकाय ने जिला बिलासपुर के विभिन्न ब्लॉकों में विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी संस्थानों का दौरा किया और उन क्षेत्रों के बारे में चर्चा करने के लिए विभिन्न हितधारकों से मुलाकात की जहां सीएफएम विभाग छात्रों के शिक्षण और प्रशिक्षण, रोगी देखभाल और अनुसंधान के लिए उनके सहयोग से काम कर सकता है। इसके बाद, दूसरे पेशेवरों (तीसरे सेमेस्टर) के एमबीबीएस छात्रों को दिसंबर 2021 से इन स्वास्थ्य संबंधी संस्थानों में ले जाया गया।

निरंतर प्रोफेशनल विकास

एम्स बिलासपुर में निरंतर प्रोफेशनल विकास एक प्राथमिकता है जिसके लिए निम्नलिखित इकाइयां स्थापित की गई हैं:

1. चिकित्सा शिक्षा इकाई
2. संकाय विकास इकाई

ये इकाइयां चिकित्सा शिक्षा योजना, पाठ्यक्रम के कार्यान्वयन और मूल्यांकन के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप संकाय के विकास में निरंतर गुणवत्ता सुधार सुनिश्चित करेंगी।

पिछले वर्ष में इन इकाइयों द्वारा विभिन्न गतिविधियां की गई हैं।

अत्याधुनिक पुस्तकालय की स्थापना की प्रक्रिया चल रही है जो चिकित्सा शिक्षा और संकाय के व्यावसायिक विकास को बढ़ावा देगी

चिकित्सा शिक्षा इकाई

शैक्षिक गतिविधियों की देखरेख, नई तकनीकों के अनुप्रयोग और संकाय के संवर्धन के लिए चिकित्सा शिक्षा के लिए नई तकनीकों और प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग के लिए एम्स बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश में 08 जून, 2021 को चिकित्सा शिक्षा विभाग का गठन किया गया था। चिकित्सा शिक्षा इकाई में निम्नलिखित सदस्य शामिल थे:

क्र. संख्या	नाम	भूमिका
1	प्रो (डॉ) संजय विक्रांत	प्रभारी अधिकारी
2	डॉ. पूनम वर्मा	प्रभारी संकाय
3	डॉ. संजय के. शर्मा	सदस्य
4	डॉ. पुनीत के. गुप्ता	सदस्य
5	डॉ. आशीष शर्मा	सदस्य
6	डॉ. कपिल शर्मा	सदस्य
7	डॉ. गौरव शर्मा	सदस्य
8	डॉ. यांगशेन ल्हामो	सदस्य
9	डॉ. अनुपमा धीमान	सदस्य
10	डॉ. जसबीर सिंह	सदस्य

इकाई का गठन निम्नलिखित भूमिकाओं और जिम्मेदारियों का पालन करने के उद्देश्य से किया गया था

1) संस्थान की शैक्षिक गतिविधियों (यूजी, पीजी, एसएस) पर निगरानी प्रदान करें
2) चिकित्सा शिक्षा में निरंतर गुणवत्ता सुधार सुनिश्चित करना, पाठ्यचर्या विकास की योजना बनाना, लागू करना और मूल्यांकन करना।

3) पाठ्यक्रम समिति के माध्यम से पाठ्यक्रम में विकास और सुधारों का समर्थन करना।
4) मेडिकल अंडरग्रेजुएट्स, पोस्ट ग्रेजुएट्स और नर्सिंग स्टाफ को कौशल-आधारित शिक्षा प्रदान करना ताकि वे वार्डों और क्लीनिकों में रोगियों का प्रबंधन करते समय बेहतर तरीके से तैयार हों।
5) वास्तविक जीवन परिदृश्य प्रदान करने पर जोर देने के साथ स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों के लिए प्रशिक्षण मॉड्यूल और शिक्षण सामग्री विकसित करना।
6) चिकित्सा में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी का एकीकरण
7) नए अनुदेशात्मक तरीकों को पेश करने और समर्थन करने के लिए पाठ्यक्रम।
8) चिकित्सा और पैरामेडिकल के लिए लघु पाठ्यक्रम और प्रशिक्षण लेना
9) नर्सिंग, छात्र, और अंग्रेजी में अनुसंधान विद्वान और संचार कौशल।
10) अनुसंधान परियोजनाओं और अनुसंधान प्रकाशनों के माध्यम से शैक्षिक अनुसंधान की सुविधा।
11) नियमित कार्यशालाओं और सम्मेलनों का आयोजन करके चिकित्सा शिक्षा में वर्तमान रुझानों पर संस्थान को अपडेट रखना ।

2021 में आयोजित विभिन्न गतिविधियों की अनुसूची निम्नलिखित हैं

क्र.सं		कार्यशाला/व्याख्यान की तिथियां	प्रतिभागियों	कार्यशाला की सामग्री	संसाधन संकाय
1	MCQ पर तीन इंटरैक्टिव सत्र	11/06/2021; 7/7/2021; 10/7/2021	सभी संकाय	आइटम विश्लेषण MCQ के प्रकार और उनके निर्माण बैंकिंग पर प्रश्न (30 मिनट)	डॉ. पूनम वर्मा
2	सीबीएमई और ईपीए पर ऑनलाइन कार्यशाला	2/7/2021	संस्थान संकाय (30)	CBME सिमुलेशन आधारित शिक्षा EPA सिमुलेशन का प्रदर्शन योग्यता आधारित मूल्यांकन	अतिथि संकाय (03) डॉ. दिनेश बडयाल और उनकी टीम डॉ. पूनम वर्मा

3	"कौशल मॉड्यूल विकास पर कार्यशाला"	17/12/2021	संस्थान संकाय (22))	कौशल आधारित शिक्षण की अवधारणा और इसका मूल्यांकन कौशल मॉड्यूल का डिजाइन कौशल शिक्षण का प्रदर्शन	डॉ. पूनम वर्मा डॉ. अनुपमा धीमान डॉ. यांगशेन ल्हामो
4	चिकित्सा शिक्षा प्रौद्योगिकी (एमईटी) पर संकाय कार्यशाला की तैयारी	1 जुलाई से अगस्त 2021 के मध्य तक	एमईयू संकाय	एनएमसी दिशानिर्देशों के अनुसार	डॉ. पूनम वर्मा

मेडिकल एजुकेशन यूनिट, एम्स बिलासपुर द्वारा कौशल मॉड्यूल विकास पर कार्यशाला का आयोजन

"कौशल मॉड्यूल के विकास" पर समूह गतिविधि प्रशिक्षण

चिकित्सा शिक्षा प्रौद्योगिकियों में कौशल/ज्ञान के उन्नयन के लिए एमईयू संकाय द्वारा पाठ्यक्रम/कार्यशाला पूरी की गई/भाग लिया गया:

डॉ. पूनम वर्मा

1. संकाय विकास पाठ्यक्रम (ऑनलाइन): दिसंबर 2021 से अप्रैल 2022 तक फिजियोलॉजी में कार्यान्वयन योग्यता-आधारित पाठ्यक्रम (कुल 60 घंटे)
2. गुड असेसमेंट प्रैक्टिस (जीएपी) पर कार्यशाला (ऑफलाइन): 15 सितंबर 2021 को फैमर रीजनल सेंटर, सीएमसी, लुधियाना में परिदृश्य आधारित एमसीक्यू को डिजाइन और मान्य करना

3. सीबीएमई समिति, एमजीएम इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ साइंसेज द्वारा 22 जनवरी 2021 को "सीबीएमई और एनएएसी कार्यान्वयन के लिए व्यवस्थित दृष्टिकोण" पर वेबिनार आयोजित किया गया।
4. 3 और 4 दिसंबर 2021 को इको इंडिया के सहयोग से आईक्यूएसी, केजीएमयू द्वारा आयोजित एक स्वास्थ्य संस्थान की चिकित्सा शिक्षा जिम्मेदारियों में गुणवत्ता बेंचमार्क की प्राप्ति पर राष्ट्रीय वेबिनार।

डॉ. संजय शर्मा

1. गुड असेसमेंट प्रैक्टिस (जीएपी) पर कार्यशाला (ऑफलाइन): ओएसपीई/ओएससीई के तीन सी: 17 सितंबर 2021 को फैमर रीजनल सेंटर, सीएमसी, लुधियाना में अवधारणा, निर्माण और आचरण

डॉ. अनुपम:

1. 16 सितंबर 2021 को एफएआईएमईआर क्षेत्रीय केंद्र, सीएमसी, लुधियाना में गुड टीचिंग लर्निंग प्रैक्टिस (जीटीएलपी) सिमुलेशन आधारित शिक्षण और सेटिंग कौशल प्रयोगशालाओं पर कार्यशाला (ऑफ़लाइन)

डॉ यांगशेन:

1. संकाय विकास पाठ्यक्रम (ऑनलाइन): दिसंबर 2021 से अप्रैल 2022 तक फार्माकोलॉजी में कार्यान्वयन योग्यता-आधारित पाठ्यक्रम (कुल 60 घंटे)
2. 16 सितंबर 2021 को एफएआईएमईआर क्षेत्रीय केंद्र, सीएमसी, लुधियाना में गुड टीचिंग लर्निंग प्रैक्टिस (जीटीएलपी) सिमुलेशन आधारित शिक्षण और सेटिंग कौशल प्रयोगशालाओं पर कार्यशाला (ऑफ़लाइन)

डॉ. आशीष शर्मा

1. संकाय विकास पाठ्यक्रम (ऑनलाइन): दिसंबर 2021 से अप्रैल 2022 तक फिजियोलॉजी में कार्यान्वयन योग्यता-आधारित पाठ्यक्रम (कुल 60 घंटे)

अनुसंधान

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान बिलासपुर
ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES BILASPUR
सर्वे सन्तु निरामयाः

अनुसंधान

अनुसंधान किसी भी शैक्षणिक संस्थान के लिए, विशेष रूप से स्वास्थ्य संस्थानों और मेडिकल कॉलेजों, विशेषतः राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों के लिए मौलिक है। चिकित्सा अनुसंधान में मानव स्वास्थ्य में विभिन्न कारकों का अध्ययन करना और स्वास्थ्य देखभाल में चुनौतियों के समाधान खोजना शामिल है। यह नई दवाओं या चिकित्सा प्रक्रियाओं को विकसित करने और पहले से उपलब्ध लोगों के आवेदन में सुधार करने में मदद करता है।

इन सिद्धांतों को ध्यान में रखते हुए, एम्स बिलासपुर के संकाय अनुसंधान के क्षेत्र में सक्रिय रूप से शामिल हैं। अधिकांश संकाय ने विभिन्न प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में अपने शोध कार्य प्रकाशित किए हैं। अपने पिछले अनुभव और नए विचारों के आधार पर, कई संकाय संस्थान में शामिल होने के बाद अनुसंधान परियोजनाओं पर काम कर रहे हैं।

अप्रैल, 2021 से मार्च, 2022 की अवधि के दौरान विभिन्न संकाय द्वारा अनुमोदित परियोजनाओं और प्रकाशनों का विवरण निम्नानुसार है:

परियोजनाएँ/प्रकाशन	संख्या
निधिबद्ध परियोजनाएँ-	
सम्पन्न	19
अविरत	5
विभागीय परियोजनाएँ-	
सम्पन्न	4
अविरत	4
सहयोगात्मक परियोजनाएँ-	
सम्पन्न	9
अविरत	4
प्रकाशन- पत्र	152
पुस्तक अध्याय	24

अन्य संस्थानों / एजेंसियों के साथ अनुसंधान सहयोग

1. आईसीएमआर सेंटर फॉर इनोवेशन एंड बायोडिजाइन (सीआईबायोड): एम्स बिलासपुर और आईसीएमआर सीआईबायोड के बीच सहयोग समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर 09 जुलाई, 2021 को हस्ताक्षर किए गए थे। इस समझौता ज्ञापन का उद्देश्य 'आत्मनिर्भर भारत' कार्यक्रम के तहत जनता के लिए नवीन, मितव्ययी स्वास्थ्य देखभाल प्रौद्योगिकियों को विकसित करने और उपयोग करने के लिए सहयोग करना है । प्रारंभिक चरण में सिबायोड बिलासपुर जिले के दूरदराज के क्षेत्रों और 3 कठिन, दुर्गम और जनजातीय जिलों (चंबा, लाहौल और स्पीति और किन्नौर) में एक नवीन और मितव्ययी टेलीमेडिसिन प्लेटफॉर्म साझा करेगा और स्थापित करेगा, जिसे एम्स बिलासपुर से जोड़ा जाएगा। एम्स बिलासपुर के संकाय दूर-दराज के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को टेली-परामर्श देने के रूप में दूर-दराज सेवा प्रदान करेंगे। यह टेलीमेडिसिन प्लेटफॉर्म डिजिटल स्टेथोस्कोप, ईसीजी और 50 प्रयोगशाला जांच जैसे 'प्वाइंट ऑफ केयर' नैदानिक उपकरणों के साथ भी सक्षम है। यह इन क्षेत्रों में रोगियों के लिए एक वरदान होगा क्योंकि ये सेवाएं आमतौर पर उपलब्ध नहीं होती हैं। एम्स, बिलासपुर जनजातीय चिकित्सा और एनसीडी के प्रमुख क्षेत्रों में महामारी विज्ञान के अध्ययन के लिए इन उपकरणों का उपयोग करने की संभावना का भी पता लगाएगा। इसके अलावा, एम्स, बिलासपुर और सिबिओडी स्वास्थ्य देखभाल प्रौद्योगिकी नवाचारों से संबंधित विभिन्न शैक्षणिक सम्मेलनों, सेमिनारों और अनुसंधान गतिविधियों में भी भाग लेंगे। इससे एम्स संकाय को अपने संबंधित क्षेत्रों में नवीन विचारों की गवाही देने के लिए एक मंच मिलेगा।

2. आईआईटी (भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान), मंडी (हिमाचल प्रदेश): दोनों संस्थानों ने 29 अक्तूबर, 2021 को संयुक्त अनुसंधान गतिविधियों और अकादमिक आदान-प्रदान गतिविधियों के संचालन के उद्देश्य से एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौता ज्ञापन के तहत, दोनों संस्थान संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं और भविष्य में अल्पकालिक संयुक्त शैक्षणिक कार्यक्रमों पर काम करने की योजना बना रहे हैं, जिससे शोधकर्ताओं और छात्रों को अन्य संस्थान के साथ सहयोग करने और काम करने का अवसर मिलता है। इस समझौता ज्ञापन के तहत संयुक्त अनुसंधान और अकादमिक सहयोग गतिविधियां चिकित्सा विज्ञान और प्रौद्योगिकी से संबंधित विभिन्न कार्यक्षेत्र को पूरा करेंगी, जिसमें मेडिकल इमेजिंग, डिजिटल पैथोलॉजी, पॉइंट-ऑफ-केयर परीक्षण उपकरण, जैव सूचना विज्ञान, एंडोक्रिनोलॉजी, बायोमैटेरियल्स, टेलीमेडिसिन शामिल हैं। समझौता ज्ञापन की अन्य प्रमुख पहलों में शामिल हैं:

- चिकित्सा और सार्वजनिक स्वास्थ्य के संयुक्त अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, कार्यशाला और संगोष्ठी
- शैक्षिक और अनुसंधान कार्यक्रमों के लिए प्रासंगिक शिक्षण और अन्य साहित्य पर जानकारी का आदान-प्रदान
- पारस्परिक समझौतों के आधार पर, और मौजूदा कानूनों के अनुसार चिकित्सा उद्योग, उपकरणों और उपकरणों के दोनों पक्षों को जोड़ना

संस्थागत आचारनीति समिति

एम्स बिलासपुर की संस्थागत आचार समिति का गठन 5 अगस्त, 2021 को **2** समितियों- **संस्थागत आचारनीति समिति (बायोमेडिकल और स्वास्थ्य अनुसंधान) और संस्थागत आचारनीति समिति (नैदानिक परीक्षण)** के गठन के साथ किया गया था।

संस्थागत नैतिकता समिति (बायोमेडिकल और स्वास्थ्य अनुसंधान) के सदस्य हैं:

सदस्यों के नाम	पद आयोजित
डॉ. वी. एम. कटोच	अध्यक्ष
प्रोफेसर संजय विक्रांत	उपाध्यक्ष
न्यायमूर्ति वी के शर्मा (सेवानिवृत्त)	सदस्य (कानूनी)
श्री मंजू चतुर्वेदी	वैकल्पिक सदस्य (कानूनी)
डॉ मल्लिका नड्डा	सदस्य (एनजीओ प्रतिनिधि)
श्री जगदीश ठाकुर	सदस्य (शिक्षित समुदाय के व्यक्ति)
प्रोफेसर अनुराधा शर्मा	सदस्य (मौलिक चिकित्सा वैज्ञानिक)
डॉ. ऋचा दीवान	सदस्य (चिकित्सक)
प्रोफेसर संतोष मिन्हास	सदस्य (चिकित्सक)
डॉ. आशीष शर्मा	सदस्य सचिव
डॉ. बिजय कुमार सेठी	वैकल्पिक सदस्य सचिव

संस्थागत आचार समिति (नैदानिक परीक्षण) के सदस्य हैं:

सदस्यों के नाम	पद आयोजित
लेफ्टिनेंट जनरल डॉ. वी.पी. चतुर्वेदी	अध्यक्ष
प्रोफेसर संजय विक्रांत	उपाध्यक्ष
श्री राजेश कुमार वर्मा	सदस्य (कानूनी)
श्री चमन ठाकुर	वैकल्पिक सदस्य (कानूनी)
श्रीमती बृज बाला सांख्यान	सदस्य (सामाजिक वैज्ञानिक)
श्री विनोद कुमार	वैकल्पिक सदस्य (सामाजिक वैज्ञानिक)
श्री जगदीश ठाकुर	सदस्य (शिक्षित समुदाय के व्यक्ति)
डॉ. बिकाश मेधी	सदस्य (मौलिक चिकित्सा वैज्ञानिक)
डॉ. प्रशांत सूद	वैकल्पिक सदस्य (मौलिक चिकित्सा वैज्ञानिक)
प्रोफ़ेसर आर.के. कौशल	सदस्य (नैदानिक वैज्ञानिक)
डॉ. हरप्रीत कौर	सदस्य (नैदानिक वैज्ञानिक)
डॉ. मीनाक्षी मीनू	सदस्य सचिव

डॉ. यांगशेन ल्हामो	वैकल्पिक सदस्य सचिव

दोनों गठित आईईसी समितियों के सदस्यों ने 1 सितंबर, 2021 को 'अच्छी नैदानिक प्रथाओं और नई दवा और नैदानिक परीक्षण नियम 2019' पर प्रशिक्षण और कार्यशाला की । कार्यशाला का आयोजन एम्स बिलासपुर द्वारा पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ के सहयोग से किया गया था। दोनों आईईसी समितियों के सदस्यों को प्रख्यात राष्ट्रीय संकाय सदस्यों द्वारा प्रशिक्षित किया गया था:

1. डॉ. विकास मेधी, प्रोफेसर, फार्माकोलॉजी विभाग, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़
2. डॉ. वाई. के. गुप्ता, अध्यक्ष एम्स जम्मू, पूर्व प्रोफेसर और प्रमुख, फार्माकोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली
3. डॉ रोली माथुर, वैज्ञानिक एफ, हेड, आईसीएमआर बायोएथिक्स यूनिट, एनसीडीआईआर बेंगलुरु

संस्थागत आचार समिति (बायोमेडिकल और स्वास्थ्य अनुसंधान) की मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) को आईईसी-एसओपी समिति के सदस्यों द्वारा तैयार किया गया था और[18] अक्टूबर, 2022 को एम्स, बिलासपुर के योग्य कार्यकारी निदेशक द्वारा अंतिम रूप दिया और स्वीकार किया गया।

संस्थागत आचार समिति (बायोमेडिकल और स्वास्थ्य अनुसंधान) को 6 जनवरी, 2022 को स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग के बायोमेडिकल और स्वास्थ्य अनुसंधान के लिए राष्ट्रीय आचार समिति रजिस्ट्री के साथ 2 साल के लिए अंतिम रूप से पंजीकृत किया गया था।

आईईसी (बीएचआर) - प्रथम बैठक

आईईसी (बीएचआर) की पहली बैठक 11 और 12 फरवरी, 2022 को हाइब्रिड मोड में कॉन्फ्रेंस हॉल, अकादमिक ब्लॉक में आयोजित की गई थी। पहली आईईसी बैठक के लिए विभिन्न विभागों के संकाय द्वारा पैंतीस शोध प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए थे। निम्नलिखित सदस्यों ने बैठक में भाग लिया:

1. डॉ. वी. एम. कटोच: उपाध्यक्ष व मौलिक चिकित्सा वैज्ञानिक
2. प्रोफेसर संजय विक्रांत: उपाध्यक्ष व चिकित्सक
3. प्रोफेसर अनुराधा शर्मा: मौलिक चिकित्सा वैज्ञानिक
4. डॉ. ऋचा दीवान - चिकित्सक
5. प्रोफेसर संतोष मिन्हास: चिकित्सक
6. डॉ बिजय कुमार सेठी: वैकल्पिक सदस्य सचिव व चिकित्सक

7. श्री मंजू चतुर्वेदी: कानूनी विशेषज्ञ
8. श्री जगदीश ठाकुर: शिक्षित समुदाय के व्यक्ति
9. डॉ आशीष शर्मा: सदस्य सचिव

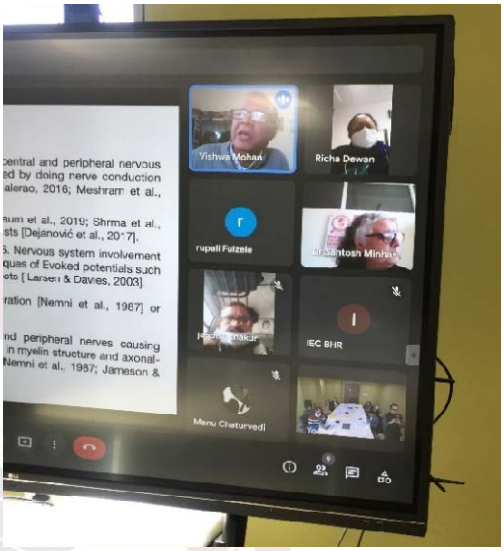

इब्रिड मोड में पहली बैठक में भाग लेने वाले आईईसी (बीएचआर) सदस्य

जांचकर्ताओं ने अपनी परियोजनाओं की एक संक्षिप्त प्रस्तुति दी और सदस्यों के प्रश्नों का उत्तर दिया। समिति ने पाया कि इनमें से अधिकांश प्रस्ताव सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रासंगिकता के थे और इन परियोजनाओं को विकसित करने में एम्स बिलासपुर के संकाय द्वारा प्रदर्शित मूल सोच की गहराई से सराहना की।

एम्स बिलासपुर के संकाय ने आईईसी सदस्यों के सामने अपना अनुसन्धान प्रस्ताव प्रस्तुत किया

पहली आईईसी बैठक के दौरान, प्रस्तुत 35 अनुसन्धान प्रस्तावों में से, 12 प्रस्तावों को नैतिक कोण से अनुमोदित किया गया था, जबकि जांचकर्ताओं को 14 प्रस्तावों में कुछ बदलावों के बाद पुन: प्रस्तुत करने के लिए कहा गया था।

आईईसी की दूसरी बैठक 24 अप्रैल, 2022 को आयोजित करने का निर्णय लिया गया।

विभागीय विवरण

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान बिलासपुर
ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES BILASPUR
सर्वे सन्तु निरामयाः

सवेंदनाहरण विज्ञान विभाग

संकाय

क्र. संख्या	नाम	पद	नियुक्ति की तिथि
1.	डॉ. कृति चौधरी	सहायक प्राध्यापक	04/02/2021
2.	डॉ. रूपाली ब्रह्मा	सहायक प्राध्यापक	02/01/2021
3.	डॉ. अनीता सरन	सहायक प्राध्यापक	28/01/2021
4.	डॉ. पूजा गुरनाल	सहायक प्राध्यापक	23/11/2020

विभाग के विषय में

सवेंदनाहरण विज्ञान विभाग में चार सहायक प्राध्यापक हैं। ओटी और आईसीयू के निर्माण कार्य के चलते, संकाय सदस्यों को ओटी, आईसीयू, आपातकालीन और एम्बुलेंस सेवाओं को शुरू करने के लिए काम आने वाले उपकरणों की खरीद और एनेस्थीसिया सेवाओं को जल्द से जल्द शुरू करने के लिए विभिन्न प्रशासनिक कार्यों में शामिल किया गया। विभाग ने सुचारू कामकाज के लिए एसओपी विकसित किए और कोविड-19 प्रोटोकॉल भी तैयार किया। इसके अलावा विभाग आयुष ब्लॉक में ओपीडी और माइनर ओटी के लिए आपातकालीन चिकित्सा सेवाएं प्रदान कर रहा है। संकाय सदस्यों ने एमबीबीएस छात्रों के फाउंडेशन कोर्स में 'बुनियादी जीवन समर्थन कौशल' पर व्याख्यान में सक्रिय रूप से शामिल होकर शिक्षाविदों में भी योगदान दिया। संकाय सदस्यों द्वारा नर्सिंग अधिकारियों को भी 'बुनियादी जीवन समर्थन कौशल' के बारे में प्रशिक्षण दिया गया।

नैदानिक:

- कोविड-19 टीकाकरण केंद्र में टीकाकरण के बाद प्रतिकूल घटनाओं से निपटने के लिए आपातकालीन सेवाएं प्रदान की गईं।
- आयुष ब्लॉक के ओपीडी और माइनर ओटी में आपातकालीन चिकित्सा सेवाएं दी गईं।
- कोड ब्लू टीम विकसित की और उसी के लिए प्रोटोकॉल तैयार किया।
- कोविड-19 की तैयारियों के लिए कोविड-19 उपचार प्रोटोकॉल तैयार किया।

शिक्षण और प्रशिक्षण:

- एनेस्थिसियोलॉजी यूजी पाठ्यक्रम तैयार किया।
- फाउंडेशन कोर्स के एक भाग के रूप में यूजी छात्रों के लिए 'बुनियादी जीवन समर्थन' पर व्याख्यान दिया गया।
- 'बेसिक और उन्नत कार्डियोवैस्कुलर जीवन समर्थन' प्रदान करने के लिए कोड ब्लू टीम के नर्सिंग अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया।

- अन्य संकाय सदस्यों और नर्सिंग अधिकारियों को भी सीपीआर के लिए प्रशिक्षण दिया गया।
- कोविड-19 तैयारियों के लिए संकाय सदस्यों और नर्सिंग अधिकारियों को मैकेनिकल वेंटिलेशन पर प्रशिक्षण दिया गया।

प्रशासनिक:

- विभाग एनेस्थीसिया सेवाएं जल्द से जल्द शुरू करने के लिए एनेस्थीसिया और ओटी/आईसीयू से संबंधित उपकरणों की खरीद के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहा है।
- विभाग ओटी और आईसीयू से संबंधित विभिन्न प्रपत्र और जांच सूची का निर्माण कर रहा है।
- एम्बुलेंस, माइनर ओटी और ओपीडी के लिए आपातकालीन चिकित्सा उपकरणों की खरीद में सक्रिय है।
- संस्थान की विभिन्न समितियों के सक्रिय सदस्यों के रूप में कार्य कर रहा है।
- संस्थान के लिए एक कौशल प्रयोगशाला के विकास के लिए मूल्यवान परामर्श दिए गए हैं।
- रैगिंग विरोधी गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी द्वारा यूजी छात्रों की भलाई में भूमिका निभा रहा है।
- संस्थान के पथप्रदर्शक-शिक्षार्थी कार्यक्रम में योगदान दे रहा है।

डॉ. कृति चौधरी

शिक्षा

1. 2021 में आईसीएमआर द्वारा बायोमेडिकल रिसर्च में बुनियादी पाठ्यक्रम पूरा किया।

सीएमईएस, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान

क्र. संख्या	शीर्षक	सीएमई/सम्मेलन	दिनांक	आयोजक
1.	"वायुमार्ग उपकरण का बंध्याकरण" पर संचालित सत्र	बारहवीं राष्ट्रीय एयरवे सम्मेलन- 2021	अक्टूबर 2021	ऑल इंडिया डिफिकल्ट एयरवे एसोसिएशन के सहयोग से सवेंदनाहरण विज्ञान विभाग, एम्स, जोधपुर
2.	अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन (एएचए) से मान्यता प्राप्त बीएलएस और	अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन (एएचए) से मान्यता प्राप्त बीएलएस	मार्च 2022	एएचए इंटरनेशनल ट्रेनिंग साइट, नई दिल्ली

	एसीएलएस प्रदाता पाठ्यक्रम के लिए प्रशिक्षक	और एसीएलएस प्रदाता पाठ्यक्रम		

अनुसंधान

सहयोगात्मक: 1

प्रकाशन

शोधपत्र: 2

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण कार्यक्रम

1. एम्स, जोधपुर द्वारा आयोजित बारहवीं राष्ट्रीय वायुपथ सम्मेलन-2021 में शोधपत्र/पोस्टर प्रतियोगिता सत्र के लिए न्यायाधीश के रूप में कार्य किया।
2. जर्नल- इंडियन एनेस्थेटिस्ट फोरम के लिए समीक्षक के रूप में कार्य किया।

डॉ. रूपाली ब्रह्मा

शिक्षा

1. एसीएलएस प्रदाता पाठ्यक्रम पूरा किया और प्रशिक्षक क्षमता से सम्मानित किया गया।
2. बायोमेडिकल रिसर्च (बीसीबीआर) में बुनियादी पाठ्यक्रम पूरा किया।

प्रकाशन

शोधपत्र: 1

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण कार्यक्रम

1. नव स्थापित टीकाकरण केंद्र, ओपीडी और माइनर ओटी में आपातकालीन चिकित्सा सेवाएं शुरू करना।

डॉ. अनीता सरन

शिक्षा

1. 2021 में आईसीएमआर द्वारा बायोमेडिकल रिसर्च में बेसिक कोर्स पूरा किया।

सीएमईएस, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान

क्र. संख्या	शीर्षक	सीएमई/सम्मेलन	दिनांक	आयोजक
1.	"सर्जिकल रोगाणुरोधी प्रोफिलैक्सिस" के लिए पैनलिस्ट।	"रोगाणुरोधी नेतृत्व की स्थापना विशेषज्ञों द्वारा एक रोडमैप" पर सीएमई	27/11/2021	सुक्ष्मजीव विज्ञान विभाग, एम्स बिलासपुर

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण कार्यक्रम

1. आरईएमएपी-सीएपी परीक्षण के साइट सह-अन्वेषक, 'इंटेंसिव केयर मेडिसिन' में प्रकाशित।

डॉ. पूजा गुरनाल

शिक्षा

1. आईसीएमआर द्वारा संचालित बीसीबीआर पाठ्यक्रम।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण कार्यक्रम

1. उपशामक चिकित्सा में फाउंडेशन कोर्स पूरा किया।

अनुसंधान

सहयोगात्मक परियोजनाएँ

सम्पन्न

क्र. संख्या	परियोजनाएँ	भूमिका	सहयोगी विभाग/संस्था
1.	कोविड-19 महामारी के दौरान पश्चिमी राजस्थान में फ्रंटलाइन स्वास्थ्य कर्मियों के मनोसामाजिक प्रभाव और मुकाबला करने की रणनीतियां।	डॉ. कृति चौधरी (सह-अन्वेषक)	संवेदनाहरण विज्ञान एवं गहन चिकित्सा विभाग, एम्स जोधपुर।

प्रकाशन

1. **चौधरी के**, कुमारी के, छाबड़ा एस, चौधरी जी। ट्रेकिअल स्टेनोसिस के एक मामले में लिडोकेन नेबुलाइजेशन के बाद वायुमार्ग बाधा का प्रबंधन केस रिपोर्ट। ब्रज जे एनेस्थेसियोल। 2021 अक्टूबर 7:S0104-0014(21)00371-7।
2. चौधरी जी, **चौधरी के**, स्वामी आर, कर्णावत आर। कंपेरिजन ऑफ क्लोनिडीन विद फेंटानिल एज़ एन एडजुवेंट टू आइसोबैरिक रोपाइवाकाइन इन पेशेंट्स अंडर वजाइनल हिस्टेरेक्टॉमी अंडर सबअरकनोइड ब्लॉक। एनेस्थिसियोलॉजी का श्रीलंकाई जर्नल। 2021 अप्रैल 28;29(1):18-23।
3. कपूर आई, वांचू जे, महाजन सी, सिंघल वी, रॉय एच, कुमार एस, **ब्रह्मा आर**, प्रसाद सी, कलैवानी एम, प्रभाकर एच, चतुर्वेदी ए। ऑप्टिक नर्व शीथ डायमीटर [टोंस ट्रायल] पर पर्क्यूटेनियस ट्रेकियोस्टोमी का प्रभाव। इंडियन जे क्रिट केयर मेड 2021; 25(4):382-387. डीओआई: 10.5005/जेपी-जर्नल्स-10071-23783.

शरीर रचना विभाग

संकाय

क्र. संख्या	नाम	पद	नियुक्ति की तिथि
1	डॉ संजय कुमार शर्मा	सह प्राध्यापक	23/11/2020
2	डॉ भाग्यश्री	सहायक प्राध्यापक	11/11/2020
3	डॉ सचिन सोनी	सहायक प्राध्यापक	23/11/2020
4.	डॉ वंदना तिवारी	सहायक प्राध्यापक	10/02/021 (06/12/2021 तक)
5.	डॉ विजयकिशन भीमवारपु	सहायक प्राध्यापक	22/12/2020 (16/11/2021 तक)

विभाग के विषय में

स्नातक मेडिकल छात्रों के लिए शरीर रचना (एनाटॉमी) बहुत महत्वपूर्ण विषय है। चिकित्सा के आकर्षक क्षेत्र की यात्रा मानव शरीर की संरचना को समझने की कोशिश से शुरू होती है। शरीर रचना का विषय मानव शरीर के सेलुलर से मैक्रोस्कोपिक स्तर तक के अध्ययन से संबंधित है। वर्तमान में शरीर रचना विभाग एम्स, बिलासपुर के रैन बसेरा (एडमिन ब्लॉक) में स्थित है। विभाग में एक कार्यात्मक हिस्टोलोजी विज्ञान प्रयोगशाला और एक डिसेक्शन हॉल है। पहले बैच की शैक्षणिक गतिविधि जनवरी 2021 में यहां शुरू हुई थी। प्रारंभिक कोविड-19 के प्रकोप के दौरान कक्षाएं और प्रायोगिक सत्र बाधित हो गए थे और राष्ट्रव्यापी कोविड लॉकडाउन लागू किया गया था। बहुत जल्द, कुछ अवधि के लिए ऑनलाइन शैक्षणिक गतिविधियां शुरू हो गई थी। हमारे विभाग में एमबीबीएस बैच 2020 की परीक्षा 100% परिणाम के साथ सफलतापूर्वक आयोजित की गई थी। एमबीबीएस 2021 का दूसरा बैच मार्च 2022 में शुरू हुआ है। विभाग ने 26 मार्च 2022 को प्रथम हेड नेक सर्जरी कैडेवर डिसेक्शन कोर्स पर कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया।

डॉ संजय कुमार शर्मा
शिक्षा

1. भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आई.सी.एम.आर) द्वारा संचालित बायोमेडिकल रिसर्च में बेसिक कोर्स (बी.सी.बी.आर) पूरा किया ।

सीएमई / कार्यशाला / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

1. 26 मार्च 2022 को एम्स बिलासपुर में शरीर रचना विज्ञान विभाग और कर्णनासांकाठ विज्ञान विभाग द्वारा हेड नेक सर्जरी कैडेवर डिसेक्शन कोर्स की कार्यशाला का आयोजन किया गया था (संगठन सह-अध्यक्ष के रूप में कार्य किया)

सीएमई, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान

क्र. संख्या	शीर्षक	सीएमई/सम्मेलन	दिनांक	आयोजक
1.	पैरोटिडेक्टोमी के लिए प्रासंगिक एनाटॉमी और शल्य कौशल	हेड नेक सर्जरी कैडेवर डिसेक्शन कोर्स	26 मार्च 2022	शरीर रचना विज्ञान विभाग और कर्णनासाकंठ विज्ञान विभाग, एम्स बिलासपुर

अनुसंधान

निधिबद्ध परियोजनाएँ

अविरत: 1

डॉ भाग्यश्री

सीएमई / कार्यशाला / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

1. 26 मार्च 2022 को एम्स बिलासपुर में शरीर रचना विज्ञान विभाग और कर्णनासाकंठ विज्ञान विभाग द्वारा हेड नेक सर्जरी कैडेवर डिसेक्शन कोर्स की कार्यशाला का आयोजन किया

प्रकाशन

शोधपत्र : 1

डॉ सचिन सोनी

सीएमई / कार्यशाला / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

1. 26 मार्च 2022 को एम्स बिलासपुर में शरीर रचना विज्ञान विभाग और कर्णनासाकंठ विज्ञान विभाग द्वारा हेड नेक सर्जरी कैडेवर डिसेक्शन कोर्स की कार्यशाला का आयोजन किया गया था।

सीएमई, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान

क्र. संख्या	शीर्षक	सीएमई/सम्मेलन	दिनांक	आयोजक
1.	सबमैंडीबुलर ग्लैंड एनाटोमी	हेड नेक सर्जरी कैडेवर डिसेक्शन कोर्स	26 मार्च 2022	शरीर रचना विज्ञान विभाग और कर्णनासाकंठ विज्ञान विभाग, एम्स बिलासपुर

अनुसंधान एवं प्रकाशन

निधिबद्ध परियोजनाएँ

अविरत

क्र. संख्या	परियोजना	भूमिका	निधीयन संस्था	अवधि (वर्ष)	प्रारंभ - अंत वर्ष	स्वीकृत धनराशि (रु.)
1.	हिमाचल प्रदेश के जनजातीय जिलों की आदिवासी आबादी में कद के साथ हाथ और पैरों के आयाम का सहसंबंध।	डॉ संजय कुमार शर्मा (सह अन्वेषक)	आई. सी.एम .आर	1 वर्ष	नैतिक समिति और आई.सी.एम. आर द्वारा तकनीकी रूप से अनुमोदित	4.92 लाख (प्रस्तावित)

प्रकाशन

1. अश्विनी कुमार, **भाग्यश्री**, हरविंदर एस., राजीव जोशी, रवदीप सिंह, पैटर्न्स ऑफ हेड इंजरी ड्यू टू फॉल: ए रेट्रोस्पेक्टिव क्रॉस-सेक्शनल स्टडी इन मालवा रीजन ऑफ पंजाब। जर्नल ऑफ कार्डियोवास्कुलर डिजीज रिसर्च में, मार्च 2022, पेज 84-87, आईएसएसएन: 0975-3583,0976-2833, वॉल्यूम -13, अंक- 03, 2022.

जीव रसायन विज्ञान विभाग

संकाय

क्र. संख्या	नाम	पद	नियुक्ति की तिथि
1.	डॉ. सुमिता शर्मा	सह - प्राध्यापक	16/11/2020
2.	डॉ. दीप्ति मलिक	सहायक प्राध्यापक	11/11/2020
3.	डॉ. मनीष कुमार	सहायक प्राध्यापक	23/01/2021
4.	डॉ. ओंजल के तायवाड़े	सहायक प्राध्यापक	20/11/2020
5.	डॉ. अनुराग सांख्यान	सहायक प्राध्यापक	24/06/2021

विभाग के विषय में

रोगी देखभाल में सहायता के लिए नैदानिक प्रयोगशाला सेवाओं, चिकित्सा अनुसंधान सुविधाओं और स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षण प्रदान करने के लिए जीव रसायन विज्ञान विभाग, एम्स, बिलासपुर की स्थापना की गई है।

शैक्षणिक: संकाय स्नातक छात्रों (एमबीबीएस) के लिए व्याख्यान और व्यावहारिक कक्षाएं आयोजित करने में शामिल रहा है। उपदेशात्मक व्याख्यानों के अलावा, विभिन्न अन्य शिक्षण विधियों जैसे प्रशिक्षण, मामलों का अध्ययन और प्रारंभिक नैदानिक अनावरण को नियोजित किया जा रहा है। पिछले वर्ष प्रायोगिक प्रयोगशाला को भी पूरी तरह क्रियाशील बनाया गया है। विभाग छात्रों के रचनात्मक मूल्यांकन के लिए मासिक कक्षा परीक्षण आयोजित कर रहा है। संकाय ने एमडी बायोकैमिस्ट्री, एमबीबीएस और बीएमएलएस पाठ्यक्रम के विकास के लिए बहुमूल्य जानकारी भी दी है। संकाय ने बुनियादी अवधारणाओं के साथ मदद की आवश्यकता वाले छात्रों का समर्थन करने के लिए नियमित अतिरिक्त कक्षाएं भी ली हैं और उन छात्रों की भी मदद की है जो प्राथमिक निर्देश भाषा के रूप में अंग्रेजी में धाराप्रवाह नहीं हैं।

नैदानिक प्रयोगशाला सेवाएं: आयुष ब्लॉक स्थित डायग्नोस्टिक लेबोरेटरी के बायोकैमिस्ट्री सेक्शन का संचालन विभाग द्वारा किया जा रहा है। प्रतिदिन आंतरिक गुणवत्ता नियंत्रण सामग्री चलाकर और मासिक आधार पर बाहरी गुणवत्ता आश्वासन योजनाओं में भाग लेकर प्रयोगशाला की गुणवत्ता की निगरानी की जा रही है। विभाग ने दिसंबर 2021-मार्च 2022 तक लगभग 500 रोगियों/महीने को नैदानिक सहायता प्रदान की और लगभग 7500 जांच/माह की। इसके अलावा, विभाग अपनी खुद की नैदानिक सेवाएं शुरू करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके लिए नैदानिक फ्लोर, सी

ब्लॉक पर लैब एरिया को पुनर्रचना करने के सुझाव दिए गए हैं। विभिन्न उपकरणों की खरीद का भी समन्वय किया जा रहा है।

चिकित्सा अनुसंधान: चिकित्सा क्षेत्र में हाल के विकास के बारे में अद्यतन रखने के लिए संकाय सदस्य सम्मेलनों/सीएमई/वेबिनार/प्रशिक्षण में भाग लेते रहते हैं। अनुसंधान सुविधा शुरू करने के लिए विभाग द्वारा वित्त पोषण एजेंसियों को 13 प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए थे। इनमें से दो प्रस्तावों को मार्च 2022 में आईसीएमआर से तकनीकी रूप से मंजूरी मिल गई, जबकि चार परियोजनाओं की जांच की जा रही है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश और स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान, चंडीगढ़ के बीच एक सहयोगी अध्ययन की योजना बनाई गई है। पिछले एक साल में संकाय सदस्यों ने प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय पत्रिकाओं में कई शोध पत्र प्रकाशित किए हैं। साथ ही, संकाय सदस्य पुस्तक अध्यायों पर काम कर रहे हैं/प्रकाशित कर चुके हैं।

संस्थागत गतिविधियों में सहायता: जीव रसायन विज्ञान विभाग के संकाय सदस्य आवश्यकता पड़ने पर विभिन्न संस्थागत गतिविधियों का समर्थन करने में सक्रिय रूप से शामिल रहे हैं।

डॉ. सुमिता शर्मा

शिक्षा

1. एनआईई-आईसीएमआर द्वारा प्रस्तावित 'बेसिक कोर्स इन बायोमेडिकल रिसर्च' उत्तीर्ण।
2. जॉन हॉपकिंस विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तुत ऑनलाइन पाठ्यक्रम 'जीनोमिक टेक्नोलॉजीज का परिचय' पूरा किया।
3. जॉन हॉपकिंस विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तुत ऑनलाइन पाठ्यक्रम 'पायथन फॉर जीनोमिक डेटा साइंस' पूरा किया।

अनुसंधान

निधिबद्ध परियोजनाएँ

अविरत: 1

प्रकाशन:

शोधपत्र: 4

परीक्षक

क्र. संख्या	परीक्षा	विश्वविद्यालय
1.	एमबीबीएस प्रथम प्रो.; 20-22 जनवरी 2022	अटल विश्वविद्यालय, नेर चौक (एचपी)

2.	बीएमएलटी प्रथम, द्वितीय और तृतीय वर्ष; 27 जनवरी 2022	एचपीयू, शिमला (एचपी)
3.	एमडी बायोकैमिस्ट्री; शोधपत्र सेटिंग के लिए परीक्षक	एम्स ऋषिकेश

डॉ. दीप्ति मलिक

सीएमईएस, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान

क्र. संख्या	शीर्षक	सीएमई/सम्मेलन	दिनांक	आयोजक
1.	"इन-विट्रो तकनीकों के साथ इन-सिलिको भविष्यवाणियों की मान्यता" पर आमंत्रित व्याख्यान	क्लिनिकल फार्माकोलॉजी थेरेप्यूटिक्स पर राष्ट्रीय कार्यशाला -2021	9-14 अगस्त, 2021	पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़

अनुसंधान

निधिबद्ध परियोजनाएँ

अविरत:1

सहयोगात्मक परियोजनाएँ: 1

प्रकाशन

शोधपत्र: 2

पुस्तक में अध्याय

क्र. संख्या	लेखक	अध्याय	संपादक का नाम	पुस्तक	प्रकाशन का विवरण
1	दीप्ति मलिक रूपा जोशी, हरपिंदर कौर, अजय प्रकाश, बिकास मेधी	कैंसर दवा वितरण में भविष्य की संभावनाएं और चुनौतियां https://doi.org/10.1016/B978-0-323-85503-7.00035-3	कमल दुआ, तेरेज़िन्हा डे जीसस आंद्रेओली पिंटो, काइली ए. विलियम्स, मीनू मेहता, लिसा जी. पोंट, माइकल जे. राथबोन	एडवांस्ड ड्रग डिलीवरी सिस्टम्स इन द मैनेजमेंट ऑफ कैंसर, 2021, पृष्ठ: 521-531	प्रथम संस्करण (2021) एल्सेवियर / साइंस डायरेक्ट

2.	रूपा जोशी, सीमा बंसल, दीप्ति मलिक, रूबल सिंह, अभिषेक मिश्रा, अजय प्रकाश, विकास मेधी	कोरोना वायरस के खिलाफ दवाओं के विकास के लिए ACE2 अवरोधकों की कम्प्यूटेशनल मॉडलिंगhttps://doi.org/10.1007/7653_2020_		फार्माकोलॉजी और विष विज्ञान में तरीके	प्रथम संस्करण (2021) स्प्रिंगर नेचर

डॉ. मनीष कुमार

प्रकाशन

शोधपत्र: 2

डॉ ओंजल के तायवाडे

प्रकाशन

शोधपत्र: 2

परीक्षक

क्र. संख्या	परीक्षा	विश्वविद्यालय
01	जीडीएमसी, देहरादून, बायोकेम प्रैक्टिकल परीक्षा, जुलाई 2021	हेमवती नंदन बहुगुणा चिकित्सा विश्वविद्यालय, देहरादून
02	एमजीएमएमसी, इंदौर, बायोकेम प्रैक्टिकल परीक्षा, नवंबर 2021	मध्य प्रदेश चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर, म.प्र
03	एसएलबीएसजीएमसी, नेर चौक, बायोकेम प्रैक्टिकल परीक्षा, जनवरी 2022	अटल मेडिकल एंड रिसर्च यूनिवर्सिटी, मंडी
04	जीएमसी, हमीरपुर, बायोकेम प्रैक्टिकल परीक्षा, जनवरी 2022	अटल मेडिकल एंड रिसर्च यूनिवर्सिटी, मंडी

डॉ. अनुराग सांख्यान

अनुसंधान

निधिबद्ध परियोजनाएँ

अविरत:1

अनुसंधान एवं प्रकाशन
निधिबद्ध परियोजनाएँ
अविरत:

क्र. संख्या	परियोजनाएँ	भूमिका	निधीयन संस्था	अवधि (वर्ष)	प्रारंभ-अंत वर्ष	स्वीकृत धनराशि (रु.)
1.	हिमाचल प्रदेश की स्पीति घाटी के विभिन्न आयु वर्ग के मूल निवासियों में स्वायत्त और संज्ञानात्मक कार्यों के साथ जीवन शैली से संबंधित रोग बायोमार्कर के जुड़ाव का आकलन एक व्यापक अवलोकन संबंधी पार-अनुभागीय अध्ययन।	डॉ. सुमिता शर्मा (सह अन्वेषक)	आईसीएमआर	2 वर्ष		रु. 31,23,404 (प्रस्तावित)
2.	"यह बताने के लिए कि मानव प्रोस्टेट कैंसर में एमआईआर-2909 आरनॉमिक्स टीजीएफिंग सिग्नलिंग कैस्केड को कैसे नियंत्रित करता है" संदर्भ संख्या आईसीएमआर: प्रस्ताव आईडी 2021-13213	डॉ. दीप्ति मलिक (प्रमुख अन्वेषक)	आईसीएमआर, नई दिल्ली	3 वर्ष	2022-2025	रु. 25 लाख (प्रस्तावित)

सहयोगात्मक परियोजनाएँ

अविरत

क्र. संख्या	परियोजनाएँ	भुमिका	सहयोगी विभाग/संस्था
1	प्रधान अन्वेषक के रूप में आईसीएमआर-एडहॉक परियोजना से सम्मानित किया गया जिसका शीर्षक था "यह बताने के लिए कि कैसे एमआईआर-2909 आरनॉमिक्स मानव प्रोस्टेट कैंसर में टीजीएफβ सिग्नलिंग कैस्केड को नियंत्रित करता है"। संदर्भ संख्या आईसीएमआर प्रस्ताव आईडी 2021-13213	डॉ. दीप्ति मलिक (सह-अन्वेषक)	पोस्टग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (पीजीआईएमईआर), चंडीगढ़

प्रकाशन:

शोधपत्र:

1. शुक्ला जे, शर्मा पी, प्रसाद एसवी, शर्मा एस, गर्ग एन। कोरिलेशन ऑफ प्राइमरी नी ऑस्टियोआर्थराइटिस सीवियरिटी विद लिपिड पेरोक्सीडेशन बायोमार्कर (एमडीए) इन सिनोवियल फ्लुइड ए पायलट स्टडी। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ हेल्थ एंड क्लिनिकल रिसर्च 2021;4(24):448-52।
2. कुशवाहा आरएस, सुंदरियाल एम, मसूद टी, शर्मा एस, गर्ग आर, सिंह आरके। उप-हिमालयी क्षेत्र में बड़े पैमाने पर एक्सयूडेटिव फुफ्फुस बहाव वाले रोगियों में एडेनोसिन डीमिनेज (एडीए) गतिविधि पर सीरम कैंसर एंटीजन-125 (सीए-125) की प्रभावकारिता। बायोमेड रेस 2021;32(4):1-4।
3. वर्मा ए, शर्मा के, शर्मा एस. डायबिटिक न्यूरोपैथी का मूल्यांकन। ('जर्नल ऑफ कार्डियोडायबिटीज एंड मेटाबोलिक डिसऑर्डर' में प्रकाशन के लिए स्वीकृत)।
4. शुक्ला जे, शर्मा पी, शर्मा एस, प्रसाद एसवी, शर्मा एस, गर्ग एन। क्या एंटीऑक्सिडेंट सुपरऑक्साइड डिसम्यूटेज लेवल डिक्लाइन विथ एडवांस प्राइमरी नी ऑस्टियोआर्थराइटिस इन सिनोवियल फ्लूइड? एक पायलट अध्ययन। (जर्नल 'पर्सपेक्टिव्स इन मेडिकल रिसर्च' में प्रकाशन के लिए स्वीकृत)।
5. महेन्द्रू डी, जैन ए, बंसल एस, दीप्ति मलिक, धीर एन, शर्मा एआर, सरमा पी, प्रकाश ए, नाहर यू, भाटिया ए, भट्टाचार्य एस, मेधी बी। - ओएचडीए -प्रेरित पार्किंसंस रोग। रेगेन मेड। 2021 सितंबर

23. डीओआई 10.2217/rme-2021-0018। मुद्रण से पहले ई - प्रकाशन। पीएमआईडी 34553608. इम्पैक्ट फैक्टर 3.806

6. दीप्ति मलिक, महेंद्ररत्ता, एस, कौर एच, मेधी बी. फ्यूचरिस्टिक अप्रोच टू कैंसर ट्रीटमेंट। जीन 2021, 805:145906 https://doi.org/10.1016/j.gene.2021.145906 इम्पैक्ट फैक्टर: 3.688
7. कुमार एम, मोलकेनटाइन डी, मोलकेनटाइन जे, ब्रिजेस के, झी टी, यांग एल, हेफनर ए, गाओ एम, बहरी आर, धवन ए, फ्रेडरिक एमजे, सेठ एस, अब्देलहकीम एम, बीडल बीएम, जॉनसन एफ, वांग जे, शेन एल, हेफर्नन टी, शेठ ए, फेरिस आरएल, मायर्स जेएन, पिकरिंग सीआर, स्किनर एचडी। हिस्टोन एसिटाइलट्रांसफेरेज़ फ़ंक्शन का निषेध सजातीय पुनर्योजन के दमन के माध्यम से CREBBP / EP300 म्यूटेंट को संभावित रूप से कार्य के लाभ को लक्षित करता है। नेट कम्युनिटी। 2021 नवंबर 3;12(1):6340। डीओआई 10.1038/एस41467-021-26570-8। पीएमआईडी 34732714; पीएमसीआईडी पीएमसी8566594।
8. कुमार वी, कुमार ए, कुमार एम, लोन एमआर, मिश्रा डी, चौहान एसएस। NFκB (RelA) मौखिक कैंसर कोशिकाओं में hnRNPD के लेन-देन की मध्यस्थता करता है। विज्ञान प्रतिनिधि 2022 अप्रैल 8;12(1):5944. डीओआई 10.1038/एस41598-022-09963-7। पीएमआईडी 35396527; पीएमसीआईडी पीएमसी 8993925।
9. राणा एस., तायवाडे ओ., मेधी बी. और हिवरकर एम. ज्ञान, ई-लर्निंग के प्रति दृष्टिकोण और अभ्यास भारत के पहाड़ी क्षेत्र से सरकारी मेडिकल कॉलेज के पहले एमबीबीएस छात्रों के बीच एक व्यवहार्यता अध्ययन। एशियन जर्नल ऑफ मेडिकल साइंसेज, 2021; 12(9), 37-43.
10. राणा एस., तायवाडे, शर्मा वी. और हिवारकर एम. कोविड-19 महामारी के दौरान हिमाचल प्रदेश के सरकारी मेडिकल कॉलेज में प्रथम वर्ष के मेडिकल छात्रों के बीच अवसाद, चिंता और तनाव का अध्ययन। एशियन जर्नल ऑफ मेडिकल साइंसेज, 2021; 12(6), 90-94

बर्न एवं प्लास्टिक शल्य चिकित्सा विभाग

संकाय

क्र. संख्या	नाम	पद	नियुक्ति की तिथि
1.	डॉ नवनीत शर्मा	सहायक प्राध्यापक	23/11/2020

विभाग के विषय में

बर्न एवं प्लास्टिक शल्य चिकित्सा विभाग दिसंबर 2021 से सप्ताह में 3 दिन ओपीडी सेवाएं प्रदान कर रहा है। स्थानीय और क्षेत्रीय एनेस्थीसिया के तहत विभिन्न लघु शल्य प्रक्रियाएं भी की जा रही हैं। इनमें स्थानीय फ्लैप पुनर्निर्माण, लोबुलोप्लास्टी, निशान संशोधन और ट्रिगर फिंगर रिलीज, टेंडन रिपेयर, हाथ के विभिन्न ट्यूमर के छांटने जैसी विभिन्न हाथ प्रक्रियाओं के साथ चेहरे की त्वचीय विकृतियों की विभिन्न एक्सीजनल बायोप्सी शामिल हैं। विभाग ऊर्ध्वाधर एकीकृत कक्षाओं और सामान्य सर्जरी कक्षाओं में स्नातक छात्रों के शिक्षण में भी शामिल है। दूर-दराज सामुदायिक भागीदारी में, विभाग विकलांग बच्चों की देखभाल के लिए विभिन्न जनजातीय स्वास्थ्य शिविरों में शामिल है।

डॉ नवनीत शर्मा

प्रकाशन

शोधपत्र: 2

प्रकाशन

1. कुमार वी, **शर्मा एन**, मिश्रा बी, उपाध्याय डी, सिंह एके। एंड्रोजेनिक खालित्य के मामलों में सक्रिय प्लेटलेट-समृद्ध प्लाज्मा के प्रभाव का अध्ययन करना। तुर्की जर्नल ऑफ प्लास्टिक सर्जरी। 2021 जून 1;29(5):28
2. पठानिया एस, **शर्मा एन**, बोध टीडी। चेहरे के सिंक्रोनस बेसल सेल कार्सिनोमा का एक दिलचस्प मामला सर्जरी द्वारा सफलतापूर्वक इलाज किया गया। क्लिनिकल डर्मेटोलॉजी रिव्यू। 2021 जुलाई 1;5(2):217

हृदय वक्ष संवहिनी शल्य चिकित्सा विभाग

संकाय

क्र. संख्या	नाम	पद	नियुक्ति की तिथि
1.	डॉ.लक्ष्मी कुमारी सांख्यान	सहायक प्राध्यापक	09/11/2020

विभाग के विषय में

विभाग की शुरुआत एम्स, बिलासपुर में नवंबर 2020 में संकाय की नियुक्ति के साथ हुई थी। विभाग ने मूल पाठ्यक्रम के दौरान और शरीर रचना विज्ञान के साथ ऊर्ध्वाधर एकीकरण में स्नातक शिक्षण में सक्रिय रूप से भाग लिया है। कार्डियो-थोरेसिक सर्जरी के लिए इष्टतम सेट-अप सुनिश्चित करने के लिए निर्माणाधीन अस्पताल ब्लॉक के लिए विभाग एआरसीओपी (डिजाइन सलाहकार और वास्तुकार) के साथ सक्रिय रूप से जुड़ा हुआ है।

विभागीय योजना

रोगी की देखभाल : विभाग भौतिक के साथ-साथ टेली-परामर्श के माध्यम से रोगियों को ओपीडी सेवाएं प्रदान कर रहा है। संस्थान में आईपीडी सेवाओं की शुरुआत के साथ, विभाग बहु-विषयक देखभाल की आवश्यकता वाले रोगियों की देखभाल के लिए अन्य विभागों को आपातकालीन सेवाएं और सहायता प्रदान करेगा। विभाग आने वाले समय में कार्डियक सर्जरी जैसे सीएबीजी, वाल्व ट्रांसप्लांट, पीडियाट्रिक कार्डियक सर्जरी और मिनिमली इनवेसिव कार्डियक सर्जरी शुरू करेगा।

शिक्षण और प्रशिक्षण : विभाग सीटीवीएस में एम.सीएच पाठ्यक्रम शुरू करने की योजना बना रहा है। उस समय तक, विभाग सामान्य शल्य चिकित्सा विभाग के साथ स्नातक शिक्षण में सक्रिय रूप से भाग ले रहा है। विभाग बीएससी छिड़काव और चिकित्सक सहायक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम भी शुरू करेगा।

अनुसंधान: विभाग अनुसंधान अध्ययन में एम्स, नई दिल्ली और पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ के साथ सहयोग करने की योजना बना रहा है। स्कूल जाने वाले बच्चों में आमवाती हृदय रोग, इस्केमिक हृदय रोग और उच्च ऊंचाई और जन्मजात हृदय रोग के संबंध प्रस्तावित अनुसंधान के लिए कुछ क्षेत्र हैं।

सामुदायिक भागीदारी : लोगों को हृदय संबंधी जोखिम कारकों के बारे में शिक्षित करने के लिए सामुदायिक जागरूकता शिविरों की योजना बनाई जाएगी; आम जनता के लिए आघात पुनर्जीवन और आमवाती हृदय रोग के लिए स्कूल जागरूकता कार्यक्रम।

डॉ लक्ष्मी कुमारी सांख्यान

शिक्षा

1. एलीट+ गोल्ड प्रदर्शन (93% का समेकित स्कोर) के साथ आईसीएमआर द्वारा बायोमेडिकल रिसर्च साइकिल 4ए (मार्च-जून 2021) में बुनियादी पाठ्यक्रम।

प्रकाशन

शोधपत्र: 15

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण कार्यक्रम

1. 2 नवंबर 2021 को आयोजित एशिया-जीसीसी अवार्ड्स में उत्कृष्टता और नेतृत्व के लिए प्रतिष्ठित हेल्थकेयर लीडर अवार्ड।
2. बायोमेडिकल रिसर्च में बेसिक कोर्स में एलीट + गोल्ड प्रदर्शन (93% का समेकित स्कोर)।

अनुसन्धान एवं प्रकाशन

शोधपत्र

1. **सांख्यान एलके**, एंडरसन आरएच, चौधरी यूके, जॉर्ज एन, प्रदीप डी, वासवानी पी, पांडे एनएन, अरविंद बी. सर्जिकल मैनेजमेंट ऑफ़ डिवाइडेड एट्रिअल चैम्बर्स. जर्नल ऑफ़ कार्डियक सर्जरी. 2021 नवंबर;36(11):4267-79 एचटीटीपिएस//डीओआई.ओआरजी/10.1111/जेओसीएस.15896
2. **सांख्यान एलके**, चौधरी यूके, जॉर्ज एन, सुषमागयात्री बी. बायोलॉजिकल मिट्रल प्रोस्थेसिस इन यंग रहुमटिक्स एज्ड बिलो 45 इयर्स. जे क्लीनिकल कार्डियोलॉजी एंड कार्डियोवैस्कुलर इंटरवेंशंस. 2021 अप्रैल;4(7)-149 एचटीटीपिएस//डीओआई.ओआरजी/10.31579/2641-0419/149
3. चौधरी यूके, एंडरसन आरएच, पांडे एनएन, शर्मा एस, **सांख्यान एलके**, जॉर्ज एन, गोजा एस, अरविंद बी. ए रअप्रिसल ऑफ़ दी साइनस वेनोसस डिफेक्ट. इयुआर जे कार्डिओथोरक सर्ज. 2022 जनवरी: इज़ाब556. एचटीटीपिएस//डीओआई.ओआरजी/10.1093/ईजेसीटीएस/इज़ाब556
4. स्पाइसर डीइ, चौधरी यूके, एंडरसन आरएच, पांडे एनएन, **सांख्यान एलके**, जॉर्ज एन, गोजा एस, मलिक वी. परफॉरमेंस ऑफ़ मैकेनिकल एंड दी सर्जिकल एनाटोमी ऑफ़ हर्ट्स विथ इसोमेरिक एट्रिअल ऍपेन्डेजेस—इम्प्लिकेशन्स फॉर सर्जिकल मैनेजमेंट. यूरोपियन जर्नल ऑफ़ कार्डिओ-

थोरेसिक सर्जरी. 2022 मार्च 2. एचटीटीपिएस//डीओआई.ओआरजी/10.1093/ईजेसीटीएस/इज़ाक139

5. चौधरी यूके, जॉर्ज एन, **सांख्यान एलके** एट ऑल. ट्रेकोस्टोमी इन इन्फैन्ट्स आफ्टर कार्डियक सर्जरी: इंडिकेशन्स, टाइमिंग एंड आऊटकमस. जे. क्लीनिकल कार्डियोलॉजी एंड कार्डियोवैस्कुलर इंटरवेंशंस. 2021 मई;4(10)-164 एचटीटीपिएस//डीओआई.ओआरजी/10.31579/2641-0419/164
6. चौधरी यूके, एंडरसन आरएच, **सांख्यान एलके**, , जॉर्ज एन, गोजा एस, पांडे एनएन, अरविंद बी, थारनाथ आई. सर्जिकल मैनेजमेंट ऑफ़ लेशन्स एन्कौंटरेड इन दी सेटिंग ऑफ़ दी रेट्रोओरटिक लेफ्ट बरचिओसेफालिक वेइन. जर्नल ऑफ़ कार्डियक सर्जरी. 2021 नवंबर;36(11):4280-91. एचटीटीपिएस//डीओआई.ओआरजी/10.1111/जेओसीएस.15907
7. चौधरी यूके, एंडरसन आरएच, **सांख्यान एलके**, जॉर्ज एन, पांडे एनएन, चौहान एएस, अरोड़ा वाई, गोजा एस. सर्जिकल मैनेजमेंट ऑफ़ दी स्कीमितर सिंड्रोम. जर्नल ऑफ़ कार्डियक सर्जरी. 2021 अक्टूबर;36(10):3770-95.एचटीटीपिएस//डीओआई.ओआरजी/10.1111/जेओसीएस.15857
8. चौधरी यूके, एंडरसन आरएच, स्पाइसर डीइ, **सांख्यान एलके**, पांडे एनएन, गोजा एस, राजशेखर पी, अरविंद बी, प्रदीप डी. सर्जिकल मैनेजमेंट ऑफ़ हर्ट्स वित्त इसोमेरिक एट्रिअल ऍपेन्डेजेस. जर्नल ऑफ़ कार्डियक सर्जरी. 2022 जनवरी 3. एचटीटीपिएस//डीओआई.ओआरजी/10.1111/जेओसीएस.16268
9. स्पाइसर डीइ, एंडरसन आरएच, चौधरी यूके, **सांख्यान एलके**, जॉर्ज एन, पांडे एनएन, गुप्ता एस, गोजा एस. ए रेअस्सेस्मेंट ऑफ़ दी अनटोमिकल फीचर्स ऑफ़ मल्टीप्ल वेंट्रिकुलर सेप्टल डिफेक्ट्स. जर्नल ऑफ़ कार्डियक सर्जरी. 2021 अक्टूबर 26. एचटीटीपिएस//डीओआई.ओआरजी/10.1111/जेओसीएस.16242
10. चौधरी यूके, एंडरसन आरएच, स्पाइसर डीइ, **सांख्यान एलके**, जॉर्ज एन, पांडे एनएन,बालाजी ए, गोजा एस, मलिक वी. ए रिव्यु ऑफ़ दी थेराप्यूटिक मैनेजमेंट ऑफ़ मल्टीप्ल वेंट्रिकुलर सेप्टल डिफेक्ट्स. जर्नल ऑफ़ कार्डियक सर्जरी. 2022 फ़रवरी;37(5):1361-1376. एचटीटीपिएस//डीओआई.ओआरजी/10.1111/जेओसीएस.16289 https://doi.org/10.1111/jocs.16289

11. गोजा एस, **सांख्यान एलके**, चौधरी यूके, पांडे एनएन, अरवा एस. एट ऑल (2022). इकोकार्डिओग्राफिक एंड कंप्यूटेड-टोमोग्राफिक इवैल्यूएशन ऑफ़ दी फैट ऑफ़ बोवाइन पेरिकार्डियल पैच एज ए पेरिकार्डियल सुब्स्टिटूट इन बेंटल'स प्रोसीजर: ट्वेंटी-ईयर रिजल्ट्स. जे. क्लीनिकल कार्डियोलॉजी एंड कार्डियोवैस्कुलर इंटरवेंशंस. 2022 जनवरी;5(1):2641-0419. एचटीटीपिएस//डीओआई.ओआरजी/10.31579/2641-0419/234
12. चौधरी यूके, जॉर्ज एन, **सांख्यान एलके**, सौरभ जी, शर्मा एस. शिखा गोजा एम, नीरज निर्मल पांडे. एन अल्टरनेटिव तकनीक ऑफ़ इंटरऑपरेटिवे आइडेंटिफिकेशन ऑफ़ मल्टीप्ल मस्कुलर वेंट्रिकुलर सेप्टल डिफेक्ट्स. जे. क्लीनिकल कार्डियोलॉजी एंड कार्डियोवैस्कुलर इंटरवेंशंस. 2021 अक्टूबर;4(17):2641-0419.एचटीटीपिएस//डीओआई.ओआरजी/10.31579/2641-0419/222
13. चौधरी यूके, जॉर्ज एन, **सांख्यान एलके**, गोजा एस, चौधरी ए. एट ऑल. टोटल पेरिकार्डएक्टोमी फॉर कैल्सिफिक कंस्ट्रिक्टिवे पेरिकार्डिटिस वित्त एक्सट्रासारडीएस इन्ट्रापेरिकार्डियल कैसटिंग मास्स वाया मीडियन स्टर्नोटॉमी (होल्मन एंड विलेट एप्रोच): ए वीडियो प्रेजेंटेशन. जे. क्लीनिकल कार्डियोलॉजी एंड कार्डियोवैस्कुलर इंटरवेंशंस. 2022 जनवरी;5(2):2641-0419. डीओआई:10.31579/2641-0419/240
14. चौधरी यूके, जॉर्ज एन, **सांख्यान एलके**, गोजा एस, रघुप्रकाश एस. एट ऑल. टेक्निकल डिटेल्स ऑफ़ रीडू एओर्टिक वाल्व रिप्लेसमेंट यूसिंग सैन्ट. जुड मेडिकल मैकेनिकल प्रोस्थेसिस इन ए पेशेंट वित्त थ्रोम्बोसेड एओर्टिक मैकेनिकल प्रोस्थेसिस: ए वीडियो प्रेजेंटेशन. जे. क्लीनिकल कार्डियोलॉजी एंड कार्डियोवैस्कुलर इंटरवेंशंस.2021 नवंबर;4(18):2641-0419. एचटीटीपिएस//डीओआई.ओआरजी/10.31579/2641-0419/224
15. चौधरी यूके, जॉर्ज एन, **सांख्यान एलके**, सौरभ जी एट ऑल. रीडू मिट्रल वाल्व रिप्लेसमेंट यूसिंग सैन्ट. जुड मेडिकल मैकेनिकल प्रोस्थेसिस इन ए पेशेंट वित्त डेजेनेरेटेड मिट्रल पेरीमॉन्ट बियोप्रोसथेसिस: ए वीडियो प्रेजेंटेशन. जे. क्लीनिकल कार्डियोलॉजी एंड कार्डियोवैस्कुलर इंटरवेंशंस.2021 अक्टूबर; 4(17) डीओआई:10.31579/2641-0419/223

समुदाय और परिवार चिकित्सा विभाग

संकाय

क्र. संख्या	नाम	पद	नियुक्ति की तिथि
1.	डॉ. मीनल मधुकर ठाकरे	अतिरिक्त प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष	16/11/2020
2.	डॉ. नवप्रीत	सहायक प्राध्यापक	05/12/2020
3.	डॉ. अनुपमा धीमान	सहायक प्राध्यापक	05/12/2020

विभाग के विषय में

सामुदायिक और परिवार चिकित्सा विभाग, एम्स, बिलासपुर की स्थापना वर्ष 2020 में अत्यधिक महत्व के तीन कार्यक्षेत्र यानी शिक्षण और प्रशिक्षण, आउटरीच सेवाएं और अनुसंधान के उद्देश्य से की गई थी। जैसा कि नाम से ही पता चलता है कि फैमिली मेडिसिन के अभ्यास में जीवन भर यानी गर्भ से लेकर कब्र तक सेवाओं का एक व्यापक पैकेज शामिल है। इसमें सेवाओं की एक श्रृंखला है जिसमें प्रसवपूर्व, प्रसवकालीन, प्रसवोत्तर, टीकाकरण, बाल स्वास्थ्य, किशोर स्वास्थ्य, स्वास्थ्य और बीमारी में व्यक्तियों की देखभाल आदि शामिल हैं। यह शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में अपने परिधीय स्वास्थ्य केंद्रों के माध्यम से कई प्रकार की प्रोत्साहक, निवारक और उपचारात्मक सेवाएं प्रदान करने का इरादा रखता है। समुदाय की भागीदारी, सहभाग, और जिले और राज्य स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं में हितधारकों के साथ संपर्क बनाए रखना अपने लोगों की स्वास्थ्य स्थिति के समग्र उत्थान के लिए महत्वपूर्ण है। जो पहले से उपलब्ध है उसमें जोड़ने के लिए और यह समुदाय की स्वास्थ्य आवश्यकताओं पर आधारित होगा जैसा कि सामुदायिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों द्वारा मूल्यांकन किया गया है और स्वास्थ्य अनुसंधान डेटा और अन्य संसाधनों द्वारा समर्थित है।

जून 2021 में, विभाग ने अस्पताल में अपनी पहली ओपीडी सेवा यानी कोविड-19 टीकाकरण हमारे निदेशक डॉ. वी.एस. नेगी के कुशल नेतृत्व में और जिला स्वास्थ्य सेवा प्राधिकरणों के सहयोग से शुरू की। 31.03.2022 तक, कोविड-19 के खिलाफ टीके की 5292 खुराकें दी जा चुकी हैं।

चिकित्सा छात्रों को समुदाय आधारित देखभाल और सेवाओं की ओर उन्मुख करना समुदाय और परिवार चिकित्सा विभाग की एक और महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। इस उद्देश्य के लिए, विभाग ने 20 स्वास्थ्य और संबंधित एजेंसियों की पहचान की है, जहां छात्र तीसरे सेमेस्टर में अपनी नैदानिक पोस्टिंग के दौरान दौरा करेंगे। यह न केवल उन्हें इन एजेंसियों के काम करने के बारे में एक प्रत्यक्ष विचार देगा, बल्कि

सामुदायिक चिकित्सक बनने के लिए उनकी रुचि और झुकाव भी विकसित करेगा। विभाग विभिन्न सरकारी कार्यक्रमों और नीतियों में स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों की क्षमता निर्माण के माध्यम से यूनिवर्सल हेल्थ केयर के कार्यान्वयन को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

डॉ. मीनल मधुकर ठाकरे

अनुसन्धान

निधिबद्ध परियोजनाएँ

अविरत: 1

सम्पन: 3

प्रकाशन

शोधपत्र: 1

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण वृतांत

1. विश्व स्तनपान सप्ताह समारोह 2021 से संबंधित गतिविधियों में **राष्ट्रीय स्तर की भागीदारी के लिए उत्कृष्टता प्रमाण पत्र से सम्मानित** किया गया।
2. **संयुक्त सचिव, इंडियन एसोसिएशन ऑफ प्रिवेंटिव एंड सोशल मेडिसिन**, नेशनल एसोसिएशन ऑफ कैंडिडेट्स के रूप में चयनित, जो 5000 से अधिक सदस्यों के साथ प्रिवेंटिव एंड सोशल मेडिसिन / कम्युनिटी मेडिसिन में एमडी हैं।

परीक्षक

क्र. संख्या	परीक्षा	विश्वविद्यालय
1.	पंडित बी.डी. शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, रोहतक, हरियाणा 22.06.2021 से 28.06.2021	पीजीआईएमएस, रोहतक, हरियाणा
2.	**पीजी थीसिस मूल्यांकन**: सेंटर फॉर कम्युनिटी मेडिसिन, एम्स, नई दिल्ली में एमडी, कम्युनिटी मेडिसिन डिग्री के लिए "असेसमेंट ऑफ मेंटल हेल्थ सर्विसेज इन डिस्ट्रिक्ट फरीदाबाद, हरियाणा ए मिक्स्ड मेथड स्टडी"	एम्स, नई दिल्ली

डॉ. नवप्रीत

सीएमईएस, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान

क्र. संख्या	शीर्षक	सीएमई/सम्मेलन	दिनांक	आयोजक

1.	सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए जल गुणवत्ता निगरानी और पूर्व चेतावनी प्रणाली	वेबिनार	14.04.2021	राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान (एनआईएच), रुड़की, उत्तराखंड

अनुसन्धान

निधिबद्ध परियोजनाएँ

अविरत: 3

प्रकाशन

शोधपत्र: 2

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण वृतांत

1. एम्स बिलासपुर में अस्पताल प्रशासन, एम्स और मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) बिलासपुर (हिमाचल प्रदेश) के सहयोग से कोविड टीकाकरण केंद्र (सीवीसी) शुरू करना।
2. एमबीबीएस छात्रों के क्षेत्र भ्रमण (फील्ड विजिट) के लिए जिला बिलासपुर के विभिन्न प्रखंडों में स्वास्थ्य संस्थानों को चिन्हित करना।
3. एमबीबीएस छात्रों के क्षेत्र भ्रमण (फील्ड विजिट) के लिए जिला बिलासपुर के विभिन्न प्रखंडों में स्वास्थ्य संबंधी संस्थानों को चिन्हित करना।
4. जिला बिलासपुर (एच.पी.) के विभिन्न ब्लॉकों में स्वास्थ्य और स्वास्थ्य से संबंधित संस्थानों के क्षेत्र भ्रमण (फील्ड विजिट) के दौरान एम्स बिलासपुर के पहले बैच के एमबीबीएस छात्रों के साथ भ्रमण ।

परीक्षक

क्र. संख्या	परीक्षा	विश्वविद्यालय
1.	एसएलबीएसजीएमसीएच, मंडी में नेर चौक (एच.पी.) में सामुदायिक चिकित्सा के विषय में एमबीबीएस परीक्षा । दिनांक 22.04.2021-24.04.2021	हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला (एच.पी.)
2.	डॉ. आरकेजीएमसी, हमीरपुर (एच.पी.) में सामुदायिक चिकित्सा के विषय में एमबीबीएस परीक्षा । दिनांक 21.03.2022-23.03.2022	हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला (एच.पी.)

डॉ. अनुपमा धीमान

सीएमईएस, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान

क्र. संख्या	शीर्षक	सीएमई/सम्मेलन	दिनांक	आयोजक
1.	कौशल मॉड्यूल का रूपांकन	कौशल मॉड्यूल विकास पर कार्यशाला	17.12.2021	चिकित्सा शिक्षा इकाई, एम्स बिलासपुर

अनुसन्धान

निधिबद्ध परियोजनाएँ

सम्पन: 1

प्रकाशन

शोधपत्र: 1

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण वृतांत

1. एमबीबीएस छात्रों के फील्ड विजिट के लिए जिला बिलासपुर के विभिन्न प्रखंडों में स्वास्थ्य संस्थानों को चिन्हित करना।
2. एम्स बिलासपुर में अस्पताल प्रशासन, एम्स और मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) बिलासपुर (हिमाचल प्रदेश) के सहयोग से कोविड टीकाकरण केंद्र (सीवीसी) शुरू करना।
3. जिला बिलासपुर (एच.पी.) के विभिन्न ब्लॉकों में स्वास्थ्य और स्वास्थ्य से संबंधित संस्थानों के क्षेत्र भ्रमण (फील्ड विजिट) के दौरान एम्स बिलासपुर के पहले बैच के एमबीबीएस छात्रों के साथ भ्रमण।

अनुसन्धान एवं प्रकाशन:

निधिबद्ध परियोजनाएँ

अविरत

क्र. संख्या	परियोजनाएँ	भूमिका	निधीयन संस्था	अवधि (वर्ष)	प्रारंभ-अंत वर्ष	स्वीकृत धनराशि (रु.)
1.	हिमाचल प्रदेश की स्पीति घाटी के विभिन्न आयु वर्ग के मूल निवासियों में स्वचालित और संज्ञानात्मक कार्यों के साथ जीवन शैली से संबंधित रोग बायोमार्कर का आकलन एक	डॉ. मीनल मधुकर ठाकरे (सह अन्वेषक)	आईसीएमआर	2 वर्ष	प्रस्तावित	Rs 25,00,000 (प्रस्तावित)

	व्यापक अवलोकन संबंधी पार-अनुभागीय अध्ययन।					
2.	हिमाचल प्रदेश के पहाड़ी क्षेत्रों के हाइपोथायरायड रोगियों में न्यूरोफिज़ियोलॉजिकल और जैव रासायनिक मापदंडों का अध्ययन।	डॉ. नवप्रीत (सह-अन्वेषक)	आईसीएमआर	03 वर्ष	2022 – 2025	रु. 19,64,880 (प्रस्तावित)
3.	बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश के नवजात शिशुओं में गंभीर जन्मजात हृदय रोग का पता लगाने के लिए पल्स ऑक्सीमेट्री स्क्रीनिंग - एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन।	डॉ. नवप्रीत (सह-अन्वेषक)	आईसीएमआर	16 महीने	2022 – 2023	रु. 5,37,300 (प्रस्तावित)
4.	"भारत में 'टीबी मुक्त' स्थिति की ओर उप-राष्ट्रीय प्रगति के मूल्यांकन और प्रमाणन के एक भाग के रूप में जिला बिलासपुर (हिमाचल प्रदेश) में क्षय रोग सर्वेक्षण के लिए उप राष्ट्रीय प्रमाणन (एसएनसी)" - जिला स्तरीय वार्षिक सर्वेक्षण (2021-2024)	डॉ. नवप्रीत (सह-अन्वेषक)	आईसीएमआर - राष्ट्रीय क्षय रोग अनुसंधान संस्थान (एनआईआरटी)	03 वर्ष	2021 – 2024	--

सम्पन

क्र. संख्या	परियोजनाएँ	भूमिका	निधीयन संस्था	अवधि (वर्ष)	प्रारंभ-अंत वर्ष	स्वीकृत धनराशि (रु.)
1.	भारत में कोविड-19 महामारी के दौरान एनसीडी सेवाओं की निरंतरता बनाए	क्षेत्रीय भागीदार और संसाधन संकाय	डब्ल्यूएचओ द्वारा वित्त पोषित परियोजना और स्वास्थ्य	2 वर्ष	अप्रैल 2020-जुलाई 2021	15,00,000/-

	रखना राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा सर्वोत्तम प्रथाओं का आकलन		और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा समर्थित			
2.	हिमाचल प्रदेश में जिलेवार कोविड 19 सीरो-सर्वेक्षण	जिला बिलासपुर के लिए नोडल संकाय	भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर)	मई जून 2020 से चल रही चरणबद्ध गतिविधि	अगस्त 2021-सितंबर 2021	फंडिंग विवरण राज्य के साथ साझा नहीं किया गया
3.	राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) के तहत उप-राष्ट्रीय प्रमाणन (एसएनसी) गतिविधि के तहत दावों का सत्यापन।	एक्सेसर और संसाधन संकाय	सेंट्रल टीबी डिवीजन, आईसीएमआर एनआईआरटी, आईसीएमआर-एनआईई, डब्ल्यूएचओ इंडिया और इंडियन एसोसिएशन ऑफ प्रिवेंटिव एंड सोशल मेडिसिन	वार्षिक गतिविधि	मार्च 2021 जून 2022	6,00,000 /- हिमाचल प्रदेश से संसाधन संकाय के लिए

4.	भारत में कोविड-19 महामारी के दौरान एनसीडी सेवाओं को जारी रखने के लिए राज्यों/ केंद्रशासित प्रदेशों द्वारा अपनाई गई सर्वोत्तम प्रथाओं का एनसीडी स्वास्थ्य आपातकालीन ढांचा तैयार करना और दस्तावेजीकरण करना।	सह-अन्वेषक	भारत के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) का कंट्री ऑफिस	01 वर्ष	2020 - 2021	--

शोधपत्र:

1. **ठाकरे मीनल एम**, नवप्रीत, धीमान ए. हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर में एक कोविड टीकाकरण केंद्र में टीकाकरण के लिए आने वाले लाभार्थियों की प्रोफाइल। जर्नल ऑफ़ इंडियन पब्लिक हेल्थ एसोसिएशन (आईपीएचए), चंडीगढ़ स्टेट ब्रांच, चंडीगढ़ (यू.टी.)।
2. कंवर एस, **नवप्रीत**, धीमान ए. बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट ऐट मेकशिफ्ट हेल्थ केयर फैसिलिटी फॉर कोविड-19 पेशेंट्स: लेसंस लर्न सो फार फ्रॉम ए हिल स्टेट इन इंडिया। यूरोपियन जर्नल ऑफ बायोमेडिकल एंड फार्मास्युटिकल साइंसेज 2021;8(11): 232-8।
3. गुप्ता पी, मेहरा आरके, **सिंह एन.** बायोकेमिकल एंड इंफ्लेमेटरी बायोमार्कर्स एब्नॉर्मलिटी एसोसिएटेड विद मॉर्टेलिटी इन कोविड-19 - ए रेट्रोस्पेक्टिव ऑब्जर्वेशनल स्टडी इन ए टर्शियरी केयर सेंटर इन इंडिया। यूरोपियन जर्नल ऑफ बायोमेडिकल एंड फार्मास्युटिकल साइंसेज 2021;8(9):627-32।
4. कंवर एस, नवप्रीत, **धीमान ए.** बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट ऐट मेकशिफ्ट हेल्थ केयर फैसिलिटी फॉर कोविड-19 पेशेंट्स: लेसंस लर्न सो फार फ्रॉम ए हिल स्टेट इन इंडिया। यूरोपियन जर्नल ऑफ बायोमेडिकल एंड फार्मास्युटिकल साइंसेज। 2021;8(11): 232-8.

दंत चिकित्सा विभाग

संकाय

क्र. संख्या	नाम	पद	नियुक्ति की तिथि
1	डॉ. दिनेश कुमार वर्मा	प्राध्यापक एवं विभागअध्यक्ष	16/11/2020
2	डॉ. निशांत	सहायक प्राध्यापक	25/02/2021 (25/06/2021 तक)
3	डॉ. अनुराग नेगी	सहायक प्राध्यापक	02/12/2020
4	डॉ नीरज कुमार	सहायक प्राध्यापक	06/04/2021
5.	डॉ.काजा मोहिदीन.ए	वरिष्ठ निवासी	01/01/2020

विभाग के विषय में

दंत चिकित्सा विभाग, एम्स बिलासपुर में वर्तमान में ओरल और मैक्सिलोफेशियल सर्जरी, ऑर्थोडॉन्टिक्स और डेंटोफेशियल ऑर्थोपेडिक्स और पेडोडोंटिक्स और प्रिवेंटिव डेंटिस्ट्री के क्षेत्र में विशेषज्ञों की एक समर्पित टीम है। एक बार स्थापित होने के बाद, दंत चिकित्सा विभाग का उद्देश्य अत्याधुनिक विशेषज्ञता और प्रौद्योगिकियों के साथ ओरल और मैक्सिलोफेशियल सर्जरी, ऑर्थोडॉन्टिक्स और डेंटोफेशियल ऑर्थोपेडिक्स और पेडोडोंटिक्स और प्रिवेंटिव डेंटिस्ट्री की विशेषताओं में एकीकृत और विशेष दंत चिकित्सा देखभाल प्रदान करना है।

डॉ. दिनेश कुमार वर्मा

शिक्षा

1. छठे अंतर्राष्ट्रीय क्रैनियोफेशियल और डेंटल समिट, एम्स ऋषिकेश में वर्चुअल सर्जिकल प्लानिंग पर हैंड्स ऑन कोर्स।
2. स्वास्थ्य अनुसंधान बुनियादी बातों पर एनपीटीईएल ऑनलाइन प्रमाणन पाठ्यक्रम ।
3. अस्पताल प्रशासन पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण प्रशिक्षण पाठ्यक्रम ।

सीएमईएस, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान

क्र. संख्या	शीर्षक	सीएमई/सम्मेलन	दिनांक	आयोजक
1.	ऑर्थोगैथिक सर्जरी में स्प्लिंट्स की सटीकता बढ़ाना।	छठे अंतर्राष्ट्रीय क्रैनियोफेशियल और डेंटल समिट, एम्स ऋषिकेश में आमंत्रित वक्ता।	17/3/2022	क्रैनियोफेशियल रिसर्च एकेडमी और एम्स ऋषिकेश।
2.	ऑर्थोगैथिक सर्जरी में निदान और योजना।	ओएमएफएस में मास्टरकोर्स में आमंत्रित वक्ता।	23/7/2021	बाबा फरीद स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय और चिकित्सा शिक्षा अनुसंधान विभाग (पंजाब)।

डॉ. अनुराग नेगी

परीक्षक

क्र. संख्या	परीक्षा	विश्वविद्यालय
1	जुलाई 2021 में बीडीएस फाइनल ऑर्थोडॉन्टिक्स परीक्षा।	गवर्नमेंट डेंटल कॉलेज शिमला हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय।
2.	नवंबर 2021 में बीडीएस फाइनल ऑर्थोडॉन्टिक्स परीक्षा।	गवर्नमेंट डेंटल कॉलेज शिमला हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय।

डॉ नीरज कुमार

शिक्षा

1. NPTEL (ICMR) द्वारा बायोमेडिकल रिसर्च **(**BCBR) में बेसिक कोर्स**,** सितंबर 2021**।**
2. टीम हेल्थ इंस्टीट्यूट द्वारा बाल चिकित्सा उन्नत जीवन समर्थन (**PALS),** जनवरी **2022**।
3. रोगाणुरोधी प्रबंधन एंटीबायोटिक प्रथाओं के अनुकूलन द्वारा नैदानिक परिणामों में सुधार**,** जनवरी 2022**।**

एनसीसी कर्मियों के लिए कोविड टीकाकरण जागरूकता कार्यक्रम।

सदस्यता

1. बाल चिकित्सा दंत चिकित्सा के यूरोपीय अकादमी के सदस्य।
2. डेंटल ट्रॉमेटोलॉजी के भारतीय समाज के आजीवन सदस्य।
3. पेडोडोंटिक्स और निवारक दंत चिकित्सा के भारतीय समाज के आजीवन सदस्य।
4. इंडियन डेंटल एसोसिएशन के आजीवन सदस्य।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण कार्यक्रम

कोठीपुरा के नवोदय विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने संकाय व स्कूल टीचर्स के बीच क्रिकेट मैच में भाग लिया।

रोगी परिचर्या

1. ई-संजीवनी पोर्टल के माध्यम से ई-ओपीडी सेवाएं।
2. एम्स, बिलासपुर में कोविड-19 टीकाकरण केंद्र में सेवाएं प्रदान की।
3. बिलासपुर में आयोजित नलवाड़ी मेले में तंबाकू उत्पादों के बंद करने के संबंध में जागरूकता में भाग लिया।
4. सीएचसी काजा जिला लाहौल और स्पीति हिमाचल प्रदेश में लगे मल्टीस्पेशलिटी कैंप में हिस्सा लिया।

अनुसन्धान एवं प्रकाशन

अनुसन्धान

निधिबद्ध परियोजनाएँ

अविरत

क्र. संख्या	परियोजनाएँ	भूमिका	निधीयन संस्था	अवधि (वर्ष)	प्रारंभ-अंत वर्ष	स्वीकृत धनराशि (रु.)
1.	एम्स बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश के पास आंगनवाड़ी केंद्रों में भाग लेने वाले 1-6 वर्ष के बच्चों में मौखिक स्वास्थ्य और मौखिक स्वास्थ्य की स्थिति के बारे में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और माताओं का ज्ञान, दृष्टिकोण और अभ्यास (केएपी) एक पायलट अध्ययन।	डॉ. नीरज कुमार (प्राथमिक -अन्वेषक) डॉ. दिनेश कुमार वर्मा डॉ. अनुराग नेगी (सह-अन्वेषक)	आईसीएमआर	18 महीने	अविरत	2,15,735 (प्रस्तावित)
2.	हिमाचल प्रदेश के उत्तर भारतीय राज्य में रहने वाले आदिवासियों के बीच मौखिक स्वास्थ्य की स्थिति और उपचार की जरूरतों का आकलन।	डॉ. अनुराग नेगी (प्राथमिक -अन्वेषक) डॉ. दिनेश कुमार वर्मा डॉ. नीरज कुमार डॉ.काजा मोहैदीन.ए (सह-अन्वेषक)	आईसीएमआर	1 वर्ष	अविरत	12,31,120 (प्रस्तावित)

प्रकाशन

शोधपत्र

1. कुमार एन, कुमारी आर. स्टीवंस-जॉनसन रिएक्शन: ए रेयर केस रिपोर्ट ऑफ़ इबुप्रोफेन इंड्यूस्ड हाइपरसेंसिटिविटी रिएक्शन इन ए यंग चाइल्ड। जे बाल चिकित्सा डेंट 2021; 7:184-188.

त्वचारोग, रतिजरोग एवं कुष्ठरोग विभाग

संकाय

क्र. संख्या	नाम	पद	नियुक्ति की तिथि
1.	डॉ. पायल चौहान	सहायक प्राध्यापक	19/01/2021
2.	डॉ. मंजू दारोच	सहायक प्राध्यापक	11/11/2020

विभाग के विषय में

एम्स बिलासपुर में त्वचारोग, रतिजरोग एवं कुष्ठरोग विभाग की स्थापना मई 2021 में ई-संजीवनी प्लेटफॉर्म के माध्यम से ऑनलाइन परामर्श के साथ और सितंबर 2021 में टेलीडॉक्टर ग्लोहील के माध्यम से दूरदराज क्षेत्रों तक की गई है।

कुल ऑनलाइन परामर्श:

- ई-संजीवनी प्लेटफॉर्म: लगभग: 400
- टेलीडॉक्टर ग्लोहील प्लेटफ़ॉर्म: 100

फिजिकल ओपीडी 05/12/2021 को शुरू हुई

- कुल ओपीडी परामर्श: 1525
- त्वचा विज्ञान मामूली प्रक्रियाएं: 34
  - o केलोइड, एलोपेसिया एरेटा, मस्सा, मोलस्कम कॉन्टेजियोसम के लिए इंट्रालेशनल इंजेक्शन (कॉर्टिकोस्टेरॉइड्स / इम्यूनोथेरेपी) करना; स्किन पंच बायोप्सी, एक्सिशन बायोप्सी, इलेक्ट्रोकेटरी और डीपीएन के लिए इलेक्ट्रोफुलगुरेशन, स्किन टैग, झाइयां
- त्वचा विज्ञान पक्ष प्रयोगशाला प्रक्रियाएं: 8
- जांच प्रक्रियाएं:
  - o ओ डर्मोस्कोपी, त्वचा बायोप्सी, विभिन्न फंगल, जीवाणु दाग

डॉ. पायल चौहान

मौखिक शोधपत्र/पोस्टर प्रस्तुत किए गए

क्र. संख्या	लेखक	प्रस्तुति	सम्मेलन का नाम	दिनांक	आयोजक
1.	पायल चौहान, रश्मि जिंदल, दिलीप मीणा	"पामोप्लान्तर एक्जिमा और पामोप्लांटार सोरायसिस के निदान में डर्मोस्कोपी: उत्तर भारत में तृतीयक देखभाल	ई-डर्माकॉन	4-6 फरवरी 2022	आईएडीवीएल

		केंद्र से एक संभावित तुलनात्मक अध्ययन"।			

प्रकाशन

शोधपत्र: 14

पुस्तक में अध्याय

क्र. संख्या	लेखक	अध्याय	संपादक का नाम	पुस्तक	विवरण
1.	एरिचेट्टी ई, बालचंद्र ए, चटर्जी एम, पियरगियाकोमो कैलजावारा पिंटन, विन्सेंजो मायोन, चौहान पी	माइकोसिस	एंज़ो एरिचेट्टी, ऐमिलियोस लल्लास	रंग की त्वचा के लिए सामान्य त्वचाविज्ञान में डर्मोस्कोपी	पहला संस्करण (2021) सीआरसी प्रेस, लंदन
2.	बालचंद्र ए, विनय के, नीमा एस, चौहान पी, एरिचेट्टी ई	बैक्टीरियल संक्रमण			

अन्य शैक्षणिक गतिविधियां/रोगी देखभाल

1. 30 जनवरी विश्व कुष्ठ दिवस त्वचा विज्ञान विभाग एम्स बिलासपुर में जिला कुष्ठ अधिकारियों के सहयोग से मनाया गया।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण कार्यक्रम

1. रंग की त्वचा के लिए अंतर्राष्ट्रीय डर्मोस्कोपी सोसाइटी टास्क फोर्स के सदस्य इंटरनेशनल डर्मोस्कोपी सोसाइटी द्वारा प्रदान किए गए त्वचा ट्यूमर के लिए डर्मोस्कोपिक मानदंड (वर्णनात्मक और रूपक) की सत्यापन प्रक्रिया का हिस्सा।

डॉ. मंजू दारोच

अनुसन्धान

सहयोगात्मक

अविरत: 1

निधिबद्ध

अविरत: 1

प्रकाशन

शोधपत्र: 3

पुस्तक में अध्याय

क्र. संख्या	लेखक	अध्याय	संपादक का नाम	पुस्तक	विवरण
1	डॉ. मुथु कुमारन डॉ. मंजू दारोआच डॉ. सीमा मंजूनाथ	डेपिमेंटरी और हाइपोपिगमेंटरी विकार	डॉ. सच्चिदानंद डॉ. सविता स. शाह डॉ. शिल्पा के. शशि कुमार	त्वचाविज्ञान की आईएडीवीएल पाठ्यपुस्तक	5 वां संस्करण (2021) भलानी प्रकाशन गृह, मुंबई

अन्य शैक्षणिक गतिविधियां/रोगी देखभाल

1. 30 जनवरी विश्व कुष्ठ दिवस त्वचा विज्ञान विभाग एम्स बिलासपुर में जिला कुष्ठ अधिकारियों के सहयोग से मनाया गया।

अनुसन्धान

सहयोगात्मक परियोजनाएँ

अविरत

क्र. संख्या	परियोजनाएँ	सहयोगी विभाग/संस्था
1.	संक्रामक ग्रैनुलोमैटस डर्माटोसिस की डर्मोस्कोपिक विशेषताओं का आकलन करना और हिस्टोपैथोलॉजिकल और माइक्रोबायोलॉजिकल निष्कर्षों के साथ सहसंबंध एक बहु-केंद्र अवलोकन अध्ययन।	पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ एएफएमसी पुणे

निधिबद्ध परियोजनाएँ

अविरत

क्र. संख्या	परियोजनाएँ	भूमिका	निधीयन संस्था	अवधि (वर्ष)	प्रारंभ-अंत वर्ष	स्वीकृत धनराशि (रु.)
1	एलोपेसिया एरीटा के रोगजनन में ट्रेग कोशिकाओं और प्रोइंफ्लेमेटरी साइटोकिन्स आईएफएन ए, आईएल 17, आईएल 23 और आईएल 31 की भूमिका।	डॉ. मंजू दरोच	आईएडीवीएल	3 वर्ष	2018	4.06 लाख

प्रकाशन

1. जिंदल आर, चौहान पी, गोयल डी, शिराज़ी एन। इडियोपैथिक पेरनियोसिस प्रेजेंटिंग एज़ एक्रेल पुरपुरिक लेसियन: क्लस्टरिंग ऑफ़ केस बिफोर कोविड-19 पेंडमिक एंड देयर कम्पेरिजन विद चिलब्लेन लाइक लेसियन रिपोर्टेड इन द लिटरेचर। डर्माटोल थेर। 2021 मई;34(3):e14951. डीओआई: 10.1111/डीटीएच.14951
2. जिंदल आर, चौहान पी, रतूरी एस. पेम्फीगस वगतंस ऑफ़ हलोपो मस्कुएरडिंग अस अक्रोडर्माटिटिस कॉन्टिनुआ सुप्पुरात्वा इंडियन जे डर्माटोल वेनेरोल लेप्रोल 2021;87:560-2
3. जिंदल आर, चौहान पी, बिष्ट वाईएस, रॉय एस। द एडवर्स क्यूटेनियस इफेक्ट्स ऑफ हैंड हाइजीन प्रैक्टिसेज अमंग इंडिविजुअल अदर नॉन-हेल्थकेयर प्रोवाइडर्स ड्यूरिंग कोरोनावायरस-19 पैनडेमिक ए क्रॉस-सेक्शनल ऑनलाइन सर्वे। इंडियन डर्माटोल ऑनलाइन जे. 2021 जून 20;12(5):765-767. डीओआई: 10.4103/idoj.IDOJ_773_20.
4. चौहान पी, जिंदल आर, शिराज़ी एन। डर्मोस्कोपी ऑफ एनुलर इलास्टोलिटिक जाइंट सेल ग्रैनुलोमा इन फिट्ज़पैट्रिक स्किन वी स्किन, इंडियन डर्मेटोलॉजी ऑनलाइन जर्नल 20 जून, 2021। doi: 10.4103/idoj.IDOJ_849_205.
5. जिंदल आर, चौहान पी, चुग आर। डर्माटोल अभ्यास अवधारणा। 2021 जुलाई 8;11(3):e2021054। डीओआई: 10.5826/डीपीसी.1103ए54
6. जिंदल आर, सेठी एस, चौहान पी. ट्यूबरस स्क्लेरोसिस कॉम्प्लेक्स के चार मामलों में फेशियल एंजियोफिब्रोमा की डर्मोस्कोपी। त्वचाविज्ञान प्रैक्टिकल

7. सेठी एस, चौहान पी, जिंदल आर, बिष्ट वाईएस। सामयिक स्टेरॉयड-आश्रित या क्षतिग्रस्त चेहरे की डर्मोस्कोपी एक पार-अनुभागीय अध्ययन। इंडियन जे डर्माटोल वेनेरोल लेप्रोल। 2021 जुलाई 29:1-7। डीओआई 10.25259/IJDVL_11_2020.
8. चौहान पी, सेठी एस, जिंदल आर, मीना डी। डर्मेटोस्कोपी ऑफ ए केस ऑफ एरीथेमा एलिवेटम डाययूटिनम। जे यूर एकेड डर्माटोल वेनेरोल। 2021 नवंबर 23. डीओआई 10.1111/jdv.17835
9. चौहान पी, सेठी एस, जिंदल आर। डर्मोस्कोपी ऑफ ए केस ऑफ स्यूडोक्सैन्थोमा इलास्टिकम ए स्टेप क्लोजर टू डायग्नोसिस। इंडियन जे डर्माटोल 2021;66:555-7
10. चौहान पी, मीना डी, जिंदल आर, चुग आर। डर्मोस्कोपिक कैरेक्टराइजेशन ऑफ ज़ून बैलेनाइटिस फर्स्ट केस सीरीज़ फ्रॉम एशिया। इंडियन डर्माटोल ऑनलाइन जे. 2022 जनवरी 24;13(1):86-89. डीओआई: 10.4103/idoj.idoj_247_21.
11. चौहान पी, जिंदल आर, चुग आर. डर्मोस्कोपी ऑफ जुवेलिन जैन्थोग्रानुलोमा। इंडियन डर्माटोल ऑनलाइन जे. 2021 अगस्त 2;13(2):292-293। डीओआई: 10.4103/idoj.IDOJ_113_20
12. जिंदल आर, चौहान पी, भारद्वाज एन, चुघ आर। एक्सायर्ड ट्राइकोरहेक्सिस नोडोसा सेकेंडरी टू ट्राइकोटिरोमैनिया ट्राइकोस्कोपी का उपयोग करके शीघ्र निदान। इंट जे ट्राइकोलॉजी। 2022 जनवरी-फरवरी;14(1):34-37. डीओआई: 10.4103/आईजीटी.आईजेटी_64_19.
13. जिंदल आर, चुघ आर, चौहान पी, शिराज़ी एन, बिष्ट वाईएस। इओसिनोफिलिया और सिस्टमिक लक्षण (ड्रेस) के साथ ड्रग रैश का हिस्टोपैथोलॉजिकल लक्षण वर्णन और मैकुलोपापुलर ड्रग रैश (एमपीडीआर) के साथ तुलना। इंडियन डर्माटोल ऑनलाइन जे. 2022 जनवरी 24;13(1):32-39. डीओआई: 10.4103/idoj.idoj_452_21.
14. जिंदल आर, नागरानी पी, चौहान पी, बिष्ट वाईएस, सेठी एस, रॉय एस। न्यूट्रीशनल स्टेटस ऑफ पेशेंट्स विद लेप्रोसी अटेंडिंग ए टर्शियरी केयर इंस्टीट्यूट इन नार्थ इंडिया। क्यूरियस। 2022 मार्च 16;14(3):e23217. डीओआई: 10.7759/Cureus.23217।
15. मंजू दरोच, हितेश भल्लवी, तरुण नारंग। टिनिया फेशियल के रूप में लेप्रोसी मास्करेडिंग। एन नटल एकेड मेड साइंस (इंडिया) 2022;58:50-51।
16. आकांक्षा कौशिक, सौफिला केटी, मंजू दरोच, दिव्या अग्रवाल, पुलकित रस्तोगी, मुथु सेंथिल कुमारन। विस्फोट सेबरेरिक केराटोसिस एक खतरनाक सुराग। क्लीवलैंड क्लिनिक जर्नल ऑफ मेडिसिन अगस्त 2021, 88 (8) 428-430।
17. सुब्बुराज के, डारोच एम, विनय के, कुमारन एमएस। नेवस डिपिगमेंटोसस में धब्बेदार रंजकता-एक अपरिचित सहमति। इंडियन डर्माटोल ऑनलाइन जे 2022;13:390-1.

अंतस्रावी, मधुमेह, उपापचय विज्ञान विभाग

संकाय

क्र. संख्या	नाम	पद	नियुक्ति की तिथि
1	डॉ. प्रियंदर सिंह ठाकुर	सहायक प्राध्यापक	23/11/2020

विभाग के विषय में

अंतस्रावी, मधुमेह, उपापचय विज्ञान विभाग दिसंबर 2021 से वर्तमान में सप्ताह में 3 दिन ओपीडी सेवाएं प्रदान कर रहा है। विभिन्न छोटी प्रक्रियाएं/डे केयर प्रक्रियाएं/एंडोक्राइन उत्तेजना परीक्षण भी किए जा रहे हैं। विभाग ऊर्ध्वाधर एकीकृत कक्षाओं में स्नातक छात्रों के शिक्षण में भी शामिल है। विभाग ने 22/3/2022 को लुहणू मैदान एम्स बिलासपुर में नलवाड़ी मेले के दौरान दूर दराज समुदाय की भागीदारी में मधुमेह और ऑस्टियोपोरोसिस के लिए स्वास्थ्य जागरूकता और सामान्य जांच शिविर का आयोजन किया है।

डॉ. प्रियंदर सिंह ठाकुर

शिक्षा

1. एनपीटीईएल (आईसीएमआर) द्वारा बायोमेडिकल रिसर्च (बीसीबीआर) में बुनियादी पाठ्यक्रम, 2021।

सीएमईएस, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान

क्र. संख्या	शीर्षक	सीएमई/सम्मेलन	दिनांक	आयोजक
1.	म्यूकोर्मिकोसिस के रोगियों में मधुमेह के प्रबंधन के लिए व्यावहारिक सुझाव	पहला ईएनटी अपडेट 2021	05.06.2021	कर्णनासाकंठ विज्ञान एवं हेड एंड नेक सर्जरी विभाग, एम्स बिलासपुर

अन्य शैक्षणिक गतिविधियां/रोगी देखभाल

1. डॉक्टर रोगी संबंध पर एटकॉम मॉड्यूल वर्ग लिया और एकीकृत ऊर्ध्वाधर शिक्षण पर व्याख्यान दिया।

2. रैगिंग रोधी दल का सदस्य।

3. प्रतिनिधि के रूप में भाग लिया

- **IIPW** पर इवेंट**,** 23 अक्टूबर 2021
- अच्छी नैदानिक प्रथाओं और नई दवा और नैदानिक परीक्षण नियम 2019 पर कार्यशाला**,** 1 सितंबर 2021।
- एस्कॉन 2021
- आईएसबीएमआर 2021

प्रकाशन

शोधपत्र

1. ठाकुर पी, चेरियन केई, कपूर एन, रिबेका जी, गोयल ए, जकारिया यू, एपेन सीई, थॉमस एन, पॉल टीवी। क्रिप्टोजेनिक और हेपेटाइटिस बी संबंधित सिरोसिस के रोगियों में समीपस्थ कूल्हे की ज्यामिति, ट्रैबेकुलर बोन स्कोर, अस्थि खनिज घनत्व और अस्थि खनिज पैरामीटर - भारतीय उपमहाद्वीप से एक अध्ययन। जे क्लिन डेंसिटोम। 2022 जनवरी-मार्च;25(1):97-104। डीओआई: 10.1016/जे.जेओसीडी.2021.03.001।

कर्णनासाकंठ विज्ञान एवं हेड एंड नेक सर्जरी विभाग

संकाय

क्र. संख्या	नाम	पद	नियुक्ति की तिथि
1.	डॉ डार्विन	सह - प्राध्यापक	23/11/2020
2.	डॉ शशिकांत अनिल पोल	सहायक प्राध्यापक	08/12/2020 (16/08/2021 तक)
3.	डॉ. नेहा चौहान	सहायक प्राध्यापक	27/04/2021

विभाग के विषय में

कर्णनासाकंठ विज्ञान एवं हेड एंड नेक सर्जरी विभाग ने आउट पेशेंट और माइनर ऑपरेशन थिएटर सेवाएं शुरू कर दी हैं। कान, नाक, गले के रोगियों की बढ़ती संख्या को ओपीडी सेवाएं प्रदान करने के साथ-साथ मुँह एवं गले के कैंसर के मरीजों के इलाज के लिए भी तत्पर है। डे-केयर के आधार पर मरीजों के लिए माइनर सर्जिकल प्रक्रियाएं की जा रही हैं। विभाग ने सेमिनार और जर्नल क्लब के रूप में अकादमिक/ शैक्षिक गतिविधियां शुरू की हैं। विभाग ने वर्टिगो क्लिनिक, ओटोलॉजी क्लिनिक, हेड नेक ट्यूमर क्लिनिक के रूप में विशेष क्लीनिक की अनुमति के लिए भी आवेदन किया है।

विभाग ने नए सर्जनों के सर्जिकल कौशल और आत्मविश्वास को बढ़ाने के लिए सीएमई और कैडेवरिक वर्कशॉप (म्यूकोर्मिकोसिस: प्रबंधन के लिए व्यावहारिक सुझाव - पहला ईएनटी अपडेट एक टीचिंग मॉड्यूल और पहला हेड नेक सर्जरी कैडेवर डिसेक्शन कोर्स) के रूप में विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों का आयोजन किया है। विभाग नैदानिक के साथ-साथ शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए प्रतिबद्ध है।

डॉ डार्विन

सीएमई / कार्यशाला / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

1. म्यूकोर्मिकोसिस प्रबंधन के लिए व्यावहारिक सुझाव - पहला ईएनटी अपडेट एक शिक्षण मॉड्यूल - 05.06.2021।

2. 26-03-2022 को एम्स बिलासपुर में पहला हेड नेक सर्जरी कैडेवर डिसेक्शन कोर्स

मौखिक शोधपत्र/पोस्टर प्रस्तुत किए गए।

क्र. संख्या	लेखक	प्रस्तुति	सम्मेलन का नाम	दिनांक	आयोजक
1.	कौशल डी, सोनी के, गोयल ए, नायर एनपी, पुरोहित पी, चौधरी बी, एल्हेंस पी	छिटपुट प्राथमिक हाइपरपैराथायरायडिज्म में पी-134 इंट्राऑपरेटिव पैराथॉरमोन मॉनिटरिंग गाइडेड पैराथाइरॉइड ग्लैंड एक्सिशन।	हेड एंड नेक ऑन्कोलॉजी (ICHNO) और यूरोपियन कांग्रेस ऑन हेड एंड नेक ऑन्कोलॉजी सोसाइटी	3-5 मार्च, 2022	यूरोपियन हेड नेक सोसाइटी
2.	कौशल डी, गोयल ए, सोनी के, शर्मा वी।	पी-199 टैकलिंग मॉन्स्टर थायरॉइड अवर एक्सपीरियंस एट अ टर्शियरी केयर सेंटर। ओरल ऑन्कोलॉजी।	हेड एंड नेक ऑन्कोलॉजी (ICHNO) और यूरोपियन कांग्रेस ऑन हेड एंड नेक ऑन्कोलॉजी (ECHNO)	3-5 मार्च, 2022	यूरोपियन हेड नेक सोसाइटी

पुस्तक में अध्याय

क्र. संख्या	लेखक	अध्याय	संपादक का नाम	पुस्तक	विवरण
1.	डॉ. डार्विन कौशल, डॉ. निखिल राजन	डीप नेक स्पेस इन्फेक्शन	डॉ. आलोक ठक्कर	क्लिनिकल की एसेंशियल्स इंडिया	प्रथम संस्करण (2022) एल्सेवियर-क्लिनिकल की, नई दिल्ली
2.	डॉ. डार्विन कौशल, डॉ. अभिषेक गुग्लिआनी	बायोफिल्म्स इन राइनसाइनसिसिस	डॉ. हितेश के वर्मा	एसेंशियल्स ऑफ राइनोलॉजी	प्रथम संस्करण (2021), स्प्रिंगर, नई दिल्ली

परीक्षक

क्र. संख्या	परीक्षा	विश्वविद्यालय
1.	स्नातक परीक्षक	गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, टांडा (हि. प्र.)
2.	स्नातक परीक्षक	गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, पटियाला (पंजाब)
3.	स्नातक परीक्षक	गवर्नमेंट दून मेडिकल कॉलेज, देहरादून (उत्तराखंड)

डॉ. नेहा चौहान

कार्यशालाओं/सम्मेलनों का आयोजन

आयोजन समिति	म्यूकोर्मिकोसिस प्रबंधन के लिए व्यावहारिक सुझाव - पहला ईएनटी अपडेट एक शिक्षण मॉड्यूल - 05.06.2021।
आयोजन सचिव	प्रथम हेड नेक सर्जरी कैडेवर डिसेक्शन कोर्स - 26 मार्च 2022।

सदस्यता

1. इंडियन एकेडमी ऑफ ओटोलरींगोलॉजी हेड एंड नेक सर्जन (IAOHNS) के सदस्य।
2. इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आई.एम.ए.)।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण कार्यक्रम

विशेष घटनाएँ:

1. डीएवी पब्लिक स्कूल, बिलासपुर में दिनांक 25.09.2021 को अंतर्राष्ट्रीय बधिर सप्ताह पर जागरूकता शिविर का आयोजन।

2. विश्व श्रवण दिवस 03.03.2022 को एम्स, बिलासपुर में निर्माण श्रमिकों के बीच शोर प्रेरित श्रवण हानि के संबंध में जागरूकता वार्ता।

3. विश्व श्रवण दिवस दिनांक 03.03.2022 को जन जागरूकता हेतु श्रवण संरक्षण के संबंध में पोस्टर का विमोचन।

अनुसन्धान एवं प्रकाशन

विभागीय परियोजनाएँ

सम्पन्न

क्र. संख्या	परियोजना	भूमिका	निधीयन संस्था	अवधि (वर्ष)	प्रारंभ-अंत वर्ष	स्वीकृत धनराशि (रु.)
1.	थायराइड इमेजिंग रिपोर्टिंग और डेटा सिस्टम (TIRADS 2017) के आधार पर थायराइड नोड्यूल्स की विशेषता और सामान्य आबादी में FNAC हिस्टोपैथोलॉजी द्वारा सहसंबंध ।	डॉ डार्विन (सह मार्गदर्शक)	अनिधिबद्ध	-	सम्पन्न	शून्य
2.	सिर और गर्दन की दुर्दमता के रोगियों में कीमोराडिएशन प्रेरित श्रवण हानि का मूल्यांकन।	डॉ डार्विन (सह मार्गदर्शक)	अनिधिबद्ध	-	सम्पन्न	शून्य
3.	श्रवण हानि के रोगियों में ट्यूनिंग फोर्क परीक्षणों के साथ सहसंबंध में प्योर टोन ऑडियोमेट्री की प्रभावकारिता का आकलन।	डॉ डार्विन (सह मार्गदर्शक)	अनिधिबद्ध	-	सम्पन्न	शून्य

सहयोगात्मक परियोजनाएँ

अविरत

क्र. संख्या	परियोजना	भूमिका	निधीयन संस्था	अवधि (वर्ष)	प्रारंभ-अंत वर्ष	स्वीकृत धनराशि (रु.)
1.	एंडो डीसीआर में प्राथमिक स्टेंटिंग बनाम स्टेंटिंग नहीं एम्स जोधपुर में एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण - एम्स/आईईसी/2019-20/934	डॉ डार्विन (सह-अन्वेषक)	अनिधिबद्ध	3 वर्ष	अविरत	शून्य

2.	मिनियन टू मॉन्स्टर पैपिलरी कार्सिनोमा का स्पेक्ट्रम और एम्स जोधपुर- में सीखे गए सबक एम्स/आईईसी/2019-20/920	डॉ डार्विन (सह-अन्वेषक)	अनिधिबद्ध	3 वर्ष	अविरत	शून्य
3.	एम्स जोधपुर - एम्स/आईईसी/2020-21/2023 में छिटपुट प्राथमिक हाइपरपैराथायरायडिज्म में इंट्राऑपरेटिव पैराथारमोन मॉनिटरिंग गाइडेड पैराथायरायड ग्रंथि एक्सिशन	डॉ डार्विन (सह-अन्वेषक)	अनिधिबद्ध	3 वर्ष	अविरत	शून्य

सम्पन्न

क्र. संख्या	परियोजना	भूमिका	निधीयन संस्था	अवधि (वर्ष)	प्रारंभ-अंत वर्ष	स्वीकृत धनराशि (रु.)
1.	कोविड-19 में बहरापन एम्स जोधपुर में एक पायलट अध्ययन	डॉ डार्विन (सह-अन्वेषक)	अनिधिबद्ध	3 वर्ष	सम्पन	शून्य

अनुसंधान परियोजनाएँ

अविरत

क्र. संख्या	परियोजना	भूमिका	निधीयन संस्था	अवधि (वर्ष)	प्रारंभ-अंत वर्ष	स्वीकृत धनराशि (रु.)
1	एम्स, बिलासपुर में वर्टिगो पेश करने वाले रोगी का क्लिनिकल प्रोफाइल और निदान।	डॉ डार्विन (प्राथमिक -अन्वेषक) डॉ. नेहा चौहान, डॉ आशीष शर्मा (सह-अन्वेषक)	अनिधिबद्ध	2022-2024	अविरत	शून्य

प्रकाशन

शोधपत्र

1. प्रकाश डी, चौहान एन, कौशल डी। "गैर-सीओवीआईडी -19 मरीजों की देखभाल में देरी चल रही महामारी के बीच एक चिकित्सक की भविष्यवाणी; एक्टा साइंटिफिक ओटोलर्यनोलोजी 3.10(2021): 43-45।
2. समीमा वीवी, सोनी के, देवड़ा एस, शर्मा जेबी, चौधरी बी, कौशल डी, छाबड़ा एस, गोयल ए. एसेसमेंट ऑफ प्रीऑपरेटिव एंड पोस्टऑपरेटिव कार्डियक फंक्शन इन चिल्ड्रन विथ एडेनोटोनसिलर हाइपरट्रॉफी ए प्रॉस्पेक्टिव कोहोर्ट स्टडी। यूर आर्क ओटोरहिनोलरिंगोल। 2022 जनवरी 12. डीओआई 10.1007/s00405-022-07255-4। मुद्रण से पहले ई - प्रकाशन। पीएमआईडी 35022863।
3. कौशल डी, राजन एन, सोनी के, शर्मा ए चौधरी बी, यादव टी, खेड़ा पी, गोयल ए. रिड्यूसिंग मॉर्टेलिटी इन म्यूकोर्मिकोसिस ऑफ द हेड एंड नेक इन डायबिटिक पेशेंट्स ए केयर केस सीरीज। यूरोपियन एनाल्स ऑफ ओटोरहिनोलारिंजोलॉजी, हेड एंड नेक डिजीज। https://doi.org/10.1016/j.anorl.2021.06.015
4. शकरवाल, एन, पात्रो, एस.के, सोनी, के, कौशल डी, सोनी के, चौधरी बी, गोयल ए. पश्चिमी राजस्थान के तृतीयक देखभाल केंद्र में लैरींगोट्रेचियल ट्रॉमा (एलटीटी) के साथ हमारा अनुभव। इंडियन जे ओटोलरिंगोल हेड नेक सर्जन (2021)। https://doi.org/10.1007/s12070-021-02820-5
5. राजन एन, चौधरी बी, प्रकाश डी, सोनी के, कौशल डी, शकरवाल एन, नायर एनपी, गोयल ए। क्या एन95 मास्क का लंबे समय तक उपयोग नाक म्यूकोसिलरी क्लीयरेंस को प्रभावित करता है? एक एकल समूह पूर्व-पश्च अध्ययन। ऐन ओटोल राइनोल लैरींगोल। 2021 अगस्त 28:34894211041821। डीओआई 10.1177/00034894211041821। मुद्रण से पहले ई - प्रकाशन। पीएमआईडी 34459285
6. दास एन, कौशल डी, पात्रो एसके, पारीक पी, दीक्षित ए, सोनी के, प्रकाशन नायर एन, चौधरी बी, गोयल ए. रिलेटिव कंट्रीब्यूशन ऑफ रेडिएशन एंड सिस्प्लैटिन-बेस्ड कीमोथेरेपी टू सेंसरिनुरल हियरिंग लॉस इन हेड-एंड-नेक कैंसर रोगियों। एक्टा ओटोलरिंगोल। 2021 सितंबर 6:1-9। डीओआई 10.1080/00016489.2021.1969036। मुद्रण से पहले ई - प्रकाशन। पीएमआईडी 34486907.
7. कौशल डी, गोयल एस, नायर एनपी, सोनी के, चौधरी बी, कुमारी एम, छाबड़ा एस, गोयल ए. टिप्स एंड पर्ल्स फॉर ट्रेकियोस्टोमी ड्यूरिंग द कोविड-19 पैनडेमिक। इंट आर्क

ओटोरहिनोलरिंगोल 2021;25(3): e459–e462। डीओआई https://doi.org/10.1055/s-0041-1731723

8. नायर, एन.पी., शर्मा, वी., दीक्षित, ए, कौशल डी, सोनी के, चौधरी बी, गोयल ए. फ्यूचर सॉल्यूशंस फॉर वॉयस रिहैबिलिटेशन इन लेरिंजक्टोमीज ए रिव्यू ऑफ टेक्नोलॉजीज बेस्ड ऑन इलेक्ट्रोफिजियोलॉजिकल सिग्नल। इंडियन जे ओटोलरिंगोल हेड नेक सर्जन (2021) https://doi.org/10.1007/s12070-021-02765-9
9. सोनी के, एल्हेंस पी, कौशल डी, राजन एन, पुरोहित पी, चौधरी बी, गोयल ए. कोरिलेशन बिटवीन एक्सप्रेशन ऑफ मैट्रिक्स मेटेलोप्रोटीनेज-9, मैट्रिक्स मेटालोप्रोटीनेज-13, टिश्यू इनहिबिटर ऑफ मेटालोप्रोटीनिसेस-1, पी16 एंड डिफरेंशिएशन ऑफ हेड और नेक स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा एक संभावित पर्यवेक्षणीय अध्ययन। मैक्सिलोफेशियल सर्जरी के इतिहास 2021;11(1):58-63 डीओआई 10.4103/am.ams_249_20
10. दास एन, पात्रो एसके, कौशल डी, पारीक पी, दीक्षित ए, कोम्बथुला एसएच, सोनी के, शर्मा वी, गोयल ए. कोक्लीअ इन वॉल्यूमेट्रिक आर्क थेरेपी में कोक्लीअ द्वारा प्राप्त खुराक के लिए ट्यूमर और उपचार विशेषताओं का सहसंबंध। यूर आर्क ओटोरहिनोलरिंगोल 2021 जून 23 डीओआई 10.1007/s00405-021-06950-वाई
11. सोनी के, बोहरा जीके, नायर एनपी, कौशल डी, पात्रो एसके, गोयल ए. डेंगू में सेंसोरिनुरल हियरिंग लॉस ए पायलट स्टडी ईरान जे Otorhinolaryngol 2021 मई;33(116):157-161 डीओआई 10.22038/ijorl.2020.39874.2314।
12. भारती जेएन, सौदामिनी एबी, कौशल डी. स्केरी ब्लैक नोड्स साइटोपैथोल का निदान करें 2021
13. राजन एन, चौधरी बी, प्रकाश डी, सोनी के, कौशल डी, शकरवाल एन, नायर एनपी, गोयल ए. क्या एन 95 मास्क का लंबे समय तक उपयोग नाक म्यूकोसिलरी क्लीयरेंस को प्रभावित करता है? एक एकल समूह पूर्व-पश्च अध्ययन. ऐन ओटोल राइनोल लैरींगोल 2021 अगस्त 28:34894211041821 डीओआई: 10.1177/00034894211041821। मुद्रण से पहले ई - प्रकाशन। पीएमआईडी 34459285
14. नायर एनपी, कौशल डी, राव एम, सोनी के, वैथंकलथ एस। इवैलुएशन एंड मैनेजमेंट ऑफ एन अननोन ट्यूमर ऑफ द लैरिंक्स ए केस रिपोर्ट एंड लिटरेचर रिव्यू ऑफ लेरिंजल लो-ग्रेड मायोफिब्रोब्लास्टिक सारकोमा क्यूरियस 2020 अक्टूबर 21;12(10):e11072. डीओआई 10.7759/Cureus.11072 पीएमआईडी 33224666; पीएमसीआईडी PMC7676948
15. कौशल डी, गुग्लिआनी ए, शर्मा वी, गोयल ए, चौधरी बी, सोनी के. पैरोटिड सर्जरी में फेशियल नर्व की पहचान हाउ वी डू इट। ईरान जे Otorhinolaryngol 2021 मार्च;33(115):93-96 डीओआई: 10.22038/ijorl.2020.43760.2446

फोरेंसिक विभाग

संकाय

क्र. संख्या	नाम	पद	नियुक्ति की तिथि
1	डॉ यतिराज सिंगी	सह प्राध्यापक	23/11/2020
2	डॉ दीपेन दाभी	सहायक प्राध्यापक	25/11/2020

विभाग के विषय में

एम्स बिलासपुर में न्याय चिकित्सा एवं विष विज्ञान विभाग की स्थापना उत्कृष्टता के लिए अकादमिक, नैदानिक और अनुसंकृष्ण गतिविधियों को प्रदान करने के उद्देश्य से की गई है। विभाग के संकाय सक्रिय रूप से एम्स की स्थापना के लिए विभिन्न क्षमताओं में शामिल थे, जो इसके मूल संस्थान एम्स नई दिल्ली की तुलना में था।

प्रशासनिक गतिविधियां संकाय सदस्यों को आईटी सेल, चीफ प्रोवोस्ट, एंटी रैगिंग कमेटी, अनुशासनात्मक समिति, वार्षिक रिपोर्ट समिति, यूजी बोर्ड ऑफ स्टडीज आदि जैसी विभिन्न प्रशासनिक जिम्मेदारियां सौंपी गई थीं।

शैक्षणिक: संकाय सदस्य एमबीबीएस चरण द्वितीय के छात्रों के लिए एमबीबीएस और नियमित कक्षाओं के पहले दल के मूल पाठ्यक्रम में शामिल थे । संकायों ने न्याय चिकित्सा एवं विष विज्ञान के विषय के लिए स्नातक पाठ्यक्रम भी तैयार किया।

मेडिको-लीगल कार्य: संकाय सक्रिय रूप से विशेषज्ञ राय प्रदान कर रहे थे या उन मामलों में शव परीक्षा कर रहे थे जहां जिला पुलिस, बिलासपुर द्वारा फोरेंसिक विशेषज्ञ की विशेषज्ञता मांगी गई थी।

डॉ यतिराज सिंगी

शिक्षा

1. एल एन जे एन राष्ट्रीय अपराध विज्ञान संस्थान और फोरेंसिक विज्ञान, नई दिल्ली द्वारा आयोजित आठंवा अध्ययन कार्यक्रम आपराधिक मुकदमे में न्यायिक निर्णय पर फोरेंसिक रिपोर्ट का प्रभाव, 20-22 सितम्बर 2021।
2. प्रत्यारोपण संयोजक व्यावसायिक प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम, मोहन फाउंडेशन द्वारा, 1-30 नवंबर 2021।
3. बायो-मेडिकल अनुसन्धान में मूलभूत पाठ्यक्रम (मार्च-जून 2021)।

सी एम ई एस, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान

क्र. संख्या	शीर्षक	सीएमई/सम्मेलन	दिनांक	आयोजक
1.	फोरेंसिक चिकित्सा विभाग की स्थापना करते समय व्यावहारिक कठिनाइयां।	तृतीय वार्षिक एम्स फॉरेंसिक गिल्ड कॉन्क्लेव, 2022	24-25 मार्च 2022	न्याय चिकित्सा एवं विष विज्ञान विभाग, एम्स भटिंडा।
2.	एक सत्र की अध्यक्षता की			
3.	चर्चा के लिए पटलवादी			
4.	चर्चा के लिए पटलवादी	सामूहिक मृत्यु की घटनाओं में भारत की फोरेंसिक मानव पहचान क्षमता में वृद्धि।	3 फरवरी 2022 (ऑनलाइन)	रेड क्रॉस की अंतर्राष्ट्रीय समिति
5.	चर्चा के लिए पटलवादी	सामूहिक मृत्यु की घटनाओं में भारत की फोरेंसिक मानव पहचान क्षमता में वृद्धि।	3-4 मार्च 2022	रेड क्रॉस की अंतर्राष्ट्रीय समिति एवं एन एफ़ एस यू गोवा

मौखिक शोधपत्र/पोस्टर प्रस्तुत किए गए

क्र. संख्या	लेखक	प्रस्तुति	सम्मेलन का नाम	दिनांक	आयोजक
1.	डॉ यतिराज सिंगी	प्राकृतिक ममीकरण	शिमला 2021	5-6 अक्टूबर 2021	न्याय चिकित्सा एवं विष विज्ञान विभाग, एम्स बीबीनगर

अन्य शैक्षणिक गतिविधियां/रोगी देखभाल

1. सामूहिक मृत्यु की घटनाओं में भारत की फोरेंसिक मानव पहचान क्षमता के लिए खोज समिति के सदस्य, इंटरनेशनल सेंटर फॉर ह्यूमैनिटेरियन फोरेंसिक, एन एफ़ एस यू, गाँधीनगर।

अनुसन्धान

निधिबद्ध: 1

प्रकाशन

शोधपत्र: 3

पुस्तक में अध्याय

क्र. संख्या	लेखक	अध्याय	संपादक का नाम	पुस्तक	प्रकाशन का विवरण
1.	डॉ यतिराज सिंगी	--	डॉ के एस एन रेड्डी, डॉ ओ पी मूर्थी, डॉ यतिराज सिंगी	एस्सेनशिअल ऑफ़ फॉरेंसिक मेडिसिन एंड टॉक्सिकोलॉजी	35 संस्करण (2022) जे पी ब्रदर्स, नई दिल्ली

सदस्यता

1. ग्लोबल अकादमी ऑफ़ फॉरेंसिक एंड इनवेस्टिगेटिव मेडिसिन एंड साइंसेज (GLAFIMS) की सदस्यता।

डॉ दीपेन दाभी

शिक्षा

1. बायो-मेडिकल अनुसन्धान में मूलभूत पाठ्यक्रम (मार्च-जून 2021)

अन्य शैक्षणिक गतिविधियां/रोगी देखभाल

1. एम्स बिलासपुर में 8 सप्ताह तक कोरोना टीकाकरण अभियान के दौरान टीकाकरण समन्वयक के रूप में कार्य किया।

अनुसन्धान

निधिबद्ध: 1

सदस्यता

1. पंजाब अकादमी ऑफ़ फॉरेंसिक मेडिसिन एंड टॉक्सिकोलॉजी (PAFMAT) की सदस्यता ।

अनुसन्धान

निधिबद्ध

अविरत

क्र. संख्या	परियोजनाएँ	भूमिका	निधीयन संस्था	अवधि (वर्ष)	प्रारंभ - अंत वर्ष	स्वीकृत धनराशि (रु.)
1.	कोरिलेशन ऑफ़ डायमेंशन ऑफ़ हैंड्स एंड फ़ीट विथ स्टेचर इन इंडिजेनस पापुलेशन ऑफ़ ट्राइबल डिस्ट्रिक्स ऑफ़ हिमाचल प्रदेश	डॉ यतिराज सिंगी प्राथमिक अन्वेषक डॉ दीपेन दाभी सह अन्वेषक	आई सी एम आर	3 वर्ष	तकनिकी स्वीकृति	5,45,000 (स्वीकृत)

प्रकाशन

1. सिंगला क, सिंगी य. गाइडलाइन्स फॉर क्रिमशन/बरिअल ऑफ़ कोविड19 - नीड ऑफ़ द आवर, ज.प.फ.अ.ट 2021, 21(1), 6-9 DOI: 10.5958/0974-083X.2021.00001.7
2. सिंगला क, सिंगी य, सिन्हा र क, धत्तरवाल स क, एस्टिमेशन ऑफ़ सेक्सुअल डिमॉरफिस्म बाय ओस्टोमेट्रिक एनालिसिस ऑफ़ पटेला, जेपीएएफ़एमएटी 2021, 21(1), 58-67 DOI: 10.5958/0974-083X.2021.00010.8
3. बशीर स, सैनी र क, सिंगी य, कोरिलेशन ऑफ़ स्टेचर विथ फिंगर लेंथ ऑफ़ नेटिव हरियाणा पौपुलेशन, जेपीएएफ़एमएटी 2021, 21(1), 165-7 DOI: 10.5958/0974-083X.2021.00031.5

सामान्य चिकित्सा विभाग

संकाय

क्र. संख्या	नाम	पद	नियुक्ति की तिथि
1	डॉ. अजय जरयाल	सह – प्राध्यापक	23/11/2020
2	डॉ. भूपेंद्र कुमार	सहायक प्राध्यापक	25/11/2020
3	डॉ. कपिल शर्मा	सहायक प्राध्यापक	16/11/2020

विभाग के विषय में

रोगी देखभाल: विभाग ने आरएच बिलासपुर में दैनिक ओपीडी सेवाएं प्रदान की हैं और लगभग 3700 रोगियों को देखा है।

विभाग ओपीडी सेवाओं की शुरुआत के बाद से एम्स में दैनिक ओपीडी सेवाएं चला रहा है। विभाग डायग्नोस्टिक एब्डॉमिनल और थोरैसिक पैरासेन्टेसिस जैसी डे केयर प्रक्रियाओं को सक्रिय रूप से कर रहा है और अस्थमा, सीओपीडी और एसीएस की तीव्र तीव्रता जैसी आपात स्थितियों में भाग ले रहा है।

टेलीमेडिसिन: विभाग नियमित रूप से ई-संजीवनी और टेलीडॉक्टर/ग्लोहील प्लेटफॉर्म पर टेली-परामर्श दे रहा है।

सामुदायिक दूर दराज: विभाग जिला लाहौल और स्पीति और चंबा में सामुदायिक दूर दराज शिविरों में और समय-समय पर स्थानीय स्वास्थ्य शिविरों में भी नियमित रूप से भाग लेता रहा है।

शिक्षण: विभाग एमबीबीएस द्वितीय वर्ष के छात्र को सिद्धांत और नैदानिक चिकित्सा पढ़ा रहा है।

एमबीबीएस द्वितीय वर्ष के छात्रों के लिए थ्योरी पैथोलॉजी कक्षाओं का शिक्षण।

बुनियादी पाठ्यक्रम में योगदान।

संस्थागत उत्तरदायित्व: विभाग ने एमबीबीएस पाठ्यक्रम तैयार करने में सक्रिय रूप से भाग लिया है।

अनुसंधान: विभाग ने विभिन्न शोध परियोजनाएँ शुरू की हैं:

ए) आउट पेशेंट सेटिंग में उच्च रक्तचाप से ग्रस्त रोगियों में लक्ष्य अंग क्षति की व्यापकता- एक अवलोकन अध्ययन- अजय जरयाल, भूपेंद्र कुमार, कपिल शर्मा।

बी) स्मार्टफोन आधारित टेली-स्ट्रोक वरसिज 'स्ट्रोक फिजिशियन' ने तीव्र आघात प्रबंधन (स्मार्ट इंडिया) का नेतृत्व किया: समूह यादृच्छिक परीक्षण-डॉ कपिल शर्मा।

सी) हिमाचल प्रदेश के पहाड़ी क्षेत्र के हाइपोथायरायड रोगियों में न्यूरोफिज़ियोलॉजिकल और बायोकेमिकल पैरामीटर्स का एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन - डॉ. कपिल शर्मा।

डॉ. अजय जरयाल

सीएमईएस, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रस्तुत किए गए मौखिक पत्र/पोस्टर

क्र. संख्या	लेखक	प्रस्तुति	सम्मेलन का नाम	दिनांक	आयोजक
1	जरयाल ए, विक्रांत एस, सिंह आर, चौहान एन, शर्मा डी, कुमार ए	टनल कफ्ड कैथेटर के लघु अवधि के परिणाम - एक एकल केंद्र अनुभव। पीओएस-578। किडनी इंटरनेशनल रिपोर्ट। 2021; 6(4): एस254-एस255।	नेफ्रोलॉजी की विश्व कांग्रेस	15-18th अप्रैल 2021 (वर्चुअल)	इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ़ नेफ्रोलॉजी

अनुसन्धान

विभागीय परियोजनाएँ

अविरत: 1

परीक्षक

क्र. संख्या	परीक्षा	विश्वविद्यालय
1.	सामान्य चिकित्सा में एमबीबीएस परीक्षा – बाह्य परीक्षक मार्च 2021	आईजीएमसी शिमला

डॉ. भूपेंद्र कुमार

सीएमईएस, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रस्तुत किए गए मौखिक पत्र/पोस्टर

क्र. संख्या	शीर्षक	सीएमई/सम्मेलन	दिनांक	आयोजक
1	मधुमेह के प्रबंधन में एसज़ीएलटी2 अवरोधकों की भूमिका	वर्चुअल सीएमई	15/07/2021	सिप्ला लिमिटेड
2	मधुमेह से निपटना	वर्चुअल सीएमई	24/12/2021	सिप्ला लिमिटेड

प्रकाशन

शोधपत्र: 1

डॉ. कपिल शर्मा

प्रकाशन

शोधपत्र: 1

अनुसन्धान एवं प्रकाशन

निधिबद्ध परियोजनाएँ

अविरत

क्र. संख्या	परियोजनाएँ	भूमिका	निधीयन एजेंसी	अवधि (वर्ष)	प्रारंभ - अंत वर्ष
1.	स्मार्टफोन बेस्ड टेली - स्ट्रोक वरसिज 'स्ट्रोक फिजिशियन ' लेड एक्यूट स्ट्रोक मैनेजमेंट (स्मार्ट इंडिया): क्लस्टर रन्डॉमिसेड ट्रायल	**डॉ कपिल शर्मा** - सह अन्वेषक	डीएचआर-आईसीएमआर "अनुदान सहायता" योजना	2 वर्ष	2022-स्वीकृत

2.	क्रॉस सेक्शनल स्टडी ऑफ़ न्यूरोपिसिओलॉजिकल एंड बायोकैमिकल पैरामीटर्स इन ह्य्पोथयरॉइड पेशेंट्स ऑफ़ हिली रीजन ऑफ़ हिमाचल प्रदेश	**डॉ कपिल शर्मा** - सह अन्वेषक	आईसीएमआर	3 वर्ष	2022- स्वीकृत

विभागीय परियोजनाएँ

क्र. संख्या	परियोजनाएँ	पीआई / सह पीआई
1	आउट पेशेंट सेटिंग में उच्च रक्तचाप से ग्रस्त रोगियों में लक्ष्य अंग क्षति की व्यापकता- एक अवलोकन अध्ययन	

प्रकाशन

शोधपत्र

1. **जरयाल ए**, विक्रांत एस, गुप्ता डी . एपिडेमियोलॉजी एंड आउट कम ऑफ़ डायलिसिस रेक्विरिंग एक्यूट किडनी इंजरी: अ सिंगल-सेण्टर स्टडी. थेराप्यूटिक एफेरेसिस एंड डायलिसिस. 2022;26(3):594-600.
2. **जरयाल ए**, विक्रांत एस. कोरोना वायरस डिजीज 2019 एंड किडनी. सऊदी जे किडनी डिस ट्रांसपल. 2021; 32: 1220-34.
3. **जरयाल ए,** विक्रांत एस, सरकार एएम, आसोतरा एस, गुप्ता डी, अग्रवाल एस। केस रिपोर्ट ऑफ़ प्लेयरों-पेरिकार्डियल इफुजिओन इन अ पेशेंट ऑन हेमोडिअलीसिस एंड अ कार्डियक पेसमेकर . सेमिनार्स इन डायलिसिस . 2021; 34: 323-325.
4. **जरयाल ए**, विक्रांत एस, वर्मा बी एस, गौतम एस, कुमार डी. सक्सेसफुल यूज़ ऑफ़ स्टेरॉइड्स इन द मैनेजमेंट ऑफ़ ट्व पेशेंट ऑफ़ डायरिया-एसोसिएटेड एडल्ट हेमोलिटिक यूरेमिक सिंड्रोम. जे एपीपीएल हेमाटोल. 2021; 12:210-2
5. प्रसाद एन, यादव ए के, कुंडू एम, सेठी जे, **जरयाल ए**, सिरकार डी, मोदी जी के, कम्बोज के, सहाय एम, गोपालकृष्णन एन, कौर पी, विक्रांत एस, वारुघीस एस, बेड -अग्रवाल एस, सिंह एस,

गंग एस, परमेस्वरन एस, कुमार वी, घोष ए, झा वी . प्रिस्क्रिप्शन प्रैक्टिसेज इन पेशेंट्स विथ माइल्ड टू मॉडरेट सी के डी इन इंडिया . किडनी इंट रिप. 2021;6(9):2455-2462.

6. कुमारी बी, **कुमार बी**, गुप्ता डी, गंजु एन एफ़एमडी एंड सीआईएमटी: सरोगेट मार्कर्स ऑफ़ अथेरोस्क्लेरोसिस इन सबक्लिनिकल एंड ओवेर्ट हाइपोथायरायडिज्म इन सब हिमालयन रीजन. इंडियन जर्नल ऑफ़ इंडोक्रिनोलोगी एंड मेटाबोलिज्म. 25:3: 220-225.
7. वर्मा ए, **शर्मा के**, शर्मा एस. इवैल्यूएशन ऑफ़ डायबिटिक न्यूरोपैथीज़. (जर्नल ऑफ़ कार्डिओ डायबिटीज एंड मेटाबोलिज्म -एक्सेप्टेड फॉर पब्लिकेशन , फरवरी 2022)

सामान्य शल्य चिकित्सा विभाग

संकाय

क्र. संख्या	नाम	पद	नियुक्ति की तिथि
1.	डॉ. मोहिम ठाकुर	सहायक प्राध्यापक	16/03/2021

विभाग के विषय में

सामान्य शल्य चिकित्सा विभाग ने अपनी स्थापना से एक ही संकाय के साथ अपनी यात्रा शुरू की है। स्नातक पाठ्यक्रम के नैदानिक कार्यक्षेत्र के साथ छात्रों को परिचित करने के लिए विभाग प्रारंभिक नैदानिक अनावरण कक्षाओं (ईसीई) के रूप में 1 वर्ष के स्नातक शिक्षण में सक्रिय रूप से शामिल था। विभाग ने एमबीबीएस पाठ्यक्रम के लिए स्नातक पाठ्यक्रम भी विकसित किया। सर्जिकल कौशल प्रयोगशाला स्थापित करने के लिए प्रासंगिक सुझाव सर्जिकल कौशल प्रयोगशाला समिति को दिए गए। चल रही कोविड महामारी को देखते हुए वर्ष की शुरुआत में ऑनलाइन ओपीडी साप्ताहिक आधार पर शुरू की गई थी, जहां हिमाचल राज्य की आम जनता को ऑनलाइन बाह्य रोगी परामर्श प्रदान किया गया था। सर्जिकल ओपीडी में दैनिक नैदानिक पोस्टिंग और द्वितीय वर्ष एमबीबीएस जनरल सर्जरी व्याख्यान साप्ताहिक आधार पर दिसंबर 2021 से शुरू हुए ।

मामूली ओटी सेवाएं शुरू करने के लिए पीजीआई चंडीगढ़ से उपकरणों का बुनियादी समूह खरीदा गया और उपभोग्य वस्तुएं प्राप्त हुई। धीरे-धीरे दैनिक शारीरिक ओपीडी वर्ष के उत्तरार्ध में शुरू की गई जब कोविड की स्थिति कम हो गई। बिलापसुर हिमाचल प्रदेश की स्थानीय आबादी को सीमित मामूली ऑपरेटिव सेवाएं प्रदान की गई। कुल 2000 से अधिक ओपीडी परामर्श दिए गए थे और विभाग द्वारा 30 लघु प्रकरणों का निष्पादन किया गया ।

विभाग ने राज्य में दूरस्थ जनजातीय जिलों और स्थानीय आस-पास की आबादी दोनों में सामुदायिक सेवाओं में अपना सक्रिय योगदान दिया। निम्नलिखित कार्यक्रमों में भाग लिया गया:

1. 5-7 अक्टूबर 2021 तक काजा, लाहौल और स्पीति हिमाचल प्रदेश में मल्टीस्पेशलिटी चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। 700 से अधिक रोगियों को बाह्य रोगी परामर्श प्राप्त हुआ और शल्य चिकित्सा विशिष्टताओं द्वारा एलए

के तहत किए गए 2 मामूली ऑपरेटिव मामले।

2. जिला प्रशासन और एम्स बिलासपुर द्वारा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, झुण्डूत्ता बिलासपुर हिमाचल प्रदेश (12 अप्रैल 2022) में आयोजित विकलांगता प्रमाणन शिविर में जनरल सर्जरी विभाग ने भाग लिया। रोगियों को विकलांगता प्रमाण पत्र प्राप्त हुए और एचपी सरकार की सहारा योजना से लाभान्वित हुए ।

विभाग संकाय एक बाह्य वित्त पोषित परियोजना (आईसीएमआर-तकनीकी रूप से अनुमोदित, आईईसी अनुमोदित) में अनुसंधान गतिविधियों को भी शामिल करता है और 2 आंतरिक गैर-वित्त पोषित अनुसंधान परियोजनाएँ अंतिम रूप से अनुमोदित है।

डॉ. मोहिम ठाकुर

शिक्षा

1) बीसीबीआर प्रमाणन पाठ्यक्रम (बायोमेडिकल रिसर्च में बुनियादी पाठ्यक्रम)।

2) बीएलएस/एसीएलएस एएचए प्रमाणित पाठ्यक्रम एम्स बिलासपुर हिमाचल प्रदेश।

अनुसन्धान

सहयोगात्मक परियोजनाएँ

अविरत

क्र. संख्या	परियोजनाएँ	सहयोगी विभाग/संस्था
1.	ठोस अंग कैंसर में पारंपरिक तिब्बती चिकित्सा की प्रभावकारिता।	धर्मशाला, भारत का तिब्बती चिकित्सा और एस्ट्रो विज्ञान संस्थान।

प्रकाशन

शोधपत्र: 1

अन्य शैक्षणिक गतिविधियां/रोगी देखभाल

क्र. संख्या	कक्षा	एम् एम् बी एस	घंटे
1.	प्रारंभिक नैदानिक एक्सपोजर कक्षाएं (ईसीई)	प्रथम वर्ष	1 घंटा
2.	व्याख्यान (सामान्य सर्जरी)	तृतीय सत्र	7 घंटे

3.	व्याख्यान (पैथोलॉजी)	तृतीय सत्र	2 घंटे
4.	नैदानिक पोस्टिंग	तृतीय सत्र	384 घंटे

सम्मेलनों में शिरकत

1. बेरिएट्रिक और हर्निया आवश्यक -एएमएएसआई (ऑनलाइन) 31 July - 1 Aug 21
2. पीजीआईएमईआर- साक्ष्य आधारित चिकित्सा इको कार्यक्रम - व्यवस्थित समीक्षा (ऑनलाइन) 02 एयूजी 2021
3. अंतर्राष्ट्रीय लाइव कार्यशाला - उदर भित्ती की मरम्मत (एडब्ल्यूआर) और हर्निया मरम्मत रत्न सीओम्बाटोर (ओएनलाइन) 12-13 एयूजी 2021
4. आईएएसजीसीओएन 2021- इंडियन एसोसिएशन ऑफ सर्जिकल गैस्ट्रोएंट्रोएंटरोलॉजी (ओएनलाइन) 9-10 ओसीटी 2021
5. अंतर्राष्ट्रीय संक्रमण निवारण सप्ताह पर कार्यशाला, एम्स बिलासपुर हिमाचल प्रदेश (पीहाइसिकल) 21 ओसीटी 2021
6. आईसीआईजीएस - ग्लोबल सर्जरी में नवाचार के लिए अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस एमएएमसी नई दिल्ली (पी हाइसिकल) 21-22 अप्रैल 2022
7. कोविड तैयारी कार्यशाला एम्स बिलासपुर एचपी 2022

सदस्यता

1. एसोसिएशन ऑफ सर्जन्स ऑफ इंडिया (एएसआई) के सदस्य।
2. (ओएसएसआई) के सदस्य – ओबेसिटी एंड मेटाबोलिक सर्जरी सोसाइटी ऑफ इंडिया।

प्रकाशन

1. ठाकुर एम, एट अल। जेजूनो-इलेल ट्यूमर: एक पूर्वव्यापी अध्ययन। आईएनटी सर्ग जे. 2021 अक्टूबर; 8 (10):3109-3115

अस्पताल प्रशासन विभाग

संकाय

क्र. संख्या	नाम	पद	नियुक्ति की तिथि
1.	डॉ विक्रांत कंवर	सहायक प्राध्यापक / उप चिकित्सा अधीक्षक	26/11/2020
2.	डॉ मोहम्मद कौसर	सहायक प्राध्यापक	13/11/2020

विभाग के विषय में

<u>विभाग की "दृष्टि"</u>

हम "बचाते हैं"

(प्रणाली, प्रशासन, मूल्य और अर्थव्यवस्था)

साथ

ध्यान

(करुणा, स्नेह, सम्मान और सहानुभूति)

<u>विभाग का "मिशन"</u>

एक ऐसी प्रणाली का निर्माण करना जो सुनिश्चित करने के लिए मूल्यों और अर्थव्यवस्था के माध्यम से प्रशासन करे।

अनुकंपा, स्नेही, सम्मानजनक और सहानुभूतिपूर्ण देखभाल "

अस्पताल प्रशासन विभाग के मुख्य उद्देश्य निम्नानुसार हैं:

- प्रभावी स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने और वितरित करने के लिए संस्थान अस्पताल में दिन-प्रतिदिन की प्रशासनिक गतिविधियों का आयोजन और समन्वय करना।
- प्रक्रियाओं को सुगम बनाने के लिए प्रौद्योगिकी संचालित स्वास्थ्य प्रणालियों को लागू करना।
- सेवाओं के प्रभावी वितरण के लिए स्वास्थ्य देखभाल कार्य बल का प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण करना।
- संस्थानों में कानूनी और नैतिक प्रथाओं को बढ़ावा देना और सुनिश्चित करना ।
- तृतीयक देखभाल अस्पतालों में गुणवत्ता आश्वासन कार्यक्रमों का समन्वय और सुविधा प्रदान करना और राज्य के अन्य अस्पतालों के लिए इन गतिविधियों के लिए नोडल केंद्र के रूप में कार्य करना।
- प्रभावी प्रबंधन निर्णय लेने के लिए स्वास्थ्य और स्वास्थ्य देखभाल प्रशासन के विभिन्न क्षेत्रों में परिचालन अनुसंधान करना।
- अस्पताल योजना और प्रबंधन में मौजूदा रुझानों के बारे में सलाह देना और प्रबंधन करना।

डॉ विक्रांत कंवर

अन्य शैक्षणिक गतिविधियां/रोगी देखभाल

1. एम्स बिलासपुर में टेलीमेडिसिन केंद्र के लिए नोडल अधिकारी के रूप में कार्य करें जिसने 17 विशिष्टताओं में 1700 टेली-परामर्श प्रदान किए हैं।
2. काजा और सलूणी में हिमाचल प्रदेश के दूरदराज के स्थानों पर दूर-दराच मल्टी स्पेशियलिटी कैंप आयोजित करने के लिए समन्वयक के रूप में कार्य करें।
3. अमृत फार्मेसी और हिंद लैब की स्थापना में सहायक।
4. आईआईटी मंडी, सीबायोडी पीजीआई, लाहौल स्पीति के जिला प्रशासन के साथ समझौता ज्ञापन स्थापित करने में सहायक।
5. फील्ड स्टेशन केलांग में आईसीएमआर आरएमआरसी के हितधारक सदस्य।
6. राष्ट्रीय कायाकल्प कार्यक्रम के लिए बाहरी राष्ट्रीय निर्धारक के रूप में कार्य करना।

सम्मान और महत्वपूर्ण कार्यक्रम:

1. स्वास्थ्य नीति प्रबंधन डोमेन में वर्ष 2022-23 के लिए फुलब्राइट ह्यूबर्ट हम्फ्री फैलोशिप के लिए "वैकल्पिक देश नामांकित" के रूप में घोषित।

डॉ मोहम्मद कौसर

अनुसन्धान

निधिबद्ध परियोजनाएँ

अविरत

क्र. संख्या	परियोजना	भूमिका	निधीयन एजेंसी	अवधि (वर्ष)	शुरू – अंत वर्ष	स्वीकृत धनराशि (रु.)

1.	स्वच्छता, गृहव्यवस्था और सुरक्षा सेवाओं में शामिल स्वास्थ्य कर्मियों के बीच कोविड-19 आईजीजी एंटीबॉडी के सीरोप्रिवलेंस का निर्धारण।	सह अन्वेषक	एम्स, नई दिल्ली इंटरमुरल	एक वर्ष	2021-2022	4,50,000

सम्पन

क्र. संख्या	परियोजना	भूमिका	निधीयन एजेंसी	अवधि (वर्ष)	शुरू – अंत वर्ष	स्वीकृत धनराशि (रु.)
1.	स्वच्छता, गृहव्यवस्था और सुरक्षा सेवाओं में शामिल स्वास्थ्य कर्मियों के बीच कोविड-19 आईजीजी एंटीबॉडी के सीरोप्रिवलेंस का निर्धारण।	सह अन्वेषक	एम्स, नई दिल्ली इंटरमुरल	एक वर्ष	2021-2022	6,28,580
2.	रोगी पर्यावरणीय हवा में माइक्रोबियल लोड सहित वायु गुणवत्ता पर वायु	सह अन्वेषक	एम्स, नई दिल्ली इंटरमुरल	एक वर्ष	2020-2021	3,46,000

	गुणवत्ता हस्तक्षेप का प्रभाव।					

प्रकाशन

शोधपत्र: 5

पुस्तक में अध्याय

क्र. संख्या	लेखक	अध्याय	संपादक का नाम	पुस्तक	विवरण
1.	डॉ मोहम्मद कौसर	स्मार्ट अस्पताल	डॉ. शक्ति कुमार गुप्ता, सुनील कांत और आर. चंद्रशेखर	स्पेशलिटी हेल्थकेयर सुविधाओं की योजना और डिजाइनिंग	पहला संस्करण (2021), जेपी ब्रदर्स, नई दिल्ली
2.	डॉ. अब्दुल हकीम चौधरी, डॉ. मोहम्मद कौसर	2. बाल चिकित्सा नर्सिंग में नैतिकता 2.1 नर्सिंग में नैतिकता 2.2 जवाबदेही और मुखरता 2.3 अस्पताल में नर्सिंग सेवाओं का संगठन 2.4 नर्सिंग सेवाओं और गुणवत्ता का मूल्यांकन	एस.के. काबरा, काना राम जाट, नरेंद्र कुमार बागरी, आदित्य कुमार गुप्ता और जगदीश प्रसाद मीणा	बाल स्वास्थ्य नर्सिंग की पाठ्यपुस्तक	पहला संस्करण (2022) इंडियन जर्नल ऑफ़ पीडियाट्रिक्स, नई दिल्ली

प्रकाशन

1. थाचपराम्बिल आरिफ, कौसर मोहम्मद, आर महेश*, शर्मा डीके, इंपैक्ट ऑफ 'नैवर यूज' संक्षिप्ताक्षर (एरर प्रोन ऐब्रिविएशन्स-ईपीएज़) लिस्ट ऑन द इंसिडेंस ऑफ ईपीएज़ इन इनपेशेंट मेडिकल प्रिस्क्रिप्शन इन एपेक्स टर्शियरी केयर पब्लिक हॉस्पिटल इन इंडिया, करेंट ड्रग सुरक्षा 2022; 17. https://dx.doi.org/10.2174/1574886317666220514163931
2. सिद्धार्थ वी, सिंह एआर, शर्मा डीके, सतपथी एस, कौशल वीके, लथवाल ए, सेन ए, मिश्रा एस, कौसर एम, गर्ग आर। स्वच्छता सेवाओं के लिए राष्ट्रीय दिशानिर्देश तृतीयक देखभाल जनता में मानकीकरण सफाई प्रथाओं की अपूर्ण आवश्यकता को संबोधित करते हुए एक विकासशील देश की स्वास्थ्य सुविधाएं। जे फैमिली मेड प्राइम केयर। 2021 सितंबर;10(9):3475-3480। डीओआई: 10.4103/jfmpc.jfmpc_1614_20. एपब 2021 सितंबर 30. पीएमआईडी: 34760776; पीएमसीआईडी: पीएमसी8565115
3. मोहम्मद के, चौधरी एएच। क्या हम एक नई कोविड-19 लहर को रोक सकते हैं? वर्तमान ज्ञान और अनुभव। इंट जे ईएनवी हैल्थ ईएनजी 2021;10:8-8
4. सिद्धार्थ वी, कौसर एम, कृष्णा रेड्डी केवी, ईटी एएल। भारत में पूर्ण लॉकडाउन के दौरान एक निर्माणाधीन स्वास्थ्य सुविधा को कोविड-19 स्क्रीनिंग और आपातकालीन प्रतिक्रिया केंद्र में परिवर्तित करना। आपदा मेड सार्वजनिक स्वास्थ्य तैयारी। डीओआई: https://doi.org/10.1017/dmp.2021.272
5. मोहम्मद के, लथवाल ए, कौशल वी, शर्मा डीके। भारत में तृतीयक देखभाल अस्पतालों में हाउसकीपिंग सेवाओं की आउटसोर्सिंग के लिए प्रतिस्पर्धी बोली दस्तावेजों में एकीकरण के लिए पर्यावरणीय सफाई और प्रबंधकीय सर्वोत्तम प्रथाओं की पहचान। इंट जे एनवी हेल्थ इंजीनियरिंग 2022;11:1.

सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग

संकाय

क्र. संख्या	नाम	पद	नियुक्ति की तिथि
1.	डॉ. अनुराधा शर्मा	प्राध्यापक एवं प्रमुख	18/12/2020
2.	डॉ. प्रशांत सूद	अतिरिक्त प्राध्यापक	22/03/2021
3.	डॉ पुनीत के गुप्ता	सह प्राध्यापक	08/12/2020
4.	डॉ मेघा शर्मा	सहायक प्राध्यापक	09/11/2020
5.	डॉ. स्वाति गुप्ता	सहायक प्राध्यापक	20/11/2020

विभाग के विषय में

सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग, चिकित्सा विज्ञान में सबसे गतिशील और रोमांचक विषयों में से एक है, जो विभिन्न रोगों के कारण बैक्टीरिया, वायरस, कवक और परजीवी को घेरने वाले रोगाणुओं से संबंधित है।

नवंबर 2020 में अपनी स्थापना के बाद से, एम्स बिलासपुर में माइक्रोबायोलॉजी विभाग खुद को कई आधुनिक माइक्रोबायोलॉजी नैदानिक सुविधाओं से लैस करने की दिशा में काम कर रहा है, जो समुदाय और अस्पताल में संक्रमण के बदलते रुझानों का मुकाबला करने के लिए अपरिहार्य हैं। हमने विभिन्न अस्पताल संक्रमण नियंत्रण प्रथाओं को सख्ती से शुरू किया है, जो किसी भी स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली की आधारशिला है।

<u>क. संस्थान को प्रदान की जा रही सेवाएं:</u>

• हिंद प्रयोगशालाओं के संपर्क में बाहरी रोगियों के लिए प्रयोगशाला सुविधा प्रदान करना।

एमबीबीएस स्नातकों का शिक्षण और प्रशिक्षण। 2020 बैच का तीसरा सेमेस्टर पूरा हो गया है।

• जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन और अस्पताल संक्रमण नियंत्रण प्रथाओं पर संकाय, छात्रों और अन्य स्वास्थ्य देखभाल कर्मचारियों के लिए विभिन्न सत्रों का आयोजन करना।

• विभाग ने एमबीबीएस, एमडी और बीएससी एमएलटी के लिए पाठ्यक्रम तैयार किया है।

• विभाग के लिए प्रयोगशाला के साथ-साथ अनुसंधान की वर्तमान और भविष्य की जरूरतों को पूरा करने के लिए उपकरणों की खरीद। कोविड मॉलिक्यूलर लैब की स्थापना।

• विभाग ने अक्टूबर 2021 में संकाय के लिए प्रश्नोत्तरी आयोजित कर अंतरराष्ट्रीय संक्रमण निवारण सप्ताह मनाया है।

• विभाग ने एक सीएमई आयोजित करके एंटीबायोटिक जागरूकता सप्ताह भी मनाया और 27 नवंबर 2021 को राष्ट्रीय स्तर का

ऑनलाइन सीएमई "ए रोडमैप टू एंटीमाइक्रोबियल स्टीवर्डशिप", जिसमें 300 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

• विभाग ने 5 मई को विश्व हाथ स्वच्छता दिवस पोस्टर और नारा लेखन प्रतियोगिताओं के साथ मनाया।

• विभाग ने बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट, हॉस्पिटल इंफेक्शन कंट्रोल सर्विसेज और एंटीमाइक्रोबियल स्टीवर्डशिप पर एसओपी का मसौदा तैयार किया है।

ख. रोगियों को प्रदान की जा रही सेवाएं:

• विभाग ने जुलाई 2021 से कोविड-19 आरएटी प्रयोगशाला परीक्षण की स्थापना की है।

• विभाग सीरोलॉजी, वायरोलॉजी, पैरासिटोलॉजी, माइकोलॉजी और माइकोबैक्टीरियोलॉजी के तहत संक्रमण से संबंधित विभिन्न माइक्रोस्कोपी और सीरोलॉजी परीक्षण करके बाहरी रोगियों को क्लिनिकल माइक्रोबायोलॉजिकल सेवाएं प्रदान करता है। डबल्यूआईडीएएल और मलेरिया एंटीजन डिटेक्शन जैसे सीरोलॉजिकल परीक्षण; रैपिड कार्ड टेस्ट से एचआईवी-1/2, हेपेटाइटिस-बी और सी और डेंगू की जांच की जा रही है। विभिन्न परजीवी रोगजनकों के लिए मल की नियमित और सूक्ष्म जांच, संशोधित ज़ेडएन जैसे विशेष धुंधलापन, मलेरिया परजीवी का पता लगाने के लिए परिधीय रक्त स्मीयर, और कवक के लिए केओएच माउंट नियमित रूप से किए जा रहे हैं।

• एनटीईपी के तहत डायरेक्ट माइक्रोस्कोपी सेंटर (डीएमसी) स्थापित करने की दिशा में काम चल रहा है। राज्य एचआईवी केंद्र, हिमाचल प्रदेश के अनुसार एकीकृत परामर्श और परीक्षण केंद्र (आईसीटीसी) भी स्थापित किया जा रहा है, जहां नाको दिशानिर्देशों के अनुसार मुफ्त एचआईवी परीक्षण किया जाता है।

ग. अन्य संस्थाओं को सेवाएं:-

• विभाग के संकाय ने अप्रैल से जुलाई 2020 के दौरान पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में कोविड मॉलिक्यूलर लैब की सहायता के लिए सेवा की।

• विषय विशेषज्ञों के रूप में संकाय को राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं के लिए आमंत्रित किया गया है।

• संकाय ने हिमाचल प्रदेश राज्य में कोविड-19 के लिए सीरो-निगरानी की है।

डॉ अनुराधा शर्मा

सीएमईएस / कार्यशाला / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

1. सीएमई - "एंटीमाइक्रोबियल स्टीवर्डशिप की स्थापना विशेषज्ञों द्वारा एक रोडमैप"। 27 नवंबर 2021 को ऑनलाइन, राष्ट्रीय स्तर का सीएमई।

2. जनवरी 2022 में संकाय और नर्सिंग ऑफिसर्ज के लिए पीपीई की डोनिंग और डोफिंग पर कार्यशाला।

सीएमईएस, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान

क्र. संख्या	शीर्षक	सीएमई/सम्मेलन	दिनांक	आयोजक
1.	म्यूकोर्मिकोसिस का निदान	म्यूकोर्मिकोसिस की चिकित्सा	05/06/2021	ईएनटी विभाग, एम्स, बिलासपुर
2.	डायग्नोस्टिक स्टीवर्डशिप	सीएमई - ए रोडमैप टू एंटीमाइक्रोबियल स्टीवर्डशिप	27/11/2021	सुक्ष्मजीव विज्ञान विभाग, एम्स बिलासपुर

प्रकाशन

शोधपत्र: 7

परीक्षक

क्र. संख्या	परीक्षा	विश्वविद्यालय
1.	एमडी परीक्षा बाह्य विशेषज्ञ	टांडा मेडिकल कॉलेज, कांगड़ा, एच.पी.
2.	एमडी परीक्षा बाह्य विशेषज्ञ	पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़
3.	यूपीएससी विषय विशेषज्ञ	नहीं किया जा सका
4.	एनबीई पीजी एग्जिट परीक्षा प्रश्नावली	एनबीईएमएस, नई दिल्ली

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण कार्यक्रम

1. पैथोलॉजी 2022 यूके के रॉयल कॉलेज का डिप्लोमेट

डॉ. प्रशांत सूद

सीएमईएस / कार्यशाला / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

1. अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश द्वारा 1 सितंबर 2021 को अच्छी नैदानिक प्रथाओं और नई दवा और नैदानिक परीक्षण नियम 2019 पर कार्यशाला आयोजित की गई।

2. नेशनल सीएमई-कम-वर्कशॉप एंड ट्रेनिंग ऑन न्यू क्लिनिकल ट्रायल रूल 2019, गुड क्लिनिकल प्रैक्टिसेज एंड आईईसी। 4 सितंबर, 2021 को इंडियन सोसाइटी फॉर रैशनल फार्माकोथेरेप्यूटिक्स द्वारा आयोजित।
3. एंटीमाइक्रोबियल स्टीवर्डशिप की स्थापना विशेषज्ञों द्वारा एक रोडमैप। माइक्रोबायोलॉजी विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश द्वारा 27 नवंबर 2021 को आयोजित किया गया।

प्रकाशन

शोधपत्र: 1

पुस्तक में अध्याय

क्र. संख्या	लेखक	अध्याय	संपादक का नाम	पुस्तक	प्रकाशन का विवरण
1.	चक्रवर्ती ए, सूद पी	बच्चों में एंटिफंगल थेरेपी।	गुप्ता पी, मेनन पीएसएन, रामजी एस, लोधा आर	पोस्टग्रेजुएट टेक्स्टबुक ऑफ पीडियाट्रिक्स	3 संस्करण (2021) जेपी ब्रदर्स, नई दिल्ली

अन्य शैक्षणिक गतिविधियां/रोगी देखभाल:

1. हिन्द लैब के संपर्क में 6 दिसंबर, 2021 से रूटीन माइक्रोबायोलॉजी सैंपल रिपोर्टिंग। एचबीएसएजी, एचआईवी, एचसीवी, डेंगू एनएस1, डेंगू एलजीएम, वीडीआरएल, ट्यफी डॉट, मलेरिया एंटीजन के लिए रैपिड टेस्ट रिपोर्ट करना। माइक्रोस्कोपी आधारित रिपोर्टिंग जिसमें मलेरिया परजीवी के लिए पेरिफेरल स्मीयर और ओवा/सिस्ट के लिए स्टूल माइक्रोस्कोपी शामिल है।

डॉ पुनीत कुमार गुप्ता

सीएमईएस, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान

क्र. संख्या	शीर्षक	सीएमई/सम्मेलन	दिनांक	आयोजक
1	भारत में एएमएसपी को नियंत्रित करने वाली नीतियां।	सीएमई	27.11.2021	सुक्ष्मजीव विज्ञान विभाग, एम्स बिलासपुर

प्रकाशन

शोधपत्र: 7

परीक्षक

क्र. संख्या	परीक्षा	विश्वविद्यालय
1	एमबीबीएस बाह्य परीक्षक	सीएमसी लुधियाना, बाबा फरीद यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज, फरीदकोट।

अन्य शैक्षणिक गतिविधियां/रोगी देखभाल

शैक्षणिक और रोगी देखभाल से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से जुड़ी गतिविधियों से संबंधित विभिन्न निम्नलिखित समितियों में शामिल:

- परीक्षा समिति
- अस्पताल संक्रमण नियंत्रण
- जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन
- संकाय प्रभारी स्वच्छता
- चिकित्सा शिक्षा इकाई
- कोविड समिति
- टीओईसी
- संस्थान समीक्षा दौरा समिति
- मानव संसाधन प्रबंधन
- प्रतिनियुक्ति पदों के लिए छानबीन समिति
- एनओआरसीईटी- 2021 के लिए जांच कमेटी
- बौद्धिक अक्षमता वाले व्यक्तियों के लिए बहु-विशेषज्ञता चिकित्सा शिविर

डॉ मेघा शर्मा

सीएमईएस, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान

क्र. संख्या	शीर्षक	सीएमई/सम्मेलन	दिनांक	आयोजक
1	एंटीबायोटिक्स एक नज़र में	'एंटीमाइक्रोबियल स्टीवर्डशिप: ए रोडमैप बाय द एक्सपर्ट्स' पर सीएमई	27.11 2021	सुक्ष्मजीव विज्ञान विभाग, एम्स बिलासपुर

प्रकाशन

शोधपत्र: 6

पुस्तक में अध्याय

क्र. संख्या	लेखक	अध्याय	संपादक का नाम	पुस्तक	प्रकाशन का विवरण
1	शर्मा एम, चक्रवर्ती ए.	म्यूकोरेल्स और म्यूकोर्मिकोसिस	निमा रेज़ाई	इनसाइक्लोपीडिया ऑफ़ इंफेक्शन एंड इम्युनिटी डीओआई: 10.1016/बी978-0-12-818731-9.00234-2	पहला संस्करण, (2022) एल्सेवियर
2	शर्मा एम, शर्मा के	गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल ट्यूबरकुलोसिस का माइक्रोबायोलॉजिकल डायग्नोसिस	विशाल शर्मा	गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल सिस्टम का क्षय रोग डीओआई:10.1007/978-981-16-9053-2_18.	पहला संस्करण (2022), स्प्रिंगर नेचर

अन्य शैक्षणिक गतिविधियां/रोगी देखभाल

सीएमई/सम्मेलनों/कार्यशालाओं में भाग लिया

1. शरीर विज्ञान विभाग, एम्स बिलासपुर द्वारा 31 मई 2021 को विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर सीएमई।

2. पहले ईएनटी अपडेट पर सीएमई - ईएनटी विभाग, एम्स बिलासपुर द्वारा 5 जून 2021 को म्यूकोर्मिकोसिस प्रबंधन के लिए व्यावहारिक सुझाव आयोजित किए गए।
3. बाल चिकित्सा संक्रमण और संक्रमण नियंत्रण पर सीएमई और 21-24 जुलाई 2021 को क्लिनिकल माइक्रोबायोलॉजी और संक्रामक रोग स्थापना, अपोलो अस्पताल, हैदराबाद द्वारा आयोजित ऑनलाइन पाठ्यक्रम।
4. गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज द्वारा 22-24 दिसंबर 2021 को इंडियन एसोसिएशन ऑफ मेडिकल माइक्रोबायोलॉजिस्ट का माइक्रोकॉन 2021 वार्षिक सम्मेलन आयोजित किया गया।
5. एनेस्थेसियोलॉजी विभाग एम्स बिलासपुर द्वारा कोविड-19 रोगियों के लिए वेंटिलेटरी सपोर्ट के प्रबंधन पर आयोजित व्यावहारिक कार्यशाला में भाग लिया।
6. 17 फरवरी 2022 को आईएटीपी द्वारा परजीवियों में दवा प्रतिरोध और इसके नैदानिक निहितार्थ पर वेबिनार आयोजित किया गया।
7. 17 मार्च 2022 को नेफ्रोलॉजी विभाग, एम्स बिलासपुर द्वारा आयोजित विश्व किडनी दिवस मनाते हुए सीएमई।
8. एम्स बीबीनगर द्वारा 26-28 मार्च 2022 को विरोकॉन 2022 वायरोलॉजी के राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन 'उभरता और फिर से उभरता हुआ वायरल रोग - जलवायु परिवर्तन प्रभाव और शमन' था।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण कार्यक्रम

1. 27 नवंबर 2021 को "एंटीमाइक्रोबियल स्टीवर्डशिप: ए रोडमैप बाय द एक्सपर्ट्स" पर सीएमई का आयोजन किया। यह देश भर के प्रतिष्ठित वक्ताओं के साथ एक आभासी सीएमई था और इसमें भारत और विदेशों के 300 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया था।
2. एम्स बिलासपुर के संकाय के लिए 21-22 अक्टूबर 2021 को अंतरराष्ट्रीय संक्रमण निवारण सप्ताह मनाने के लिए हैंड हाइजीन ऑडिट पर कार्यशाला आयोजित की और प्रश्नोत्तरी आयोजित की।

डॉ. स्वाति गुप्ता

सीएमईएस / कार्यशाला / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

1. एंटीमाइक्रोबियल स्टीवर्डशिप की स्थापना विशेषज्ञों द्वारा एक रोडमैप। माइक्रोबायोलॉजी विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश द्वारा 27 नवंबर 2021 को आयोजित किया गया।

2. 17 दिसंबर 2021 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश में एमईयू द्वारा कौशल मॉड्यूल विकास पर कार्यशाला आयोजित की गई।
3. गुवाहाटी में 22-24 दिसंबर 2021 को "क्लिनिकल माइक्रोबायोलॉजी इन द वेकेशन ऑफ इमर्जिंग थ्रेट्स" पर माइक्रोकॉन 2021 का आयोजन
4. 26 मार्च 2022 को एसजीपीजीआई लखनऊ द्वारा आयोजित कोविड-19 पर सीएमई

प्रकाशन

शोधपत्र: 3

अन्य शैक्षणिक गतिविधियां/रोगी देखभाल:

1. हिंद लैब के संपर्क में 6 दिसंबर 2021 से रूटीन माइक्रोबायोलॉजी सैंपल रिपोर्टिंग। एचबीएसएजी, एचआईवी, एचसीवी, डेंगू, एनएस1, डेंगू आईजीएम, वीडीआरएल, ट्यफी डॉट, मलेरिया एंटीजन के लिए रैपिड टेस्ट रिपोर्ट करना। माइक्रोस्कोपी आधारित रिपोर्टिंग जिसमें मलेरिया परजीवी के लिए पेरिफेरल स्मीयर, और ओवा/सिस्ट के लिए स्टूल माइक्रोस्कोपी, एएफ़बी के लिए ज़ेडएन स्टेनिंग और फंगल तत्वों के लिए केओएच माउंट शामिल हैं।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण कार्यक्रम:

1. आईएसएसएन इंटरनेशनल रिसर्च अवार्ड्स 2022 (आईआईआरए-2022), "इंटरनेशनल बेस्ट रिसर्चर अवार्ड" शीर्षक के तहत क्षेत्र अध्ययन के लिए "शिगेला प्रजाति में रोगाणुरोधी प्रतिरोध: उत्तर भारत में एक तृतीयक देखभाल केंद्र में हमारा पांच साल (2015-2019) का अनुभव"।

अनुसन्धान

निधिबद्ध परियोजना

सम्पन्न

क्र. संख्या	परियोजना	भूमिका	निधीयन एजेंसी	अवधि (वर्ष)	प्रारंभ - अंत वर्ष	स्वीकृत राशि (रु.)
1.	हिमाचल प्रदेश के जिलों में आय सी एम् आर द्वारा वित्तपोषित कोविड-19 सीरोसर्वेक्षण	संकाय विषय विशेषज्ञ सुक्ष्मजीव विज्ञान विभाग	आय सी एम् आर	1 माह	13 अगस्त - 15 सितंबर 2021	--

प्रकाशन

1. समद्दर ए, प्रियदर्शी के, शंकरनारायण एसए, शर्मा ए, गर्ग एम, श्रीमाली टी, घोष एके। क्लैडोफियालोफोरा बैंटियाना की नकल करने वाले यक्ष्मा दिमाग व्रण के कारण घातक सेरेब्रल फियोहाइफोमाइकोसिस। रोगाणु। 2021 दिसंबर 29;11(4):597-603। डीओआई: 10.18683/जर्म्स.2021.1295। पीएमआईडी: 35096677; पीएमसीआईडी: पीएमसी8789348
2. गुगनानी एचसी, शर्मा ए, सूद एन। भारतीय उपमहाद्वीप में ब्लास्टोमाइकोसिस की समीक्षा। यूरोपीय जे स्वास्थ्य और चिकित्सा विज्ञान (ईजेएमईडी)। 4(10). जनवरी 2022. 1-7.
3. सिंह एस, रुद्रमूर्ति एस, पाध्ये ए, हेमशेट्टार बीएम, अय्यर आर, हल्लुर वी, शर्मा ए, अग्निहोत्री एस, गुप्ता एस, घोष ए, कौर एच। फ्रॉम इंडिया एंड डिस्क्रिप्शन ऑफ़ ए नॉवेल एक्सोफिला स्पीशीज़, ई. अरुणालोकेई एसपी. नवंबर मोर्चा। कक्ष। संक्रमित। माइक्रोबायोल., 02 जुलाई 2021. एचटीटीपीएस://डीओआई.ओआरजी/10.3389/एफ़सीआईएमबी.2021.686120
4. शर्मा ए, समद्दर ए, मौर्य ए, हाडा वी, एट अल। रक्त संस्कृति डेटा प्रभाव का विश्लेषण रक्तप्रवाह संक्रमणों की भविष्य की महामारी विज्ञान भारत में तृतीयक देखभाल अस्पताल में 5 साल का पूर्वव्यापी अध्ययन। आईजेसीसीएम 2021, सितंबर।
5. कौशल डी, सोनी के, शर्मा ए, एट अल। उन्नत राइनोसेरेब्रल म्यूकोर्मिकोसिस में मृत्यु दर को कम करना एक केस सीरीज़। यूरोपियन एनाल्स ऑफ ओटोरहिनोलारिंजोलॉजी, हेड एंड नेक डिजीज। सितंबर 2021
6. समद्दर ए, शर्मा ए. एमर्जोमाइकोसिस, इमर्जिंग सिस्टेमिक माइकोसिस इन इम्यूनोकॉम्प्रोमाइज्ड मरीज़ करेंट ट्रेंड्स एंड फ्यूचर प्रॉस्पेक्ट्स। फ्रंट मेड (लॉज़ेन)। 2021 अप्रैल 23;8:670731। डीओआई: 10.3389/एफ़एमईडी.2021.670731। पीएमआईडी: 33968970; पीएमसीआईडी: पीएमसी 8104006
7. सामंतराय एस, करण पी, शर्मा ए, नाग वी, दत्त एन, गर्ग एमके, भाटिया पीके और मिश्रा एस। कोविड-19 रोगियों में द्वितीयक रक्त प्रवाह संक्रमण की व्यापकता, प्रस्तुति और परिणाम। संक्रमण विकार- दवा लक्ष्य। स्वीकृत
8. अग्रवाल एन, कोठारी के, तुम्मिदी एस, सूद पी, अग्निहोत्री एम, शाह वी। फाइन-नीडल एस्पिरेशन साइटोलॉजी ऑफ ब्रेस्ट लेशंस यूजिंग द इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ साइटोलॉजी योकोहामा सिस्टम एंड रैपिड ऑन-साइट इवैल्यूएशन: ए सिंगल इंस्टीट्यूशन एक्सपीरियंस। एक्टा साइटोल। 2021;65:463-77.
9. कुमार आर, दास ए, सिंह वी, गुप्ता पीके, बहुरूपी वाईए। कोविड 19 महामारी के प्रारंभिक प्रकोप के दौरान स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों की मनोवैज्ञानिक स्थिति का त्वरित सर्वेक्षण उत्तरी

भारत में तृतीयक देखभाल अस्पताल में एक एकल केंद्र अध्ययन। जे मेड एविड 2021:2:213-8.

10. शर्मा पी, गंगाखेडकर एमआर, बहुरूपी वाईए, गुप्ता पीके, प्रकाश वी, दुआ आर, एट अल। स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के बीच व्यक्तिगत हाथ स्वच्छता संक्रमण नियंत्रण प्रथाओं पर कोविड 19 महामारी का प्रभाव एक प्रश्नावली आधारित सर्वेक्षण। जे मेड एविड 2021;2:120-4.
11. मिश्रा आर, शर्मा एसके, गुप्ता पीके, गुप्ता पी, कल्याणी सीवी। व्यावसायिक स्वास्थ्य संज्ञान छात्र नर्सों के बीच सुई की छड़ी की चोटें। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ अफ्रीका नर्सिंग साइंसेज 2021; 15: 100370
12. शाह जेड, सिंह वी, सुपेहिया एस, मोहन एल, गुप्ता पीके, शर्मा एम एट अल। कोविड-19 महामारी के मद्देनजर स्वास्थ्य सेवा संगठन की तैयारियों के लिए संक्रमण निवारण और नियंत्रण सेवाओं से स्वास्थ्य कर्मियों की अपेक्षाएँ। मेड जे सशस्त्र बल भारत 2021 जुलाई;77(आपूर्तिकर्ता 2):S459-S465
13. नैथानी एम, खापरे एम, कठरोटिया आर, गुप्ता पीके, ढींगरा वीके, राव एस। एक तृतीयक स्वास्थ्य देखभाल सेटिंग में नर्सिंग और संबद्ध स्वास्थ्य देखभाल श्रमिकों के लिए व्यावसायिक स्वास्थ्य खतरों पर संवेदीकरण कार्यक्रम का मूल्यांकन। सामने। पब्लिक हेल्थ, 16 जून 2021 एचटीटीपीएस://डीओआई.ओआरजी/10.3389/एफ़पीयूबीएच.2021.669179
14. सिंह वी, सुपेहिया एस, गुप्ता पीके, नरूला एच, शर्मा एम, देवी के, एट अल। कोविड-19 महामारी के दौरान संक्रमण नियंत्रण प्रशिक्षण में वीडियो मॉड्यूल की प्रभावशीलता तृतीयक देखभाल संस्थान में एक अर्ध-प्रायोगिक अध्ययन। जे एडू हेल्थ प्रमोशन 2021;10:183
15. रोहिल्ला आर, गुप्ता पीके, नरूला एच, शर्मा एके, मेहता वी, राव एस, एट अल। उत्तरी भारत में तृतीयक देखभाल केंद्र में स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों की विभिन्न श्रेणियों के बीच बायोमेडिकल अपशिष्ट प्रबंधन और हाथ स्वच्छता के संबंध में संज्ञानात्मक और साइकोमोटर डोमेन का आकलन। जे एडू हेल्थ प्रमोशन 2021;10:186
16. शर्मा के, शर्मा एम, मोदी एम, सिंगला एन, शर्मा ए, शर्मा ए, एट अल। ट्यूबरकुलस मेनिन्जाइटिस के निदान में ट्रूनैट एमटीबी प्लस और एक्सपर्ट अल्ट्रा का तुलनात्मक विश्लेषण। इंट जे ट्यूबर लंग डिस। 2021;25(8):626–31। डीओआई: https://doi.org/10.5588/ijtld.21.0156
17. सरकार एस, राठो आरके, सिंह एम, सिंह एमपी, सिंह ए, शर्मा एम। तुलनात्मक विश्लेषण ऑफ एपिडेमियोलॉजी, क्लिनिकल फीचर्स, एंड साइटोकिन रिस्पांस ऑफ रेस्पिरेटरी सिन्सिटियल एंड ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस इंफेक्टेड चिल्ड्रेन विद एक्यूट लोअर रेस्पिरेटरी इंफेक्शन। जेपीएन जे इन्फेक्ट डिस। 2022;75:56-62 डीओआई: 10.7883/yoken.JJID.2021.151

18. मेघा के, शर्मा एम, शर्मा सी, गुप्ता ए, सहगल आर, खुराना एस। एसेंथामोइबा आइसोलेट्स पर पांच रोगाणुरोधी एजेंटों की इन विट्रो गतिविधि का मूल्यांकन और मानव कॉर्नियल एपिथेलियम पर उनकी विषाक्तता। आँख [इंटरनेट]। 2021;(अप्रैल 2020):1–7। से उपलब्ध http://dx.doi.org/10.1038/s41433-021-01768-8
19. शर्मा के, गुप्ता ए, शर्मा एम, सिंह एस, शर्मा ए, सिंह आर, एट अल। एमआरएनए-आधारित मल्टीप्लेक्स पोलीमरेज़ चेन रिएक्शन का उपयोग करके ओकुलर तरल पदार्थों में व्यवहार्य माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस का पता लगाना। इंडियन जे मेड माइक्रोबॉयल। 2022;(जनवरी): डीओआई: 10.1016/जे.आईजेएमएमबी.2021.12.019
20. शर्मा के, शर्मा एम, मोदी एम, गोयल एम, शर्मा ए, रे पी। ए डिकेड ऑफ ड्रग-रेसिस्टेंट ट्यूबरकुलस मेनिनजाइटिस ए वेक-अप कॉल फॉर पेशेंट-सेंट्रिक थेरेपी। इंडियन जे मेड माइक्रोबॉयल [इंटरनेट]। 2021;39(3):370–2। से उपलब्ध https://doi.org/10.1016/j.ijmmb.2021.05.013
21. शर्मा के, शर्मा एम, मोदी एम, गोयल ए, श्री आर, शर्मा ए, एट अल। हेडिंग टूवर्ड रेजिस्टेंस, हेड-ऑन: ए केस ऑफ एक्सडीआर ट्यूबरकुलस मेनिन्जाइटिस। न्यूरोल इंडिया। 2021;69(4):1101–2। डीओआई: 10.4103/0028-3886.325329
22. कनौजिया आर, रामनाथन एस, सरोदे आर, कनौजिया आर, रुद्रमूर्ति एसएम, गुप्ता एस। बडिंग यीस्ट इन ए चाइल्ड विथ एक्यूट ल्यूकेमिया नथिंग क्रिप्ट(ओ)आईसी अबाउट इट। इंडियन जे पैथोल माइक्रोबॉयल 2022;65:468-71
23. तनेजा एन, टिवसोह जेबीए, गुप्ता एस, मोहन बी, वर्मा आर, शंकर पी, नारायण सी, यादव वीके, जयश्री एम, सिंह एस। शिगेला प्रजाति में रोगाणुरोधी प्रतिरोध हमारे पांच साल (2015-2019) एक तृतीयक में अनुभव उत्तर भारत में देखभाल केंद्र। इंडियन जे मेड माइक्रोबॉयल। 2021 39(4):489-494
24. तनेजा एन, गुप्ता एस, टीयूएसओएच जेबीए, श्रीवास्तव एस. कॉलरा पल्स वैक्सीनेशन ए संभावित एलिमिनेशन स्ट्रैटेजी फॉर कॉलरा इन एंडेमिक कंट्रीज। इंडियन जे पब्लिक हेल्थ। 2021 जुलाई-सितंबर;65(3):311-314

नवजात शिशुरोग विज्ञान विभाग

संकाय

क्र. संख्या	नाम	पद	नियुक्ति की तिथि
1	डॉ नलिनी ए	सहायक प्राध्यापक	08/02/2021

विभाग के विषय में

बाल रोग विभाग में नवजात शिशुरोग विज्ञान विभाग की स्थापना की जा रही है, जिसमें नवजात शिशुरोग विज्ञान विभाग के केवल 1 सहायक प्राध्यापक ने 8 फरवरी, 2021 को संस्थान में प्रवेश लिया। एनआईसीयू, लेबर रूम और ऑपरेशन थियेटर का निर्माण किया जा रहा है। आयुष कक्ष में सप्ताह में 3 दिन दोपहर में ओपीडी चल रही है। ई-संजीवनी और ग्लोहील जैसी ऑनलाइन ओपीडी में भी शिरकत की जा रही है। मैं बाल चिकित्सा विभाग के लिए पाठ्यक्रम डिजाइन और बाल चिकित्सा और नवजात विज्ञान प्रभाग के स्नातक चिकित्सा छात्रों, एसआर, जेआर और नर्सिंग अधिकारी के शिक्षण और प्रशिक्षण में शामिल थी। मैं नवजात शिशुरोग विज्ञान विभाग के लिए नीति और प्रोटोकॉल तैयार करने, एनआईसीयू डिजाइन, क्लिनिकल और शिक्षण सामग्री की खरीद में शामिल थी। आईपी डिवीजन अभी शुरू होना बाकी है।

जागरूकता और शिक्षा कार्यक्रम

नलवाड़ी मेला में बच्चों के लिए विकासात्मक देरी जांच और स्वस्थ आहार योजना पर पोस्टर तैयार किया। काजा कैंप में हिस्सा लिया, दिव्यांगों के लिए आयोजित स्पेशल ओलंपिक भारत जांच शिविर।

डॉ नलिनी ए

शिक्षा

1. एनपीटीईएल (स्वयं) द्वारा बायोमेडिकल नैनोटेक्नोलॉजी में प्रमाणन पाठ्यक्रम।
2. न्यूबॉर्न सेप्सिस- सर्टिफिकेशन कोर्स।
3. अंतर्राष्ट्रीय बाल चिकित्सा संघ - वैक्सीन ट्रस्ट में प्रमाणन पाठ्यक्रम।

संसाधन संकाय

1. रोगाणुरोधी जागरूकता सप्ताह पर एक सदस्य के रूप में पैनल चर्चा में भाग लिया।

2. अंतर्राष्ट्रीय स्तनपान सप्ताह समारोह में सीएमई में वक्ता के रूप में भाग लिया।

सीएमईएस, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान

क्र. संख्या	शीर्षक	सीएमई/सम्मेलन	दिनांक	आयोजक
1.	एनआईसीयू में रोगाणुरोधी प्रबंधन	रोगाणुरोधी जागरूकता सप्ताह 2021		माइक्रोबायोलॉजी विभाग, एम्स, बिलासपुर
2.	स्तनपान की सुरक्षा- एक साझा जिम्मेदारी	अंतर्राष्ट्रीय स्तनपान सप्ताह सीएमई - 2021	05-08-2021	एम्स, बिलासपुर

अनुसन्धान

निधिबद्ध परियोजनाएँ

अविरत- 1

क्र. संख्या	परियोजना	भूमिका	निधीयन एजेंसी	अवधि (वर्ष)	प्रारंभ - अंत वर्ष	स्वीकृत राशि (रु.)
1	बिलासपुर जिले के नवजात शिशुओं में गंभीर जन्मजात हृदय रोग का पता लगाने के लिए पल्स ऑक्सीमेट्री जांच और फेमोरल पल्स पैल्पेशन का संयोजन- एक संभावित अवलोकन संबंधी क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन।	पीआई	आईसीएमआर	1	2022-2023	5,10,500

अन्य शैक्षणिक गतिविधियां/रोगी देखभाल:

1. जागरूकता और शिक्षा कार्यक्रम-नलवाड़ी मेले में बच्चों के लिए विकासात्मक देरी स्क्रीनिंग और स्वस्थ आहार योजना पर पोस्टर तैयार, काजा शिविर में भाग लिया।

2. दिव्यांगों के लिए विशेष ओलंपिक भारत जांच शिविर का आयोजन।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लिया:

प्रतिनिधि के रूप में भाग लिया

1. आईसीएमआर एनआईई-स्वास्थ्य अनुसंधान में वैज्ञानिक लेखन।

2. किंवदंतियों से सीखें ईईजी, एईईजी और प्रीटरम में दौरे।
3. नियो न्यूरो सर्ट नलिनी ए
4. कौशल मॉड्यूल विकास
5. लीजेंड्स नियोनेटल स्ट्रोक से सीखें
6. अटल-जीनोम इंजीनियरिंग प्रौद्योगिकी
7. अटल-पहनने योग्य उपकरण
8. आईसीएमआर एनआईई एथिक्स रिव्यू ऑफ हेल्थ रिसर्च
9. आईसीएमआर एनआईई कोविड कोर्स सर्टिफिकेट
10. महापुरूषों से सीखें – एलएमए
11. किंवदंतियों से सीखें- आरओपी का उन्नत प्रबंधन
12. एनटीडी-खुजली - उपलब्धि का रिकॉर्ड
13. भागीदारी का प्रमाण पत्र - सीएमई एएमएसपी
14. आईसीएच जीसीपी 2021
15. संक्रमण निवारण सप्ताह समारोह-भागीदारी
16. संक्रमण निवारण सप्ताह समारोह - प्रश्नोत्तरी
17. इको प्रमाणपत्र
18. लेजेंड्स सर्टिफिकेट से सीखें- नियोनेटल स्ट्रोक
19. एसपीएसएस उन्नत आँकड़े
20. ग्लोबल हेल्थ ई-लर्निंग सेंटर न्यूबॉर्न सर्वाइवल
21. ओमिक्स पर राष्ट्रीय सीएमई
22. अनुप्रमाणन प्रतिभागी जेईएनएस_2021
23. प्रत्यायन प्रमाण पत्र जेन्स
24. विश्व स्तनपान सप्ताह 2021
25. गर्भावस्था प्रसव और नवजात अवधि में कोविड 19
26. भाषण चिकित्सा वैश्विक स्वास्थ्य नेटवर्क
27. आईपीसी-एसपी-पीपीई-ईएन_रिकॉर्ड ऑफ अचीवमेंट
28. एएमआर-योग्यता_भागीदारी की पुष्टि

सामुदिक गतिविधियां

1. काजा कैंप 5 अक्तूबर, 2021 से 7 अक्तूबर, 2022
2. जागरूकता और शिक्षा कार्यक्रम-नलवाड़ी मेले में बच्चों के लिए विकासात्मक देरी जांच और स्वस्थ आहार योजना पर पोस्टर तैयार करना, काजा शिविर में भाग लिया, दिव्यांगों के लिए विशेष ओलंपिक भारत जांच शिविर आयोजित किया गया।

वृक्क रोग विज्ञान विभाग

संकाय

क्र. संख्या	नाम	पद	नियुक्ति की तिथि
1.	डॉ. संजय विक्रांत	प्राध्यापक एवं विभाग अध्यक्ष	21/11/2020

विभाग के विषय में

वृक्क रोग विज्ञान विभाग एम्स बिलासपुर में 21 नवंबर, 2020 को संकाय ज्वाइनिंग के साथ शुरू किया गया था। विभाग ने एमबीबीएस के प्रथम वर्ष के छात्रों और संकाय एकेडमिक्स के बुनियादी पाठ्यक्रम में भाग लिया। भारत सरकार के टेलीकंसल्टेशन पोर्टल ई-संजीवनी के माध्यम से आयुष ब्लॉक में सप्ताह में दो बार नेफ्रोलॉजी परामर्श दिया। एम्स बिलासपुर में 05 दिसंबर, 2021 को औपचारिक रूप से ओपीडी सेवाएं शुरू होने के बाद, नेफ्रोलॉजी ओपीडी सप्ताह में दो बार आयोजित की गई, इस अवधि में कुल ओपीडी उपस्थिति 545 रही।

विभाग की योजनाएँ

गुर्दे के रोगियों के लिए नियमित और आपातकालीन देखभाल बाह्य-रोगी रोगी और आंतरिक-रोगी आधार के रूप में रोगी देखभाल सेवाएं। विभाग विभिन्न विभागों और अस्पताल के आईसीयू में भर्ती मरीजों को नेफ्रोलॉजी परामर्श प्रदान करेगा। विभाग डायलिसिस के सभी तौर-तरीके प्रदान करेगा- हेमोडायलिसिस, एसएलईडी, सीआरआरटी, प्लास्मफेरेसिस और दवा और विषाक्त विषाक्तता का बाह्य निष्कासन। गुर्दे की बीमारी के अंतिम चरण के रोगियों के लिए विभाग के पास क्रोनिक पेरिटोनियल डायलिसिस कार्यक्रम और गुर्दा प्रत्यारोपण कार्यक्रम होगा। नेफ्रोलॉजी विभाग कैडेवरिक अंग प्रत्यारोपण सेवाओं के शुरू होने पर गुर्दे के प्रत्यारोपण की सुविधा के लिए रोगियों के लिए गुर्दे की प्राप्तकर्ता प्रतीक्षा सूची भी बनाए रखेगा। चूंकि विभाग उन व्यक्तियों की पूर्ण और व्यापक देखभाल के लिए जिम्मेदार है जो या तो किडनी प्रत्यारोपण की प्रतीक्षा कर रहे हैं या किडनी प्रत्यारोपण प्राप्त कर चुके हैं, इसलिए नेफ्रोलॉजी विभाग में "रीनल ट्रांसप्लांटेशन" का शीर्षक जोड़ने का प्रस्ताव है और इसे "नेफ्रोलॉजी और रीनल प्रत्यारोपण विभाग" के रूप में पुनर्निर्मित कर रोगियों का समग्र कल्याण किया गया है।

शिक्षण और प्रशिक्षण:

स्नातक शिक्षण यूजी पाठ्यक्रम के अनुसार नेफ्रोलॉजी और डायलिसिस में एमबीबीएस का

शिक्षण। पोस्ट ग्रेजुएट टीचिंग मेडिसिन, पीडियाट्रिक्स और पैथोलॉजी के स्नातकोत्तर छात्रों के नेफ्रोलॉजी में घूर्णी प्रशिक्षण। विभाग में स्नातकोत्तर डीएम (नेफ्रोलॉजी) प्रशिक्षण पाठ्यक्रम होगा।

पैरामेडिकल साइंस के लिए कोर्स नर्सों के लिए पोस्ट बेसिक डायलिसिस नर्सिंग सर्टिफिकेट कोर्स और बी.एससी डायलिसिस तकनीशियन के लिए डायलिसिस थेरेपी टेक्नोलॉजी कोर्स

अनुसंधान:

ट्रॉपिकल एकेआई, सीकेडी, ग्लोमेरुलोनेफ्राइटिस और वास्कुलाइटिस, रीनल स्टोन डिजीज, एडीपीकेडी, हाइपरटेंशन, डायबिटिक किडनी डिजीज, इलेक्ट्रोलाइट और एसिड-बेस डिसऑर्डर, क्रिटिकल केयर नेफ्रोलॉजी, पेरिटोनियल डायलिसिस, हेमोडायलिसिस, किडनी ट्रांसप्लांटेशन और हाई-एल्टीट्यूड मेडिसिन

सामुदिक गतिविधियां:

क्रोनिक किडनी रोग, डायलिसिस, प्रत्यारोपण और अंग दान के बारे में जागरूकता के लिए दूरदराज शिविर, सीएमई/ कार्यशालाओं/ सम्मेलनों का आयोजन।

डॉ. संजय विक्रांत

सीएमईएस, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान

क्र. संख्या	शीर्षक	सीएमई/सम्मेलन	दिनांक	आयोजक
1.	सत्र की अध्यक्षता	इंडियन सोसाइटी ऑफ ऑर्गन ट्रांसप्लांटेशन (आईएसओटी) 2021 का 31वां वार्षिक सम्मेलन	7-10 अक्टूबर 2021	इंडियन सोसाइटी ऑफ ऑर्गन ट्रांसप्लांटेशन, कोच्चि, भारत

मौखिक पेपर/पोस्टर प्रस्तुत किए गए

क्र. संख्या	**लेखक**	**प्रस्तुति**	**सम्मेलन का नाम**	**दिनांक**	**आयोजक**
1.	ए जरयाल, एस विक्रांत, आर सिंह, एन	सुरंगयुक्त कफ कैथेटर के लघु अवधि के परिणाम -	नेफ्रोलॉजी की विश्व कांग्रेस	2021	नेफ्रोलॉजी की विश्व कांग्रेस

	चौहान, डी शर्मा, ए कुमार	एक एकल केंद्र अनुभव			

परीक्षार्थी

क्र. संख्या	परीक्षा	विश्वविद्यालय
1.	डीएम नेफ्रोलॉजी कोर्स के लिए पीजी असेसमेंट- दो बार	राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग
2.	बीएससी रीनल डायलिसिस कोर्स के लिए बाहरी परीक्षक	इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज, शिमला, हिमाचल प्रदेश

अन्य शैक्षणिक गतिविधियां/रोगी देखभाल

1. अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) बिलासपुर (हिमाचल प्रदेश) में गुरुवार (10 मार्च, 2022) को विश्व किडनी दिवस 2022 मनाया गया। यह कार्यक्रम नेफ्रोलॉजी विभाग, एम्स बिलासपुर और सोसाइटी फॉर किडनी केयर द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था। वर्ष की विषय- किडनी हेल्थ फॉर ऑल-ब्रिज द नॉलेज गैप टू बेटर किडनी केयर पर व्याख्यान दिया।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण कार्यक्रम

1. इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ नेफ्रोलॉजी की सदस्यता।
2. इंडियन सोसाइटी ऑफ नेफ्रोलॉजी के कार्यकारी सदस्य उत्तर क्षेत्र अध्याय।

अनुसंधान और प्रकाशन

प्रकाशन:

1. जरयाल ए, विक्रांत एस. कोरोनावायरस रोग 2019 और किडनी। सऊदी जे किडनी डिस ट्रांसप्लांट। 2021 सितंबर-अक्टूबर;32(5):1220-1234।
2. कुमार वी, यादव एके, सेठी जे, घोष ए, सहाय एम, प्रसाद एन, वर्गीस एस, परमेश्वरन एस, गोपालकृष्णन एन, कौर पी, मोदी जीके, कंबोज के, कुंडू एम, सूद वी, इनामदार एन, जरयाल ए, विक्रांत एस, नायक एस, सिंह एस, गैंग एस, बैद-अग्रवाल एस, झा वी। द इंडियन क्रॉनिक किडनी डिजीज (आईसीकेडी) अध्ययन आधारभूत विशेषताएँ। क्लिन किडनी जे. 2021 अगस्त 13;15(1):60-69.

3. जरयाल ए, विक्रांत एस, गुप्ता डी. एपिडेमियोलॉजी एंड आउटकम्स ऑफ डायलिसिस रिक्रायरिंग एक्यूट किडनी इंजरी ए सिंगल-सेंटर स्टडी। वहाँ अफर डायल 2022 जून;26(3):594-600।
4. यादव एके, घोष ए, दिव्यवीर एस, मुखोपाध्याय बी, कुंडू एम, कुमार वी, लेले एसएस, राजापुरकर एमएम, झा वी; इंडियन क्रॉनिक किडनी डिजीज स्टडी ग्रुप। सीरम उत्प्रेरक लोहा और क्रोनिक किडनी रोग की प्रगति आईसीकेडी अध्ययन से निष्कर्ष। नेफ्रोल डायल ट्रांसप्लांट। 2021 सितंबर 17: gfab271। डीओआई: 10.1093/एनडीटी/जीएफएबी271.
5. प्रसाद एन, यादव एके, कुंडू एम, सेठी जे, जरयाल ए, सरकार डी, मोदी जीके, कंबोज के, सहाय एम, गोपालकृष्णन एन, कौर पी, विक्रांत एस, वर्गीज एस, बैद-अग्रवाल एस, सिंह एस, गैंग एस, परमेश्वरन एस, कुमार वी, घोष ए, झा वी। प्रिस्क्रिप्शन प्रैक्टिस इन पेशेंट्स विद माइल्ड टू मॉडरेट सीकेडी इन इंडिया। किडनी इंट रेप. 2021 जून 26;6(9):2455-2462
6. जरयाल ए, विक्रांत एस, सरकार एम, असोत्रा एस, गुप्ता डी, अग्रवाल एस। ए केस रिपोर्ट ऑफ प्लूरो-पेरिकार्डियल इफ्यूजन इन ए पेशेंट ऑन हेमोडायलिसिस एंड ए कार्डियक पेसमेकर। सेमिन डायल। 2021 जुलाई;34(4):323-325।
7. जरयाल ए, विक्रांत एस, वर्मा बीएस, गौतम एस, कुमार डी। डायरिया से जुड़े वयस्क हेमोलिटिक यूरेमिक सिंड्रोम के दो रोगियों के प्रबंधन में स्टेरॉयड का सफल उपयोग। जे एपल हेमाटोल 2021;12:210-12.

तंत्रिका विज्ञान विभाग

संकाय

क्र. संख्या	नाम	पद	नियुक्ति की तिथि
1.	डॉ. आशीष शर्मा	सह प्राध्यापक	23/11/2020

विभाग के विषय में

वर्तमान में तंत्रिका विज्ञान विभाग में एक ही संकाय, सह प्राध्यापक और एक नर्सिंग ऑफिसर ग्रेड II है। विभाग 24 मई 21 से सप्ताह में दो बार ई-संजीवनी प्लेटफॉर्म के माध्यम से मरीजों को परामर्श प्रदान कर रहा है। संस्थान में फिजिकल ओपीडी शुरू होने के बाद यानी 5 दिसंबर 2021 से विभाग के संकाय सप्ताह में तीन बार रोगियों को परामर्श प्रदान कर रहे हैं। विभाग की योजना रोगियों को समर्पित उप-विशिष्ट क्लीनिक (जैसे सिरदर्द / मिर्गी / स्ट्रोक / मूवमेंट) जैसी चिकित्सीय सेवाएं प्रदान करने की है। विकार / संज्ञानात्मक और व्यवहार न्यूरोलॉजी / न्यूरो-इम्यूनोलॉजी), विशिष्ट न्यूरोलॉजिकल आपात स्थितियों के लिए समर्पित आपातकालीन प्रतिक्रिया दल जैसे। स्ट्रोक रिस्पांस टीम और नैदानिक सेवाएं जैसे ईईजी/ईएनएमजी-एनसीएस और ईएमजी/ ईपीएस/ टीसीडी/ बेसिक आरटीएमएस/ डे केयर प्रक्रियाएं इनपेशेंट लैब सेवाएं (3): ईएमयू-वीईईजी/ स्लीप लैब-पीएसजी/ उन्नत आरटीएमएस। विभाग फाउंडेशन कोर्स और एईटीकॉम में स्नातक शिक्षण में सक्रिय रूप से शामिल रहा है। विभाग पोस्ट डॉक्टरल कोर्स (डीएम न्यूरोलॉजी) शुरू करेगा। विभाग अन्य संस्थानों के प्रतिष्ठित संकायों को आगंतुक संकाय के रूप में नियुक्त करने के लिए विभागीय अध्ययन बोर्ड स्थापित करने की भी योजना बना रहा है। इच्छुक मेडिकल छात्रों और चिकित्सा पेशेवरों के लिए शॉर्ट टर्म क्लिनिकल ऑब्जर्वर शिप प्रदान किया जाएगा। संकाय अनुसंधान में सक्रिय रूप से शामिल है और इसके साथ 9 वित्त पोषित परियोजनाएँ हैं। विभाग आउटरीच शिविरों और सामुदायिक जागरूकता गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल रहा है।

डॉ आशीष शर्मा

शिक्षा

1. आईसीएमआर_बीसीबीआर_एनआईई चेन्नई कोर्स पूरा किया

सीएमईएस / कार्यशाला / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

1. एपिक्वेस्ट 2021, सीएमई फाउंडेशन ऑफ इंडिया, वर्चुअल नेशनल सीएमई, 11-6-21: कोर्स समन्वयक
2. एमईयू वर्कशॉप: सीबीएमई और एएमपी; ईपीए 2/7/21: संस्थान स्तर
3. जीसीपी और एम्प; एनडीसीटी नियम 2019 (1-9-21), एम्स बिलासपुर: संस्थान स्तर

सीएमईएस, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान

क्र. संख्या	शीर्षक	सीएमई/सम्मेलन	दिनांक	आयोजक
1.	नैदानिक परीक्षण अध्ययन का गंभीर मूल्यांकन	इंडियन एकेडमी ऑफ न्यूरोलॉजी फाउंडेशन कोर्स	08 अप्रैल 21	इंडियन एकेडमी ऑफ न्यूरोलॉजी
2.	पोजिशनल वर्टिगो के लिए दृष्टिकोण	इंडियन एकेडमी ऑफ न्यूरोलॉजी फाउंडेशन कोर्स	25 जुलाई 21	इंडियन एकेडमी ऑफ न्यूरोलॉजी
3.	बोटॉक्स के साथ क्रोनिक माइग्रेन का निदान और प्रबंधन	एलर्जेन वेबिनार सीरीज	30 अक्टूबर 21	एलर्जेन
4.	वर्तमान दिशा-निर्देशों के अनुसार न्यूरोलॉजिकल डिसएबिलिटी असेसमेंट - संगोष्ठी वक्ता	इयानकॉन 2021	11-14 नवंबर 2021	इंडियन एकेडमी ऑफ न्यूरोलॉजी

मौखिक शोधपत्र/पोस्टर प्रस्तुत किए गए

क्र. संख्या	लेखक	प्रस्तुति	सम्मेलन का नाम	दिनांक	आयोजक
1	डॉ आशीष शर्मा	ई-पोस्टर हिमाचल की ग्रामीण आबादी में मिर्गी के रोगियों की मौखिक स्वास्थ्य स्थिति।	वर्ल्ड कांग्रेस ऑफ़ न्यूरोलॉजी 2021	3-7 अक्टूबर, 2021	वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ न्यूरोलॉजी
2	डॉ आशीष शर्मा	ई-पोस्टर एक्यूट स्ट्रोक में शुरुआती मोटर रिकवरी पर ट्रांसक्रानियल	एशियन ओशनियन कांग्रेस ऑफ	अगस्त 6-8, 2021	न्यूरो-रिहैबिलिटेशन की एशिया

		डायरेक्ट करंट स्टिमुलेशन का प्रभाव - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण	न्यूरोरेहैबिलिटेशन		ओसियनियन सोसाइटी
3	डॉ आशीष शर्मा	ई-पोस्टर इस्केमिक स्ट्रोक/ट्रांसिएंट इस्केमिक अटैक (टीआईए) के रोगियों में पेरियोडोंटल बीमारी (पीडी) और आवर्तक संवहनी घटनाओं के बीच संबंध - एक अस्पताल आधारित समूह अध्ययन	एशिया प्रशांत स्ट्रोक कांग्रेस	दिसंबर 9-11, 2021	एशिया प्रशांत स्टोर्क संगठन
4	डॉ आशीष शर्मा	ई-पोस्टर क्या शॉर्ट-टर्म वीडियो-ईईजी लंबी अवधि के वीडियो-ईईजी मॉनिटरिंग को साइकोजेनिक नॉनपीलेप्टिक दौरे में बदल सकता है? एक संभावित अवलोकन संबंधी अध्ययन	न्यूरोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया-वार्षिक कांग्रेस	दिसंबर 10-12, 2021	न्यूरोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया

अनुसन्धान

निधिबद्ध परियोजनाएँ

अविरत

क्र. संख्या	परियोजनाएँ	वित्तपोषण संस्थान	अवधि (वर्ष)	निधि (रु)
1.	बुखार, हाइपरग्लेसेमिया, निगलने और तीव्र स्ट्रोक में उच्च रक्तचाप प्रबंधन	डीएचआर	चार वर्ष	1785250/-

	एक क्लस्टर यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (स्ट्रोक देखभाल अध्ययन में भारतीय गुणवत्ता सुधार)			
2.	स्मार्टफोन आधारित टेली स्ट्रोक बनाम 'स्ट्रोक फिजिशियन' ने तीव्र स्ट्रोक प्रबंधन (स्मार्ट इंडिया) का नेतृत्व किया एक क्लस्टर यादृच्छिक परीक्षण	डीएचआर	2 साल	492340/-
3.	इंडियन स्ट्रोक क्लीनिकल ट्रायल नेटवर्क फेज II (इनस्ट्रक्ट्ट नेटवर्क फेज II) की स्थापना	आईसीएमआर	एनए	411600/ वर्ष
4.	सहज इंट्राकेरेब्रल रक्तस्राव (आंतरिक परीक्षण) में ट्रैनेक्सैमिक एसिड का भारतीय परीक्षण	आईसीएमआर	चार वर्ष	576800/-
5.	आईसीएमआर-एनसीडीआईआर, बेंगलुरु के राष्ट्रीय स्ट्रोक रजिस्ट्री कार्यक्रम के तहत अस्पताल आधारित स्ट्रोक रजिस्ट्रियों (एचबीएसआर) का विकास	आईसीएमआर-एनसीडीआईआर	एनए	कोई नहीं (तकनीकी सहायता प्रदान की जाएगी)
6.	स्टेनोसिस इंट्राक्रानियल एथेरोस्क्लेरोटिक रोग के कारण इस्केमिक स्ट्रोक वाले रोगियों में दीर्घकालिक एकल बनाम दोहरी एंटीप्लेटलेट थेरेपी एक यादृच्छिक परीक्षण।	आईसीएमआर	3 वर्ष	558672/-
7.	प्रोत्साहन मेडिकल कॉलेजों में एक समान स्ट्रोक देखभाल और परिणामों के लिए एक मूल्यांकन और उपचार पैकेज का कार्यान्वयन। एक अवलोकन और कार्यान्वयन अनुसंधान	आईसीएमआर	3 वर्ष	269336/-

	अध्ययन।			
8.	हिमाचल प्रदेश के पहाड़ी क्षेत्रों के हाइपोथायरायड रोगियों में न्यूरोफिज़ियोलॉजिकल और जैव रासायनिक मापदंडों का अध्ययन (तकनीकी रूप से आईसीएमआर द्वारा वर्ष 2021 के लिए बाह्य अनुसंधान कार्यक्रम के तहत अधिसूचना संख्या बीएमआई / ई-पीएमएस / तदर्थ और फैलोशिप / 2021/02 दिनांक 28 के तहत अनुमोदित) -3-22)	आईसीएमआर	3 वर्ष	1964880/-
9.	भारत में नए निदान किए गए मिर्गी रोगियों के प्रिस्क्रिप्शन पैटर्न का मूल्यांकन-वास्तविक विश्व अवलोकन अध्ययन -2 (ईपीओएन 2): पूर्वव्यापी अवलोकन संबंधी अध्ययन	सीआरओ	1 वर्ष	80,000

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण कार्यक्रम:

1. एओसीएनआर 2021, एशियन ओशनियन सोसाइटी ऑफ न्यूरो-रिहैबिलिटेशन, 6-8 अगस्त, 2021: अंतर्राष्ट्रीय स्तर पोस्टर प्रस्तुति (प्रथम पुरस्कार जीता)

प्रकाशन

1. शर्मा ए, शर्मा ए एट अल। उपापचयी सिंड्रोम वाले विषयों में पेरियोडोंटल स्थिति का आकलन। यूरोपियन जर्नल ऑफ मॉलिक्यूलर एंड क्लिनिकल मेडिसिन, 2021; 7(11): 8311-8315

2. शर्मा ए, अग्रवाल ए, श्रीवास्तव पी, गर्ग ए एट अल। आवर्तक फोकल घाटे के साथ उच्च रक्तचाप। न्यूरोल का अभ्यास करें। 2021 दिसंबर;21(6):555-558।

3. गोयल एच, शर्मा ए, पटेल सी, दीपक केके, त्रिपाठी एम एट अल असेसमेंट ऑफ मायोकार्डिअल सिम्पैथेटिक इनर्वेशन विथ 18एफ-एफडीओपीए-पीईटी/सीटी इन पेशेंट्स विद ऑटोनोमिक डिसफंक्शन: फिजिबिलिटी स्टडी इन आईपीडी पेशेंट्स। जे न्यूक्ल कार्डिओल। 2022 जून;29(3):1280-1290।

4. सिंह एस, उर्वशी, भट्ट आर, अरोड़ा एच, कौशल एच, शर्मा ए। इम्पैक्ट ऑफ़ द 2019 कोविड

19 पैनडेमिक ऑन ऑनसेट टू डोर टाइम एंड एडमिशन ऑफ़ न्यू ऑनसेट एक्यूट इस्केमिक स्ट्रोक इन ए टर्शियरी केयर लेवल हॉस्पिटल इन नार्थ इंडिया। जे फैमिली मेड प्राइम केयर 2022;XX:XXXX-X।

5. ठाकुर एस, शर्मा ए, कौशल एस, शर्मा ए, शर्मा एन, ठाकुर पी. कम्पेरिज़न ऑफ़ क्लोनिडीन विथ बुपीवाकाइन बनाम प्लेन बुपीवाकाइन इन ट्रांसवर्सस एब्डोमिनिस प्लेन (टीएपी) ब्लॉक इन वीमेन अंडर सीजेरियन डिलीवरी अंडर स्पाइनल एनेस्थीसिया - रेंडमाइज्ड क्लीनिकल ट्रायल। जे फार्म बायोल साइंस 2022;XX:XX-XX।
6. शर्मा ए, कौशल एस, ठाकुर एस, शर्मा ए, शर्मा एन, ठाकुर पी. ए क्लिनिकल कोरलेशन बिटवीन मैटरनल पेरियोडोंटल डिजीज एंड प्रेग्नेंसी इंड्यूस्ड एचटीएन ए हॉस्पिटल बेस्ड केस-कंट्रोल स्टडी इन प्रेग्नेंट वीमेन इन टर्शियरी केयर सेटिंग्स। जे फार्म बायोऑल साइंस 2022;XX:XX-XX।
7. ठाकुर एस, शर्मा ए, कौशल एस, शर्मा ए, शर्मा एन, ठाकुर पीएस। 26G क्विंके स्पाइनल नीडल के साथ स्पाइनल एनेस्थीसिया के तहत सिजेरियन डिलीवरी से गुजरने वाली महिलाओं में "पोस्टड्यूरल पंचर सिरदर्द" की घटना और जोखिम कारक, भारत 2019 में ग्रामीण सेटिंग्स में मेडिकल कॉलेज का अनुभव एक संभावित समूह अध्ययन डिजाइन। जे फार्म बायोऑल साइंस 2022;XX:XX-XX।
8. शर्मा ए, शर्मा ए, चौहान आर, एट अल। इस्केमिक स्ट्रोक / टीआईए रोगियों में पेरियोडोंटल रोग और आवर्तक संवहनी घटनाएं। जे. इंडियन सोसा. पेरीओडोंटोल,2022!
9. शर्मा ए, शर्मा ए, बंसल एके, गोयल सी, मनकोटिया एस, परमार एम, एट अल। ऊना, हिमाचल प्रदेश के हरोली ब्लॉक में 18 वर्ष और उससे अधिक आयु की उच्च जोखिम वाली आबादी के बीच मौखिक प्रीमैलिग्नेंट और घातक घावों के दृश्य में ऊतक ऑटोफ्लोरेसेंस (वेलस्कोप) की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए। ज इंट सॉस । प्रिवेंट कम्युनिटी डेंट 2022;XX:XX-XX.

प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग

संकाय

क्र. संख्या	नाम	पद	नियुक्ति की तिथि
1.	डॉ. हरप्रीत कौर	सह प्राध्यापक	20/11/2020
2.	डॉ. सुश्रुति कौशल	सहायक प्राध्यापक	28/11/2020
3.	डॉ. अस्मिता	सहायक प्राध्यापक	11/12/2022
4.	डॉ. निशा मलिक	सहायक प्राध्यापक	05/02/2021

विभाग के विषय में

प्रसूति और स्त्री रोग विभाग पिछले शैक्षणिक वर्ष में नैदानिक, शैक्षणिक और अनुसंधान गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल है। एम्स, बिलासपुर के आयुष ब्लॉक भवन में चल रही मौजूदा ओपीडी सेवाओं के माध्यम से क्षेत्र की महिलाओं को सर्वोत्तम स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने के लिए संकाय समर्पित है। हम प्रसवपूर्व जटिलताओं, मातृ-भ्रूण चिकित्सा, बांझपन और ऑन्कोलॉजी से संबंधित रेफरल मामलों में परामर्श प्रदान कर रहे हैं। उपलब्ध सीमित बुनियादी ढांचे के भीतर, विभाग ने कैंसर स्क्रीनिंग के लिए सेवाएं शुरू की हैं, जिसमें सीए सर्विक्स के लिए पैप स्मीयर, ईबी और सर्वाइकल बायोप्सी और एयूबी के मामलों में डी एंड सी शामिल हैं। हमारी नियमित ओपीडी सेवाएं शुरू होने से पहले, विभाग के संकाय ने नियमित रूप से आरएच, बिलासपुर में जून से दिसंबर, 2021 तक ओपीडी सेवाएं प्रदान की थीं। हमारे संकाय ने एम्स, बिलासपुर द्वारा आदिवासी क्षेत्रों में आयोजित सामुदायिक शिविरों में पूरे उत्साह के साथ भाग लिया है। विभाग पहले से ही तीसरे और चौथे सेमेस्टर के लिए नैदानिक और सिद्धांत शिक्षण में लगा हुआ है।

एमबीबीएस छात्र नैदानिक शिक्षण के दौरान केस-आधारित चर्चाओं पर ध्यान केंद्रित किया जाता है ताकि छात्रों को वास्तविक परिदृश्य-आधारित शिक्षण दिया जा सके। विभाग ने पहले ही एमबीबीएस के लिए योग्यता आधारित पाठ्यक्रम विकसित कर लिया है और स्नातकोत्तर और सुपर-स्पेशियलिटी के लिए ईपीए और क्षमता आधारित पाठ्यक्रम विकसित करने की प्रक्रिया में है। हमारे पास ओपीडी के लिए एसओपी मौजूद हैं और आपातकालीन/लेबर रूम/इनपेशेंट प्रोटोकॉल तैयार करने की प्रक्रिया में हैं।

उच्च उत्साह में अनुसंधान के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए, विभाग के संकाय ने पहले से ही बाह्य वित्त पोषण के प्रस्ताव लिखे हैं और राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशन हैं। संकाय

सदस्यों ने विभिन्न क्षमता में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सीएमई/सम्मेलनों में सक्रिय रूप से भाग लिया है और विभाग ने स्तनपान जागरूकता पर 07 अगस्त, 2021 को बीपीएनआई, भारत के सहयोग से राष्ट्रीय स्तर के सीएमई का आयोजन किया। अत्याधुनिक सुविधाएं स्थापित करने के लिए, संकाय सदस्य उपकरण आवश्यकताओं, बुनियादी ढांचे के इनपुट और उपभोज्य आपूर्ति के लिए समय पर रिपोर्ट प्रस्तुत करने में सक्रिय रूप से शामिल रहे हैं। पूर्वस्नातक के लिए कौशल प्रयोगशाला के लिए आवश्यकता और विशिष्टताओं को प्रस्तुत किया गया है और खरीद की प्रक्रिया में है।

लंबी अवधि की योजनाओं पर अपडेट :

जैसे ही हम मुख्य भवन में शिफ्ट होते हैं, हम स्त्री रोग और प्रसूति विज्ञान में विशेष क्लीनिक शुरू करने के लिए तैयार हैं। इलेक्टिव गायनी सर्जरी और पूरी तरह कार्यात्मक लेबर रूम आने वाले वर्ष में चालू होना चाहिए। शिक्षण और प्रशिक्षण के लिए, हम अगले 3 वर्षों के समय में प्रसूति एवं स्त्री रोग में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम और मिनिमली इनवेसिव सर्जरी और प्रजनन मेडिसिन में एक सुपर स्पेशियलिटी पाठ्यक्रम शुरू करेंगे। हम पोस्ट-ग्रेजुएट और सुपर-स्पेशियलिटी पाठ्यक्रमों के लिए एक योग्यता-आधारित पाठ्यक्रम संकलित करने की प्रक्रिया में हैं, जैसे ही हम नैदानिक सेवाओं के साथ तैयार होंगे, हम निकट भविष्य में अधिक समुदाय-आधारित गतिविधियां और सीएमई करेंगे। संकाय पहले से ही सहयोगी अनुसंधान में संलग्न है और जैसे ही हमारी आंतरिक रोगी सेवाएं चालू हो जाएंगी, इसमें और तेजी आएगी।

डॉ हरप्रीत कौर

सीएमईएस / कार्यशाला / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

1. बीपीएनआई, भारत के सहयोग से 07 अगस्त, 2021 को स्तनपान जागरूकता पर राष्ट्रीय सीएमई।
2. स्तनपान जागरुकता सप्ताह 1-7 अगस्त, 2021 पर एमबीबीएस छात्रों के लिए पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया

सीएमईएस, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान

क्र. संख्या	शीर्षक	सीएमई / सम्मेलन	दिनांक	आयोजक
1.	आयोजन सचिव के रूप में आरएच, बिलासपुर में स्तनपान	राष्ट्रीय सीएमई	07 अगस्त 2021	बीपीएनआई, भारत के साथ प्रसूति एवं

	जागरूकता सप्ताह।			स्त्री रोग विभाग एम्स बिलासपुर
2.	सदस्य और हॉल प्रबंधन का आयोजन	राष्ट्रीय वार्षिक सम्मेलन	12 दिसंबर 2021	आरसीओजी-नॉर्थ जोन
3.	व्याख्यान आई यू आई परिणामों का अनुकूलन	युवा फोगसी 2021	2-4 अप्रैल 2021	पीजीआईएमईआर चंडीगढ़
4.	कार्यशाला में लेक्चर बेसिक इनफर्टिलिटी इमेजिंग: एक चिकित्सक को क्या पता होना चाहिए?	ऐस कोलकाता 2021	2 अक्टूबर 2021	ए सी ई
5.	वाद-विवाद: सिजेरियन सेक्शन की मांग-विरुद्ध'	सीजेरियन की दरों का अनुकूलन	15 दिसंबर 2021	एम्स बीबीनगर
6.	आईएफएस वेबिनार में विशेषज्ञ पैनलिस्ट "यूएसजी: प्रजनन विशेषज्ञों की तीसरी आंख"	सिज़्लिंग मास्टरस्ट्रोक फर्टिलिटी वेबसेरिएस	10 जुलाई 2021	आईएफएस-विदर्भ चैप्टर
7.	आमंत्रित पैनलिस्ट: एफईटी की योजना बनाते समय उलझनें।	आईएफएस - जीसीसी	25 सितम्बर 2021	आईएफएस
8.	पैनलिस्ट: क्लिनिकल इंटरवेंशन: कब, क्या और कैसे? प्रजनन चिकित्सा पर कार्यशाला में	एआईसीसी आरसीओजी राष्ट्रीय सम्मेलन	01 अक्टूबर 2021	एआईसीसी आरसीओजी

मौखिक शोधपत्र/पोस्टर प्रस्तुत किए गए

क्र. संख्या	लेखक	प्रस्तुति	सम्मेलन का नाम	दिनांक	आयोजक
1.	**डॉ. हरप्रीत कौर, डॉ**. गौथन प्रणेश,	पोस्टर "ट्रिगर के दिन एलएच - क्या	आरसीओजी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	11 जून, 2021	आरसीओजी, लंदन (यूके)

	डॉ. कामिनी ए राव, डॉ. जसनीत कौर, डॉ. वैष्णवी राव	यह आईवीएफ परिणाम को प्रभावित करता है?"			
2.	**डॉ. हरप्रीत कौर,** डॉ. अलका सहगल, डॉ. सुश्रुति के, डॉ. अस्मिता, डॉ. निशा	टीडीएपी और इन्फ्लूएंजा टीकाकरण के बारे में "ज्ञान और प्रसूति विशेषज्ञों का अभ्यास- एक सर्वेक्षण" शीर्षक वाला पोस्टर प्रस्तुत किया	आरसीओजी - नॉर्थ ज़ोन नेशनल कॉन्फ्रेंस	12 दिसंबर, 2021	आरसीओजी -नॉर्थ ज़ोन, नई दिल्ली
3.	**डॉ. हरप्रीत कौर,** डॉ. मनदीप सिंह	"महामारी के दौरान स्वास्थ्य देखभाल में एआई की भूमिका" पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया	महामारी चुनौतियों के लिए जैविक नवाचार और कम्प्यूटेशनल अन्वेषण पर अंतर्राष्ट्रीय आभासी सम्मेलन	दिसंबर, 2022	डीबीटी.

विभागीय परियोजनाएँ

अविरत: 1

प्रकाशन

शोधपत्र: 6

पुस्तक में अध्याय

क्र. संख्या	लेखक	अध्याय	संपादक का नाम	पुस्तक	प्रकाशन का विवरण

1.	डॉ. सुश्रुति के, **डॉ. हरप्रीत कौर**	गर्भावस्था और कोविड 19	मनल मोहम्मद बद्दौर	फाइटिंग थे कोविड -19 पान्डेमिक	पहला संस्करण (2022) इंटेक ओपन, लंदन
2.	**डॉ. हरप्रीत कौर,** डॉ. मनदीप सिंह	स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र पर कोविड-19 का प्रभाव	प्रो रवि इंदर सिंह, डॉ. पूजा सिक्का	महामारी प्रभाव: चयनित क्षेत्रों का सूक्ष्म विश्लेषण	पहला संस्करण (2022) मनकिन प्रेस, नई दिल्ली

परीक्षक

क्र. संख्या	परीक्षा	विश्वविद्यालय
1.	एमबीबीएस पार्ट-2 परीक्षा : 20-22 अप्रैल 21	जीएमसीएच-32 चंडीगढ़: पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़
2.	एमबीबीएस की फाइनल परीक्षा : 22-25 मार्च, 2022	आईजीएमसी, शिमला; हिमाचल विश्वविद्यालय, शिमला
3.	एमबीबीएस पार्ट -2 परीक्षा : 12 अक्टूबर 2021	जीएमसीएच-32 चंडीगढ़: पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़
4.	10 सितम्बर 2021 को श्री गुरु तेग बहादुर अस्पताल, आनंदपुर साहिब के पुन पैनल में शामिल होने के लिए निरीक्षण समिति के सदस्य के रूप में प्रतिनियुक्त।	हिमाचल राज्य स्वास्थ्य विभाग

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण कार्यक्रम

1. स्टिलबर्थ सोसाइटी ऑफ इंडिया के कार्यकारी सदस्य
2. आईजेआईएफएम (जेपी पब्लिशर्स) के सहायक संपादक
3. इनोवेटिव पब्लिकेशन्स द्वारा 'आई जे ओ जी आर' के लिए वर्ष 2022 के लिए बेस्ट एडिटर्स रिसर्च अवार्ड से सम्मानित।

डॉ. सुश्रुति कौशल

शिक्षा

1. "कंडक्टिंग इंटरवेंशनल रिव्यू" पर 1 साल का ऑनलाइन कोक्रेन कोर्स।

2. 'स्वयम' पोर्टल पर आईसीएमआर-एनआईई पाठ्यक्रम 'स्वास्थ्य अनुसंधान में वैज्ञानिक लेखन'

सीएमईएस / कार्यशाला / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

1. एम्स-ओबीजी विभाग द्वारा आयोजित क्षेत्रीय अस्पताल बिलासपुर में समन्वित स्तनपान जागरूकता सीएमई

सीएमईएस, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान

क्र. संख्या	शीर्षक	सीएमई/सम्मेलन	दिनांक	आयोजक
1.	मृत-जन्म पर पैनल चर्चा में मॉडरेटर	युवा- फोग्सी	2-4 अप्रैल ,2021	पीजीआईएमईआर चंडीगढ़
2.	व्याख्यान "स्तनपान"	विश्व स्तनपान सप्ताह 1-7 अगस्त 2021	7 अगस्त ,2021	ओबीजी विभाग, एम्स बिलासपुर

सहयोगात्मक परियोजनाएँ

सम्पन्न: 1

प्रकाशन

शोधपत्र: 3

पुस्तक में अध्याय

क्र. संख्या	लेखक	अध्याय	संपादक का नाम	पुस्तक	प्रकाशन का विवरण
1.	**डॉ. सुश्रुति कौशल,** डॉ. हरप्रीत कौर	गर्भावस्था और कोविड 19	मनल मोहम्मद बद्दौर	फाइटिंग द कोविड -19 पेंडेमिक	पहला संस्करण (2022) इंटेक ओपन, लंदन

परीक्षक

क्र. संख्या	परीक्षा	विश्वविद्यालय
1	एमबीबीएस पार्ट-II परीक्षा	एसएलबीएस गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, मंडी (एचपी); हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण कार्यक्रम

1. 'स्टिलबर्थ सोसाइटी ऑफ इंडिया' की आजीवन सदस्यता।

2. एम्स बिलासपुर में 17-23 अक्टूबर 2021 को अंतर्राष्ट्रीय संक्रमण निवारण सप्ताह के दौरान प्रश्नोतरी प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार।

3. 27 नवंबर 2021 को "एंटीमाइक्रोबियल स्टीवर्डशिप प्रोग्राम" पर सीएमई में 'पैनल चर्चा' में पैनलिस्ट।

डॉ. अस्मिता

शिक्षा

1. यूरोगविज्ञान में डिप्लोमा; एमआर्क 2022
2. सहायक प्रजनन प्रौद्योगिकी और प्रजनन चिकित्सा में डिप्लोमा एफएब्रुएरी 2022
3. बायोमेडिकल रिसर्च में बेसिक कोर्स; जेयूनी 2021
4. एमओएचएफडब्ल्यू द्वारा विशेषज्ञ डॉक्टरों के लिए कोविड 19 प्रसूति देखभाल पाठ्यक्रम जनवरी 2022
5. डब्लू एच ओ - रेस्पेक्टफुल एबॉर्शन केयर कैंपेन

सीएमई/कार्यशाला/संगोष्ठियों/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों का आयोजन

1. एम्स-ओबीजी विभाग द्वारा क्षेत्रीय अस्पताल बिलासपुर में समन्वित स्तनपान जागरूकता सीएमई का संचालन

सीएमईएस, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान

क्र. संख्या	शीर्षक	सीएमई/सम्मेलन	दिनांक	आयोजक
1.	बर्थ कम्पैनियन: एक्सपीरियंस इन गवर्नमेंट सेटअप	नारची सीएमई	11/12/2021	बाबा साहेब अम्बेडकर अस्पताल और मेडिकल कॉलेज

मौखिक शोधपत्र/पोस्टर प्रस्तुत किए गए

क्र. संख्या	लेखक	प्रस्तुति	सम्मेलन का नाम	दिनांक	आयोजक
1	डॉ अस्मिता	महिला यौन अक्षमता: देश भर में चिकित्सा पेशेवरों द्वारा प्रबंधन में ज्ञान, सामान्य अभ्यास	एआईसीसी-आरसीओजी उत्तर क्षेत्र वार्षिक सम्मेलन	12/12/2021	एआईसीसी-आरसीओजी

		और बाधाएं			

अनुसन्धान

निधिबद्ध परियोजनाएँ

अविरत: 1

सहयोगात्मक परियोजनाएँ

अविरत : 2

प्रकाशन

शोधपत्र: 2

डॉ निशा मलिक

शिक्षा

1. फरवरी 2022 में रॉयल कॉलेज ऑफ ओब्स्टेट्रिशियन एंड गायनेकोलॉजिस्ट (एमआरसीओजी) के सदस्य की परीक्षा उत्तीर्ण।

2. सितंबर 2021 में बायोमेडिकल रिसर्च (बीसीबीआर) में बेसिक कोर्स को सफलतापूर्वक पूरा और पास किया।

सीएमईएस / कार्यशाला / संगोष्ठी / राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

1. 7 अगस्त 2021 को क्षेत्रीय अस्पताल, बिलासपुर में स्तनपान जागरूकता सीएमई का आयोजन

मौखिक शोधपत्र/पोस्टर प्रस्तुत किए गए

क्र. संख्या	लेखक	प्रस्तुति	सम्मेलन का नाम	दिनांक	आयोजक
1.	निशा मलिक स्मृति नंदा	ई-पोस्टर	एआईसीसी-आरसीओजी वार्षिक आभासी सम्मेलन (राष्ट्रीय)	1-3 अक्टूबर 2021	आरसीओजी दक्षिण भारत समिति
2.	निशा मलिक स्मृति नंदा	ई-पोस्टर	उत्तर क्षेत्र युवा फोगसी आभासी सम्मेलन (क्षेत्रीय)	2-4 अप्रैल 2021	उत्तर क्षेत्र युवा फोगसी चंडीगढ़

प्रकाशन

शोधपत्र: 2

अनुसन्धान

सहयोगात्मक परियोजनाएँ

अविरत

क्र. संख्या	परियोजनाएँ	भूमिका	सहयोगी विभाग/संस्था
1.	हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले में महिलाओं के बीच प्रसवोत्तर मनोरोग की व्यापकता और जोखिम कारक एक समुदाय-आधारित पार-अनुभागीय अध्ययन	**डॉ. हरप्रीत कौर: पीआई** डॉ. ज्योति गुप्ता सह पीआई डॉ. अनुपमा धीमान सह-पीआई	मनोरोग विभाग परिवार और सामुदायिक चिकित्सा विभाग एम्स बिलासपुर
2.	महिला यौन रोग देश भर में चिकित्सा पेशेवर द्वारा प्रबंधन में ज्ञान, सामान्य अभ्यास और बाधाएं	**डॉ. अस्मिता: सह पीआई**	प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, बाबा साहेब अम्बेडकर अस्पताल और मेडिकल कॉलेज
3.	एचपीवी टीकाकरण झिझक और 100% कवरेज प्राप्त करने में बाधाएं एक जनसंख्या आधारित अध्ययन	**डॉ. अस्मिता: सह पीआई**	प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, बाबा साहेब अम्बेडकर अस्पताल और मेडिकल कॉलेज

सहयोगात्मक परियोजनाएँ

सम्पन्न

क्र. संख्या	परियोजनाएँ	भूमिका	सहयोगी विभाग/संस्था
1.	प्रसूति चिकित्सकों और प्राथमिक देखभाल चिकित्सकों के बीच प्रसवकालीन अवसाद के संबंध में ज्ञान, दृष्टिकोण और अभ्यास	**डॉ. सुश्रुति कौशल: सह पीआई** डॉ. ज्योति गुप्ता सह पीआई	मनोरोग विभाग एम्स बिलासपुर प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, डॉ. आरपीजीएमसी टांडा, कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश

प्रकाशन

1. **कौशल एस,** प्रिया टी, ठाकुर एस, मरवाहा पी और कौर एच। उत्तर भारत में पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश में गर्भवती महिलाओं में एनीमिया की हेतुविज्ञान एक क्रॉस-अनुभागीय अध्ययन। कुरियस 2022. 14(1): ई21444, डीओआई: 10.7759/क्योरस.2144.
2. सिंह ए, **कौर एच**, कौर पी. कोविड-19 महामारी के दौरान शारीरिक गतिविधि की भूमिका। आईजेसीएपी 2021;8(2):83-85
3. कौर पी, **कौर एच**, सिंह ए, सिंह एम. स्टूडेंट्स एंड टीचर्स परसेप्शन्स अबाउट ऑनलाइन टीचिंग ड्यूरिंग कोविड-19 पैनडेमिक: ए सर्वे. थे ऑनलाइन ज ऑफ़ डिस्टेंस एजुकेशन & इ - लर्निंग 2022; 10(2):292-300.
4. मंगला एम, **कौर एच**, खोईवाल के. पार्शियल मोल विद कोएक्सिस्टेंट लाइव फीटस: ए सिस्टमैटिक रिव्यू ऑफ केस रिपोर्ट्स (टर्किश-गेर जे ऑफ ओब्स्टेट एंड गाइनी, पबमेड में स्वीकृत)।
5. **कौर ह ,** राओ क ए . ए केस ऑफ़ 47, XXX प्रेसेंटिंग अस सेकेंडरी एमेंनोरिया , ए केस रिपोर्ट . फर्टिलिटी & रेप . 2022;4(1):45-48
6. ठाकुर एस, **कौशल एस**, कौर एच, कौंडल ए। सुरक्षित प्रसूति संज्ञाहरण अभ्यास कोविड-19। इंट जे रिप्रोड कॉन्ट्रासेप्ट ओब्स्टेट गाइनकोल 2021;10:4609-13।
7. तनु प्रिया, **सुश्रुति कौशल**, पूजन डोगरा, विनय डोगरा। उप-हिमालयी क्षेत्र में प्रसवोत्तर अवसाद की व्यापकता और जोखिम कारक, मेडिकल जर्नल सशस्त्र बल भारत, https://doi.org/10.1016/j.mjafi.2021.12.003 (प्रिंट से पहले)।
8. रेनझेन पी, **अस्मिता**, राठी ए, कुमार वी। सर्वाइकल कैंसर, एचपीवी वैक्सीन और सर्वाइकल कैंसर स्क्रीनिंग के बारे में स्कूली शिक्षकों के ज्ञान और दृष्टिकोण पर स्वास्थ्य शिक्षा का प्रभाव। ऑस्ट्रेलियन मेडिकल जर्नल .2021;14(7):193-200।
9. हुड्डा आर, बागला एन, **मलिक एन**, कौशिक एस। स्वस्फूर्त प्रीटरम जन्म के लिए एक जोखिम कारक के रूप में प्लेसेंटल ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (एचपीवी) संक्रमण की भूमिका का मूल्यांकन करने के लिए: एक संभावित केस कंट्रोल स्टडी। जे पेरिनैट मेड 2022 जनवरी डीओआई: 10.1515/जेपीएम-2021-0317
10. **मलिक एन**, सिन्हा पी, नंदा एस, बत्रा एन, सिंह वी, हिरेमथ आरएन। प्रजनन जागरूकता और प्रजनन उपचार की मांग करने वाली महिलाओं के बीच सामाजिक-जनसांख्यिकीय और प्रजनन चर के साथ इसका संबंध: एक क्रॉस-अनुभागीय अध्ययन। जर्नल ऑफ क्लिनिकल एंड डायग्नोस्टिक रिसर्च। 2022 मार्च, वॉल्यूम -16 (3): क्यूसी 05-क्यूसी08। डीओआई: 10.7860/ जेसीडीआर /2022/52185.16131

नेत्र विज्ञान विभाग

संकाय

क्र. संख्या	नाम	पद	नियुक्ति की तिथि
1.	डॉ नृपेन गौर	सहायक प्राध्यापक	19/11/20
2.	डॉ नितिन कुमार	सहायक प्राध्यापक	10/11/20

विभाग के विषय में

विभाग विकास के चरण में है। विभागीय ओपीडी 6 दिसंबर 2021 को कार्यात्मक हो गया। विभाग सामान्य ओपीडी सेवाएं और सीमित सुपर स्पेशियलिटी सेवाएं जैसे स्क्विंट सेवाएं, बाल चिकित्सा नेत्र विज्ञान, न्यूरो-नेत्र विज्ञान सेवाएं, ओकुलोप्लास्टिक्स, मेडिकल रेटिना और यूवाइटिस सेवाएं प्रदान कर रहा है। आयुष प्रखंड में ओपीडी शुरू होने से पहले विभाग के शिक्षक क्षेत्रीय अस्पताल बिलासपुर में अपनी सेवाएं दे रहे थे. विभाग के पास अत्याधुनिक उपकरण (वर्तमान में सीमित) जैसे ऑटो-रिफ्रेक्टोकेरेटोमीटर, नॉन-कॉन्टैक्ट टोनोमीटर, फोटो स्लिट लैंप और ऑप्टिकल कोहेरेंस टोमोग्राफी है। विभाग राज्य में आयोजित विभिन्न आदिवासी स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से सामुदायिक सेवाओं में सक्रिय रूप से शामिल है।

डॉ नृपेन गौर

सीएमईएस, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान

क्र. संख्या	शीर्षक	प्रस्तुतकर्ता	सीएमई/सम्मेलन	दिनांक	आयोजक
1.	लैक्रिमल फिस्टुला प्रबंधन	डॉ नृपेन गौर	वार्षिक डीओएस अंतर्राष्ट्रीय हाइब्रिड सम्मेलन 2021	26 सितंबर -3 अक्टूबर 2021	दिल्ली नेत्र रोग सोसायटी

प्रकाशन

शोधपत्र: 1

डॉ नितिन कुमार

मौखिक शोधपत्र/पोस्टर प्रस्तुत किए गए

क्र. संख्या	लेखक	प्रस्तुति	सम्मेलन का नाम	दिनांक	आयोजक
1.	डॉ नितिन कुमार	ब्लाउ के सिंड्रोम वाले रोगियों की क्लिनिकल प्रोफाइल	यूएसआईसीओएन (आभासी)	8-10 अक्टूबर 2021	यूवाइटिस सोसायटी ऑफ इंडिया
2.	डॉ नितिन कुमार	एक बुजुर्ग महिला में बाइलेटरल, टोटल, बुलस, एक्सयूडेटिव रेटिनल डिटैचमेंट- एक डायग्नोस्टिक चैलेंज	यूएसआईसीओएन (आभासी)	8-10 अक्टूबर 2021	यूवाइटिस सोसायटी ऑफ इंडिया
3.	डॉ नितिन कुमार	एक बुजुर्ग महिला में बाइलेटरल, टोटल, बुलस, एक्सयूडेटिव रेटिनल डिटैचमेंट- एक डायग्नोस्टिक चैलेंज	सीओएस आईकॉन (आभासी)	31 जुलाई 2021	चंडीगढ़ ऑप्थेल्मिक सोसायटी

प्रकाशन

शोधपत्र: 3

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण कार्यक्रम

1. भारतीय सम्मेलन, 2021 के यूवेइटिस समाज में शोधपत्र प्रस्तुति के लिए प्रशंसा पुरस्कार

अनुसन्धान एवं प्रकाशन

विभागीय सहयोगात्मक परियोजनाएँ

अविरत

क्र. संख्या	परियोजनाएँ	सहयोगी विभाग/संस्था
1.	आउट पेशेंट सेटिंग में उच्च रक्तचाप के रोगियों में लक्ष्य अंग क्षति की व्यापकता: एक अवलोकन अध्ययन	जनरल मेडिसिन, एम्स बिलासपुर

प्रकाशन

शोधपत्र

1. परिताला ए, टक्कर बी, गौर एन, सोनी डी, अली एमएच, राठी ए. हाई एक्सियल मायोपिया में ओकुलर बायोमेट्री के साथ विट्रियस चेंबर डेप्थ का सहसंबंध। इंडियन जे ओफ्थाल्मोल। 2022 मार्च;70(3):914-920। डीओआई: 10.4103/ijo.IJO_1201_21. पीएमआईडी: 35225543; पीएमसीआईडी: PMC9114555।
2. 6. कुमार, ए., मेनिया, एन.के., अग्रवाल, ए. (2021)। रेटिनल रोगों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस। इन: इच्छपुजनी, पी., ठाकुर, एस. (एड्स) आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड ऑप्थल्मोलॉजी। नेत्र विज्ञान में वर्तमान अभ्यास। स्प्रिंगर, सिंगापुर। https://doi.org/10.1007/978-981-16-0634-2_7
3. 7. कुमार एन. टीका । एसोसिएशन ऑफ मेटफॉर्मिन का उपयोग मधुमेह रोगियों के बीच और प्राथमिक ओपन-एंगल ग्लूकोमा की घटना - चेन्नई नेत्र रोग घटना अध्ययन। इंडियन जे ओफ्थाल्मोल 2021; 69:3339-40
4. **कुमार एन**, डोगरा एम "स्पेसएक्स-साइन" प्रकल्पित एकान्त परिचालित रेटिनल एस्ट्रोसाइटिक प्रसार, इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च (स्वीकृत)

अस्थिरोग विभाग

संकाय

क्र. संख्या	नाम	पद	नियुक्ति की तिथि
1.	डॉ गौरव कुमार शर्मा	सहायक प्राध्यापक	08/12/2020
2.	डॉ राजेश कुमार रजनीश	सहायक प्राध्यापक	09/11/2020 (21/09/2021 तक)

विभाग के विषय में

अस्थिरोग विभाग ने फ्रैक्चर रिडक्शन/पीओपी एप्लीकेशन/आईए इंजेक्शन/जॉइंट एस्पिरेशन जैसे हस्तक्षेपों के साथ-साथ ओपीडी सेवाएं देना शुरू कर दिया है। विभाग ने विभिन्न दूर-दराज शिविरों और विकलांगता शिविरों में भाग लिया है। विभाग ने एम्स, बिलासपुर में एक स्पोर्ट्स इंजरी सेंटर भी प्रस्तावित किया है। स्नातक छात्रों का नैदानिक शिक्षण भी शुरू कर दिया गया है। अस्थिरोग विभाग कुछ महीनों में नए अस्पताल भवन में ओटी सेवाओं के साथ ट्रॉमा और आपातकालीन सेवाएं शुरू करने की उम्मीद कर रहा है।

डॉ गौरव कुमार शर्मा

सीएमईएस, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान

क्र. संख्या	शीर्षक	सीएमई/सम्मेलन	दिनांक	आयोजक
1	फ्रोजन शोल्डर: ए मिस्ट्री सिंड्रोम	हिमोर्थोकॉन 2022	30 अप्रैल - 1 मई 2022	डीवाईएसपीजीएमसी, नाहन, (एचपी)

विकृति विज्ञान विभाग

संकाय

क्र. संख्या	नाम	पद	नियुक्ति की तिथि
1.	डॉ गुरविंदर कौर	सहायक प्राध्यापक	11/11/2020

विभाग के विषय में

पैथोलॉजी विभाग की शुरुआत नवंबर 2020 के महीने में सहायक प्राध्यापक के रूप में एक संकाय में शामिल होने के साथ हुई थी। वर्तमान अवधि में, विभाग प्रमुख के रूप में डॉ अनुराधा शर्मा के साथ माइक्रोबायोलॉजी के तहत विभाग काम कर रहा है।

विभाग पूरे वर्ष विभिन्न तकनीकी, शैक्षणिक और प्रशासनिक गतिविधियों में शामिल रहा। विभाग दिसंबर, 2021 से स्नातक शिक्षण में शामिल है और पीजी शिक्षण और बीएससी एमएलटी शिक्षण का पाठ्यक्रम भी तैयार किया है। संकाय ने पैथोलॉजी विभाग के लिए मानक संचालन प्रक्रियाओं के साथ-साथ अकादमिक और नैदानिक प्रयोगशालाओं दोनों के लिए अभिकर्मकों/उपकरणों /उपभोग्य सामग्रियों की खरीद के लिए सूची तैयार की है। विभाग दिसंबर, 2021 से ओपीडी सेवाओं के शुरू होने के बाद से हिंद लैब्स के सहयोग से प्रयोगशाला (हेमटोलॉजी और साइटोलॉजी) सेवाओं में शामिल है।

डॉ गुरविंदर कौर

अनुसन्धान

निधिबद्ध परियोजनाएँ

अविरत

क्र. सं.	परियोजना	भूमिका	वित्तपोषण संस्थान	अवधि (वर्ष)	प्रारंभ – अंत वर्ष	प्रस्तावित निधि (रु)
1.	यह समझाने के लिए कि मानव प्रोस्टेट कैंसर में	डॉ दीप्ति मालिक- पि आई डॉ गुरविंदर	आई सी एम आर	3 वर्ष	तकनीकी रूप से स्वीकृत	25 लाख

	एमआईआर-2909 आरनोमिक्स टीजी बीटा सिग्नलिंग कैस्केड को कैसे नियंत्रित करता है	कौर-सीओ-पिआई डॉ मोहिंम ठाकुर-सीओ-पिआई				

प्रकाशन

शोधपत्र:

1. पठानिया वाईएस, कौर जी. मल्टीपल क्रस्टेड स्वेलिंग ऑन द चिन कटिस 2021 मई;107(5):E16-E18.
2. 2. दंडपत एसके, त्रिपाठी एम, कौर जी, राडोत्रा बीडी, जोशी ए, मोहिंद्रा एस. सर्विको मेडुलरी जंक्शन "इंट्रामेडुलरी श्वानोमा" मास्करेडिंग एज़ ग्लियोमा: ए सरप्राइज़ ड्यूरिंग सर्जरी। न्यूरोल इंडिया 2021;69:1747-52

बाल रोग विभाग

संकाय

क्र. संख्या	नाम	पद	नियुक्ति की तिथि
1.	डॉ. स्मृति गुप्ता	सहायक प्राध्यापक	23/11/2020
2.	डॉ. जसबीर सिंह	सहायक प्राध्यापक	09/11/2020

विभाग के विषय में

बाल रोग विभाग, एम्स बिलासपुर में वर्तमान में सहायक प्रोफेसरों के रूप में 2 संकाय सदस्य हैं।

विभाग द्वारा रोगी देखभाल सेवाएं मई, 2021 में ई-संजीवनी पोर्टल और सितंबर, 2021 में टेलीडॉक्टर/ग्लोहील पोर्टल के माध्यम से टेलीकंसल्टेशन सेवाओं के साथ शुरू की गई। मार्च, 2022 तक लगभग 100 टेलीकंसल्टेशन प्रदान किए गए थे।

विभाग दिसंबर, 2021 में भौतिक ओपीडी सेवाओं की शुरुआत के बाद से दैनिक ओपीडी सेवाएं चला रहा है। मार्च, 2022 तक कुल परामर्श 542 थे। विभाग अस्थमा, निर्जलीकरण के साथ तीव्र दस्त और जल्दी क्षतिपूर्ति सदमे जैसी बाल चिकित्सा आपात स्थितियों में भी भाग ले रहा है।

निकट भविष्य में बुनियादी ढांचे और संसाधनों की उपलब्धता के साथ, विभाग ने पालनाघर आधार पर मामूली प्रक्रियाओं को करने, टीकाकरण सेवाएं शुरू करने और साथ ही बाल चिकित्सा छाती क्लिनिक, बाल चिकित्सा टीबी क्लिनिक जैसे उप-विशेषज्ञता क्लीनिक शुरू करने की योजना बनाई है।

संकाय सदस्य सक्रिय रूप से शामिल हुए हैं और जिला चंबा और बिलासपुर में सामुदायिक दूर-दराज शिविरों में भाग लिया है। विभाग ने विश्व स्तनपान सप्ताह और स्थानीय जिला मेले के दौरान स्वास्थ्य जागरूकता गतिविधियों में भी भाग लिया है।

विभाग एमबीबीएस पाठ्यक्रम तैयार करने में सक्रिय रूप से शामिल था। विभाग द्वारा यूजी शिक्षण यूजी पाठ्यक्रम के अनुसार शुरू किया जाएगा। संकाय सदस्य नर्सिंग स्टाफ के शिक्षण में शामिल रहे हैं।

विभाग के संकाय सदस्यों ने आईईसी अनुमोदन के लिए अनुसंधान परियोजनाएँ प्रस्तुत की हैं और इसकी मंजूरी की प्रतीक्षा कर रहे हैं। निकट भविष्य में अनुसंधान परियोजनाओं के लिए अन्य विभागों और संस्थानों के साथ सहयोग की योजना बनाई गई है।

डॉ. स्मृति गुप्ता

शिक्षा

1. आईसीएमआर-एनआईई द्वारा 'बायोमेडिकल रिसर्च में बेसिक कोर्स' पूरा किया।

सीएमई, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान

क्र. संख्या	शीर्षक	सीएमई/सम्मेलन	दिनांक	आयोजक
1.	पैनल चर्चा	चेस्ट रेडियोलॉजी सीएमई (आभासी)	27-06-2021	आईएपी श्वसन अध्याय, राजस्थान
2.	मैकेनिकल वेंटिलेशन से बाहर निकलना	बाल चिकित्सा क्रिटिकल केयर (वर्चुअल) में एनबीई वेबिनार श्रृंखला	28-03-2022	राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड (एनबीई)

मौखिक पत्र/पोस्टर प्रस्तुत

क्र. संख्या	लेखक	प्रस्तुति	सम्मेलन का नाम	दिनांक	आयोजक
1.	स्मृति गुप्ता, मिलाप शर्मा	मौखिक शोधपत्र- बच्चों में अस्थमा की शुरुआत से जुड़े व्यक्तिगत और पर्यावरणीय जोखिम कारक- एक क्रॉस अनुभागीय अध्ययन	रेस्पिकॉन 2021, जयपुर	२३-२४ अक्टूबर, २०२१	आईएपी राष्ट्रीय श्वसन अध्याय

पुरस्कार और सम्मान

1. नवंबर, 2021 में बाल चिकित्सा एच.ई.आर.एम.ई.एस. परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद यूरोपीय बाल चिकित्सा श्वसन चिकित्सा में डिप्लोमा से सम्मानित किया गया।
2. रेस्पिकॉन 2021, जयपुर में ओरल शोधपत्र प्रस्तुति में प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ।
3. आजीवन सदस्य
   - इंडियन चेस्ट सोसाइटी (आईसीएस)
   - इंडियन सोसाइटी ऑफ क्रिटिकल केयर मेडिसिन (आईएससीसीएम)
   - इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स का राष्ट्रीय श्वसन अध्याय
4. आईएपी महिला विंग हिमाचल प्रदेश की संयोजक ।

5. वैज्ञानिक टीम का हिस्सा और बाल चिकित्सा तपेदिक के लिए आईसीएमआर मानक उपचार वर्कफ़्लो (एसटीडब्ल्यू) पुस्तिका, 2022 में योगदानकर्ता।
6. अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान बिलासपुर के ओबीजी विभाग द्वारा आयोजित विश्व स्तनपान सप्ताह में भाग लेकर सामुदायिक भागीदारी और गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं के लिए स्तनपान में चुनौतियों पर व्याख्यान देना।
7. 28 अक्टूबर, 2021 को डीएवी पब्लिक स्कूल, घुमारवीं में प्रारंभिक बचपन शिक्षा प्रशिक्षण के एक भाग के रूप में शिक्षकों को प्रारंभिक बचपन के विकास और पोषण पर इंटरैक्टिव व्याख्यान देकर सामुदायिक भागीदारी।
8. अंतर्राष्ट्रीय विकलांगता दिवस के अवसर पर 1 दिसम्बर, 2021 को पीसीएसएमपी स्कूल, झबोला, जिला बिलासपुर में चिकित्सा शिविर में भाग लेकर सामुदायिक सहभागिता।
9. 23 मार्च, 2022 को बिलासपुर के नलवाड़ी मेले के दौरान बचपन के पोषण, विकास और स्क्रीन समय पर जागरूकता गतिविधियों को करके सामुदायिक भागीदारी।

अनुसन्धान

सहयोगात्मक परियोजनाएँ

सम्पन्न-1

सहयोगात्मक परियोजनाएँ

अविरत-1

प्रकाशन

पुस्तक में अध्याय

क्र. संख्या	लेखक	अध्याय	संपादक का नाम	किताब	प्रकाशन का विवरण
1.	**स्मृति गुप्ता**, एसके काबरा, राकेश लोधा	धमनी रक्त गैस विश्लेषण और व्याख्या	एसके काबरा, राकेश लोधा	एम्स के पीआईसीयू प्रोटोकॉल	8 वां संस्करण (2021) इंडियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक्स, नई दिल्ली
2.	**स्मृति गुप्ता**, एसके काबरा, राकेश लोधा	एसिड बेस विकार			
3.	**स्मृति गुप्ता**, एसके काबरा, राकेश लोधा	गंभीर मलेरिया			

4.	**स्मृति गुप्ता**, झूमा शंकर	बच्चों में हेमेटोलॉजिकल आपात स्थिति			

डॉ. जसबीर सिंह

प्रकाशन

शोधपत्र: 1

अनुसन्धान

सहयोगात्मक परियोजनाएँ

सम्पन्न

क्र. संख्या	परियोजना	भूमिका	सहयोगी विभाग/संस्था
1.	तृतीयक देखभाल स्तर अस्पताल में पीआईसीयू में वेंटिलेटर से जुड़े निमोनिया वाले बच्चों की एटियलॉजिकल प्रोफाइल और परिणाम	**डॉ. स्मृति गुप्ता** - को-पीआई	बाल रोग विभाग, डॉ. आर.पी.जी.एम.सी., टांडा, कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश

अविरत

क्र. संख्या	परियोजना	भूमिका	सहयोगी विभाग/संस्था
1.	बाल चिकित्सा सेप्टिक शॉक में प्रारंभिक नैदानिक मार्कर के रूप में मेटाबोलिक दृष्टिकोण - एक संभावित अवलोकन अध्ययन	**डॉ. स्मृति गुप्ता** - पीआई	बाल रोग विभाग, डॉ. आर.पी.जी.एम.सी., टांडा, कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश

प्रकाशन

शोधपत्र

1. दलाल जेएस, छड़ी पी, दयानंद एसजे, **सिंह जे,** दलाल एम. नवजात शिशु में द्विपक्षीय बिफिड फीमर के साथ टिबिया की पूर्ण उत्पत्ति - गोलोप-वोल्फगैंग कॉम्प्लेक्स का एक दुर्लभ संस्करण। मेड जे डी वाई पाटिल विद्यापीठ [प्रिंट से आगे ईपब].

बालरोग शल्य चिकित्सा विभाग

संकाय

क्र. संख्या	नाम	पद	नियुक्ति की तिथि
1	डॉ बिजय कुमार सेठी	सह प्राध्यापक	12/01/21

विभाग के विषय में

विभाग ओपीडी और आईपीडी सेवाओं को शुरू करने के लिए उपकरण और उपभोग्य सामग्रियों की आवश्यकताओं को पेश करने में सक्रिय रहा है। विभाग स्नातक चिकित्सा शिक्षण में भी शामिल रहा है।

रोगी देखभाल: विभाग नियमित ओपीडी में बाल चिकित्सा और नवजात शल्य चिकित्सा की स्थिति वाले रोगियों को निदान, परामर्श, प्रबंधन और अनुवर्ती देखभाल प्रदान कर रहा है। भविष्य में सर्जिकल स्थितियों का प्रसव पूर्व निदान भी किया जाएगा। बाल चिकित्सा सर्जिकल रोगियों के लिए सर्जरी शुरू की जाएगी जिसमें एकल चीरा लेप्रोस्कोपी और प्राकृतिक छिद्र ट्रांसलूमिनल एंडोसर्जरी शामिल है। पीडियाट्रिक सर्जिकल आईसीयू भी स्थापित किया जाएगा।

शिक्षण और प्रशिक्षण: शल्य चिकित्सा शरीर रचना विज्ञान, विकृति विज्ञान और शल्य चिकित्सा की स्थिति के प्रबंधन पर व्याख्यान लेकर स्नातक मेडिकल छात्रों को पढ़ाने में विभाग सक्रिय रूप से शामिल है।

विभाग निकट भविष्य में सामान्य शल्य चिकित्सा में स्नातकोत्तर छात्रों को पढ़ाने में शामिल होगा। पीडियाट्रिक सर्जरी में 6 साल का एकीकृत पाठ्यक्रम समेत पीडियाट्रिक सर्जरी में एम.सीएच शुरू किया जाएगा। विभाग पीडियाट्रिक यूरोलॉजी और पीडियाट्रिक मिनिमल इनवेसिव सर्जरी में साहचर्य भी शुरू करेगा।

अनुसंधान: विभाग एक्सोस्ट्रोफी मूत्राशय, एनोरेक्टल विकृतियों, एकल चरण हाइपोस्पेडिया की मरम्मत और पोस्टीरियर यूरेथ्रल वाल्व, क्लेफ्ट लिप, मेनिंगोमाइलोसेले और रीनल एजेनेसिस के प्रसव पूर्व निदान के क्षेत्र में अनुसंधान परियोजनाओं की योजना बनाएगा।

सामुदायिक भागीदारी: विभाग स्वास्थ्य संबंधी विषयों जैसे कटे होंठ, फटे तालु, इंटरसेक्स विकार और हाइपोस्पेडिया पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बना रहा है।

डॉ बिजय कुमार सेठी

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण कार्यक्रम

1. संस्थागत नैतिकता समिति के वैकल्पिक सदस्य सचिव के रूप में कार्य करना और 11 फरवरी, 22 और 12 फरवरी , 22 को आईईसी (बीएचआर) की बैठक आयोजित की।

प्रकाशन

1. सेठी बीके, बिस्वास एसके। समीपस्थ हाइपोस्पेडिया के लिए हयाशी-कोयनागी मरम्मत का एक नया संशोधन: प्रारंभिक रिपोर्ट। Coc Cer Derg/Turkish J Ped Surg 2022; 36(1): 26-31 डीओआई:10.228/JTAPS.5385

भेषजगुण विज्ञान विभाग

संकाय

क्र. संख्या	नाम	पद	नियुक्ति की तिथि
1.	डॉ. मीनाक्षी मीनू	सहायक प्राध्यापक	25/11/2020
2.	डॉ. यांगशेन ल्हामो	सहायक प्राध्यापक	25/11/2020

विभाग के विषय में

भेषजगुण विज्ञान विभाग एमबीबीएस पाठ्यक्रम का एक अभिन्न अंग है। एमबीबीएस स्नातकों के शिक्षण और प्रशिक्षण में इस विषय का गहरा महत्व है। यह सुनिश्चित करना हमारे विभाग की प्राथमिक जिम्मेदारी है कि राष्ट्रीय और संस्थागत उद्देश्यों को पूरा किया जाए और विभाग एमबीबीएस पेशेवरों को विकसित करने में अपनी भूमिका को पूरा कर सके, जो इस विषय में पूरी तरह से प्रशिक्षित हैं। जैसा कि संस्थान अपनी प्रारंभिक अवस्था में है, फार्माकोलॉजी विभाग ने अपनी योजनाओं को मैप किया था कि विभाग हमारे देश में सार्वजनिक स्वास्थ्य बोझ के लिए निवारक, प्रोत्साहक, उपचारात्मक, उपशामक और पुनर्वास चिकित्सा का अभ्यास करने के लिए सक्षम चिकित्सा स्नातकों के उत्पादन के संस्थागत और राष्ट्रीय लक्ष्यों को पूरा करने के लिए एमबीबीएस शिक्षा, रोगी देखभाल और अनुसंधान में कैसे योगदान देगा। फार्माकोलॉजी विभाग के संकायों ने विभाग के विकास के लिए 1 वर्ष, 3 वर्ष और 5 वर्ष के लिए अपना लक्ष्य निर्धारित किया था। संकायों ने व्यावहारिक कक्षाओं के संचालन के लिए विभिन्न मॉड्यूल के साथ यूजी पाठ्यक्रम विकसित किया था ताकि रोगियों को इष्टतम लाभ के लिए दवाओं के तर्कसंगत उपयोग में सक्षम होने के लिए पर्याप्त शिक्षण संसाधन और चिकित्सा स्नातक के लिए अवसर प्रदान किया जा सके।. पाठ्यक्रम के साथ, विभाग प्राथमिक, माध्यमिक और तृतीयक देखभाल स्तरों पर सामान्य स्वास्थ्य समस्याओं के प्रबंधन प्रदान करने के लिए आवश्यक बुनियादी नैदानिक कौशल और ज्ञान सिखा रहा है। हमने योग्यता आधारित चिकित्सा शिक्षा पर राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग की सिफारिशों का पालन किया, जिसमें एक अच्छी चिकित्सा शिक्षा के लिए अन्य विभागों के साथ महत्वपूर्ण एकीकरण शामिल है। प्रमुख ध्यान एक तर्कसंगत नुस्खे को लिखने में योग्यता लाने, रोगाणुरोधी नेतृत्व और आवश्यक चिकित्सा की मूल बातें समझने और

फार्माकोलॉजी की प्रासंगिकता में वर्तमान स्वास्थ्य देखभाल के मुद्दों के साथ छात्रों को संवेदनशील बनाने पर है। विभाग ने कंप्यूटर सहायक लर्निंग लेबोरेटरी, कौशल प्रयोगशाला स्थापित करने और विभागीय पुस्तकालय और संग्रहालय की स्थापना के लिए विभिन्न उपकरणों की खरीद की प्रक्रिया भी शुरू की थी। विभाग गतिशील रूप से अकादमिक भवन के डिजाइन संशोधन में शामिल था जहां विभाग स्थान के इष्टतम उपयोग में सहायता के लिए स्थित है. रोगी देखभाल के लिए, विभाग ने भारतीय फार्माकोपिया आयोग के सहयोग से प्रतिकूल दवा प्रतिक्रिया निगरानी केंद्र स्थापित किया है। प्रारंभ में फार्माकोविजिलेंस में काम शुरू हो गया है; बाद में, कार्यक्रम की गतिविधियों को मेटेरियोविजिलेंस, वैक्सीन सतर्कता और हेमोविजिलेंस को शामिल करने के लिए विस्तारित किया जाएगा। विभाग ने विभाग में स्नातकोत्तर छात्रों के शिक्षण और प्रशिक्षण के लिए योग्यता आधारित पाठ्यक्रम तैयार और प्रस्तुत किया है। फार्माकोलॉजी के प्रशिक्षण का ध्यान नई दवा उपचारों को विकसित करने और समझने पर है ताकि उन्हें अकादमिक, उद्योग और सरकार में विभिन्न सेटिंग्स में काम करने में सक्षम बनाया जा सके जैसे कि प्रयोगशाला सेटिंग, अध्ययन बायोमार्कर्स, फार्माकोकाइनेटिक्स, दवा चयापचय और आनुवंशिकी; कार्यालय सेटिंग, डिजाइन और नैदानिक परीक्षणों का मूल्यांकन करने, दवा के उपयोग के लिए विनियमन दिशानिर्देश बनाने और कार्यान्वित करने और स्थानीय और वैश्विक पैमाने पर दवा उपयोग के लिए; और नैदानिक सेटिंग के लिए, रोगियों के साथ सीधे काम करें, प्रयोगात्मक अध्ययनों में भाग लें, और प्रतिकूल प्रतिक्रियाओं और बातचीत की जांच करें। कार्यक्रम का उद्देश्य फार्माकोलॉजी की विशेषता में एक चिकित्सक को प्रशिक्षित करना है, जिसमें संबंधित ज्ञान, कौशल और दृष्टिकोण शामिल हैं, ताकि उन्हें एक स्वतंत्र विशेषज्ञ और एक शिक्षक के रूप में कार्य करने में सक्षम बनाया जा सके जो फार्माकोलॉजी के अनुप्रयोगों से अच्छी तरह से परिचित हो। अनुसंधान के लिए, विभाग इस संस्थान में एक नैदानिक परीक्षण इकाई और एक उत्पाद विकास केंद्र स्थापित करने की योजना पर काम कर रहा है।

डॉ. मीनाक्षी मीनू

प्रकाशन

शोधपत्र: 1

डॉ. यांगशेन ल्हामो

सीएमई/कार्यशाला/संगोष्ठियों/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों का आयोजन

1. "अच्छी नैदानिक प्रथाएं और नई दवा और नैदानिक परीक्षण नियम 2019। 1सितंबर, 2021
2. चिकित्सा शिक्षा इकाई, एम्स द्वारा आयोजित संकाय के लिए 17 दिसंबर 2021 को "कौशल मॉड्यूल विकास" पर कार्यशाला आयोजित की गई।

सीएमईएस, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान

क्र. संख्या	शीर्षक	सीएमई/सम्मेलन	दिनांक	आयोजक
1	ओवर द काउंटर ड्रग मेनस	एंटीमाइक्रोबियल स्टीवर्डशिप प्रोग्राम की स्थापना पर सीएमई - विशेषज्ञों द्वारा एक रोड मैप	27/11 2021	माइक्रोबायोलॉजी विभाग, एम्स,बिलासपुर
2	कौशल मॉड्यूल का प्रदर्शन	कार्यशाला और कौशल मॉड्यूल विकास	17/12/2021	मेडिकल एजुकेशन यूनिट, एम्स, बिलासपुर

अनुसन्धान

सहयोगात्मक परियोजनाएँ

अविरत-1

प्रकाशन

शोधपत्र: 2

अनुसन्धान

सहयोगात्मक परियोजनाएँ

अविरत

क्र. संख्या	परियोजना	भूमिका	सहयोगात्मक विभाग/संस्थान

1.	ठोस अंग कैंसर में पारंपरिक तिब्बती चिकित्सा की प्रभावकारिता	डॉ. मोहिम ठाकुर- प्रमुख अन्वेषक डॉ. यांगशेन ल्हामो – सह प्रधान अन्वेषक	सर्जरी विभाग, एम्स बिलासपुर

प्रकाशन

शोधपत्र

1. मिश्रा पी, वर्मा वीके, मीनू एम, मोहन ए, भाटिया जे, आर्या डीएस। फुफ्फुसीय और अतिरिक्त फुफ्फुसीय तपेदिक के वयस्क रोगियों में एंटी-ट्यूबर्क्लोसिस थेरेपी की प्रतिक्रिया के साथ बॉडी मास इंडेक्स, हाथ-पकड़ की ताकत और जीवन की गुणवत्ता का संबंध। आईएनटी जे बेसिक क्लिन। 2021 नवंबर; 10 (11): 1297-1307

2. आईसीएमआर म्यूटिसेंट्रिक प्रोजेक्ट सहयोगी केंद्र से सह लेखक के रूप में: दिनेश बी, जे सीएस, कौर सीपी, एट अल. हेल्थकेयर वर्कर्स में सार्स सीओवी 2 प्रोफिलैक्सिस के लिए हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन - प्रभावशीलता और सुरक्षा का आकलन करने वाला एक मल्टीसेंट्रिक कोहोर्ट अध्ययन। एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडिया के जर्नल। 2021;69 (6): 11-12.

3. भारती एम, सिंह एस, अंशुमाली, प्रसाद ए, मौर्य एम, गोयल वाईके, ल्हामो वाई। एंड्रोजेनेटिक एलोपेसिया के पुरुष रोगियों में 5% मिनोक्सिडिल और 1 मिलीग्राम फिनस्टेराइड की प्रभावकारिता और सुरक्षा का तुलनात्मक मूल्यांकन। आईएनटी जे स्की रेस, 2021; 4 (13): 391-94।

फिजियोलॉजी विभाग

संकाय

क्र. संख्या	नाम	पद	नियुक्ति की तिथि
1.	डॉ. रुपाली पार्लेवार	प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष	08/02/2021
2.	डॉ. पूनम वर्मा	अतिरिक्त प्राध्यापक	01/01/2021
3.	डॉ. प्रबल जोशी	सह प्राध्यापक	20/11/2020
4.	डॉ. हितेश जानी	सहायक प्राध्यापक	09/12/2020
5.	डॉ. भूपेंद्र पटेल	सहायक प्राध्यापक	14/12/2020
6.	डॉ. प्रीति भंडेरी	सहायक प्राध्यापक	09/12/2020

विभाग के विषय में

फिजियोलॉजी, जीवित चीजों के कार्य करने की प्रक्रिया को समझने सम्बन्धी विज्ञान है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) बिलासपुर (हिमाचल प्रदेश) का फिजियोलॉजी विभाग, अपने छात्रों को फिजियोलॉजी के क्षेत्र में सीखने और बढ़ने के उत्कृष्ट अवसर प्रदान करने के साथ-साथ, अपनी अनुसंधान गतिविधियों और प्रयोगशाला सुविधाओं के माध्यम से सामुदायिक योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध है। वर्तमान में, एम बी बी एस के लिए स्नातक शिक्षण चल रहा है। विभाग में जल्द ही फिजियोलॉजी में एम डी के साथ स्नातकोत्तर शिक्षण की सुविधा शुरू हो जाएगी, जो प्रक्रियाधीन है।

विभाग ने कोविड-**19** महामारी की अवधि के दौरान भी एम. बी. बी. एस. छात्रों के लिए ऑनलाइन मोड द्वारा कक्षाएं और परीक्षा सफलतापूर्वक आयोजित की है। विभाग के चिकित्सक शिक्षक, व्याख्यान, बुनियादी प्रशिक्षण, छोटे समूहों में शिक्षण, डेमोंस्ट्रेशन, स्व-निर्देशित शिक्षण कक्षाओं, सेमिनारों, केस-आधारित शिक्षण आदि के माध्यम से स्नातक छात्रों को प्रदान करते हैं। विभाग में आवश्यक ऑडियो-विज़ुअल सुविधाओं के साथ, एम. बी. बी. एस. छात्रों के बुनियादी प्रशिक्षण एवं छोटे समूहों में शिक्षण का संचालन करने हेतु सुसज्जित हेमेटोलॉजी, उभयचर / सी. ए. एल., नैदानिक शरीर विज्ञान प्रयोगशालाएं और प्रदर्शन कक्ष हैं।

विभाग को आई. सी. एम. आर. एक्स्ट्राम्यूरल एडहॉक अनुसंधान प्रस्ताव के तहत दो वित्त पोषित अनुसंधान परियोजनाओं के लिए तकनीकी अनुमोदन मिला है और एक गैर-वित्त पोषित अनुसंधान परियोजना को संस्थान की आई. ई. सी. द्वारा अनुमोदित किया गया है। विभाग के अधिकांश चिकित्सक शिक्षकों ने राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) द्वारा अनिवार्य रूप से आई. सी. एम. आर. और एन.

आई. ई. द्वारा संचालित बायो मेडिकल रिसर्च (बीसीबीआर) पाठ्यक्रम पूरा कर लिया है। निरंतर ज्ञान वर्धन हेतु विभाग के चिकित्सक शिक्षकों ने विभिन्न सम्मेलनों, सी. एम. ई., कार्यशालाओं, सेमिनारों, संगोष्ठियों आदि में भाग लिया, एवं साथ ही परीक्षक की कार्य प्रणाली को सीखने के लिए एम्स नई दिल्ली में भी प्रशिक्षण लिया है। संस्थान के निर्माण एवं विकास में हमारे विभाग के सदस्य, विभिन्न क्षमताओं में विभिन्न प्रशासनिक समितियों में भी अपना योगदान दे रहे हैं।

एम. बी. बी. एस. छात्रों को आई. सी. एम. आर. द्वारा वित्त पोषित, अल्पकालिक छात्र (एस. टी. एस.) अनुसंधान परियोजनाओं के लिए प्रोत्साहित और निर्देशित किया जाता है, ताकि उन्हें अनुसंधान के बारे में संवेदनशील बनाया जा सके। एम. बी. बी. एस. द्वितीय वर्ष के दो छात्रों ने फिजियोलॉजी विभाग के संकाय सदस्यों के मार्गदर्शन में आई. सी. एम. आर., एस. टी. एस. के लिए अपना प्रोजेक्ट प्रस्तुत किया है। इस विभाग का मुख्य उद्देश्य, विभिन्न नैदानिक शरीर विज्ञान प्रयोगशालाओं, जैसे ऑटोनोमिक फंक्शन लैब, न्यूरोफिज़ियोलॉजी लैब जैसी ई.ई.जी. /ई.आर.पी., एन.सी.वी., ई.एम.जी., इवोक्ड पोटेंशियल आदि, पल्मोनरी फंक्शन लैब, व्यायाम फिजियोलॉजी लैब, लाइफस्टाइल संशोधन और वेलनेस क्लिनिक की स्थापना करना है, जिसका उपयोग रोगी देखभाल, अनुसंधान और स्नातकोत्तर प्रशिक्षण हेतु के लिए किया जा सके।

स्नातक छात्रों को विभिन्न संस्थागत और राष्ट्रीय स्तर की शैक्षणिक गतिविधियों जैसे कि प्रश्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित और निर्देशित किया जाता है। विभाग के निर्देशन में छात्र नारे, पोस्टर और स्व-निर्मित वीडियो क्लिप बनाकर विश्व तंबाकू निषेध दिवस, स्तनपान सप्ताह आदि जैसे विभिन्न सामाजिक जागरूकता कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं। फिजियोलॉजी विभाग, अनुसंधान और शिक्षण गतिविधियों के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करने के साथ स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों को उत्कृष्ट शिक्षण और प्रशिक्षण सुविधाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

डॉ. रुपाली पार्लेवार

सी. एम. ई. / कार्य शाला / संगोष्ठी / राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मलेन का आयोजन

1. विश्व तंबाकू निषेध दिवस (31 मई, 2021) पर अध्यक्ष के रूप में, ऑनलाइन सी. एम. ई. का आयोजन कराया।
2. बतौर प्रतिनिधि भाग लिया:
   - सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग द्वारा "एस्टब्लिशिंग अंतिमिक्रोबिअल स्टीवर्डशिप: ए रोड मैप बाय एक्सपर्ट्स" विषय पर 27 नवंबर, 2021 को आयोजित, सी. एम. ई.

- शरीर रचना एवं नाक कान गला विभाग द्वारा 26 मार्च, 2021 को आयोजित "फर्स्ट हेड एंड नेक सर्जरी कैडवर डिसेक्शन कोर्स"

परीक्षक

क्र. संख्या	परीक्षा	विश्वविद्यालय
1	प्रथम वर्ष की परीक्षा (बाह्य परीक्षक)	एस. एल. बी. एस. मंडी, हि. प्र.
2	प्रथम वर्ष बैच 2020 की परीक्षा (आतंरिक परीक्षक)	एम्स बिलासपुर, हि. प्र.
3	प्रथम वर्ष बैच 2020 की पूरक परीक्षा (आतंरिक परीक्षक)	एम्स बिलासपुर, हि. प्र.

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण कार्यक्रम

1. अमेरिकन फिजियोलॉजी सोसाइटी (ए.पी.एस.) की वार्षिक सदस्यता

अनुसन्धान

निधिबद्ध परियोजनाएँ

अविरत-2

डॉ. पूनम वर्मा

शिक्षा

1. संकाय विकास पाठ्यक्रम किया पूर्ण: एमईयू इंडिया द्वारा आयोजित दिसंबर 2021-अप्रैल 2022 (काम के 60 घंटे) से फिजियोलॉजी में सीबीएमई आधारित पाठ्यक्रम को लागू करना।

सी. एम. ई. / कार्य शाला / संगोष्ठी / राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मलेन का आयोजन

1. विश्व तंबाकू निषेध दिवस (31 मई, 2021) पर संगठन सचिव के रूप में, ऑनलाइन सी. एम. ई. का आयोजन कराया।

2. 2 जुलाई, 2021 को एम्स बिलासपुर में "कम्पेटेन्सी बेस्ड मेडिकल एजुकेशन एंड इंट्रस्टेड प्रोफेशनल एक्टिविटीज" पर कार्यशाला आयोजित की।

3. 17 दिसंबर, 2021 को एम्स बिलासपुर में "स्किल मॉड्यूल डेवलपमेंट" पर कार्यशाला आयोजित की गई।

संसाधन संकाय

1. 02 जुलाई,2021 को एम्स बिलासपुर में बाहरी संसाधन संकाय (डॉ दिनेश बडयाल और टीम) के साथ एमईयू द्वारा सीबीएमई और ईपीए पर कार्यशाला आयोजित की।
2. अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, बिलासपुर में चिकित्सा शिक्षा इकाई द्वारा "स्किल मॉडुल डेवलपमेंट" पर कार्यशाला 17 दिसंबर, 2021 को आयोजित की गई।

परीक्षक

क्र. संख्या	परीक्षा	विश्वविद्यालय
1	एमडी परीक्षा (13/12/2021-14/12/2021)	एम्स पटना
2	एमडी परीक्षा (15/7/2021)	पंडित बी डी शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, रोहतक
3	बैच 2020 की एमबीबीएस परीक्षा	एम्स बिलासपुर
4	एमबीबीएस परीक्षा (20/12/2021 -22/12/2021)	एम्स ऋषिकेश
5	एमबीबीएस परीक्षा (17/1/2022-19/1/2021)	आईजीएमसी शिमला
6	एमबीबीएस परीक्षा (थ्योरी शोधपत्र सेटिंग)	इंटीग्रल यूनिवर्सिटी, लखनऊ
7	एमबीबीएस जनवरी/फरवरी 2022 परीक्षा की परीक्षा स्क्रिप्ट के मॉडरेटर	प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मॉरीशस

पुरस्कार और सम्मान

1. श्री गुरु राम राय आयुर्विज्ञान एवं स्वास्थ्य विज्ञान संस्थान देहरादून में सिनॉप्सिस अनुमोदन समिति के सदस्य के रूप में नियुक्त।
2. पांडुलिपि का समीक्षक जिसका शीर्षक है "द साइकोलॉजिकल इफेक्ट्स ऑफ़ कोविद सेकंड वेव ऑन स्टूडेंट्स इन मेडिकल कॉलेजेस ऑफ़ नार्थ इंडिया इन जर्नल ऑफ़ एजुकेशन एंड हेल्थ प्रमोशन"।
3. अमेरिकन फिजियोलॉजी सोसाइटी (एपीएस) वार्षिक सदस्यता।
4. 5 से 7 सितंबर, 2021 तक काजा, लाहौल और स्पीति में आयोजित चिकित्सा शिविर में लाहुल और स्पीति की महिला जनजातियों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की।

अनुसन्धान

निधिबद्ध परियोजनाएँ

अविरत-2

विभागीय परियोजनाएँ

अविरत-1

डॉ. प्रबल जोशी

शिक्षा

1. बीसीबीआर (बायोमेडिकल रिसर्च में बेसिक कोर्स) पूर्ण किया

सी. एम. ई. / कार्य शाला / संगोष्ठी / राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मलेन का आयोजन

1. विश्व तंबाकू निषेध दिवस **(**31-05-2021) पर टीम के सदस्य के रूप में**,** ऑनलाइन सी. एम. ई. का आयोजन कराया।

अनुसन्धान

निधिबद्ध परियोजनाएँ

अविरत-1

विभागीय परियोजनाएँ

अविरत-1

डॉ. हितेश कुमार जानी

सी. एम. ई. / कार्य शाला / संगोष्ठी / राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मलेन का आयोजन

1. विश्व तंबाकू निषेध दिवस (31 मई**,** 2021) पर टीम के सदस्य के रूप में**,** ऑनलाइन सी. एम. ई. का आयोजन कराया।

अनुसन्धान

निधिबद्ध परियोजनाएँ

अविरत-1

डॉ. भूपेंद्र पटेल

सी. एम. ई. / कार्य शाला / संगोष्ठी / राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मलेन का आयोजन

1. विश्व तंबाकू निषेध दिवस (31 मई**,** 2021) पर टीम के सदस्य के रूप में**,** ऑनलाइन सी. एम. ई. का आयोजन कराया।

अनुसन्धान

निधिबद्ध परियोजनाएँ

अविरत-1

प्रकाशन

शोधपत्र -5

पुस्तक में अध्याय

क्र. संख्या	लेखक	अध्याय	संपादक का नाम	किताब	प्रकाशन का विवरण
1.	दुबे ए, कुमार यू, गुप्ता के, गुप्ता जे, **पटेल बी,** सिंघल एसके एट अल।	लैंग्वेज एस द वर्किंग मॉडल ऑफ़ ह्यूमन माइंड	असदपूर, वी	ब्रेन-कंप्यूटर इंटरफ़ेस	प्रथम संस्करण (2021), इंटेक-ओपन, लंदन

डॉ. प्रीति भंडेरी

सी. एम. ई. / कार्य शाला / संगोष्ठी / राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मलेन का आयोजन

1. विश्व तंबाकू निषेध दिवस (31 मई,2021) पर टीम के सदस्य के रूप में, ऑनलाइन सी. एम. ई. का आयोजन कराया।

अनुसन्धान

निधिबद्ध परियोजनाएँ

अविरत-1

अनुसन्धान

निधिबद्ध परियोजनाएँ

अविरत-2

क्र. सं.	परियोजना	भूमिका	वित्तपोषण संस्थान	अवधि (वर्ष)	प्रारंभ - वर्ष के अंत	प्रस्तावित निधि (रु)

1	हिमाचल प्रदेश के पहाड़ी क्षेत्रों के हाइपोथायरायड रोगियों में न्यूरोफिज़ियोलॉजिकल और जैव रासायनिक मापदंडों का अध्ययन	**प्रमुख अन्वेषक** डॉ. रुपाली परलेवार **सह-अन्वेषक** डॉ पूनम वर्मा, डॉ प्रबल जोशी, डॉ हितेशकुमार ए जानी, डॉ भूपेंद्र पटेल, डॉ प्रीति भंडेरी	आईसीएमआर	3 साल	तकनीकी रूप से अनुमोदित	**19,64,880**
2	हिमाचल प्रदेश की स्पीति घाटी के विभिन्न आयु वर्ग के मूल निवासियों में स्वायत्त और संज्ञानात्मक कार्यों के साथ जीवन शैली से संबंधित रोग बायोमाकर्स के संबंध का आकलन: एक व्यापक अवलोकन पार-अनुभागीय अध्ययन	**प्रमुख अन्वेषक डॉ पूनम वर्मा** सह अन्वेषक डॉ रूपाली पार्लेवार, डॉ प्रबल जोशी, डॉ हितेशकुमार ए जानी, डॉ भूपेंद्र पटेल, डॉ प्रीति भंडेरी	आई सी एमआर	2 साल	तकनीकी रूप से अनुमोदित	**25,44,126**

विभागीय परियोजनाएँ

अविरत

क्र. संख्या	परियोजनाएँ	भूमिका	अवधि (वर्ष)
1.	कोविड-19 लॉकडाउन के बीच आयोजित प्रथम वर्ष के मेडिकल छात्रों की ऑनलाइन परीक्षा का एक अध्ययन	प्रमुख अन्वेषक- डॉ पूनम वर्मा	1 वर्ष
2.	स्कूली बच्चों में प्रतिक्रिया समय, स्मृति और अनुभूति के ध्यान कार्यक्षेत्र पर मंत्र जप का प्रभाव।	प्रमुख अन्वेषक - डॉ. प्रबल जोशी	2 साल

प्रकाशन

शोधपत्र:

1. भाषा की समझ के सूचना प्रसंस्करण के दौरान इलेक्ट्रोएन्सेफलोग्राफिक थीटा और अल्फा आवृत्ति तरंगों के पावर स्पेक्ट्रल घनत्व । न्यूरोसाइकोलॉजिकल रुझान। 2021;30:5-78. [संबंधित लेखक] ।
2. बीएचऔरएरी एस, शक्तावत एएस, टाक ए, पटेल बी, गुप्ता जे, गुप्ता के और अन्य कोविड-19 रोग निदान में सीटी चेस्ट स्कैन की स्वतंत्र भूमिका: मशीन लर्निंग वर्गीकरण से साक्ष्य। स्क्रिप्टा मेडिका। 2021 दिसंबर; 52 (4): 273-8।
3. कोविड-19की दूसरी लहर के दौरान म्यूकोर्मिकोसिस संक्रमण: भारत में तृतीयक देखभाल केंद्र से अनुभव। आधुनिक चिकित्सा। 2021;28 (4): 425-431।
4. बीएचऔरएरी एस, दुबे ए, पटेल बी, टाक ए, कच्छावा एम, गुप्ता जेके एट अल। आधुनिक चिकित्सा। 2021;28 (3): 269-274।
5. बीएचऔरएरी एस, व्यास एन, कक्कड़ एस, पटेल बी, दुबे ए, गुप्ता जे और अन्य गैर-कोविड स्वास्थ्य देखभाल कार्यकर्ता सकारात्मक एंटीबॉडी प्रतिक्रियाओं के साथ: क्या हम हर्ड इम्युनिटी की ओर बढ़ रहे हैं? बायोसाइंस एंड क्लिनिकल मेडिसिन में प्रगति (एबीसीएमईडी) 2021; 9 (3): 5-9। [संबंधित लेखक]

मनोरोग विभाग

संकाय

क्र. संख्या	नाम	पद	नियुक्ति की तिथि
1.	डॉ ज्योति गुप्ता	सहायक प्राध्यापक	28/11/2020

विभाग के विषय में

वर्तमान में विभाग में एक ही संकाय है जिसमें कोई सीनियर रेजिडेंट नहीं है। ई-संजीवनी के माध्यम से सप्ताह में तीन बार ऑनलाइन ओपीडी के साथ सप्ताह में तीन ओपीडी चलाई जा रही है। नशामुक्ति सेवाएं और परामर्श संपर्क सेवाएं ओपीडी आधार पर प्रदान की जा रही हैं। भविष्य में अधिक संकाय की भर्ती के साथ, विशेष क्लीनिक शुरू करने की योजना है: बाल मार्गदर्शन, वैवाहिक और मनोवैज्ञानिक क्लिनिक, नशामुक्ति। नशामुक्ति दूर-दराच शिविरों का आयोजन, सामान्य मानसिक विकारों के बारे में चिकित्सा अधिकारियों की क्षमता निर्माण और भविष्य में समीक्षा की योजना बनाई गई है। हम विकलांगता प्रमाणीकरण के लिए रोगी का आकलन करने की भी योजना बना रहे हैं, जैसा कि इसके लिए संदर्भित किया जाएगा। अनुसंधान सहयोग - अंतर और अंतर विभागीय और बहुकेंद्रित अध्ययन किए जाएंगे। इनडोर सुविधा शुरू होने के साथ इलेक्ट्रो-कंवलसिव थेरेपी और बायोफीडबैक शुरू किया जाएगा। क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट की भर्ती के साथ, हम साइकोमेट्री शुरू करने की योजना बना रहे हैं। यूजी प्रशिक्षण के अलावा, हम पीजी प्रशिक्षण शुरू करने और भविष्य में पीजी नर्सिंग प्रशिक्षण शुरू करने की योजना बना रहे हैं।

डॉ ज्योति गुप्ता

शिक्षा

1. आईसीएमआर, 2021 द्वारा बायोमेडिकल रिसर्च में बुनियादी पाठ्यक्रम पूरा किया।

सीएमई, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान

क्र. संख्या	शीर्षक	सीएमई/सम्मेलन	दिनांक	आयोजक
1	तंबाकू निर्भरता	विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर तंबाकू निर्भरता सीएमई – "अस्वीकार करें या पछतावा करें तम्बाकू छोड़ दें"	31 मई ,2021	फिजियोलॉजी विभाग एम्स बिलासपुर

अनुसंधान परियोजनाएँ

सहयोगात्मक

सम्पन- 1

प्रकाशन

शोधपत्र - 2

अन्य शैक्षणिक गतिविधियां/रोगी देखभाल

1. डीएवी घुमारवीं में 28 अक्तूबर, 21 को डीएवी शिक्षक प्रारंभिक बचपन शिक्षा विकास कार्यक्रम में तनाव प्रबंधन पर व्याख्यान दिया

अनुसन्धान एवं प्रकाशन

अनुसन्धान

सहयोगात्मक

सम्पन

क्र. संख्या	परियोजनाएँ	भूमिका	सहयोगी विभाग/संस्था
1.	प्रसूति चिकित्सकों और प्राथमिक देखभाल चिकित्सकों के बीच प्रसवकालीन अवसाद के संबंध में ज्ञान, दृष्टिकोण और अभ्यास	**डॉ ज्योति गुप्ता-** सहअन्वेषक	प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, एम्स बिलासपुर प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, डीआरपीजीएमसी टांडा, कांगड़ा

प्रकाशन

शोधपत्र

1. गुप्ता जे, कपूर डी, सूद वी। भारत के उप-हिमालयी क्षेत्र के दो स्वास्थ्य संस्थानों से मधुमेह के रोगियों में जीवन की गुणवत्ता और इसके निर्धारक। इंडियन जे एंडोक्रिनोल मेटाब। 2021;25:211-9
2. रोहिल्ला आर, गुप्ता पीके, नरूला एच, शर्मा एके, मेहता वी, राव एस, गुप्ता जे, गुप्ता पी। एक तृतीयक देखभाल केंद्र में स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों की विभिन्न श्रेणियों के बीच जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन और हाथ स्वच्छता के बारे में संज्ञानात्मक और साइकोमोटर डोमेन का आकलन उत्तरी भारत में। जे एडुक हेल्थ प्रमोशन। 2021;10:186

विकिरण-निदान विभाग

संकाय

क्रमांक	नाम	पद	नियुक्ति की तिथि
1.	डॉ. लोकेश राणा	सहायक प्राध्यापक	23/11/2020
2.	डॉ. प्रतीक सिहाग	सहायक प्राध्यापक	04/02/2021

विभाग के विषय में

विकिरण-निदान विभाग किसी भी अस्पताल का एक अभिन्न अंग होता है जो हर स्तर पर रोगी के निदान और प्रबंधन में महत्वपूर्ण योगदान प्रदान करता है। आयुष ब्लॉक में ओपीडी सेवाओं की शुरुआत से पहले, हमने क्षेत्र में रेडियोलॉजिकल सेवाओं के अंतर को पूरा करने के लिए "क्षेत्रीय अस्पताल बिलासपुर" में अपनी सेवाएं प्रदान कीं। इस चरण के दौरान, हमने आवश्यकता के आधार पर एम्स बिलासपुर परिसर के निर्माण में शामिल श्रमिकों को नैदानिक यूएसजी सेवाएं भी प्रदान कीं। ओपीडी सेवाओं के शुरू होने के बाद, हमने उपलब्ध संसाधनों के साथ विभाग में एक्स-रे सुविधाएं (लगभग 1800 एक्स-रे परीक्षाएं की गईं) और डायग्नोस्टिक कम बेसिक इंटरवेंशनल यूएसजी सेवाएं (1267 यूएसजी परीक्षाएं की गईं) शुरू कीं।

वर्ष 2021-2022 के दौरान, हमने "बीएससी रेडियोलॉजी" के लिए पाठ्यक्रम का मसौदा तैयार किया जो अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में है। इस अवधि के दौरान, हमने एनबीसीसी / एचआईटीईएस / संबंधित विक्रेताओं के साथ भी पुष्टि की ताकि विभाग में सुचारू और सुरक्षित वर्कफ़्लो सुनिश्चित करने के लिए उपर्युक्त उपकरणों की स्थापना के लिए साइट योजनाओं के अनुकूलन की सुविधा मिल सके। हमने पीएमएस (व्यक्तिगत निगरानी सेवाओं) के लिए संस्थान भी पंजीकृत किया है जो विकिरण उत्पन्न करने वाले उपकरणों के संचालन में शामिल लोगों की विकिरण सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एईआरबी से एक अनिवार्य आवश्यकता है। हमने रेडियोलॉजी विभाग और अन्य संबंधित विभागों जैसे पीसीपीएनडीटी और एईआरबी के लिए आवश्यक प्रमाणीकरण प्राप्त किया।

डॉ. लोकेश राणा

परीक्षक

क्र. संख्या	परीक्षा	विश्वविद्यालय
1.	बीएससी रेडियोलॉजी प्रथम, द्वितीय और तृतीय वर्ष (वार्षिक परीक्षा)	हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय

प्रकाशन

शोधपत्र: 3

डॉ. प्रतीक सिहाग

शिक्षा

1. आईसीएमआर, 2021 द्वारा बायोमेडिकल रिसर्च में बेसिक कोर्स पूरा किया।

प्रकाशन

शोधपत्र: 2

प्रकाशन

शोधपत्र

1. कुमार एन, शर्मा एम, नय्यर एन, राणा एल, सूद डी. ट्यूबरकुलर मायकोटिक एओर्टिक एन्यूरिज्म: कॉम्प्लिकेशन ऑफ ट्यूबरकुलर स्पोंडिलोडिसाइटिस ड्यू टू ट्रीटमेंट डिफॉल्ट। हालिया सर्जिकल और मेडिकल साइंसेज का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल। 2021 दिसम्बर 30।
2. कुमार एन, शर्मा एम, नय्यर एन, राणा एल, सूद डी। यूरेटेरिक टूटना: अनुचित मूत्राशय कैथीटेराइजेशन की दुर्लभ जटिलता। हालिया सर्जिकल और मेडिकल साइंसेज का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल। 2021 दिसम्बर, 30।
3. नैयर एन, राणा एल, सूद डी, चौहान आईएस, यादव एस. माइल्ड इंसेफेलाइटिस/एन्सेफैलोपैथी के साथ प्रतिवर्ती स्प्लेनियल लेशन टाइप 2 नए स्पेक्ट्रम के साथ। नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज (भारत) के इतिहास। 2021 जुलाई; 57 (03): 112-4।
4. सिहाग पी, टंडन ए, पाल आर, भट्ट एस, सिन्हा ए, सुम्बुल एम. सोनोग्राफी पुरुष बांझपन में: एक उपयोगी लेकिन अप्रयुक्त नैदानिक उपकरण। अल्ट्रासाउंड के जर्नल. 2022 जनवरी 17:1-1.
5. पांडुरंगा ए, चतुर्वेडी के, चतुर्वेडी एम, सिहाग पी, नंदवंशी जी, विश्नोई एस, कौशिक ए, खम्मार ए मधुमेह नेफ्रोपैथी में प्रसार टेंसर इमेजिंग द्वारा गुर्दे पैरेन्काइमल परिवर्तनों का अध्ययन। रेडियोलॉजी के पोलिश जर्नल. 2022 मार्च 8; 87 (1): 163-71

विकिरण चिकित्सा विभाग

संकाय

क्र.सं.	नाम	पद	नियुक्ति की तिथि
1.	डॉ. प्रियंका ठाकुर	सहायक प्राध्यापक	23/11/2020

विभाग के विषय में

विकिरण चिकित्सा विभाग में वर्तमान में एक सहायक प्राध्यापक है। एफ-ब्लॉक में वर्तमान में विकिरण चिकित्सा विभाग निर्माणाधीन है। वर्तमान में आयुष ब्लॉक (भौतिक) में विकिरण चिकित्सा विभाग द्वारा और ई-संजीवनी पोर्टल (ऑनलाइन) के माध्यम से ओपीडी सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। विभाग की स्थापना के लिए नियामक प्राधिकरणों से नियामक अनुमोदन प्राप्त करने, विभाग शुरू करने के लिए आवश्यक प्रशासनिक सेवाओं और विभाग के लिए एसओपी तैयार करने में विभाग भी शामिल है।

नैदानिक सेवाएं:

आयुष ब्लॉक में फिजिकल ओपीडी सेवा।

ई-संजीवनी द्वारा ऑनलाइन ओपीडी सेवा।

शिक्षण और प्रशिक्षण:

विकिरण चिकित्सा स्नातक पाठ्यक्रम का मसौदा तैयार करना।

प्रशासनिक सेवा:

विकिरण चिकित्सा विभाग के लिए उपकरणों की खरीद के लिए कार्य करना

संस्थान की विभिन्न समितियों के सदस्य

एंटी रैगिंग टीम का हिस्सा

मेंटर-शिक्षार्थी प्रोग्राम का हिस्सा

डॉ प्रियंका ठाकुर

शिक्षा

1. एनपीटीईएल द्वारा बायोमेडिकल रिसर्च (ऑनलाइन सर्टिफिकेशन कोर्स) में बेसिक कोर्स में सर्टिफिकेशन कोर्स।
2. नई दवा और खोजी नई दवा में नैदानिक परीक्षण करने के लिए वर्तमान नियामक आवश्यकताओं में प्रमाणन पाठ्यक्रम। (संस्करण 3.0) एनपीटीईएल द्वारा।
3. एनपीटीईएल द्वारा स्वास्थ्य अनुसंधान की नैतिकता समीक्षा में प्रमाणन पाठ्यक्रम।

परीक्षक

क्र.सं.	परीक्षा	विश्वविद्यालय
1	बी.एससी रेडियोलॉजी और रेडियोथेरेपी (8वीं और 9वीं जनवरी, 2022) डॉ आरपीजीएमसी टांडा, कांगड़ा में।	हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण कार्यक्रम

1. एफएम हमीरपुर, कैंसर जागरूकता पर रेडियो टॉक- 4 फरवरी, 2022

सर्जिकल ऑन्कोलॉजी विभाग

संकाय

क्र. संख्या	नाम	पद	नियुक्ति की तिथि
1.	डॉ. चित्रेश कुमार	सह - प्राध्यापक	09/12/2020

विभाग के विषय में

सर्जिकल ऑन्कोलॉजी विभाग नैदानिक, शैक्षणिक और अनुसंधान गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल है। हम जांच और उपचार के संबंध में कैंसर के मामलों के लिए टेली-परामर्श और ओपीडी परामर्श प्रदान कर रहे हैं। अब तक हमने 30 से अधिक कैंसर रोगियों को ओपीडी परामर्श दिया है। विभाग ने ओपीडी में आने वाले मरीजों व तीमारदारों में कैंसर के प्रति जागरुकता फैलाना शुरू कर दिया है। हमने डे केयर ओटी आयुष ब्लॉक में लोकल एनेस्थीसिया के तहत बायोप्सी और अन्य छोटी सर्जिकल प्रक्रियाएं शुरू की हैं। हमने अन्य सर्जिकल प्रक्रियाएं भी की हैं जैसे आवर्तक कैरोटिड बॉडी ट्यूमर लेफ्ट साइड नेक का एक्सिशन। विभाग सक्रिय रूप से एमबीबीएस छात्रों के सिद्धांत और नैदानिक शिक्षण में लगा हुआ है।

भविष्य की योजनाएं:

हम कैंसर स्क्रीनिंग क्लीनिक और ट्यूमर बोर्ड शुरू करने की प्रक्रिया में हैं। जैसे ही ऑपरेशन थियेटर और आईसीयू की सुविधा होगी, हम सामान्य एनेस्थीसिया के तहत कैंसर के मामलों का ऑपरेशन करेंगे। हम विभिन्न अंग आधारित कैंसर प्रबंधन पर नियमित सीएमई शुरू करने की योजना बना रहे हैं। हम अन्य एम्स और पीजीआईएमईआर में बहुकेंद्रित कैंसर परीक्षणों में भाग लेंगे।

डॉ चित्रेश कुमार

सीएमईएस, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान

क्र.सं.	शीर्षक	सीएमई/सम्मेलन	दिनांक	आयोजक
1.	स्तन कैंसर की जांच के संबंध में एमओ और	एनपीसीडीसीएस	02/09/2021 और 09/09/2021	एनसीडी सेल छत्तीसगढ़

	एएमए (छत्तीसगढ़) का ऑनलाइन प्रशिक्षण			
2.	शारीरिक मुद्दे- कृत्रिम अंग	स्तन रोगों पर अंतर्राष्ट्रीय ई-सम्मेलन	23/10/ 2021	एसोसिएशन ऑफ ब्रेस्ट सर्जन ऑफ इंडिया
3.	कोविड संक्रमण के बाद सर्जरी कब करें	आईएएसकॉन 2021	30/10/ 2021	इंडियन एसोसिएशन ऑफ एंडोक्राइन सर्जन
4.	पैनल चर्चा	रोगाणुरोधी प्रबंधन: विशेषज्ञों द्वारा एक रोडमैप	26/10/2021	माइक्रोबायोलॉजी विभाग, एम्स, बिलासपुर
5.	सौम्य स्तन रोग में ग्रैंड राउंड में विशेषज्ञ	एबीएसआईसीओएन 2021	26/11/2021	एसोसिएशन ऑफ ब्रेस्ट सर्जन ऑफ इंडिया
6.	केस स्निपेट्स में मॉडरेटर	एसिकॉन 2021	18/12/2021	एसोसिएशन ऑफ सर्जन्स ऑफ इंडिया
7.	मैं अपने अभ्यास में ओंकोप्लास्टी को कैसे लागू कर सकता हूं			
8.	स्तन कैंसर स्क्रीनिंग के संबंध में चिकित्सा अधिकारियों और नर्सिंग अधिकारियों का प्रशिक्षण	इको	29/11/2021 और 22/12/2021	नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ कैंसर प्रिवेंशन एंड रिसर्च, नोएडा

मौखिक पेपर/पोस्टर प्रस्तुत किए गए

क्र.सं.	लेखक	प्रस्तुति	सम्मेलन	दिनांक	आयोजक
1.	चित्रेश कुमार	सर्जिकल सार प्रस्तुति	एसएबीसीएस से न्यू मिलेनियम-	13/02/2022	कैंसर रिसर्च एंड

			हाल के क्लिनिकल अपडेट में स्तन कैंसर का प्रबंधन		स्टैटिस्टिक्स फाउंडेशन

प्रकाशन

शोधपत्र: 6

पुस्तक में अध्याय

क्र. सं.	लेखक	अध्याय	संपादक का नाम	किताब	प्रकाशन का विवरण
1.	मैत्र डी., कुमार सी., श्रीवास्तव ए	पैराथायरायड रोगों में सर्जिकल दृष्टिकोण	मिश्रा ए के	एंडोक्राइन सर्जरी: एक दक्षिण एशियाई परिप्रेक्ष्य	पहला संस्करण, (2021) सीआरसी प्रेस, फ्रांसिस और टेलर इंक

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण कार्यक्रम

1. अमेरिकन कॉलेज ऑफ सर्जन्स के फेलो।

2. इंडियन जर्नल ऑफ़ एंडोक्राइन सर्जरी एंड रिसर्च जून अंक 2021 में "हाउ आई डू इट" के खंड में सर्वश्रेष्ठ पांडुलिपि।

3. 20-21 अक्टूबर, 2021 को ASI "UPASICON 2021" के यूपी चैप्टर के दौरान सर्जिकल रोबोटिक सिस्टम पर हैंड-ऑन प्रशिक्षण।

4. आईसीएमआर द्वारा थायराइड कैंसर प्रबंधन दिशानिर्देशों के निर्माण पर टास्क फोर्स के सदस्य।

5. एमडी एंडरसन कैंसर सेंटर, ह्यूस्टन, संयुक्त राज्य अमेरिका, टाटा मेमोरियल सेंटर, मुंबई, आईसीएमआर-नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ कैंसर प्रिवेंशन द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित "इंडो-यूएस कैंसर प्रिवेंशन एंड डेटा साइंस रिसर्च इनिशिएटिव" शीर्षक वाले अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में फैकल्टी एंड रिसर्च (एनआईसीपीआर), नोएडा और आईसीएमआर-नेशनल सेंटर फॉर डिसीज इंफॉर्मेटिक्स एंड रिसर्च (एनसीआईडीआर), बेंगलुरु।

प्रकाशन

शोधपत्र: 6

1. कुमार सी, लोहानी केआर, कटारिया के, रंजन पी, धर ए, श्रीवास्तव ए। एंडोस्कोपिक थायरॉइडेक्टोमी: शुरुआती लोगों के लिए कौन सी बेहतर तकनीक है? जे मिनिम एक्सेस सर्जन। 2021 जुलाई-सितंबर;17(3):337-341। दोई: 10.4103/jmas.JMAS_184_19.

2. लोहानी केआर, कुमार सी, कटारिया के, श्रीवास्तव ए, रंजन पी, धार ए. रोल ऑफ ट्रानेक्सैमिक एसिड इन एक्सिलरी लिम्फ नोड डिसेक्शन इन ब्रेस्ट कैंसर पेशेंट्स: डूज इट हेल्प इन रिड्यूसिंग लिम्फेडेमा? ब्रेस्ट जे. 2021 मई;27(5):502. दोई: 10.1111/tbj.14222।

3. अग्रवाल एस, कर्दम एस, चटर्जी पी, कुमार सी, बोरुआ एम, शर्मा एमसी, ताबिन एम, रामकृष्णन एल। सीएएसआर एक्सप्रेशन इन नॉर्मल पैराथायराइड एंड पीएचपीटी: न्यू इनसाइट्स इनटू पैथोजेनेसिस फ्रॉम एन ऑटोप्सी-बेस्ड स्टडी। जे एंडोक्रिनोल निवेश। 2021 जुलाई 24. डीओआई: 10.1007/s40618-021-01646-w। मुद्रण से पहले ई - प्रकाशन।

4. गॉकर वीबी, कुमारस्वामी एस, कुमार सी. डेकेयर हेमिथायरोएक्टोमी अंडर सुपरफिशियल सर्वाइकल प्लेक्सस ब्लॉक। इंडियन जे एंडोक सर्ज रेस 2021;16 (1):20-22। डीओआई: 10.5005/जेपी-जर्नल्स-10088-11158।

5. पुरी जी, खड़का एस, कुमार सी. मेटास्टेसिस के 10 साल बाद खोजा गया एक ऑकल्ट फॉलिक्युलर थायराइड कार्सिनोमा। इंडियन जे एंडोक सर्ज रेस 2021;16 (1):48-50। डीओआई:10.5005/जेपी-जर्नल्स-10088-11157.

6. मेटी-राघव एमएच, कुमार सी. एनाप्लास्टिक थायरॉइड कार्सिनोमा: स्पॉट डायग्नोसिस। इंडियन जे एंडोक सर्ज रेस 2021; 16 (2):89-90। डीओआई: 10.5005/जेपी-जर्नल्स-10088-11168

रक्तआधान औषधि एवं रक्तकोष विभाग

संकाय

क्र. संख्या	नाम	पद	नियुक्ति की तिथि
1.	डॉ. राकेश कुमार	सहायक प्राध्यापक	27/11/2020

विभाग के विषय में

वर्तमान में रक्तआधान औषधि एवं रक्तकोष विभाग, रक्तकोष के संचालन के लिए अनुज्ञप्ति प्राप्त करने की प्रक्रिया में है।

भावी योजनाए:

- हिमाचल प्रदेश के जरूरतमंद रोगियों को चौबीसों घंटे गुणवत्ता वाले रक्त घटकों और चिकित्सीय सेवाओं की सुरक्षित, पर्याप्त और सुलभ आपूर्ति प्रदान करना।
- विभाग के पास उच्च गुणवत्ता मानकों के साथ रक्त संग्रह, प्रसंस्करण, रक्त के परीक्षण के लिए नवीनतम अत्याधुनिक उपकरण और प्रौद्योगिकियां होंगी।
- रक्तआधान औषधि के क्षेत्र में उच्चतम गुणवत्ता वाले अनुसंधान का संचालन करना।
- क्षेत्र में गैर-पारिश्रमिक स्वैच्छिक रक्त दाताओं को प्रेरित करना और भर्ती करना।

डॉ. राकेश कुमार

सीएमई, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान

क्रमांक	शीर्षक	सीएमई/सम्मेलन	दिनांक	आयोजक
1	रैपिड बनाम एलिसा परीक्षण	पहली वर्चुअल सीएमई हिमाचल प्रदेश ब्लड ट्रांसफ्यूजन सर्विसेज	05-03-2022	हिमाचल प्रदेश ब्लड ट्रांसफ्यूजन सर्विसेज

सामुदिक गतिविधियां

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान बिलासपुर
ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES BILASPUR
सर्वे सन्तु निरामयाः

काजा, स्पीति में मल्टीस्पेशलिटी कैंप

लाहौल-स्पीति के स्पीति उपखंड, काजा में, 5 से 7 सितंबर, 2021 तक तीन दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें जनजातीय क्षेत्र के लोगों तक दूर-दराच मल्टी-स्पेशियलिटी सेवाएं प्रदान की गईं।

एम्स, बिलासपुर के दंत चिकित्सा, सामान्य चिकित्सा, शल्यचिकित्सा, तंत्रिका-विज्ञान, नेत्र विज्ञान, अस्थिरोग, शिशुरोग, फिजियोलॉजी, प्लास्टिक शल्यचिकित्सा और सामुदायिक और परिवार चिकित्सा विभागों के विशेषज्ञ और सुपर विशेषज्ञ डॉक्टरों की एक टीम ने लोगों को ओपीडी और माइनर ओटी सेवाएं प्रदान कीं।

कुल 733 रोगियों को परामर्श प्राप्त हुआ और 3 छोटी शल्यचिकित्सा भी की गईं। शिविर का प्राथमिक लक्ष्य आदिवासी क्षेत्र में प्रचलित बीमारियों का निदान और स्क्रीनिंग करके उचित सलाह और आगे के उपचार के लिए परामर्श प्रदान करना था। काजा में स्वास्थ्य कर्मियों को संक्रमण नियंत्रण प्रथाओं के बारे में भी बताया गया।

सलूणी, चंबा में मल्टीस्पेशलिटी कैंप

चंबा जिले के सलूणी में 24 से 26 नवंबर, 2021 तक तीन दिवसीय दूर-दराच मल्टी स्पेशियलिटी चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन एक 3 वर्षीय लड़की 'परी' ने किया। शिविर में एम्स, बिलासपुर के त्वचाविज्ञान, सामान्य चिकित्सा, बाल रोग, प्रसूति एवं स्त्री रोग और नेत्र विज्ञान विभागों के चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य जांच, प्रयोगशाला जांच और ईसीजी सहित 600 से अधिक परामर्श दिए गए और शिविर में मुफ्त दवाएं भी वितरित की गईं।

नलवाड़ी, बिलासपुर में मल्टीस्पेशलिटी कैंप

एम्स, बिलासपुर ने नलवाड़ी मेले में एक चिकित्सा शिविर आयोजित करने की पहल की । नलवाड़ी मेला बिलासपुर जिला प्रशासन द्वारा आयोजित किया जाने वाला एक वार्षिक कार्यक्रम है। सामुदायिक और परिवार चिकित्सा, दंत चिकित्सा, एंडोक्रिनोलॉजी और चयापचय और बाल चिकित्सा विभागों ने इस मेले में 21 से 23 फरवरी, 2022 तक परामर्श प्रदान किया।

स्वास्थ्य शिक्षा के वीडियो की मदद से कुपोषण, तंबाकू सेवन से होने वाले रोग और विभिन्न संचारी और गैर-संचारी बीमारियों के बारे में आम जनता को संवेदनशील बनाया गया। बच्चों के पोषण के संबंध में स्वास्थ्य शिक्षा भी दी गई और बच्चों की एंथ्रोपोमेट्री की गई। पोस्टर और पर्चे के माध्यम से आगंतुकों को मधुमेह, ऑस्टियोपोरोसिस और उच्च रक्तचाप जैसी विभिन्न जीवन शैली से संबंधित बीमारियों को रोकने के लिए स्वस्थ जीवन शैली बनाए रखने के विभिन्न तरीकों के बारे में जानकारी प्रदान की गई। नि: शुल्क रक्त में ग्लूकोज की जांच और अस्थि मज्जा के घनत्व का मूल्यांकन भी किया गया। आगंतुकों की एक व्यापक दंत जांच आयोजित की गई और आम जनता को सामान्य दंत रोगों के बारे में शिक्षित किया गया, विशेष रूप से मौखिक कैंसर और उन्हें रोकने के लिए उपयोग किए जाने वाले उपायों पर जोर दिया गया।

डॉ. पूनम वर्मा, अतिरिक्त प्रोफेसर, फिजियोलॉजी; डॉ प्रीति भंडेरी, सहायक प्रोफेसर, फिजियोलॉजी; डॉ अनुपमा धीमान, सहायक प्रोफेसर, सीएफएम; डॉ यांगशेन लाहमो, सहायक प्रोफेसर, फार्माकोलॉजी और डॉ भाग्य श्री, सहायक प्रोफेसर, एनाटॉमी के मार्गदर्शन में विभिन्न सामुदायिक जागरूकता की गतिविधियों का भी आयोजन किया गया। एमबीबीएस के छात्रों द्वारा रक्तदान से जुड़े मिथकों और रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए "रक्तदान" पर एक 'नुक्कड़ नाटक' किया गया। छात्रों द्वारा "मादक द्रव्यों के सेवन" पर एक और 'नुक्कड़ नाटक' भी किया गया। इस नाटक का उद्देश्य जनता को मादक द्रव्यों के सेवन के खतरों के बारे में जागरूक करना और उन्हें ऐसी गतिविधियों से बचने के लिए प्रेरित करना था। इस प्रहसन के दौरान, जनता को राज्य में नशा मुक्ति केंद्रों के स्थान और नाम के बारे में भी जागरूक किया गया।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञा
बिलासपुर, हिमाचल प्र

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश

Blood

कोविड-19 टीकाकरण जागरूकता शिविर

सामुदायिक एवं परिवार चिकित्सा विभाग ने कोविड-19 टीकाकरण की आवश्यकता पर जोर देने और इससे जुड़े मिथकों और गलत धारणाओं को दूर करने के लिए 23 अक्तूबर, 2021 को जागरूकता अभियान चलाया। एम्स बिलासपुर के डॉक्टरों की एक टीम द्वारा 500 से अधिक श्रमिकों को संवेदनशील बनाया गया।

विश्व स्तनपान सप्ताह

प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग और बाल रोग विभाग ने 1-7 अगस्त, 2021 तक विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया। इस वर्ष का विषय "स्तनपान की रक्षा करना- जिम्मेदारी कहाँ है" था। 7 अगस्त, 2021 को क्षेत्रीय अस्पताल, बिलासपुर में प्रसवपूर्व माताओं के साथ एक पारस्परिक सत्र आयोजित किया। इसमें उन्हें स्तनपान के महत्व और लाभों के बारे में शिक्षित किया गया और स्तनपान में उत्पन्न होने वाली सामान्य समस्याओं पर भी चर्चा की गई। यह गतिविधि "ब्रेस्ट फीडिंग प्रमोशन नेटवर्क ऑफ इंडिया (बीपीएनआई)" के सहयोग से आयोजित ऑनलाइन घटक के साथ हाइब्रिड मोड में आयोजित की गई थी।

सामुदायिक एवं परिवार चिकित्सा विभाग ने 04 अक्तूबर, 2021 को विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया। सिविल अस्पताल, मार्कंड में एक दूर-दराज सत्र आयोजित किया गया। गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं सहित 50 प्रतिभागियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया और पहले 6 महीनों के दौरान स्तनपान के महत्व के साथ-साथ स्तनपान में आने वाली विभिन्न चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा की गई। माताओं को खुद की देखभाल करने और पर्याप्त पोषण सुनिश्चित करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। स्तनपान को प्रोत्साहित करने के लिए परिवार से समर्थन की भूमिका पर भी जोर दिया गया।

विश्व स्तनपान सप्ताह के दौरान क्षेत्रीय अस्पताल, बिलासपुर में प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग द्वारा आयोजित सत्र

सिविल अस्पताल, मार्कंड में सामुदायिक और परिवार चिकित्सा विभाग द्वारा विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया गया

अंतर्राष्ट्रीय बधिर सप्ताह

ईएनटी विभाग ने श्रवण विकार वाले बच्चों की पहचान करने और उनका समर्थन करने में शिक्षकों और अभिभावकों की भूमिका और जिम्मेदारियों के बारे में उन्हें जागरूक बनाने के लिए, 25 सितंबर, 2021 को डीएवी पब्लिक स्कूल, बिलासपुर में एकता शिविर का आयोजन किया। माता-पिता को श्रवण विकार से पीड़ित बच्चों में परामर्श और उपचार लेने के लिए भी निर्देशित किया गया।

प्रारंभिक बाल शिक्षा विकास कार्यक्रम

यह कार्यक्रम 28 अक्टूबर, 2021 को क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र, घुमारवीं में आयोजित किया गया था। इस अवसर पर मनोचिकित्सा विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. ज्योति गुप्ता द्वारा प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों को विभिन्न "तनाव प्रबंधन" तकनीकें सिखाई गईं। बाल रोग विभाग की सहायक प्रोफेसर, डॉ. स्मृति गुप्ता ने बचपन के विकास और पोषण के बारे में जागरूकता पैदा करने में योगदान दिया।

एंटी-माइक्रोबियल दवा प्रतिरोध पर जागरूकता

डॉ अनुराधा शर्मा, प्रोफेसर और प्रमुख, माइक्रोबायोलॉजी विभाग ने एंटीबायोटिक दवा प्रतिरोध के बारे में जनता के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए अक्टूबर 2021 के महीने में ऑनलाइन वीडियो अपलोड किए। एंटीबायोटिक दवाओं के अनुचित उपयोग से एंटीबायोटिक प्रतिरोध का उद्भव कैसे होता है, यह एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में कैसे जाता है, एंटीबायोटिक दवाओं के दुरुपयोग के विभिन्न कारण क्या हैं और उनसे कैसे बचा जाए- इन मुद्दों पर चर्चा की गई । आम जनता की बेहतर समझ के लिए हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में वीडियो बनाए गए थे और सीडीसी और डब्ल्यूएचओ के चार्ट का उपयोग करके पावरपॉइंट प्रस्तुति के रूप में प्रस्तुत किए गए थे।

अंतर्राष्ट्रीय विकलांगता दिवस

01 दिसंबर, 2021 को अंतर्राष्ट्रीय विकलांगता दिवस के अवसर पर पी.सी.एस.एम.पी स्कूल, झबोला, जिला बिलासपुर में आयोजित स्वास्थ्य शिविर में सामान्य चिकित्सा और बाल रोग विभाग के चिकित्सकों ने अपनी सेवाएँ प्रदान की।

विश्व श्रवण दिवस

ईएनटी विभाग ने एम्स, बिलासपुर के निर्माण स्थल पर काम करने वाले मजदूरों के बीच शोर प्रेरित श्रवण हानि और रोकथाम तकनीकों के बारे में जागरूकता पैदा की। उन्हें शोर प्रेरित श्रवण हानि

और रोकथाम तकनीकों के विभिन्न लक्षणों के बारे में बताया और उन्हें जल्द उपचार लेने के लिए प्रोत्साहित किया।

विश्व कुष्ठ रोग दिवस

महात्मा गांधी जी की शहादत पर 30 जनवरी, 2022 को एम्स, बिलासपुर में विश्व कुष्ठ रोग दिवस 2022 मनाया गया। विश्व कुष्ठ रोग दिवस 2022 का विषय 'यूनाइटेड फोर डिग्निटी' था। इसका उद्देश्य कुष्ठ रोग के बारे में जागरूकता पैदा करना और लोगों को इस प्राचीन लेकिन इलाज योग्य बीमारी के बारे में सिखाना था। इसका आयोजन सामुदायिक एवं परिवार चिकित्सा विभाग और त्वचा विज्ञान विभाग द्वारा सीएमओ बिलासपुर के कार्यालय के समन्वय से किया गया था । इस आयोजन में, एमबीबीएस छात्रों को राष्ट्र और कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम के अनुसार कुष्ठ रोग के संकेतों और लक्षणों, उपचार और रोकथाम के बारे में संवेदनशील बनाया गया। उन्हें समाज को कुष्ठ रोग मुक्त बनाने के लिए हमारी भूमिकाओं और जिम्मेदारियों के बारे में भी जागरूक किया गया।

"कुष्ठ अभियान" के दौरान कुष्ठ रोगी के बारे में जागरूकता और कुष्ठ रोग के बारे में सामाजिक संपर्क

सामुदायिक और परिवार चिकित्सा विभाग और त्वचाविज्ञान विभाग के संकाय सदस्यों और नर्सिंग अधिकारियों की एक टीम ने 28 और 29 मार्च, 2022 को कुष्ठ रोगी के संपर्क में आए लोगो की जांच के साथ कुष्ठ रोगी और सामाजिक संपर्कों के बीच जागरूकता पैदा की। कुष्ठ रोग के बारे में रोगी को स्वास्थ्य शिक्षा भी दी गई, जिसमें इसके प्रबंधन, रोकथाम और नियंत्रण पर विशेष जोर दिया गया। नर्सिंग अधिकारियों को कुष्ठ रोग के संकेतों और लक्षणों और संपर्क में आए लोगो की जांच के बारे में भी संवेदनशील बनाया गया।

विश्व कुष्ठ दिवस 2022

कुष्ठ रोगी के प्रति जागरूकता

केंद्रीय सुविधाएं

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान बिलासपुर
ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES BILASPUR
सर्वे सन्तु निरामयाः

भोजनालय अनुभाग

यह समिति एम्स बिलासपुर में भोजनालय सुविधा से संबंधित मामलों के सुचारू संचालन और नियोजन के लिए गठित की गई है। समिति अक्सर बैठक करती है, और गड़बड़ी से संबंधित मामलों पर आवश्यकता के अनुसार चर्चा करती है। । समिति इस प्रकार है:

क्र. संख्या	नाम	पद
1	डॉ चित्रेश कुमार	अध्यक्ष
2	डॉ जसबीर सिंह	सदस्य सचिव
3	डॉ प्रियंदर ठाकुर	सदस्य

संस्थान में 50 एमबीबीएस छात्रों के प्रवेश के साथ 01.01.2021 को एम्स बिलासपुर में भोजनालय सुविधा का उद्घाटन किया गया। अगले वर्ष नए एमबीबीएस बैच में प्रवेश के साथ छात्रों की संख्या बढ़कर 100 हो गई। भोजनालय सुविधा में लगभग 250 व्यक्तियों की क्षमता वाला एक विशाल हॉल है। छात्रों के अलावा, संकाय सदस्यों, सीनियर रेजिडेंट्स, जूनियर रेजिडेंट्स और नर्सिंग अधिकारियों सहित लगभग 60 व्यक्ति भी भोजनालय सुविधा का उपयोग कर रहे हैं। एम्स में रहने वाले छात्रों और कर्मचारियों के विभिन्न मूल स्थानों को ध्यान में रखते हुए, भोजनालय भोजनसूची को उत्तर और दक्षिण भारतीय व्यंजनों को शामिल करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। पिछले साल छात्रों के लिए भोजनालय में जलपान गृह सेवा भी शुरू की गई थी। भोजनालय में हाल ही में पानी वाला कूलर लगाया गया था। भोजन कक्ष में सेवा करने के अलावा, जिन छात्रों को कोविड-19 पॉजिटिव पाया गया, उन्हें महामारी के दौरान अलगाव की अवधि के दौरान उनके छात्रावास के कमरों में भोजन भी उपलब्ध कराया गया। रैगिंग और किसी भी अन्य अवांछित घटना को रोकने के लिए भोजनालय में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं।

छात्रावास अनुभाग

छात्रावास सलाहकार समिति:

छात्रावास से संबंधित मामलों के सुचारू संचालन और दीर्घकालिक योजना के लिए गठित किया गया है। समिति की बार-बार बैठक होती है और आवश्यकता पड़ने पर छात्रावास से संबंधित मामलों पर चर्चा की जाती है। समिति इस प्रकार है:

क्र. संख्या	नाम	पद
1	डॉ यतिराज सिंगी	मुख्य अध्यक्ष
2	डॉ प्रियंका ठाकुर	अध्यक्ष पीजी विवाहित
3	डॉ प्रबल जोशी	अध्यक्ष पीजी बॉयज
4	डॉ स्वाति गुप्ता	अध्यक्ष यूजी गर्ल्स
5	डॉ ओंजल के तायवाडे	अध्यक्ष यूजी बॉयज
6	डॉ जसबीर सिंह	भोजनालय कमेटी के प्रतिनिधि
7	डॉ सचिन सोनी	सदस्य
8	डॉ मंजू दरोच	सदस्य
9	श्री बलवंत	प्रबंधक पीजी बॉयज
10	सुश्री माला नेगी	प्रबंधक गर्ल्स / पीजी मैरिड
11	श्री राणा	प्रबंधक यूजी बॉयज

छात्रावासों का विवरण: अवसंरचना

क्र. संख्या	बिल्डिंग प्रकार	स्टोरी	फ्लैट/अधिभोग
1	पीजी बॉयज ब्लॉक-ए	भू +6	143 छात्रों के लिए 143 कमरे
2	पीजी बॉयज ब्लॉक-बी	भू +7	162 छात्रों के लिए 162 कमरे
3	पीजी गर्ल्स	भू +6	133 छात्रों के लिए 133 कमरे
4	पीजी मैरिड ब्लॉक-ए	भू +6	78 छात्रों के लिए 78 फ्लैट
5	पीजी मैरिड ब्लॉक-बी	भू +6	78 छात्रों के लिए 78 फ्लैट
6	यूजी बॉयज	भू +6	246 छात्रों के लिए 123 कमरे
7	यूजी गर्ल्स	भू +3	126 छात्रों के लिए 63 कमरे
8	नर्स छात्रावास	भू +7	433 छात्रों के लिए 145 कमरे
9	भोजनालय ब्लॉक-ए	भू	320 पैक्स क्षमता
10	भोजनालय ब्लॉक-बी	भू +1	320 पैक्स क्षमता

यूजी/पीजी छात्रावास में बिस्तरों की संख्या:

वार्षिक यूजी इंटेक	छात्रावास में उपलब्ध यूजी बिस्तरों की कुल संख्या	वार्षिक पीजी इंटेक	छात्रावास में उपलब्ध पीजी बिस्तरों की कुल संख्या	वार्षिक नर्सिंग इंटेक	छात्रावास में उपलब्ध पीजी बिस्तरों की कुल संख्या
100*	372	-	438	40	433

* प्रारंभ में वर्ष 2020 और 2022 के लिए प्रत्येक 50 छात्रों के दो बैचों को प्रवेश दिया गया था।

छात्रावासों एवं भोजनालय में पीने के पानी के लिए पानी के कूलर की व्यवस्था की गई है।
रैगिंग और किसी भी अन्य घटना को रोकने के लिए हॉस्टल और भोजनालय में सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। छात्रावासों में 24X7 सुरक्षा कर्मी उपलब्ध कराए जाते हैं और बालिका छात्रावासों में महिला सुरक्षा कर्मी भी होते हैं।
मनोरंजक गतिविधियों के लिए छात्र मनोरंजन कक्ष में टेबल टेनिस, कैरम और शतरंज जैसे इनडोर खेलों की सुविधाएं हैं। छात्रावास और भोजनालय क्षेत्र में डीटीएच कनेक्शन के साथ टेलीविजन जैसी अन्य मनोरंजक सुविधाएं भी प्रदान की जाती हैं।यूजी बालक एवं बालिका छात्रावास में व्यायामशाला की स्थापना के लिए उपकरणों की खरीद की प्रक्रिया चल रही है।

स्नातकोत्तर वैवाहिक छात्रावास

स्नातकोत्तर छात्रावास (लड़के/लड़कियां)

स्नातक छात्रावास (लड़के/लड़कियां)

प्रेस और मीडिया

मीडिया प्रबंधन समिति:

क्र. संख्या	नाम	पद	विभाग	भूमिका
1.	डॉ रूपाली पारलेवार	आचार्य	शरीर क्रिया विज्ञान	पीआरओ
2.	डॉ डार्विन	सह - आचार्य	ईएनटी	सहायक पीआरओ
3.	डॉ आशीष शर्मा	सह - आचार्य	तंत्रिका-विज्ञान	सदस्य
4.	डॉ प्रबल जोशी	सह - आचार्य	शरीर क्रिया विज्ञान	सदस्य
5.	डॉ नवप्रीत	सहायक आचार्य	समुदाय और परिवार चिकित्सा	सदस्य

समाचार में एम्स: प्रिंट मीडिया

क्र. संख्या	दिनांक	शीर्षक	समाचार पत्र
1.	01.07.2021	एम्स में एमबीबीएस की कक्षाएं आज से	दिव्य हिमाचल
2.	02.07.2021	एम्स के ईएनटी और हड्ड़ी रोग विशेषज्ञ ने ओपीडी में दी सेवाएं	अमर उजाला
3.	04.07.2021	एम्स बिलासपुर में रैपिड एंटीजन परीक्षण के लिए सुविधा शुरू	आपका फ़ैसला
4.	13.07.2021	चंबा, लाहौल- स्पीति और किन्नौर में टैली मेडिसिन प्लेटफार्म बनेंगे	अमर उजाला
5.	13.07.2021	एम्स-आईसीएमआर चंडीगढ़ में करार	दिव्य हिमाचल
6.	13.07.2021	एम्स बिलासपुर-आईसीएमआर सेंटर फॉर इनोवेशन एंड बायोडिज़ाइन के बीच समझौता	आपका फ़ैसला
7.	17.07.2021	एम्प्लॉयमेंट नोटिस (अंग्रेजी में)	The Tribune
8.	25.07.2021	एम्स में कामगारों को बताए वैक्सीन के फायदे	दैनिक जागरण
9.	04.08.2021	महिलाओं को बताया स्तनपान का महत्व	दिव्य हिमाचल
10.	05.07.2021	बच्चे के जन्म के एक घंटे में स्तनपान जरूरी: डॉ. मीनल	अमर उजाला

11.	20.08.2021	एम्स के आयुष भवन में चलेगी अस्थायी ओपीडी	दिव्य हिमाचल
12.	08.09.2021	अफसर जल्द निपटाएं एम्स के मसले	दिव्य हिमाचल
13.	08.09.2021	एम्स बिलासपुर में जनवरी में बैठेगा एमबीबीएस का दूसरा बैच	दैनिक जागरण
14.	08.09.2021	स्पीड-अप कंस्ट्रक्शन ऑफ़ एम्स इन बिलासपुर: ठाकुर (अंग्रेजी में)	The Tribune
15.	12.09.2021	एम्स को जल्दी मिलेगी बिजली	दिव्य हिमाचल
16.	13.09.2021	एम्स टू हव पावर सबस्टेशन: मिनिस्टर (अंग्रेजी में)	The Tribune
17.	14.09.2021	अब एम्स परखेगा कितने लोगों में एंटीबाडी तैयार	दिव्य हिमाचल
18.	18.09.2021	एम्स में होगी हैलीपैड, क्लब, गेस्ट हाउस, शॉपिंग कॉम्पलेक्स की सुविधा	दैनिक जागरण
19.	22.09.2021	गंभीर बिमारियों से पीड़ितों पर शोध कर रहा एम्स	दैनिक जागरण
20.	23.09.2021	2022 तक पूरा होगा एम्स का निर्माण कार्य	दैनिक भास्कर
21.	25.09.2021	अंतर्राष्ट्रीय बधिरता सप्ताह के तहत लगाया जागरूकता शिविर	अमर उजाला
22.	25.09.2021	शिविर आयोजित	दिव्य हिमाचल
23.	26.09.2021	डीएवी स्कूल में विश्व बधिरता दिवस पर शिक्षकों को किया जागरूक	दैनिक भास्कर
24.	28.09.2021	गर्भाश्य कैंसर से बचाव के लिए डॉक्टर से लें परामर्श	दैनिक जागरण
25.	07.10.2021	एम्स के डॉक्टरों ने काजा में जांचा 297 लोगों को स्वास्थ्य	दिव्य हिमाचल
26.	05.10.2021	काजा में चिकित्सा शिविर लगाएगा एम्स बिलासपुर	दैनिक जागरण
27.	06.10.2021	एम्स के चिकित्स्कों ने काजा में जांचे 224 मरीज	दैनिक जागरण
28.	09.10.2021	एम्स में 170 करोड़ से बनेगी 1200 वाहनों के लिए बहुमंजिला पार्किंग	दैनिक जागरण
29.	09.10.2021	नोटिस इन्विटींग टेंडर (अंग्रेजी में)	Amar Ujala
30.	09.10.2021	नोटिस इन्विटींग टेंडर (अंग्रेजी में)	The Tribune
31.	23.10.2021	एम्स ने 79 नर्सों को सौंपे नियुक्ति पत्र	अमर उजाला

32.	10.11.2021	प्रयास संस्था ने एम्स को दी एम्बुलेंस	दैनिक जागरण
33.	16.11.2021	एम्स ने आईआईटी मंडी के साथ समझौता ज्ञापन पर किए हस्ताक्षर	अमर उजाला
34.	16.11.2021	एम्स बिलासपुर, आईआईटी मंडी साइन एम्ओयू (अंग्रेजी में)	The Tribune
35.	16.11.2021	नवाचार के लिए एम्स बिलासपुर व आईआईटी मंडी में करार	दैनिक जागरण
36.	17.11.2021	वैकेन्सी नोटिस (अंग्रेजी में)	The Tribune
37.	26.11.2021	मल्टीस्पेशलिटी चिकित्सा शिविर का शुभारंभ	दिव्य हिमाचल
38.	26.11.2021	एम्स बिलासपुर द्वारा जिला चम्बा के सलूनी में मल्टीस्पेशलिटी चिकित्सा शिविर शुरू	आपका फ़ैसला
39.	26.11.2021	एम्स की एंट्री व एग्जिट के लिए नया प्लान	दैनिक जागरण
40.	26.11.2021	बिलासपुर एम्स 5 से होगा शुरूआत में कुछ ओपीडी चलेंगी	अमर उजाला
41.	01.12.2021	जनता व प्रशिक्षुओं से मिलेंगे मान्डविया व जेपी नड्डा	दैनिक जागरण
42.	03.12.2021	एम्स में ओपीडी व हाइड्रो कॉलेज बंदला में सत्र का होगा आगाज	दैनिक जागरण
43.	03.12.2021	एम्स में पांच से शुरू होगी ओपीडी	दिव्य हिमाचल
44.	04.12.2021	एम्स में छह से स्वास्थ्य लाभ ले सकेंगे लोग	दैनिक जागरण
45.	04.12.2021	एम्स में एंट्रेंस और एग्जिट को बनेगा प्लान	दिव्य हिमाचल
46.	05.12.2021	आयुष ब्लॉक के ग्राउंड फ्लोर में चलेंगी एम्स की 18 ओपीडी	अमर उजाला
47.	05.12.2021	छह महीने में तैयार होगा बिलासपुर एम्स, पीएम मोदी करेंगे लोकार्पण	अमर उजाला
48.	06.12.2021	सीम टू डेडिकेट बिलासपुर एम्स टू पीपल बाय जून, सेज नड्डा (अंग्रेजी में)	The Tribune

49.	06.12.2021	नड्डा ओपेनस बिलासपुर एम्स ओपीडी, सेट्स टोन फॉर 2022 पोल्स (अंग्रेजी में)	The Times of India
50.	06.12.2021	एम्स बिलासपुर टू बी रेडी इन नेक्स्ट 6 मंथ्स: बीजेपी प्रेजिडेंट नड्डा (अंग्रेजी में)	The Indian Express
51.	06.12.2021	खत्म हुआ एम्स में ओपीडी का इंतजार	दिव्य हिमाचल
52.	07.12.2021	बिलासपुर एम्स में दूसरे दिन चार जिलों से पहुंचे मरीज	अमर उजाला
53.	07.12.2021	पहले दिन इलाज करवाने पहुंचे 144 मरीज	दैनिक जागरण
54.	08.12.2021	एम्स में ईएनटी के विशेषज्ञों ने किया पहला माइनर ऑपरेशन	अमर उजाला
55.	08.12.2021	एम्स में बहरेपन के शिकार मरीज का इलाज	दैनिक जागरण
56.	24.12.2021	एम्स में आयुष्मान भारत व हिमकेयर योजना के कार्ड धारकों को मिल सकती है निःशुल्क उपचार की सुविधा	दैनिक भास्कर
57.	25.12.2021	वैकैन्सी नोटिस (अंग्रेजी में)	The Tribune
58.	31.12.2021	वैकैन्सी नोटिस (अंग्रेजी में)	The Tribune
59.	31.12.2021	वैकैन्सी नोटिस (अंग्रेजी में)	Divya Himachal
60.	01.01.2022	एम्स के कार्यकारी निदेशक के बोल	अमर उजाला
61.	05.01.2022	एम्स बिलासपुर लाहौल को देगा इंटीग्रेटेड टैली मेडिसिन प्लेटफार्म	अमर उजाला
62.	05.01.2022	एम्स टेलीमेडिसिन फैसिलिटी फॉर लाहौल स्पीति रेसिडेंट्स (अंग्रेजी में)	The Tribune
63.	14.01.2022	एम्स में अब ई-संजीवनी ओपीडी शुरू	अमर उजाला
64.	14.01.2022	घर बैठें लें डॉक्टरों की सलाह	दिव्य हिमाचल
65.	14.01.2022	ई संजीवनी पर एम्स के चिकित्स्कों से ले सकते हैं परामर्श	दैनिक जागरण
66.	31.01.2022	एम्स में राष्ट्रीय कुष्ठ रोग निवारण दिवस मनाया	अमर उजाला
67.	31.01.2022	एम्स बिलासपुर में मनाया विश्व कुष्ठ रोग दिवस	दिव्य हिमाचल

68.	05.02.2022	एम्स बिलासपुर में एमबीबीएस के लिए पहली काउंसलिंग पूरी	अमर उजाला
69.	06.02.2022	एम्स के शैक्षणिक ब्लॉक का काम पूरा, २० फरवरी को सौपेंगी कंपनी	अमर उजाला
70.	06.02.2022	एम्स में बनेगी 170 करोड़ की पार्किंग	दिव्य हिमाचल
71.	06.02.2022	एम्स में 31 मार्च तक बहाल करें बिजली वव्यस्था	दैनिक जागरण
72.	19.02.2022	एम्स कोठीपुरा में मई में लगेगी एमआरआई, सीटी स्कैन मशीन	अमर उजाला
73.	19.02.2022	एम्स में सीटी स्कैन-एमआरआई जल्द	दिव्य हिमाचल
74.	23.02.2022	सीनियर सिटीजन के लिए एम्स तक चलाई जाए बस	दिव्य हिमाचल
75.	23.02.2022	एम्स में बनेगा संचारित रोगों के लिए 100 बिस्तरों का अस्पताल	पंजाब केसरी
76.	24.02.2022	संचारित रोगों के लिए एम्स में स्थापित होगा फील्ड अस्पताल	अमर उजाला
77.	24.02.2022	भारत सरकार के स्वास्थ्य सचिव ने जानी एम्स की प्रगति	दिव्य हिमाचल
78.	12.03.2022	एम्स की मेडिसिन ओपीडी में बढ़ रहे मरीज 10 दिन पहले करवाना पड़ रहा पंजीकरण	अमर उजाला
79.	27.03.2022	एम्स में पहली बार डेड बॉडी पर दिया शल्य चिकित्सा का ज्ञान	अमर उजाला
80.	27.03.2022	एम्स में केडेवर्स डिसेक्शन कोर्स से पहल	दिव्य हिमाचल
81.	27.03.2022	कैडेवर डिसेक्शन कोर्स की बारीकियां सीखीं	दैनिक भास्कर
82.	29.03.2022	एम्स कोठीपुरा के लिए दौड़ी पहली इलेक्ट्रिक बस, 24 रूपये किराया	अमर उजाला
83.	29.03.2022	एम्स को दौड़ी इलेक्ट्रिक बस	दिव्य हिमाचल
84.	31.03.2022	वैकैन्सी नोटिस (अंग्रेजी में)	Amar Ujala
85.	31.03.2022	वैकैन्सी नोटिस (अंग्रेजी में)	The Tribune

वार्षिक रिपोर्ट समिति

(बाएँ से दाएँ: डॉ नीरज, डॉ यतिराज, डॉ कृति, डॉ सुश्रुति, डॉ स्मृति, डॉ यांगशेन, डॉ अनीता, श्री उमेश)

क्र. संख्या	नाम	पद	विभाग	भूमिका
1.	डॉ यतिराज सिंगी	सह – आचार्य	न्याय चिकित्सा अवं विष विज्ञान विभाग	अध्यक्ष
2.	डॉ सुश्रुति कौशल	सहायक आचार्य	प्रसूति अवं स्त्री रोग विभाग	सदस्य सचिव
3.	डॉ स्मृति गुप्ता	सहायक आचार्य	बालरोग विज्ञान विभाग	सदस्य
4.	डॉ यांगशेन ल्हामो	सहायक आचार्य	भेषगुण विज्ञान विभाग	सदस्य
5.	डॉ कृति चौधरी	सहायक आचार्य	संवेदनाहरण विज्ञान विभाग	सदस्य
6.	डॉ अनीता सरन	सहायक आचार्य	संवेदनाहरण विज्ञान विभाग	सदस्य
7.	डॉ नीरज कुमार	सहायक आचार्य	दंत चिकित्सा	सदस्य
8.	श्री उमेश	लाइब्रेरी अटेंडेंट ग्रेड II	प्रशासन	सदस्य

वार्षिक लेखा
२०२०-२१

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान बिलासपुर
ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES BILASPUR
सर्वे सन्तु निरामयाः

सत्यमेव जयते

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान , बिलासपुर
हिमाचल प्रदेश -१७४००१
All India Institute of Medical Sciences, Bilaspur
Himachal Pradesh-174001
https://aiimsbilaspur.edu.in
e-mail:- establishment.aiimsbilaspur@gmail.com
01978-292575

File No: AIIMS-BLS-(C)(15)21/-1138 Bilaspur, the 28 June,2022

To

The Principal Director of Audit (Central),
Indian Audit and Accounts Department,
Lekha Pariksha Bhawan,
Sector-17E, Chandigarh.

Subject: - Audit of Annual Accounts of AIIMS, Bilaspur for the Financial Year 2021-2022.

Sir,

Please find enclosed herewith Annual Accounts of AIIMS Bilaspur for the Financial Year 2021-22 in original (two copies) as per detail given hereunder:-

1.) Balance Sheet.

2.) Income & Expenditure Accounts.

3.) Receipts & Payment Accounts.

4.) Schedule (1 to 25) Including Notes on Accounts.

Further, it is submitted that the Governing Body of the Institute has already authorized undersigned to sign and submit annual accounts to CAG office for audit in its second meeting held on 28-03-2022 vide agenda item No. GB-02/03/d (Abstract Attached).

Kindly acknowledge the receipt.

Yours faithfully,

(Prof. Vir Singh Negi)
Executive Director,
AIIMS-Bilaspur H.P.

ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES, BILASPUR

BALANCE SHEET AS AT 31.03.2022

(Amount in Rs.)

Particulars	Schedule	Current Year	Previous Year
Corpus/Capital Fund and Liabilities			
Corpus/Capital Fund	1A	13,32,06,98,487.05	4,52,85,76,713.37
Reserve & Surplus	2	1.00	1.00
Earmarked/Endowment/Corpus Fund	3	6,57,56,527.83	2,64,74,858.00
Secured Loans & Borrowings	4	-	4,27,43,08,890.92
Unsecured Loans & Borrowings	5	-	-
Deferred Credit Liabilities	6	-	-
Current Liabilities & Provisions	7	7,36,01,092.00	26,45,01,600.00
TOTAL		**13,46,00,56,107.88**	**9,09,38,62,063.29**
ASSETS			
Fixed Assets - Net Block	8	11,95,83,02,162.38	7,67,22,46,342.38
Investment - From Earmaked/Endowment Fund	9	-	-
Investment -Others	10	-	-
Current Assets, Loans , Advances etc.	11	1,50,17,53,945.51	1,42,16,15,720.92
Miscellaneous Expenditure- Incidental		-	-
TOTAL		**13,46,00,56,107.89**	**9,09,38,62,063.30**
Significant Accounting Policies	24		
Contingent Liabilities & Notes on Accounts	25		
		-0.00	

Place : Bilaspur
Date : 27.06.2022

(Hans Raj Thakur)
Accounts Officer,AIIMS BILASPUR

Abhay 28/6/22
(Kumar Abhay, IAAS)
Financial Advisor,AIIMS BILASPUR

(Dr.Vir Singh Negi)
Executive Director,
AIIMS BILASPUR

ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES, BILASPUR

INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31-03-2022

(Amount in Rs.)

Particulars	Schedule	Current Year	Previous Year
INCOME			
Income from Sales/Services	12	4,58,792.76	-
Grant/Subsidies	13	19,27,55,444.17	3,70,83,488.00
Fees/Subscriptions	14	4,93,178.00	6,58,252.00
Income from Investments (Income on Invest.	15	-	-
earmarked/endow. Funds transferred to Funds)		-	
Income from Royality, Publications	16	-	-
Interest Earned	17	-	-
Other Income	18	12,78,142.00	20,814.00
Increases/Decrease of Finished Goods & WIP	19	-	-
TOTAL (A)		**19,49,85,556.93**	**3,77,62,554.00**
EXPENDITURE			
Establishment Expenses	20	24,70,03,035.00	3,51,53,058.00
Other Administrative Expenses	21	1,67,49,351.17	11,39,445.00
Expenditure on Grants, Subsidies etc.	22	-	-
Interest	23	-	-
Depreciation (Net total at the year and corresponding to Sch.-8)		11,38,24,833.00	4,81,76,130.63
TOTAL (B)		**37,75,77,219.17**	**8,44,68,633.63**
Balance being excess of Income over Expenditure	(A-B)	**-18,25,91,662.24**	**-4,67,06,079.63**
Transfer to Special Reserve (Specify each)			-
Transfer to/ from General Reserve		-	-
BALANCE BEING SURPLUS/(DEFICIT) CARRIED TO CORPUS/CAPITAL FUND		-18,25,91,662.24	
Significant Accounting Policies	25		
Contingent Liabilities & Notes on Accounts	26		

Place :Bilaspur
Date :

(Hans Raj Thakur)
Financial Advisor, AIIMS Bilaspur

(Kumar Abhay, IAAS)
Financial Advisor,AIIMS BILASPUR

(Dr.Vir Singh Negi)
Executive Director, AIIMS BILASPUR

ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES, BILASPUR

CONSOLIDATED RECEIPT & PAYMENT FOR THE YEAR 01-04-21 TO 31-03-2022

(Amount in Rs.)

RECEIPTS	Current Year 31.03.2022	Previous Year 31.03.2021	PAYMENTS	Current Year 31.03.2022	Previous Year 31.03.2021
Opening Balance - Institute			**Expenses Institute A/c**		
Canara Bank Escrow Account	26,34,31,514.00	9,31,604.00	**Administrative Expenses**		
Canara Bank Grant Receivable Account	-	26,25,00,000.00	Advertisement and publicity exp	5,55,040.00	
PGIMER Chandigarh	2,65,43,254.00	1,36,26,742.00	Audit Fees	72,700.00	
SBI Account-39830319659	6,79,066.00	-	Chemicals/Consumable for Lab	10,91,131.00	
Imprest with S.S Nagiyal	10,000.00	10,000.00	CONDUCT OF EXAMINATION	7,07,213.00	
Imprest to Rekha	10,000.00		COURT/LEGAL FEE	14,500.00	
Imprest to SS Nagiyal	2,86,833.00		Electricity Charges	76,21,567.00	418642
			EXPENSES ON SEMINAR/WORKSHOP	6,157.00	
			Hiring on Vehicle expenses	11,94,541.00	
Grant in Aid (GOI) Instl. A/c			HOSPITALITY EXPENSES	2,26,980.00	
Grant-in-Aid (For salary)	19,00,00,000.00	3,00,00,000.00	NEWSPAPER EXPENCES	10,109.00	
Grant-in-Aid (For General)	1,50,00,000.00	1,00,00,000.00	Office Expenses	1,74,298.00	1582892
Grant-in-Aid (For Creation of capital assets)	1,00,00,000.00	1,00,00,000.00	Postage & telegrams Exp	22,706.00	
Swachhta Action Plan (2210.05.105.419650)	1,58,00,000.00		Printing & Stationery	11,46,030.00	
NHM-Grant for Telemedicine Services	9,90,944.00		PROFESSIONAL & CONSULTANCY EXPENSES	1,000.00	
Research Project Grant	2,46,170.00		REPAIR & MAINTANCE ELECTRICAL	300.00	
Other Receipt Institute			SANITATION/CLEANING EXPENSES	3,98,805.00	
Admission fees	4,93,178.00	6,58,252.00	TA/DA EXPENSES	11,59,207.00	1089290
GUEST ROOM RENT	63,600.00		Transfer TA / LTC	2,35,558.00	
License Fee	17,005.00		Telephone Expences	9,03,106.00	
Recruitment Application Fees	7,28,512.00		Washing Expenses	7,221.00	
RENT- AMRIT PHARMACY	1,25,415.00		Bank charge	1,734.17	90
RENT- HIND LAB	1,23,339.00		Guest Room Upgradation Expenses	54,134.00	
RENT- MESS	40,000.00		*Staff Advance-Bijaya Kumar Sethi*	2,50,000.00	
RENT- SBI ATM	83,256.00	20,814.00	*STAFF ADVANCE - GEETA RAM(PA TO ED)*	12,000.00	
RENT- STATE BANK OF INDIA	82,015.00		*Staff Advance- Subhash Sharma (ASO)*	4,429.00	
TENDER FEES	15,000.00				
Electricity Charges Recover	20,755.00				
Registration Fees & Lab Test Charges	4,58,792.76				
Hostel/Mess Security	72,000.00		Advance- Himachal Khadi & Village Industries Board	4,60,000.00	
Other Capital Receipt					
HEFA Loan-NBCC	-	72,87,00,000.00			
HEFA Loan-HITES	-	1,38,36,568.92			
HEFA LOAN			Imprest to SS Nagiyal	-	286833
HEFA LOAN-REPAYMENT	3,92,87,35,568.92		Imprest to Rekha	10,000.00	10000
HEFA LOAN INTEREST	37,05,01,821.00		Advance to NBCC	-	728700000
			Advance to HITES	-	13836568.92
			Office Equipments	4,21,054.00	
			Camera/Video Conferencing	2,59,575.00	
			Medical Instruments & Equipments	24,35,160.00	
			Computer Purchase	29,84,585.00	75600
			Library Books	8,095.00	
			HEFA LOAN-REPAYMENT	4,19,12,36,568.92	
			HEFA LOAN INTEREST	36,97,39,244.00	
			Establishment Expenses		
			Salary & Wages (177156623-161780 Duties and Taxes)	17,69,94,843.00	33620231
			Closing Balance Institute		
			Imprest with S.S Nagiyal(cash)		10000
			Receivable from PGI	13,49,618.00	26543254
			Canara Bank Grant Receivable	-	0
			Canara Bank Escrow A/c	15,94,091.00	263431514
			SBI Main Grant A/c 39830319659	6,03,90,675.83	679066
			SBI OPD Service A/c 40603683494	4,58,792.76	
			Research Projects Saving A/c [40598693108]	2,46,170.00	
TOTAL	4,82,45,59,038.68	1,07,02,83,980.92		4,82,45,59,038.68	1,07,02,83,980.92

Place : Bilaspur
Date :

(Hans Raj Thakur)
Accounts Officer,AIIMS BILASPUR

28/6/22

(Kumar Abhay, IAAS)
Financial Advisor,AIIMS BILASPUR

(Dr.Vir Singh Negi)
Executive Director, AIIMS BILASPUR

ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES, BILASPUR

SCHEDULE FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2022

(Amount in Rs.)

PARTICULARS	Current Year		Previous Year	
	(Rs.)	(Rs.)	(Rs.)	(Rs.)
SCHEDULE-1A CORPUS/CAPITAL FUND -				
Balance as at the beginning of the Year(Interest on loan to be capitalised)	4,52,85,76,713.37		68,22,38,728.00	-
Add Contribution towards Corpus/Capital fund (HEFA Repayment)	4,19,12,36,568.92		52,50,00,000.00	
Add Contribution towards Corpus/Capital fund (Interest Repayment)	36,97,39,244.00		34,84,04,747.00	
Add : Payment Directly released by Ministry to NBCC	3,67,59,00,000.00		2,73,51,00,000.00	
Add : Payment Directly released by Ministry to HITES for Equipments	73,78,37,623.00		28,45,39,318.00	
Add/(Deduct): Balance of net income/(expenditure) transferred from the Income and Expenditure Account	-18,25,91,662.24	13,32,06,98,487.05	-4,67,06,079.63	4,52,85,76,713.37
Balance As At The Year End		13,32,06,98,487.05		**4,52,85,76,713.37**

ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES, BILASPUR				
SCHEDULE FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2022				
				(Amount in Rs.
PARTICULARS	Current Year		Previous Year	
	(Rs.)	(Rs.)	(Rs.)	(Rs.)
SCHEDULE- 2 (RESERVE & SURPLUS)				
1. CAPITAL RESERVE				
As per last Account	1.00		-	
Add : Additions during the year (Nominal Value of Land)			1.00	
Less : Deductions during the year	-	1.00	-	1.00
Balance As At The Year End		1.00		1.00
2. REVALUATION RESERVE				
As per last Account	-		-	
Add : Additions during the year	-		-	
Less : Deductions during the year	-	-	-	-
Balance As At The Year End		-		-
3. SPECIAL RESERVE				
As per last Account	-		-	
Add : Additions during the year	-		-	
Less : Deductions during the year	-	-	-	-
Balance As At The Year End		-		-
4. GENERAL RESERVE				
As per last Account	-		-	
Add : Additions during the year	-		-	
Less : Deductions during the year	-	-	-	-
Balance As At The Year End		-		-
Total (1 to 4)		1.00		1.00

ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES, BILASPUR

SCHEDULE FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2022

(Amount in Rs.)

PARTICULARS	Current Year		Previous Year	
	(Rs.)	(Rs.)	(Rs.)	(Rs.)
SCHEDULE - 3 EARMARKED/ENDOWMENT/CORPUS FUND				
I. Grant-in-Aid For Salary				
a) Opening balance of the funds	39,367.00	-	36,59,598.00	-
b) Additions to the Funds:	19,00,00,000.00		3,00,00,000.00	
Less: Establishment Expenses during the year (Sch. 20)	17,71,56,623.00	1,28,82,744.00	3,36,20,231.00	39,367.00
II.Grant-in-Aid For General				
a) Opening balance of the funds	1,14,35,491.00		48,98,748.00	
b) Additions to the Funds:	1,50,00,000.00		1,00,00,000.00	
Less: Administrative expenditure during the year (Sch. 21)	1,55,98,821.17	1,08,36,669.83	34,63,257.00	1,14,35,491.00
III.Grant-in-Aid For Capital Creation				
a) Opening balance of the funds	1,50,00,000.00		50,00,000.00	-
b) Additions to the Funds:	1,00,00,000.00		1,00,00,000.00	
		2,50,00,000.00	-	1,50,00,000.00
IV.SWACHHTA ACTION PLAN (FUND)				
a) Opening balance of the funds	-			
b) Additions to the Funds:	1,58,00,000.00			
Less:expenditure during the year (Sch. 8)	-	1,58,00,000.00		
V.NHM -Grant for Telemedicine Services				
a) Opening balance of the funds				
b) Additions to the Funds:	9,90,944.00			
Less: Expenditure during the year (Sch. 8)	-	9,90,944.00		
VI.Research Project Grant				
a) Opening balance of the funds				
b) Additions to the Funds:	2,46,170.00	2,46,170.00		
Less: Expenditure during the year (Sch. 8)				
Total (I+II+III)		**6,57,56,527.83**		**2,64,74,858.00**

ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES, BILASPUR				
SCHEDULE FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2022				
				(Amount in Rs.)
PARTICULARS	Current Year		Previous Year	
	(Rs.)	(Rs.)	(Rs.)	(Rs.)
SCHEDULE - 4				
(Secured Loans and Borrowings)				
1) Central Government		-		-
2) State Government (Specify)		-		-
3) Financial Institutions				
a) Term Loan (HEFA Loan)	-		4,19,12,36,568.92	
b) Interest Accured and due	-	-	8,30,72,322.00	4,27,43,08,890.92
4) Banks				
a) Term Loan	-		-	
Interest due	-		-	
b) Other Loans (specify)	-		-	
Interest due	-	-	-	-
5) Other Institutions and Agencies		-		-
6) Debentures and Bonds		-		-
7) Others (Specify)		-		-
Total		-		4,27,43,08,890.92
SCHEDULE- 5				
(Unsecured Loans and Borrowings)				
1) Central Government		-		-
2) State Government (Specify)		-		-
3) Financial Institutions		-		-
4) Banks				
a) Term Loan	-		-	
b) Other Loans (specify)	-	-	-	-
5) Other Institutions and Agencies				-
PGIMER CHANDIGARH		-		
6) Debentures and Bonds		-		-
7) Fixed Deposits		-		-
8) Others (Specify)		-		-
Total		-		-

ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES, BILASPUR

SCHEDULE FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2022

(Amount in Rs.)

PARTICULARS	Current Year		Previous Year	
	(Rs.)	(Rs.)	(Rs.)	(Rs.)
SCHEDULE - 6 (Deferred Credit Liabilities)				
a) Acceptance secured by hypothecation of capital equipment and other assets	-		-	
b) Others	-	-	-	-
Total		-		-
Schedule - 7 (Current Liabilities and Provisions)				
A. Current Liabilities				
1. Acceptances		-		-
2. Sundry Creditors:				
a) Post Graduate Institute of Medical Education and Research , Chandigarh	20,01,600.00		20,01,600.00	
b) Ministry of Health & family Welfare -HEFA	7,62,577.00	27,64,177.00	-	20,01,600.00
3. Advances Received (Hefa Repayment)		-	26,25,00,000.00	26,25,00,000.00
4. Interest accrued but not due on:	-			
a) Secured Loans/borrowings	-		-	
b) Unsecured Loans/borrowings	-	-	-	-
5. Statutory Liabilities:				
a) Overdue	-		-	
b) Others TDS 92B,92C & GST-TDS	1,82,613.00	1,82,613.00	-	-
6. Other liabilities -	-	-		-
a) Security Hostel-Students	48,000.00			
b) Security Mess-Students	24,000.00	72,000.00		
Total (A)		**30,18,790.00**		**26,45,01,600.00**
B. Provisions				
1. For Taxation	-	-		-
2. Gratuity		-		-
3. Superannuation/Pension				-
4. Accumulated Leave Encashment	-			-
5. Trade Warranties/Claim		-		-
6. Others (Specify)		-		-
a) Salary Payable (as per Annexure-I)	4,50,12,267.00			
b) Expenses Payable (as per Annexure-I)	2,55,70,035.00	7,05,82,302.00		
Total (B)		**7,05,82,302.00**		-
Total (A+B)		**7,36,01,092.00**		**26,45,01,600.00**

ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES, BILASPUR

SCHEDULE FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2022

(Amount in Rs.)

SCHEDULE - 8 FIXED ASSETS

Description	Gross Block						Depreciation				Net Block	
	Cost/valuation As at beginning of the year	Additions during the year >6 MONTH	Additions during the year <6 MONTH	Deletion during the year	Cost/ valuation at the Year-end	%	As at the beginning of the year	On addition during the year	On Deductions During the year	Total up to the year end	As at the current year end	As at the previous year end
A. Fixed Assets												
1 Land	1.00				1.00	-		-	-	-	1.00	1.00
2. Equipments	9,471,514.38	21,252,459.00	16,643,407.00		47,367,380.38	15	767,960.63	5,856,852.00		5,856,852.00	41,510,528.38	9,471,514.38
3.BUILDINGS (Residential)	762,937,500.00		338,717,100.00		1,101,654,600.00	5	19,562,500.00	46,614,803.00		46,614,803.00	1,055,039,797.00	762,937,500.00
4.Office Equipment	69,930.00	23,000.00	398,054.00		490,984.00	15	5,670.00	43,794.00		43,794.00	447,190.00	69,930.00
5.BUILDINGS (other then Residential)	365,460,000.00		467,196,000.00		832,656,000.00	10	27,840,000.00	59,905,800.00		59,905,800.00	772,750,200.00	365,460,000.00
Library Books	-	8,095.00			8,095.00	40		3,238.00		3,238.00	4,857.00	
CAMERA/VIDEO CONFERENCING	-		259,575.00		259,575.00	40		51,915.00		51,915.00	207,660.00	
COMPUTER/PERIPHERALS	-	1,313,013.00	1,671,672.00		2,984,685.00	40		859,540.00		859,540.00	2,125,145.00	
MEDICAL INSTRUMENTS & EQUIPMENTS	-		2,444,456.00		2,444,456.00	40		488,891.00		488,891.00	1,955,565.00	
TOTAL OF CURRENT YEAR	1,137,938,945.38	22,596,567.00	827,330,264.00	-	1,987,865,776.38	205	48,176,130.63	113,824,833.00	-	113,824,833.00	1,874,040,943.38	1,137,938,945.38
Previous Year												
	Opening Balance				Additions		Transfer to Fixed Assets					
CAPITAL WORK-IN PROGRESS	6,534,307,397.00				4,355,866,922.00		805913100				10,084,261,219.00	6,534,307,397.00
Total	7,672,246,342.38				6343732698.38		48176130.63				11,958,302,162.38	7672245342.38

ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES, BILASPUR		
SCHEDULE FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2022		
		(Amount in Rs.)
PARTICULARS	Current Year (Rs.)	Previous Year (Rs.)
SCHEDULE - 9		
(Investments from Earmarked/Endowment Funds)		
1) In Government Securities	-	-
2) Others approved Securities	-	-
3) Shares	-	-
4) Debentures and Bonds	-	-
5) Subsidiaries and joint ventures	-	-
6) Others (to be specify)	-	-
Total	-	-
SCHEDULE - 10		
(Investments Others)		
1) In Government Securities	-	-
2) Others approved Securities	-	-
3) Shares	-	-
4) Debentures and Bonds	-	-
5) Subsidiaries and joint ventures	-	-
6) Others (to be specify)	-	-
Total	-	-

ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES, BILASPUR

SCHEDULE FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2022

(Amount in Rs.)

PARTICULARS	Current Year		Previous Year	
	(Rs.)	(Rs.)	(Rs.)	(Rs.)
SCHEDULE - 11				
(CURRENT ASSETS, LOANS, ADVANCES ETC.)				
A. Current Assets				
1. Inventories				
a) Stores and Spares	-		-	
b) Loose Tools	-		-	
c) Stock-in-trade				
Finished Goods	-		-	
Work-in-progress	-		-	
Raw Materials	-	-	-	-
2. Sundry Debtors:				
Grant receivable from PGIMER Chandigarh	13,49,618.00			
a)Grant Receivable from PGIMER-Salary			39,367.00	
b)Grant Receivable from PGIMER-Capital			1,50,00,000.00	
c)Grant Receivable from PGIMER-General			1,14,35,491.00	
d)Interest Receivable from PGIMER(HEFA)-Capital		13,49,618.00	68,396.00	2,65,43,254.00
3. Cash balances in hand (including cheques/drafts and imprest)		-	-	-
4. Bank Balances:				
a) With Scheduled Banks:				
-On Current Accounts			-	
Canara Bank Grant Receivable A/c	-			
SBI Current A/c 39830319659(Main Grant Accour	6,03,90,675.83		6,79,066.00	
Canara Bank Escrow A/c	16,94,091.00		26,34,31,514.00	
SBI -OPD Services A/c No- 40603683494	4,58,792.76			
-On Deposit Accounts (includes margin money)	-		-	
-On Savings Accounts	-		-	26,41,10,580.00
Research Projects Saving A/c (40598693108)	2,46,170.00	6,27,89,729.59		
5. Cash In Hand	-	-		-
Total (A)		6,41,39,347.59		29,06,53,834.00

ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES, BILASPUR

SCHEDULE FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2022

(Amount in Rs.)

PARTICULARS	Current Year		Previous Year	
	(Rs.)	(Rs.)	(Rs.)	(Rs.)
SCHEDULE - 11 (CURRENT ASSETS, LOANS, ADVANCES ETC.)				
B. Loans Advances and Other Assets				
1. Loan			2,96,833.00	
a) Imprest to S S Nagiyal				
b) Other Entities engaged in activities/ objectives similar to that of the Entity			-	
c) Other (Rekha)	10,000.00		10,000.00	
d) Staff Advance-Bijaya Kumar Sethi	2,50,000.00			
e) STAFF ADVANCE - GEETA RAM(PA TO ED)	12,000.00			
f) Staff Advance- Subhash Sharma (ASO)	4,429.00	2,76,429.00	-	3,06,833.00
2. Advance and other amounts recoverable in cash or in kind or for value to be received				
a) On Capital Account -NBCC Limited	44,88,00,000.00		84,21,00,000.00	
b)Hefa Interest to be capitalised				
c) Other ((Advance to Hites))	98,80,78,168.92	1,43,68,78,168.92	28,81,36,411.92	1,13,02,36,411.92
d) Himachal Khadi & Village Industries Board	4,60,000.00	4,60,000.00		
3. Income Accrued:				
a) On Investments from Earmarked/Endowment Funds	-		-	
b) On Investments-CLTD Interest	-		-	
c) On Loans and Advances	-		-	
d) Others (includes income due unrealized-Rs.....)	-	-	-	-
4.Advance Electricity Payment		-	4,18,642.00	4,18,642.00
5. TCS	-			
6. TDS on CLTD Interest	-	-		
Total (B)		**1,43,76,14,597.92**		**1,13,09,61,886.92**
Total (A+B)		**1,50,17,53,945.51**		**1,42,16,15,720.92**

ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES, BILASPUR

SCHEDULE FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT AS AT 31.03.2022

(Amount in Rs.)

PARTICULARS	Current Year (Rs.)	Previous Year (Rs.)
SCHEDULE - 12		
(Income from Sales/Services)		
1. Income from sales		
a) Sale of Finished Goods	-	-
b) Sale of Raw Material	-	-
2. Income from Services		
a) Registration Fees & Lab Test Charges	4,58,792.76	-
b) Professional/Consultancy Service	-	-
c) Agency Commission and Brokerage	-	-
d) Maintenance Services (Equipment/Property)	-	-
e) Others (Specify)	-	-
Total	**4,58,792.76**	-
SCHEDULE- 13		
(Grants/Subsidies)		
(Irrecoverable Grants & Subsidies Recevied)		
1. Central Government -		-
a) Grant-in Aid (For Salary)	17,71,56,623.00	3,36,20,231.00
b) Grant-in Aid (For General)	1,55,98,821.17	34,63,257.00
		-
2. State Government		
3. Government Agencies		
PGIMER Chandigarh	-	-
4. Institutions/Welfare Bodie	-	-
5. International Organisations	-	-
6. Others (Specify)	-	-
Total	**19,27,55,444.17**	**3,70,83,488.00**
SCHEDULE- 14		
(Fees/Subscriptions)		
2. Admission Fees	4,93,178.00	6,58,252.00
Others		
Total	**4,93,178.00**	**6,58,252.00**

ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES, BILASPUR

SCHEDULE FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2022

(Amount in Rs.)

PARTICULARS	Investment from Earmark Fund		Investment- Others	
	Current Year (Rs.)	Previous Year (Rs.)	Current Year (Rs.)	Previous Year (Rs.)
SCHEDULE- 15				
(Income From Investments)				
1. Interest				
a. On Govt. Securities	-		-	
b. On other Bonds / Debentures	-	-	-	-
2. Dividends				
a. On Shares	-		-	
b. On mutual Funds Securities	-	-	-	-
3. Rent				
4. Others Specify				
Total		-		-

SCHEDULE- 16				
(Income from royalty ,publication etc.)				
1. Income from Royalty	-	-	-	-
2. Income from Publications	-	-	-	-
3. Others (specify)	-	-	-	-
	-	-		
Total	-	-	-	-

ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES, BILASPUR

SCHEDULE FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT AS AT 31.03.2022

(Amount in Rs.)

PARTICULARS	Current Year		Previous Year	
	(Rs.)	(Rs.)	(Rs.)	(Rs.)
SCHEDULE- 17				
(Interest Earned)				
1. On Term Deposit				
a) With Schedule Bank	-		-	
i) Interest Received	-			
ii) Interest Accrued	-			
b) With Non-Scheduled Banks	-		-	
c) With Institutions	-		-	
d) Others	-	-	-	-
2. On Savings Bank Account				
a) With Schedule Bank	-		-	
b) With Non-Scheduled Banks	-		-	
c) With Institutions	-		-	
d) Others	-	-	-	-
3. On Loans				
a) Employees/Staff	-		-	
4. Interest on Debtors and Other Receivables		-		-
Total		-		-
SCHEDULE- 18				
(Other Income)				
GUEST ROOM RENT	63,600.00	-		
License Fee	17,005.00	-		
Recruitment Application Fees	7,28,512.00		-	-
RENT- AMRIT PHARMACY	1,25,415.00			-
RENT- HIND LAB	1,23,339.00			
RENT- MESS	40,000.00			
RENT- SBI ATM	83,256.00			
RENT- STATE BANK OF INDIA	82,015.00	-		
TENDER FEES	15,000.00		20,814.00	20,814.00
Others Income	-	12,78,142.00		
Total		**12,78,142.00**		**20,814.00**

ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES, BILASPUR

SCHEDULE FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT AS AT 31.03.2022

(Amount in Rs.)

PARTICULARS	Current Year		Previous Year	
	(Rs.)	(Rs.)	(Rs.)	(Rs.)
SCHEDULE- 19				
(Increase / Decrease of Stock of Finished Goods & Work in progress)				
a. Closing Stock				
Finished Goods	-		-	
Work-in-progress	-	-	-	-
b. Less: Opening Stock				
Finished Goods	-		-	
Work-in-progress	-	-	-	-
NET INCREASE/(DECREASE) [a-b]		-		-
SCHEDULE- 20				
(Establishment Expenses)				
a. Salary and Wages	24,67,67,477.00	24,67,67,477.00		3,36,20,231.00
b. Allowance & Bonus				-
c. Website Expenses				-
d. Telephone Exp.				1,50,041.00
f. Misc Expenses				50.00
g. Expenses on Employees Retirement and Terminal Benefits				-
h. Others (Specify)				-
1) 20.5 Transfer TA / LTC	2,35,558.00	2,35,558.00		13,82,736.00
2) 20.7 Medical Reimbursement				-
3) 20.10 Learning Resource Allowance		-		
4) 20.11 News paper Allowance		-		
5) Provision for Leave Encashment		-		
Total		**24,70,03,035.00**		**3,51,53,058.00**

ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES, BILASPUR			
SCHEDULE FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT AS AT 31.03.2022 (Amount in Rs.)			
PARTICULARS		0	Previous Year
		(Rs.)	(Rs.)
SCHEDULE - 21 A) Administrative Expenses etc.			-
1	Advertisement and publicity exp	5,55,040.00	
2	Audit Fees	72,700.00	-
3	Chemicals/Consumable for Lab	10,96,681.00	
4	CONDUCT OF EXAMINATION	7,07,213.00	
5	COURT/LEGAL FEE	14,500.00	
6	Electricity Charges	89,82,619.00	11,39,355.00
7	EXPENSES ON SEMINAR/WORKSHOP	6,157.00	
8	Hiring on Vehicle expenses	12,00,342.00	
9	HOSPITALITY EXPENSES	2,26,980.00	
10	NEWSPAPER EXPENCES	10,109.00	
11	Office Expenses	1,74,484.00	
12	Guest Room Upgrdation Expenses	54,134.00	
13	Postage &telegrams Exp	22,706.00	
14	Printing & Stationery	11,46,030.00	
15	PROFESSIONAL & CONSULTANCY EXPENSES	1,000.00	
16	REPAIR & MAINTANCE ELECTRICAL	300.00	
17	SANITATION/CLEANING EXPENSES	3,98,805.00	
18	TA/DA EXPENSES	11,59,207.00	
20	Telephone Expences	9,11,389.00	
21	Washing Expenses	7,221.00	
22	Bank charge	1,734.17	90.00
TOTAL		1,67,49,351.17	11,39,445.00

ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES, BILASPUR		
SCHEDULE FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT AS AT 31.03.2022 (Amount in Rs.)		
PARTICULARS	(Rs.)	Previous Year (Rs.)
SCHEDULE- 22		
(Expenditure on Grants, Subsidies etc.)		
a. Grants given to Institue / Organisation		
b. Subsidies given to Institue / Organisation		
TOTAL	-	-
SCHEDULE- 23		
(Interest)		
a. On Fixed Loans	-	-
b. On other Loans (including Bank Charges)	-	-
c. Others (specify)	-	-
TOTAL	-	-

ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES, BILASPUR

Annexure - I

Provisions (PART OF SCHEDULE 7.B)

(Amount in Rs)

SL.NO.	NAME OF PARTY	Balance as on 31-03-2022		Balance as on 31-03-2021	
1	Leave encashment	-		-	
2	Salary Payable	4,50,12,267.00	45012267.00	-	
3	Expenses Payable				
	Electricity Bill	963165.00		-	
	Outsource Manpower			-	
	Local Transport/Vehicle Exp			-	
	Telephone & Internet	8283.00		-	
	Bio medical waste exp			-	
	NSDL NPS	24598587.00	25570035.00	-	0.00
	TOTAL		70582302.00		0.00

SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES

Schedule-24

Introduction:-

The All India Institute of Medical Sciences, Bilaspur Himachal Pradesh is a central autonomous body under aegis of Ministry of Health & Family Welfare under PMSSY Division. A gazette notification was issued on 04-12-2019 for establishment of AIIMS at Bilaspur, Himachal Pradesh. The Govt. of Himachal Pradesh transferred land measuring 247 acres to the Central Government for the establishment of AIIMS Bilaspur. The PGIMER-Chandigarh is the mentor Institute of the AIIMS, Bilaspur and the OPD services have been made functional w.e.f. 05-12-2021.

1. **Accounting**

The books of accounts of All India Institute of Medical Sciences, Bilaspur are being maintained on accrual basis of accounting.

2. **Inventory**

The inventory of the Institute i.e. Stores/Spares/Consumables have been valued at cost price. The costs have been worked out on First-in-First out method.

3. **Fixed Assets**

Fixed Assets are stated at Historical Cost of Acquisition inclusive of inward freight, duties and taxes and incidental expenses relating to acquisition. In respect of projects involving pre operational expenses including interest on loans for specific projects prior to its completion form part of the value of the assets capitalized.

4. **Depreciation**

The depreciation is being provided in the books of accounts as per written down value method and rates specified are as per Income Tax Act, 1961. In respect of additions/deletions of assets during the year, are charged on half of the rate where addition/deletion is less than six months and at full rate for period exceeding six months.

Place:- Bilaspur
Date 27-06-2022

Accounts Officer
AIIMS-Bilaspur H.P.

(Kumar Abhay, IAAS)
Financial Advisor,
AIIMS-Bilaspur H.P.

(Dr. Vir Singh Negi)
Executive Director,
AIIMS-Bilaspur H.P.

NOTES ON ACCOUNTS

Schedule-25

1. The Institute has no contingent liability towards claims, bank guarantee, letter of credit, bill discount and disputed demand etc.
2. Govt. grants are accounted on realisation basis.
3. A provision for expenses payable to the tune of Rs. 7,05,82,302-00 has been made as on 31-03-2022(Refer Schedule-7, this includes salary and other expenses)
4. Current assets, loan and advances has been stated in the balance sheet on actual transaction basis.
5. The Institute is covered under New Pension Scheme (NPS) and accordingly, institute has been registered with NSDL for regular deposition of employer and employees contribution.
6. During the financial year 2021-22, no donation has been received.
7. During the year Institute has not entered into any foreign currency transactions.
8. The assets for establishment of All India Institute of Medical Sciences, Bilaspur has been considered for capitalization only as per records made available.
9. Schedule 1 to 25 are annexed to and form an integral part of the balance sheet as at 31-03-2022 and the income and expenditure account for the year ended on that date.
10. Financial Statements and schedules have been compiled as per uniform format of accounts for central autonomous bodies and other AIIMS like institutes.
11.

Place:- Bilaspur
Date 27-06-2022

Accounts Officer
AIIMS-Bilaspur H.P.

(Kumar Abhay, IAAS)
Financial Advisor,
AIIMS-Bilaspur H.P.

(Dr. Vir Singh Negi)
Executive Director,
AIIMS-Bilaspur H.P.

AGENDA No. - GB-02/03/b

CONFIRMATION OF THE ACTION TAKEN REPORT ON THE MINUTES OF THE 1st MEETING OF THE GOVERNING BODY HELD ON 22nd OCTOBER 2020.

The Action Taken Report on decisions of the 1st Governing Body meeting was presented before the Governing Body by the Member Secretary. After brief discussion, action taken report was accepted. The minutes of 1st Governing Body meeting was also approved.

AGENDA No. - GB-02/03/c

RATIFICATION OF THE MINUTES OF THE 1st MEETING OF THE STANDINGACADEMIC COMMITTEE OF AIIMS BILASPUR HELD ON 15th NOVEMBER 2021

The Dean (Academics), AIIMS Bilaspur highlighted the agendas approved in the 1st meeting of the Standing Academic Committee meeting held on 15th November 2021. The minutes were ratified as proposed.

AGENDA No. - GB-02/03/d

RATIFICATION OF THE MINUTES OF THE 1st MEETING OF THE STANDING FINANCE COMMITTEE OF AIIMS BILASPUR HELD ON 14th FEBRUARY 2022

The Member Secretary highlighted the agendas approved in the 1st meeting of the Standing Finance Committee meeting held on 14th February 2022. The minutes were ratified as proposed.

AGENDA No. - GB-02/04

APPROVAL OF THE ANNUAL ACCOUNTS FOR THE FINANCIAL YEARS 2019-20 AND 2020-21

The member Secretary presented the Annual Accounts for the financial year 2019-20 and 2020-21 along with the Separate Audit Reports for the financial years 2019-20 and 2020-21. The Governing Body considered the annual accounts of FY 2019-20 and 2020-21 and took them on record. Further, the Member Secretary informed that the approval of the Institute Body has already been obtained for the

Member Secretary

Chairperson

1st Meeting of the Standing Finance Committee of AIIMS Bilaspur (H.P.) 11

AGENDA No. - SFC-01/11/c

CONSIDERATION AND RECOMMENDATIONS ON ALL MATTERS RELATING TO INVITATION AND ACCEPTANCE OF TENDERS BY AIIMS, BILASPUR

The SFC noted the agenda.

AGENDA No. – SFC/01/12

DELEGATION OF POWER TO EXECUTIVE DIRECTOR TO FORWARD ANNUAL ACCOUNTS TO C&AG

With the permission of the Chair, the Member Secretary presented the agenda of delegation of powers to Executive Director, AIIMS Bilaspur to approve and submit annual accounts to C&AG, to avoid any delays in the finalization of annual accounts. The same may subsequently be placed before SFC for approval.

The SFC considered and approved the agenda as proposed.

The meeting ended with the vote of thanks to the Chair and the members present.

Prof (Dr.) Vir Singh Negi
Executive Director
AIIMS Bilaspur (H.P.)
Member Secretary

Shri Rajesh Bhushan, IAS
Secretary, Ministry of Health & Family Welfare, Govt. of India
Chairperson

Member Secretary *Chairperson*

Speed Post

भारतीय लेखापरीक्षा तथा लेखा विभाग
कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा (केन्द्रीय), चण्डीगढ़

Indian Audit & Accounts Department
Office of The Director General of Audit (Central), Chandigarh

सं०/No: डी.जी.ए.(सी)के. व्यय/SAR AIIMS Bilaspur/2021-22/22-23/ 1856 दि०/Dated: 28.10.2022

सेवा मे,

सचिव,
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय,
भारत सरकार,
नई दिल्ली – 110001

विषय: All India Institute of Medical Sciences (AIIMS), Bilaspur (Himachal Pradesh) के वर्ष 2021-22 के लेखाओं पर पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन

महोदय,

कृप्या All India Institute of Medical Sciences (AIIMS), Bilaspur (Himachal Pradesh) के वर्ष 2021-22 के लेखाओं पर पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन (Separate Audit Report) संसद के दोनों सदनों के समक्ष प्रस्तुत करने हेतु सलंग्न पायें । संसद में प्रस्तुत होने तक प्रतिवेदन को गोपनीय रखा जाए।

संसद में प्रस्तुत करने के उपरांत प्रतिवेदन की पांच प्रतियाँ इस कार्यालय को भी भेज दी जाएँ।

कृप्या इस पत्र की पावती भेजें।

भवदीय,

संलग्न: उपरोक्त अनुसार

हस्ता/-
महानिदेशक

उपरोक्त की प्रतिलिपी वर्ष 2021-22 की पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन की प्रति सहित आवश्यक कार्यवाही हेतु निदेशक, All India Institute of Medical Sciences (AIIMS), Bilaspur (Himachal Pradesh) को प्रेषित की जाती है।

भवदीया,
28/X/22
निदेशक (केन्द्रीय व्यय)

प्लाट न. 20-21, सेक्टर - 17ई, चण्डीगढ़ - 160017 Plot No. 20-21, Sector-17E, Chandigarh - 160017
दूरभाष/ Tel.No. 0172 - 2782020 & 2706117 फैक्स/ FAX No:0172 - 2782021 / 2783974 ई-मेल/ Email: pdacchandigarh@cag.gov.in

Separate Audit Report of the Comptroller & Auditor General of India on the Accounts of the All India Institute of Medical Sciences (AIIMS), Bilaspur (Himachal Pradesh) for the year ended 31 March 2022

We have audited the Balance Sheet of the All India Institute of Medical Sciences (AIIMS), Bilaspur (Himachal Pradesh) as at 31 March 2022, Income & Expenditure Account and Receipts & Payments Account for the year ended on that date under Section 19(2) of the Comptroller & Auditor General's (Duties, Powers & Conditions of Service) Act, 1971 read with Section 18 (2) of the All India Institute of Medical Sciences (AIIMS) Act, 1956. These financial statements are the responsibility of the Institute's management. Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit.

2. This Separate Audit Report contains the comments of the Comptroller & Auditor General of India (CAG) on the accounting treatment only with regard to classification, conformity with the best accounting practices, accounting standards and disclosure norms, etc. Audit observations on financial transactions with regard to compliance with the Law, Rules & Regulations (Propriety and Regularity) and efficiency-cum-performance aspects, etc., if any, are reported through Inspection Reports/ CAG's Audit Reports separately.

3. We have conducted our audit in accordance with auditing standards generally accepted in India. These standards require that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free from material misstatements. An audit includes examining, on a test basis, evidences supporting the amounts and disclosure in the financial statements. An audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates made by management, as well as evaluating the overall presentation of financial statements. We believe that our audit provides a reasonable basis for our opinion.

4. Based on our audit, we report that:

i) We have obtained all the information and explanations, which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit;

ii) The Balance Sheet and Income and Expenditure Account/Receipts and Payments Account dealt with by this Report have been drawn up in the uniform format approved by the Ministry of Finance, Government of India.

iii) In our opinion, proper books of accounts and other relevant records have been maintained by the All India Institute of Medical Sciences (AIIMS), Bilaspur (Himachal Pradesh) in so far as it appears from our examination of such books.

iv) We further report that:

A : General

A.1 Corpus/ Capital Fund (Schedule 1A)

Above includes ₹ 441.37 crore, being the total payment released directly by Ministry as advances to NBCC and HITES during the year 2021-22. The utilized portion of these advances paid to the executing agencies is being capitalized to respective fixed assets such as Capital works-in-progress/ Buildings/ Equipment, etc and unutilized amounts are being shown under the head 'Advances'. These payments made by the Ministry constitute grants by the Government of India. No accounting policy in this regard has been framed and disclosed by the Institute.

No action has been taken despite being pointed out in the previous Separate Audit Report for the year 2020-21.

A.2 The Institute has not created provision for gratuity and other retirement benefits for its employees. No action has been taken despite being pointed out in the previous Separate Audit Report for the year 2020-21.

A.3 Transactions relating to the Institute's Receipts and Payments during the year were executed by its mentor Institute PGIMER Chandigarh. Their accounting was also done by the mentor institute. Vouchers & ledgers on accrual basis in respect of accounting transactions/ balances pertaining to Income, Assets (including additions to assets) and Liabilities were not prepared by the Institute. Further, head wise details and centralized records in respect of student fee, indicating hostel fees, security deposits, pending fees etc. were not furnished to audit. No action has been taken despite being pointed out in the previous Separate Audit Report for the year 2020-21.

A.4 Information found attached with letter vide No. NBCC/DGM/AIIMS-Bilaspur/2022/93 dated 20.05.2022 issued by Dy. General Manager (Engg.), addressed to Under Secretary PMSSY Division, MOH&FW (Govt. of India) New Delhi and copy to Executive Director, AIIMS Bilaspur (HP). There was an amount of Rs. 18,34,28,342/- shown as interest on Mobilization Advance. The interest amount has not been accounted for in accounts. The amount of interest of Rs. 18.34 crore could not be verified due to non-providing of information by the Institute.

A.5 The Institute possessed furniture items in its premises. However, the same have been included in the building/capital work-in-progress, as details/ documents indicating the value of

the furniture purchased had not been obtained by the Institute from NBCC who had been assigned the work of the supply of furniture, along with the work of providing the infrastructure. No action has been taken despite being pointed out in the previous Separate Audit Report for the year 2020-21.

A.6 The institute has utilized Rs. 0.61 crore on accounts of "Grant-in-Aid for capital creation" but same has not been deducted from "Grant-in-Aid for capital creation" under Sch-3. The Institute should pass the necessary accounting entries accordingly.

B: Grant-in-aid

The position of grants-in-aid of the Institute during the year 2021-22 is as under:-

(Amount in ₹ lakh)				
Particulars	**OH-31**	**OH-35**	**OH-36**	**Total**
Opening balance as on 01.04.2021[1]	115.12	149.24	0.39	264.75
Add: Grant Received	150.00	100.00	1900.00	2150.00
Total funds available	265.12	249.24	1900.39	2414.75
Less: expenditure	155.99	---	1771.56	1927.55
Unspent balance at the end of the year	**109.13**	**249.24**	**128.83**	**487.20**

As per Sch-3 closing balance under OH-31 & OH-35 are Rs.108.37 lakh and Rs.250.00 lakh respectively. There was a difference of 0.76 lakh which is due to booking of expenditure of Rs.0.76 lakh of OH-35 in OH-31 in the year 2020-21 by the Institute which needs to be corrected.

Out oftotal Grant of₹ 456.17 crore, there was opening balance of Rs. 26.25 crore and Rs. 429.92 crore received during 2021-22 for repayment of HEFA loan, Loan Repayment of ₹ 456.09 crore was made, and unutilised balance of ₹0.08 crore was refunded to the Ministry.

An amount of ₹ 441.37 crore was directly released by the Ministry to NBCC and HITES, being the construction agency and equipment supplier respectively, out of which ₹143.69 crore was unutilised.

---

[1]In the previous year SAR Excess closing balance amounting to Rs.12.39 lakh was booked in respect of Grant OH-31 and short closing balance amounting to Rs.12.39 lakh was booked under Grant OH-36 . However, same was amended while the taking the opening balance as on 1/4/2021.

C. Management letter

Deficiencies which have not been included in the Audit report have been brought to the notice of the Institute's management through a management letter issued separately for remedial/ corrective action.

i) Subject to our observations in the preceding paragraphs, we report that the Balance Sheet, Income & Expenditure Account and Receipts & Payments Account dealt with by this report are in agreement with the books of accounts.

ii) In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the said financial statements read together with the Accounting Policies and Notes on Accounts, and subject to the significant matters stated above and other matters mentioned in Annexure to this Audit Report give a true and fair view in conformity with accounting principles generally accepted in India:

a. In so far as it relates to the Balance Sheet, of the state of affairs of the All India Institute of Medical Sciences (AIIMS), Bilaspur (Himachal Pradesh) as at 31 March 2022; and

b. In so far as it relates to Income & Expenditure Account, of the deficit for the year ended on that date.

For and on behalf of the C & AG of India

Director General of Audit (Central), Chandigarh

Place: Chandigarh
Dated : 28-10-2022

Annexure to Audit Report

1. **Adequacy of System of Internal Audit**

   Internal audit was not conducted by the Institute. Internal audit manual was also not prepared.

2. **Adequacy of Internal Control System**

   Internal Control System is considered inadequate as:-

a) The Institute has not prepared its Accounting Manual;

b) There is shortage of Controlling Officers at key positions such as Financial advisor, Registrar, Accounts Officer, Office Superintendent, Assistant Administrative Officer. Further, non-recruitment of staff has resulted in non-conducting of internal audit and non-conducting of physical verification of fixed assets.

c) As per Sl. No. 4(1) of the All India Institute of Medical Sciences Regulations 2019, meetings of the Institute are required to be conducted at least twice in a year. Sl. No. 8 of these regulations prescribes that the Governing body of the Institute should ordinarily meet at least thrice in a year. Only one meeting each of the Institute body and governing body was held during 2021-22, resulting in contravention of the prescribed regulations.

d) Security deposits/ fidelity guarantees have not been obtained from the employees handling valuables/ stocks;

3. **System of Physical Verification of Fixed Assets**

   Physical verification for the period 2021-22 was conducted.

4. **System of Physical Verification of Inventories**

   The Institute has shown the consumable stock as nil in the accounts. However, inventory register was not shown to the audit.

5. **Regularity in payment of statutory Dues**

   The Institute was regular in depositing Statutory Dues.

Director

संजीव गोयल, आई.ए.ए.एस.
SANJEEV GOYAL, IAAS

सत्यमेव जयते

महानिदेशक लेखापरीक्षा (केन्द्रीय), चण्डीगढ़
DIRECTOR GENERAL OF AUDIT
(CENTRAL), CHANDIGARH

No. DGA(C)/CE/SAR AIIMS Bilaspur/22-23/1867
Date: 28.10.2022

Dear Dr Vir Singh Negi,

The audit of annual accounts of your Institute for the year ended 31 March 2022 was conducted and audit comments in respect of the same have been reported through the Separate Audit Report. In this regard, it is to bring to your kind attention that corrective action, to certain persistent irregularities which are repeatedly included in the Separate Audit Reports/ Management Letters (as briefed in the Part A of the annexure enclosed), has not been taken by the management of the Institute, which needs your immediate intervention. Besides, there are certain other deficiencies noticed which have not been included in the Separate Audit Report but, nevertheless, are significant (as detailed in the Part B of the annexure), are also being brought to your attention for remedial /corrective action.

You are requested to issue instructions for taking corrective measures in this regard.

with regards

Yours sincerely,

Sd/-

Dr. Vir Singh Negi,
Executive Director,
All India Institute of Medical Science,
Bilaspur (Himachal Pradesh).

प्रथम तल, लेखा भवन, सैक्टर 17–ई, चण्डीगढ़–160017
दूरभाष/ Tel : 0172-2782020, 2782022 ई–मेल/ e-mail : goyalS@cag.gov.in

1st Floor, Lekha Bhawan, Sector 17-E, Chandigarh-160017
Fax: 0172-2782021 & 2782974

Annexure to the Management Letter

Part A. Persistent Irregularities being included in Separate Audit Reports/ Management letter

1. **Corpus/Capital fund Sch (1A)**
   No accounting policy in respect of payment released directly by ministry as advances to NBCC and HITES was framed.
   Sl. no. A.1 Separate Audit Report 2021-22
   Sl. no. B.3 Separate Audit Report 2020-21

2. **Institute has not created provisions for gratuity and other retirement benefits.**
   Sl. no. A.2 Separate Audit Report 2021-22
   Sl. no. B.2 Separate Audit Report 2020-21

3. **Voucher/Ledgers on accrual basis in respect of accounting transaction/balances pertaining to Income, Assets (Including additions to Assets) and Liabilities were not prepared.**
   Head wise details and centralized records in respect of student fee, hostel fee, security deposits, pending fee were not furnished.
   Sl. no. A.3 of Separate Audit Report 2021-22
   Sl. no. B.4 Separate Audit Report 2020-21

4. **Details/documents indicating the value of the furniture purchased had not been obtained from NBCC.**
   Sl. no. A.5 Separate Audit Report 2021-22
   Sl. no. B.7 Separate Audit Report 2020-21

5. **Adequacy of system of internal audit**
   Sl. No. 1 of Annexure to Separate Audit Report 2021-22
   Sl. No. 1 of Annexure to Separate Audit Report 2020-21
   Sl. No. 1 of Annexure to Separate Audit Report 2019-20

6. **Adequacy of Internal Control system**
   Sl. No. 2 of Annexure to Separate Audit Report 2021-22
   Sl. No. 2 of Annexure to Separate Audit Report 2020-21
   Sl. No. 2 of Annexure to Separate Audit Report 2019-20

7. **System of Physical verification of inventory**

Sl. No. 4 of Annexure to Separate Audit Report 2021-22
Sl. No. 4 of Annexure to Separate Audit Report 2020-21
Sl. No. 4 of Annexure to Separate Audit Report 2019-20

8. **Grant utilized on accounts of recurring expenditure Rs. 34.63 lakh includes non recurring expenditure of Rs. 0.76 lakh.**

Sl. No. B.1 of Annexure to Management Letter 2021-22
Sl. No. A.1 of Annexure to Management Letter 2020-21

9. **Stamp duty of Rs. 10.01 lakh towards HEFA loan agreement had not been booked under capital work in progress**
Sl. No. B.2.1 of Annexure to Management Letter 2021-22
Sl. No. A.2.1 of Annexure to Management Letter 2020-21
Sl. No. B of Separate Audit Report 2019-20

10. **The expenditure on account of purchase of computers was booked under office equipment.**
Sl. No. B.2.2 of Annexure to Management Letter 2021-22
Sl. No. A.2.2 of Annexure to Management Letter 2020-21

11. **Securities amounting to Rs. One lakh were neither accounted for in the accounts nor disclosed by way of Notes.**
Sl. No. B.3 (i) of Annexure to Management Letter 2021-22
Sl. No. B.1 of Annexure to Management Letter 2020-21

12. **The balance in respect of PGIMER chandigarh included in Sundry Debtors was Rs. 26543254/- whereas balance contributed by PGIMER was Rs. 26474858/-.**
Sl. No. B.3 (ii) of Annexure to Management Letter 2021-22
Sl. No. B.2 of Annexure to Management Letter 2020-21

Part B. **Other irregularities noticed during the audit of accounts of the institute for the year 2021-22 which have not been included in Separate Audit Report.**

B.1 **Earmarked/Endowment/Corpus Fund (Schedule 3)**
Grant-in-aid for general
Capital expenditure during the year (Schedule 8): ₹ 34.63 lakh

With reference to Comment No A.1 of Annexure to Management letter (2020-21), above represents the grant utilized on account of recurring expenditure ₹ 33.88 lakh and non-recurring expenditure ₹ 0.76 lakh. Aforesaid Capital expenditure of ₹ 0.76 lakh should have been met from the Capital grant. This has resulted in overstatement of Capital Grant and understatement of General Grant by ₹ 0.76 lakh.

The words used "Capital Expenditure during the year (Schedule 8)" were not appropriate, as the recurring expenditure only was required to be met from the General grant.

Title of the schedule also should not have contained the words "Corpus Fund", as the Corpus Fund was included in the Schedule 1A.

No action has been taken despite being pointed out in the previous year Separate Audit Report for the year 2020-21.

B.2 Fixed Assets (Schedule 8)

B.2.1 Capital Work-in-progress: ₹ 653.43 crore

Above does not include stamp duty of Rs.10.01 lakh incurred in the previous year towards the HEFA loan agreement taken for construction of the Institute. This should have been booked under Capital Work-in-Progress, till completion of building. This has resulted in understatement of Capital Work-in-Progress and understatement of Corpus/Capital Fund by ₹ 10.01 lakh each.

No action has been taken despite being pointed out in the previous Separate Audit Report since the year 2019-20.

B.2.2 Office Equipment: Rs. 4.91 lakh

Above represents expenditure on account of purchase of computers, which should have been depicted under the head Computers. This has resulted in over statement of office equipment by ₹0.63 lakh (₹0.70 lakh less depreciation by ₹0.07 lakh) and understatement of Computers by ₹0.42 lakh (₹0.70 lakh less depreciation by ₹0.28 lakh), besides understatement of deficit by ₹0.21 lakh. No action has been taken despite being pointed out in the previous Separate Audit Report for the year 2020-21.

B.3 General

i Security Deposits

Examination of records revealed that security deposits of ₹ One lakh with respect to canteen/Mess in the form of Term Deposit Receipt (TDR) was lying with the Institute as on 31.03.2022. Aforesaid securities amounting to ₹ One lakh were neither accounted for in the Accounts nor disclosed by way of Notes.

No action has been taken despite being pointed out in the previous Separate Audit Report for the year 2020-21.

ii The balance in respect of PGIMER Chandigarh included in sundry debtors was ₹ 2,65,43,254/- whereas the balance confirmed by the PGIMER was ₹ 2,64,74,858/-. Difference of ₹ 68396/- needs to be reconciled.

No action has been taken despite being pointed out in the previous Separate Audit Report for the year 2020-21.

Director 28/12/22

वित्तीय प्रगति

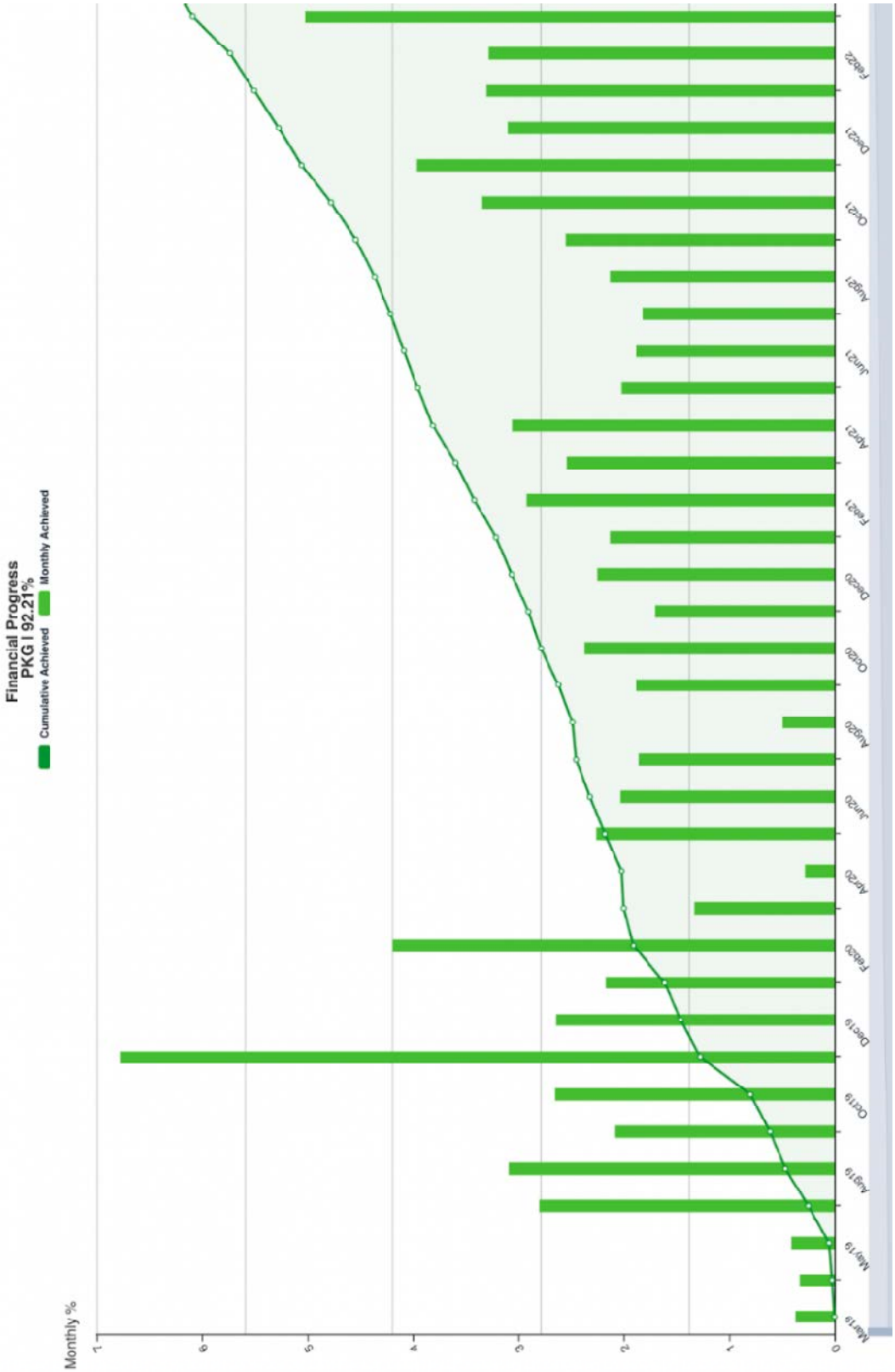
Financial Progress
PKG I 92.21%
Cumulative Achieved
Monthly Achieved
Monthly %
1
0.9
0.8
0.7
0.6
0.5
0.4
0.3
0.2
0.1
0
May'19
Jun'19
Jul'19
Aug'19
Sep'19
Oct'19
Nov'19
Dec'19
Jan'20
Feb'20
Mar'20
Apr'20
May'20
Jun'20
Jul'20
Aug'20
Sep'20
Oct'20
Nov'20
Dec'20
Jan'21
Feb'21
Mar'21
Apr'21
May'21
Jun'21
Jul'21
Aug'21
Sep'21
Oct'21
Nov'21
Dec'21
Jan'22
Feb'22